॥ श्रीमद् गोवर्द्धनधरो विजयते ॥

॥ श्रीमन्नवनीतप्रियो जयती ॥

सङ्गीतानन्दवाद्यविचार

अर्थात

मृदंग सागर.

संगीत विद्यानुरागी सज्जनोपयोगी

श्रीमन्नाथद्वाराधीश महाराजाधिराज श्रीमान परम कृपालु आचार्य वर्य गोस्वामी श्री श्री १०८ श्री गोवर्द्धनलालजी महाराजाश्रित.

कर्ता तथा प्रकाशक

शंकरजी सुत घनश्याम पखावजी

श्रीनाथद्वारा—मेवाड.

संवत १९६८

Printed at Subodhini P. Press Bazar gate Fort Bombay by Bhagvanlal Tribhuvan.

न्योछावर रु. ४) प्रथमावृत्ति १०००

Pakhawaji Ghanasham
NATHADWARA.



V. S. P. Bombay.

॥ श्रीमन्निकुञ्जनायको विजयते ॥

॥ अर्पण पत्रिका ॥

श्रीमदखण्डभूमंडलाचार्यचक्रचूडामणिश्रीमद्वल्लभाचार्यकुलभूषण, श्रीमद्गोस्वामि-तिलक महाराजाधिराज, श्रीमन्नाथद्वाराधीश, श्रीश्री १०८

श्रीगोवर्द्धनलालजी महाराज-- मु. श्रीनाथद्वारा-मेवाड.

आप श्रीमानकी मेरे प्रतिकी कृपा तथा
प्रेमकी पूर्ण दृष्टि, और संगीतविद्याका
अनुराग, तथा उसके उत्तेजनका पूर्ण
उत्साह, और इस पुस्तकके प्रकाश
करनेमें, सहर्ष प्रदान की हुई उदार
सहायता प्रभृति अनेकानेक
सद्गुणोंका स्मरण कर, यह
लघु पुस्तक, आप श्रीमानके
ही करकमलोंमें सावि-
नय, साष्टांग प्रणाम
पूर्वक, निवेदन
क र ने में,
आ न न्द
मानता
हुं.

चरणानुचर आज्ञाधीन

सेवक,

शंकरजी सुत घनश्याम पखावजी.

॥ जीवनी ॥

॥ श्रीकृष्णायनमः श्रीमद्गोपीजन वल्लभायनमः राज्य उदेपूर देश मेवाड मुकाम श्रीनाथद्वारा श्रीमदखंड भूमन्डलाचार्य वर्य चक्र चूडामणी श्रीमद्वल्लभाचार्य कुल भूषण श्रीगद्दो-स्वामी तिलक माहाराजा धिराज श्रीमन्नाथदुवारा धीस श्री श्री १०८ श्री बडे गिरधारीजी माहाराजने कृपाकर मेरे प्रपिताजी श्रीपूज्य श्रीवल्लभदासजीको सप्रेम सुभ संवत १८९९ में श्रीनाथद्वारा बुलाकर श्रीगोवर्धनधरण प्रभूकें शानिध्य पखावज बजाने की सेवाकी आज्ञा दी की जिस्को अपना माहा भाग्यमानकर सेवा करने लगें—

आदि रहना हमारा [आमेर] जयपूर राजपुताना ढुंढार देशमें जोकि एक बडा भारी राजधानी का शहर हें जहाँ के प्राचीन राजा माहाराजा श्री श्री १०८ श्रीसवाइ जयसिंहजी बडे प्रतापी सूरवीर और धर्मात्मा हुवे हैं के जिन्होने संवत्. १७५६ साके १६२० मे अपने नाम सें जयपुर सहर बसाया जिस्का इतिहास राजस्थान [टाटसाब] का देखो दिल्लीपति बादसाह ओरङ्गजेबको जीतना विगेरह सब बाते प्रसिद्ध हें ओर अबभी वेसेही युक्त स्थानके अधीश्वर हैं कि जयपुर नगर की शोभा प्राचीन समयसे भी बागबगीचा जलासय ओर अनेक पदार्थो से बढा रहे हें हमारे पुर्वज भी इस नगरमे पहले निवास करते थे ओर उन्होने अपनी साङ्गीत विद्यासे श्रीमान्य श्रीजयपुर नरेशो को प्रसन्नकर उन्होसे कितनेही आम इनामें प्राप्त की थी कि आजभी हमारे कितनेक भाइबन्धु वहाँपर निवास कर ओर प्राप्त किये हुए गाम विगेरह आ जीविका उप भोग कर रहे हें संवत् १७९१ साके १६५६ में हमारे प्रपिता मह श्री ५ श्री रूपरामजी पखावजी—जयपुरसे [जोधपुर नरेश श्रीमान्य माहाराजा धिराज श्री १०८ श्री अभयसिंहजी की प्रेरणसें] जोधपुर आए श्रीमान्य जोधपुर नरेश को साङ्गीत विद्या का पूर्ण प्रेम ओर औदार्यता भी उस्के साथ अपना पूर्ण जोस देती थी—ओर वीरताभी जग प्रसिद्ध हैं कि गुजरात देशको अपनें आधीन कर इन्द्रके तुल्य राजधानी का सुख सम्भोग करते थें साङ्गीत विद्याके जानने वाले गुणीजन गवैया पखावजी बीनकार सरोदिया तथा कत्थक नाचका विगेरह ये अपूर्व आनन्द प्राप्तकर अभय दुदांइ फिराने थे जो वहापर पखावजी

श्रीरूपरामजी मेरे बड़े प्रपितामही की वाद्य विद्याका परिचय देनेको आज्ञा दीगइ उस आज्ञाका स्वीकार कर वाद्य विद्याका प्रकास किया जिस्से श्रीमान विसेस प्रसन्न हुए ओर प्रशन्नता के निदर्सनार्थ अच्छा इनाम दिया ओर अपने पास रखलिये रूपरामजी को ताण्डव नृत्य की परणें जोकि श्रीराधा कृष्णने तथा श्रीमाहा देवजी पार्वतीजीने डिमरु पर अपने २ नृत्य के समय मुखारविन्द से बोलते हुए घूंघरु द्वारा चर्ण कमलोसे (नृत्य) कियाथीं परणें सब तालोकी मुहसे बोल पखावज मे बजाते थे उनमें की कितनीक परणें इस पुस्तक मे प्रकास की हैं इस प्रकार रूपरामजी जोधपूरमें आनन्द पूर्वक निवास करते रहे. कि सम्वत् १८२६ में मेरे प्रपिताजी श्री ५ श्रीवल्लभदासजी का जन्म हुआ, वेसे तो वल्लभदासजी बाल्य कालसे ही आपने अपने पितृ चरण के द्वारा अपनी विद्यामे अच्छी उन्नती कीथी लेकिन जब करीब उम्मर २१ सालकी हुइ तब अपने पिताजी की उम्मर वृद्ध होगइ थी इसलिये राजसभामें भी विशेस कर आपही जाते थे ओर वहाँ अपने अनेक प्रकार गुण दिखाते उस राजसभामें पखावजी पहाडसिंहजी भी रहते थे उन्होने इनको चतुर ओर योग्य समझकर अपने दिलमें समझते थे की भविष्य में यह अच्छी उन्नती प्राप्त करेगा वाद्य विद्यामें—पहाडसिंहजी देहली का बाज बोहोत अच्छा बजाते थे तो वल्लभदासजी कुछ तो पहाडसिंहजी की सेवाकरके कुछ निगाहसे ओर कुछ उनके लडके जुहारसिंह को अपना दोस्त बनाकर ताले—या—परणें हांसिल किया इतना लिखने का कारण यह हैं कि पहाडसिंहजी के बोहोत से शागिर्द थे परंतु जो सचे दिलसें किसी शागिर्द को नहीं बताते थे: सिवाय अपने लडके के सत्य हैं गुणी लोग कहते भी हैं (कि बतावेतो अपने लडके को नहीं तो हृदय में ही रखना योग्य समझते) क्योंकि कालके प्रभावसें गुण चोर गुरु की निन्दा करनेवाले शिष्य बहुत उपस्थित होतें हैं ओर येही भारतीय प्राचीन विद्याओंका लोप होनेका मूल कारण हें. परन्तु मेरे प्रपिताजीने तो उनको ही मुख्य माना [उस्ताद ही के तुल्य कर माना] ओर अपने पुत्र श्री शंकरलालजी के जो मेरे परम पुज्य श्री पिताजीथे उनको भी कहाकर तेथे कि मेनें अपने परम्परा की विद्या के सिवाय जो कुछ भी थोडी बोहोत वाद्य विद्या प्राप्त की सो उन्ही का सुभासीस हें ओर श्री पिताजीने मेरे उपर कृपा कर सब हाल विदित मुझको किया जिस्से मैंने भी इस

उस उपर लिखे शुभ सम्वत् १८५९ में पखावजी श्री ५ वल्लभदासजी को जोधपुरसें [माहाराज श्रीमद्गोस्वामी श्री १०८ श्री बडे गिरधारीजी माहाराजने] सप्रेम श्रीनाथद्वारा बुलाकर श्रीमद्गोवर्द्धन धरण प्रभू सान्निध्य पखावज बजाने की आज्ञा दी के जिस्को अपना माहा भाग्य मान सेवा करने लगे कुछ अर्से बाद वल्लभदासजी ने जोधपुर पहाडसिंहजी को पत्र लिखा कि आपने सब उम्र राजस्थान मे रहकर पूरीकी ओर अनेक राजा महाराजाओ को अपनी वाद्य विद्या का परिचय देकर प्रसन्न किये परन्तु कभी श्रीगोवर्धन धरण प्रभूकी मोहनी मूरत के दरसण कर इनके चर्ण कवल में आपकी पखावज (मृदंग) वादन सेवा निवेदन कर इस भवसागर से उद्योत होनेका उपाय नही किया होगा ओर येही करना इस विद्याका मुख्य उद्देस हैं इस पत्रके प्राप्त होते ही पहाडसिंहजी श्रीनाथदुवारे आए उसवक्त श्रीनाथ द्वारामें पूर्ण प्रतापी श्री माहाराजाधिराज श्री १०८ श्री दाउजी माहाराज विराजते थें संम्वत् १८७७ में पखावजी पहाडसिंहजी को श्रीकी पखावज की सेवा भलायकर विदेस यात्राके वहानेसे वल्लभदासजी बडोदाकी तरफ चले गए उसवक्त बडोदामें श्रीमान गायकवाड सरकार श्री १०८ श्री सीयाजीराव काराज्यथा कि जिन्होको साङ्गित विद्याको विशेष प्रेम था ओर उन्ही श्री मान बडोदानरेस के पासमें जयपूर निवासी विष्णुदासजी देवादासजी कामदार थें के जिन्होंने वल्लभदासजीको बोहोत आग्रह के साथ उनके योग्य* उत्तम प्रकार की वेतन विवस्था कर वहाही रखलिये, थोडे समय बाद वल्लभदासजीने श्रीनाथद्वारे आनेकी इच्छा की परन्तु श्रीमान गायकवाड सरकार ने उनको रजा नही दी, तब श्रीनाथद्वार से श्रीमान गायकवाड सरकारके पास पत्र पहुचा तब श्रीवल्लभदासजी को वहासे श्रीनाथद्वारा आनेको उत्तम वस्त्र आभुषण विदागिरी के साथ रजादीगई—संवत १८८१ मे वल्लभदासजी श्रीनाथद्वारा आयकर फिर श्रीनाथजी की पखावजकी सेवा करने लगे ओर पहाडसिंहजी जोधपूर रवाना हुऐं—

श्री वल्लभदासजीके तीन पुत्र हुए जेष्ट पुत्र श्री ५ श्री चतर्भुजजी उनसे छोटे मेरे परम पुज्य तीर्थस्वरूप पिताजी श्री ५ संकरलालजी के जिन्होका जन्म शुभ सम्वत् १८८६ के असाढ कृष्ण ८का हुआ ओर उनसे छोटे सर्वोपमा योग्य काकाजी श्री ५

---

* तीन रुपैये पावाभाइ रोजीना करीबें

खेमलालजीका जन्म सम्वत् १८८९ मे हुआ, श्री चत्रभुजजी उदेपुर मे निवास करते रहें. ओर परम पुज्य पिताजी श्री ५ श्री संकरलालजी जबसे हुसियार हुऐ तबसेही श्रीनाथजी की पखावज बजानेंकी सेवा करने लगे, ओर काकाजी श्री खेमलालजी व बडे भ्राता श्री संकरलालजी के पास रह कर साङ्गीतवाद्य विद्याकी उन्नती के लिये प्राचीन ग्रन्थोको देखना ओर मात्रा भेद गिणतकार तथा बडी बडी तालोंका संग्रह करनार इत्यादि कार्यमे प्रवर्त रहने लगे. अब सम्वत् १९०६ में श्री वल्लभदासजी हरि-चर्णार्विन्द मे प्राप्त हुए, ओर पिताजी श्री संकरलालजी श्री गोवर्धन चरण प्रमुखी पखावज बजानेकी सेवा करणे लगें, सम्वत् १९११ मे श्री मद्गोस्वामी श्री १०८ श्री व्रजनाथजी माहाराज जामनगर निवासी श्री नाथद्वारा श्रीनाथजी के दरसणार्थे पधारे ओर साङ्गीत विद्यापर बडीही आसक्तीथी इसी कारण उनके साथमें गुणवान पुरुष थें श्रीद्वारकानाथलालजी माहाराज तथा आदितरामजी पखावजी जोकि साङ्गीत विद्या को जान्ने वालें थें तो यह पुरुष श्रीनाथजी के दरशण कर सब आप अपने २ गुणको श्री सेवायें निवेदन करने लगे उस समय मेरे पिताजी श्रीसंकरलालजी ने भी नित्य प्रतिकी नियमित वाद्यविद्या की सेवा श्रीके सान्निध्यमें निवेदन की, कि उसको सुनकर सब प्रसन्न हुए ओर विशेष प्रशन्साकी, मेरे काकाजी श्री खेमलालजी ने भी बडी २ तालोका तथा मात्रा भेदके विषयमे कुछ चरचा चलाइ के जिस्को सुनकर श्रीमान श्रीवृजनाथजी माहाराज ने आज्ञादीनीके कलरानभोग आरती भये पीछे श्रीद्वारकानाथजीके मन्दिरमे सब गुणीजन आओं के जिस्से यहां पर कछु समय निवृत्तीपूर्वक इसविषयमें चरचा होसकेगी, आप श्रीकी आज्ञानुसार दुसरेदिम राजभोग आरतीके पीछे श्री द्वारकानाथजी के मन्दिरमें सब उपस्थित हुवे इस सभामें श्रीमद्गोस्वामी श्री १०८ श्री व्रजनाथजी माहाराज तथा श्री मद्गोस्वामी श्री १०८ श्री गोकुल उत्सवजी माहाराज तथा श्री द्वारकानाथलालजी भट्टजी माहाराज बाल मुकन्दजी तथा श्रीनाथजीके बडे किरतनीया दोलत रामजी. बीन कार घनस्यामजी तथा गवइया रामदासजी साधु दतीया झांसी निवासी गवइया बिहारी दासजी कोटाके तथा राजेसुरजी दक्षणी पण्डित (गवइया) रणछोडजी पखावजी श्री नवनीत प्रियाजीके तथा किरतनीया सुंदरदासजी, गिरधरजी सिवलालजी बालकृष्णजी प्रभृती कीरतनीया तथा अन्य

अन्य भी बोहोत से गुणीजन ओर श्रोता सज्जनथें उसी सभामें मेरे पिताजी श्री संकरलालजी तथा काकाजी श्री खेमलालजी के ओर जामनगर निवासी पखावजी आदित्तराम. जीके मात्राओंके भेद तथा तालों के विसयमें बोहोत समयतक सम्बाद होता रहा, चार बंज के सुमार में श्री के उत्थापनका समय होनेपर श्रीमद्गोस्वामी श्री व्रजनाथजी माहाराज मेरे पिताजी पर तथा काका श्री पर बोहोत प्रसन्न हुये, ओर

आप श्रीमान गादीपर से खडे होकर अपने श्री हस्त सो इन दोनो की पीठ ठोक कर धन्यवाद देते हुए सुभ आसीर्वाद दिया कि तुमने जो यह साङ्गित वाद्यविद्यामें परिश्रम किया वो तुमारा सुफल हों ओर तुह्मारे वंशपरम्परा श्री की सेवा करते रहें तथा श्रीद्वारकानाथ लालजी माहाराज प्रभृती गुणी जनोने के जो सभामें उपस्थित थें बोहोत प्रशन्न होकर प्रशन्सा करते रहे. ओर आदितरामजी पखावजी ने भी श्री माहाराज सो विनय किया कि शङ्करलालजी ने तथा खेमजी ने जो यह मात्राभेद ओर तालोंके विसय में जो कुछ कहाहे वो बोहोत ही अच्छी तरहमें वाद्य सास्त्रनुसार कहीं हैं

अब उन्ही माहात्मा ओंके [श्रीव्रजनाथजी माहाराज] सुभ आसीर्वादसें पिताजी श्री शङ्करलालजी ने श्रीमान जोधपूर नरेश श्री तख्तसिंहजी तथा श्रीमान जसवंत सिंहजी से भी उत्तम इनाम प्राप्त की के जिस वखत जोधपूर में गान विद्यामें कुसल गवइयां गुलाम रसूलजी ओर भी उपस्थित थें, ओर श्रीमान उदेपूर नरेस्य हिन्दवा सुरज जी साहाब श्री १०८ श्री सङ्गुपसिंहजी तथा माहाराणाजी साहाब श्री १०८ श्री शंभुसिंहजी से भी कइवांरीया इनामें प्राप्त की सम्वत् १९३३ में श्रीमान डूंगरपूर रावलजी साहाब श्री ९ श्री उदयसिंहजी श्रीनाथद्वारा श्रीनाथजीके दर सणार्थ पधारे के जिसवक्त मेरे पीताजी श्री सङ्करलालजी श्रीनाथजी के आगे पखावज बजारहे थें उस समय श्रीमान रावलजी साहाब पखावज सुनकर बोहोत प्रशन्न हुए तो पीताश्री कों अपने डेरेपर बुलाए ओर वहापर इनकों पोशाक तथा कडे जोडी सुवर्णकी नार मुखी और कुछ नकद रुपे इनाम मे दीया, ओर बोहोत प्रशंसा कर कहा के इसी पोसाक तथा कडे पहरकर आजके दिन श्रीनाथजीके सन्निधान पखावजकी सेवा करो, मेरे पिताजीने श्री मान की आज्ञा नुसार किया के श्रीके सन्मुख भोगके समय पोसाक कडे पहन कर पखावज बजाइ के जिस्को देखने वाले बोहोतसे आदमी अभीतक हयात हैं.

उसवक्त मैं भी सात आठ बरसका था. मेरा जन्म सम्वत् १९२६ के जेष्ट कृष्ण ८ काहे तो यह पोशाक कडे पहने हुवे श्री नाथजी की सेवा पिताजीको करते हुवे मैंने भी अच्छी तरह से देखे हें ओर एसेही एक समय झालरा पाटण नरेश श्री ५ पृथ्वीसिंहजी श्रीनाथद्वारा आए तो उन्हो से भी कडे मोती पोशाक विगेरह इनाममे प्राप्त हुवें—ओर मेरे काकाजी श्री ५ खेमलालजी ने मृदङ्गसागर का पुस्तक रचना प्रारम्भ किया के जिसमे बडी बडी तालोंके चक्र मात्रा भेद साहित संग्रह करते कितनाकतो प्राचीन ग्रंथो से कितनाक नुयाबना कर उनके बडे पुत्र श्यामलालजी से लिखवाते रहें, मेरे काकाजी श्री खेमलालजीके दो पुत्र थें जिनमें जेष्ट श्यामलालजी ओर कनिष्ट रघुनाथ के जिनमे से इसवक्त एक भी हयात नही हें सिर्फ श्यामलालजी के एक लडका विठ्ठल नाम का हयात हें, संवत् १९३३ मेही एक समय मेरे पिताजी श्री ५ सङ्करलालजी फेर उदेपुर गए ओर वहाँपर गोवर्धन विलासमें श्रीमान् माहाराणाजी साहब श्री मेवाड हिन्दुपती श्री १०८ श्री सज्जन सिहजी के समक्ष गाना बजाना हुवाके उस समय गांन विद्यामे कुशल गवइया सध्धू खाँजी त्था आवा दानजी काले खाँजी के साथ मेरे पिताश्रीने अपनी पखावज की वादन क्रिया प्रकाश की के जिस्से श्रीमान बोहोत ही प्रसन्न हुए ओर उत्तम इनाम प्रदान किया, ओर दारोगाजी रतनलालजी महमानीजी से फरमाया की सङ्करजी पखावजी को कृष्णगढ बरात मेले चलो तब दारोगाजीने हुकम सुनाया की तुमको कृष्णगढ चलना होगा. ओर तुह्मारे लिये सब प्रकारका उत्तम बंदोबस्त करादीया जावेगा—मेरे पिताश्रीने इस आज्ञाके उत्तरमें विनन्ती करी के मे श्रीनाथ द्वारा जाकर श्री माहाराज साहब की आज्ञा लेकर अवश्य उपस्थित होउगा, श्री मान- माहाराणाजी साहब कृष्णगढ अपने विवाहके सुभकार्य के लिये पधारते थें इस लिये सांगीत विद्या के जाननेवालो का आग्रह था, ओर पिताश्री को भी एसे सुभ कार्य मे आने का पूर्ण उत्साह था. के जिस्से वे एकदम उदेपुर से नाथद्वारा आने को रवाना हुए के जिसवक्त मै भी छोटी उमर का उनके साथ घोडेपर बेटा. हुवा चला आ रहाथा रास्तेमे श्रीइकलिंगजी माहादेवजी के स्थान पर आए ओर शम्भूके दरसण कर वहापर विश्राम किया ओर कुछ विजया देवीका आदर किया—वहासे पुनः प्रयाण किया आगे चलते मार्ग मे वायुके वेगके साथ वर्षा सरु हुइ के जिस निमत्त से

वहासेही मेरे पिता श्रीकी प्रकृती कुछ अस्वस्थहोगइ ओर कुछ चित्त भ्रम भी हुवा भगवद इच्छा बलवान हें की कृष्णगढकी अभिलासा उनके हृदय मे ही रहीं, और यह कष्ट प्राप्त हुआ. मालुम हुवाकी श्री नाथजी की इच्छा उनको सेवा छोडाकर कृष्णगढ जाने देनेकी नहीं थी, एसे समयमे ही एकदम मेरे काकाजी श्री खेमलालजीको जिनका मेरे पिताजीको पूर्ण विश्वास था उनको सिंसमज्वरने ग्रसित कर लिये ओर थोडे ही दिन मे उसी निमित्तसे वे संवत् १९३४ मे श्रीप्रभुचर्णार्विन्द मे प्राप्त हुवे, ओर उनको जेष्ट पुत्र शामलालजीके जो मृदंगसागरका पुस्तक लिखते थे वे अपने पिता श्री खिमजी की उत्तर क्रिया पूर्ण कर आप भी अपने पिताश्री के पूर्ण प्रेमका परिचय देते हुवे उनके पीछे ही उनकी सेवाके लिये इस लोकको त्याग कर स्वर्ग मे उपस्थित हुवे—उस समय मेरे पिताश्री संकरलालजीका दुःख अवर्णनीय था क्योंकि एकतो उनकी स्वयम् चित्तभ्रम दिशा दुसरा विद्वान भ्राताके उस समय मृत्युका शोक, ओर भी हुआ भतीजेकी दुरघट घटना, एसे समयका दुःखानुभव उन्हींको होता हे के जिनको एसे समयका कुछ परिचय हुवा हो, मनुष्य सर्व सहन करता हे संसारका यही स्नेह परिणाम हे ओर इसीसे दीनवनकर भगवद् इच्छाबलवान् मानकर सन्तोसकरनाही न्याय गिनागया हैं इस न्यायसे जेसेवनसका सन्तोष मान धैर्यका अवलम्बन किया. इस लिये मुझे मेरे पिताजी श्रीकी सारवारमें अधिक लक्ष देना पडा, उसवक्त मेरी उमर ८—९ बरषकी ओर मेरे काकाजी खेमजीके छोटे पुत्र रघुनाथ की उमर २ बरसकी तथा स्वर्गस्थ स्यामलालजी के पुत्र विठ्ठल की एक बरसकी उमर थी अब आप सज्जन लोग विचारेंगे कि इस बाल्यावस्था मे हम क्या कर सकते थे मेरे पिताजी श्री की चित्त भ्रम दिसाके कारण यह मृदंग सागर का पुस्तक वेसेही रक्खा रहा. पिताजी श्री का चित्तभ्रम बराबर ७ बरसतक रहा अब अनुचित समय आनेपर मेरी परमपूज्य तीर्थस्वरूपा मातुश्री ने मेरे पिताजी श्री से विनय किया कि आपका चित्त विशेस भ्रमित होताहे तो कुछ समयके लिये तीर्थ यात्रा करने को यहासे विदेस को चलें विदेस के जल हवा प्रभूतीसे तथा विसेस कर श्री यमुनाजी के जलपान तथा स्नानदानादिक से श्री प्रभुकी कृपा द्वारा अवश्य आपका चित्त प्रसन्न हो जावेगा श्री प्रभु इच्छासे विदेस यात्रा का विचार निश्चय हुआ ओर मेरे पिताजी श्री सकुटंम्ब श्री नाथद्वारा से यात्रार्थ चले.

प्रथम श्री पुष्कर राजमें स्नांन कर मधुपुरी पहुचो वहापर श्री यमुनाजी मस्हाराणीजी का नरानकर पवित्र श्री गङ्गाजी मोरो घाट परस्नान कर प्रयागराजमे त्रिवेनी संगमपर स्नान दान यथा सक्ती कर काशीपुरी पहुचे—और काशीसे पुनः पुनाः तीर्थ स्नान कर गयाजी में जाकर पिण्ड श्राद्ध किया, गया गुरू श्रीयुत श्यामलालजी विठलजी को मालुम हुवा कि श्री नाथजी के पखावजी संकरलालजी गया श्राद्ध निमित आए है और पखावज वाद्यकी तारीफ सुनी हें इस लिये उन्होने गयाजी की यात्रा सुफल [विदाये के वखत का आसीर्वाद] में मेरे पिताजी से कहां की मेरे को तुह्मारे हाथ की पखावज सुन्ने की अभिलासाहें और वोही में तुमसे गुरू दक्षणा लउगा मेरे पिताजीने उनकी आज्ञा का स्वीकार किया और रात्री को उनके महल (निवासग्रह) पर जाकर परण पडार प्रभृती मुखसे बोलकर और पखावज में उत्तम रीतीसे बजाकर सुनाया. के जिस्को सुनकर बोहोतही प्रसन्न हुए और उत्तम इनाम देनेकी उदार्यता प्रकासकी, परंतु मेरे पिताजीने लेना योग्य न समझ कर विनन्ती की के आपतो गयागुरू हों आपका आसीर्वाद ही बोहोत हैं तबतो विशस प्रसन्न होकर आसीर्वाद दीया के तुह्मारा चित्त प्रभु कृपासे प्रशन्न हो, फिर वहासें मिर्झापुर के स्टेसनपर आये के जिसवक्त स्टेसन मास्टर बेठे हुवे सित्तार बजा रहे थें परिचय होनेपर तबल जोड भी मगाली गई फिर पिताजी श्री संकर लालजीने तबले पर ही अपनी वाद्य विद्याका प्रकास किया के जिस्को सुनकर बाबुजी बोहोत ही प्रसन्न हुए और सीघ्र ही बडे साहाब को कोठी पर तार कीया की तार पहुचते ही बडे साहाब वहा पर आए और सुनकर उन्हो को भी बोहोत प्रशन्नता हुइ और अच्छा इनाम दीया और सेकण्ड कुलास की गाडीमें बेठा सबको पटने तक पहुचा दीये, पटने मे श्रीयुत नवनीत बाबुसे मिले के जो स्वयंगान विद्यामें कुशलथें बाबुजीने मेरे पिताजीकी पखावज सुनकर प्रशन्नता पूर्वक प्रशन्सा करते हुए रुपे १०१) और उत्तम सेला विदागिरी का दीया वहापर औरभी कितनेक गुणी जनोंसे मुलाकात हुइ फिर वहासे काशीपुरीको आए काशीमे गौस्वामीजी माहाराज श्री १०८ श्री जीवन लालजी माहाराज तथा श्रीके दरसन कर उनकी सेवामे अपनी विद्याको निवेदन किया. माहाराजश्री श्री जीवनलालजी स्वयं पखावज बजाते थे और पहले श्रीनाथद्वारा पधारे

तब मेरे काका श्री खेमजीसे पखावज सम्बन्धी कितनेक विषयका आपने परिचय भी कीया था. वहापर साङ्गीत विद्यामे कुसल सितारीया राजपेठजी गनेसासिंह पखावजी. वारस अलीखां बीनकार प्रभृती एकत्रितहुए ओर उन्होने जदनी २ साङ्गीत विद्याका परिचय दीया ओर मेरे पिताजीने भी अपनी वाद्यविद्याका द्योतन किया के जिस्से सबगुणी जन प्रशन्न हुए. फिर वहासे विदाइ हुइ बाद अयोध्या आए वहासे दरस परसकर फिर लखनउ होते हुए मथुराजी आए मुथरामे सेठजी श्री ५ लक्ष्मीदासजी से उत्तम इनाम प्राप्तकर कृष्णगढ आए ओर कृष्णगढ नरेस श्री १०८ से इनामप्राप्त करते हुए श्रीनाथद्वारा आए जिसवक्त यात्रा करके आए उसवक्त मेरी उम्मर १३ वरसकी हुइ मेरा विवाह भी किया ओर पिताजी अपनी वाद्य विद्याका भी प्रदान करते रहें तथा इस पुस्तक का प्राचीन विषय तथा अपना प्राचीन वृन्तात भी सुनाते रहें मेरे पिताजी के आठनो बालक हुए किन्तु प्रभु इच्छासे एक मेरी बडी बहन तथा मैं दोइ सन्तान उनके संतोषार्थ बाकी रहें इसी कारण मेरे उपर उनका विशेष प्रेम रहता था. सम्वत् १९४४ मे अहमदाबाद सहर के निकट आसारवे ग्राम मे प्रभूके पूर्ण भक्त श्री भायला कोठारीजीके स्थानपर श्री ९ श्री १०८ श्रीमदखण्ड भूमण्डलाचार्य चक्र चुडामणी तिलक परम कृपालु श्री गोस्वामीजी श्री विट्ठलनाथजी [गुसाइजी माहाराज] की बेठकजी है, वहापर श्रीमद्गोस्वामी श्री वृजरायजी माहाराज तथा उनके चीरंजीव लालबावा श्री बालकृष्ण लालजी माहाराज ने श्री नटवरलालजीको अहमदाबाद सहरसे बेठकजीमे पधरायके छप्पन भोगका मनोर्थ किया तब मेरे पिता श्रीको भी कृपा पत्रद्वारा बुलानेसे गए ओर आनन्द पूर्वक मनोर्थ के दरसन कर श्रीकी पखावज की सेवाकर माहाराज से आज्ञा लेकर बडोदा देखने की इच्छासे वहासे बडोदा गए उसवक्त बडोदामें बडाल्हेवाले गोस्वामी श्री गोपाललालजी माहाराजविराजने थे आप श्रीकी आज्ञासें वहांपर एक दिन गुणीजनों की सभा हुइ ओर उस सभामे मेरे पिताजी श्रीने वाद्य विद्याका प्रकास किया इस सभामे वहांके सुप्रसिद्ध पखावजी नासरखांजी बीनकार मोला बक्षजी इत्यादि उपस्थित थे वे सब मेरे पिताजी श्रीकी पखावज सुनकर प्रशन्न हुए ओर मोलाबक्षजीने मेरे पिताजी से पुछा कि आप कहाँ के निवासी हें मेरे पिताजीने उत्तर दिया कि मैं श्रीनाथद्वारा, तबतो उन्ने कहा की नही नही (कुछ हास्यसे)

कहीं लंका परलंका, कारण यह है कि श्रीमान गायकवाड सरकार श्रीमल्हाराव इन विद्यामें पूर्ण आश्रयदाता प्रेमी और ज्ञानी के जिनक्त कभी नहीं आए यदि एक दफे भी उस समय आते तो देखते की आपके गुण की कैसी कदर होती हम लोग तुम्हारे गुणसे बोहोतही खुसीके साथ धन्य वाद देते हैं परन्तु उन सरकारके समयन आनेका अफसोस हैं खेर मालककी मरजी फेर गोस्वामी श्री १०८ श्री गोपाललालजी माहाराजने सर्व समक्ष अच्छा इनाम दिया और उन गुणीजनोकी सिपारससे श्रीमती महाराणी श्रीजमनाबाइ से भी अच्छा इनाम प्राप्त किया फिर वहासे सूरत होते हुए मुम्बइ देखकर फिर श्रीनाथद्वारा आए फेर श्रीनाथद्वारासे एक वक्त उदेपुर गए वहां पर हिन्दुपती माहाराणाजी साहब श्री १०८ श्री फतेहसिंहजी साहेबसें भी अपनी वाद्यविद्याद्वारा प्रसन्नकर इनाम प्राप्त किया उसके अनन्तर मेरे पिताजी कहीं भी विदेसनही जासके कारण वृध्यावस्थाभीथी और उनको यह अन्तिम अवस्थामे श्रीकी सेवा छोडकर अन्यत्र जाना भी अच्छा नही लगता मेरे परमपुज्य पिताजी श्री ९ मङ्गललालजी सम्वत् १९५० में श्री भगवद्चरणारविन्द मे प्राप्त हुए, और उनके तरफकी श्री मद गोवर्धन धरणकी पखावजकी सेवा श्री मद्गोस्वामी माहाराजाधिराज श्री गोवर्द्धन लालजी माहाराजनें कृपाकर मेरेको करनेकी आज्ञादे कर अनुग्रहित किया के जिस्को मै अपना माहाभाग्य मानकर सेवा करने लगा इसवक्त श्री गोवर्द्धनधर प्रभूका चरण रज प्रतापसे बुजर्गोका वंश रखनेके कारण चीरंजीव पुरुषोत्तमदास दीया हें श्री प्रभू श्री मद्गोवर्द्धन धरण हमको उनपूर्वज महत पुरुष की प्रदान की हुइ विद्याको विशेस वृद्धी करनेका सुअवसर प्राप्त करनेकी तथा हमारी मती निर्मल कर सदा श्रीकी सेवामें उपस्थित रहने की कृपा करे येही श्रीसें प्रार्थना हें इति शुभम्

आपका अनुग्रहित सङ्करजी सुत घनश्याम पखावजी.

———:•:———

॥ प्रस्तावना ॥

वर्तमान समयमें प्रायः प्राचीन विद्याकी उन्नति बहुत कम मालुम पडती है. संगीत विद्या यह एक प्राचीन महर्षिगण प्रणीत विद्या है: के जिस्केद्वारा परमात्माको भी महर्षी लोग प्रसन्न कर, उन्की कृपाद्वारा यह भवसागरको सुखसे तर जातेथे. संगीत विद्यारूप सामवेदको गान परमात्माको हमेशां विशेप प्रिय है. श्रीमद्-भगवद्‌गीतामें श्रीपरमात्माकृष्णने, सामवेदको, अपनाही स्वरूप प्रतिपादन किया है ॥ वेदानां सामवेदोऽस्मि ॥ यह विद्या दुःखी और शोकग्रस्त मनुष्यकोभी, अपना अलौकिक प्रभाव दिखाकर शीघ्रही आनन्दमग्न कर सकती है.

संगीतशास्त्रमें गीत, वाद्य और नृत्य तीनोंका समावेश होता है.॥ गीतवादित्र-नृत्यानां त्रयं संगीतमुच्यते ॥ क्योंकि गानके साथ वाद्य और नृत्यकी आवश्यकता है शास्त्र आज्ञा करता है के 'वाद्य विना गान शोभित नहीं होता है.' इसलिये वाद्य तो संगीतमें प्रथमही है.

संगीतरत्नाकरमें वाद्य चार प्रकारके वर्णन किये हैं.॥ ततंमानद्ध सुषिरंच घनानीति चतुर्विधं ॥ और उन चार भेदोंका वर्णन भी इस प्रकार किया है । ततं वीणादिकं वाद्यं मानद्ध * मुरजादिकं॥ वंशादिकं तु सुषिरं कांश्यतालादिकं घनं ॥ यह चार प्रकारके वाद्यमेंभी पखावजादि (मृदंग) विशेष प्रचलित और मुख्य हैं; इस लिये उस्के संबंधी कुछ ज्ञान होना संगीतप्रेमी सज्जनोंको तथा अन्यविद्वान् सज्जनोंकोभी उपयोगी और आवश्यक है.

इस पुस्तकमें पखावज (मृदंग) संबंधी सब तरहका वर्णन शास्त्रानुसार उत्तम रीतिसे जहां तक हो सका किया गया है. काल विचार, (ह्रस्व, दीर्घ, प्लुत

---

* मुरज नाम मृदंग (पखावजका हैं) अमरकोपके नाट्यवर्गमें पांचमें श्लोकमें लिखा है.

विजनद्रुत, अणुद्रुत, विराम प्रभृति) मात्राओंके चिह्न, सम, विषम, अतीत, अनाघात, संगीतानद्धकाभेद, गणेशपरण, शिव परण, श्रीराधाकृष्ण नृत्य संगीतपरण' प्रभृति संगीतकी सो सवासे परणे, मृदंगके मुख्य तथा आश्रित अक्षरोंका वर्णन, मृदंगमेंसे उन्की उत्पत्ति, मृदंगमें ज्योतिस्वरूपके दर्शन, परणपडार, मोहरे, टुकडे, बोलोंके भेद, तथा सविस्तार चक्र, कि जिन चक्रोंको विना मृदंगादि वाद्यके जाननेवाले दुसरे जलदी नहीं समज सकते हैं, उन्को इसमें एसी उत्तम रीतिसे लिखे हैं के, जिस्को थोडाभी बुद्धिमान् मनुष्य अच्छी तरहसे समज सकता है. और कितनेक जानवरोंके बोलोकी ध्वनिकी, जय शब्दकी, सलामीकी, मदोन्मत्त गजेन्द्रको रोकनेकी, पंचदेवकी स्तुतिकी, चोपडकी रेलकीध्वनिकी, तोपकीध्वनिकी प्रभृति परणें, और विष्णु तालका चक्र, अष्टमंगल, धमारका खुलासा, तथा अन्य एसेही अत्युपयोगी २०८—२२५ तालोंका समूह, विगेरा वर्णनका संग्रह एकत्र किया हुवा है, के जो पुस्तक देखनेसे सब सज्जनोंको विदित होगा! इस्के सिवाय और भी वहुतसी चीजें के जो मेरे पिता, प्रपिता, प्रभृतिके समयकी संग्रह करी हुई प्राचीन लिखित पुस्तकें द्वारा मेरेकोप्राप्त हुई है! उन्मेंकी थोडी चीजोंका वर्णनभी इस पुस्तकमें दिया है—क्योंकि पुस्तक बढ जानेके भयसे सबका समावेश नहीं हो सका है, समयानुसार बाकींका वर्णनभी प्रकाश किया जावेगा.

इस पुस्तकको देखनेसे, पखावज (मृदंग) संबंधी वहोतसा ज्ञान प्राप्त हो सकता है. क्योंके इसमे सब वर्णन पखावज संबंधी साविस्तर दियागया है के जिस्सें वजानेवाले सज्जनोंको भी सरलता प्राप्त हो सकती है. इस लिये इस्का नामभी **संगीतानद्धवाद्यविचारसंग्रह अर्थात मृदंगसागर** रक्खा है.

इस पुस्तकको प्रकाशकरनेका यह उद्देश है के, प्राचीन संगीतशास्त्रमें वर्णनकी हुई वाद्यविद्या (मृदंगादि) जो दिनप्रतिदिन लोप होतीजाती है, सो श्रीपरमात्माकी कृपासे कुछ उन्नतिको प्राप्त होवे, और संगीतविद्यानुरागी सज्जनोंको मृदंगादि सिखनेमें जो विशेष परिश्रम मालुम पडताथा, सो निकलकर, थोडे परिश्रमसेभी उन्का

उत्साह शीघ्र पूर्ण हो सके, तथा सिखानेवाले सज्जनोंकोभी सरलता रहे. यह हेतुका विचारकेही **श्रीमद्गोवर्द्धनधर प्रभुके** पखावजी, मेरे परमपुज्य, इस विद्याके प्रदानकर्त्ता, कृपालु तीर्थस्वरूप पिताजी शंकरजी तथा काका श्रीखेमजीने यह पुस्तक लिखनेका प्रारंभ किया था, किन्तु थोडाही लिखनेबाद मेरे काका श्रीखेमजीके जीवनका अंतआया, और उन्केश्रीप्रभु चरणमें प्राप्तहोजानेसे मेरेपिता श्रीका चित्तभी विशेप शोकग्रस्त रहनेलगा. मेरे पिताश्रीकी इच्छा इसग्रंथको पूर्णकरने कीथी, किन्तु संयोगवशात् कितनेक अनिवार्य कारण उपस्थित होतेरहे, कि, जिन विघ्नोंसे कुछ समय व्यतीत हो गया, और पुस्तक पूर्ण नहीं हो सका. पिछे पिछे उनने इस्को पूर्ण करनेकी अभिलाषासे हस्तमें लिया था; किन्तु भगवदिच्छा बलवान है. थोडेसे समयमेंही उन्के जीवनका अंतआया, और इस पुस्तकको पूर्ण करनेकी वासना को अपने हृदयमें ही रखकर श्रीप्रभुचरणमें प्राप्त हुवे. पश्चात् थोडा लिखा हुवा यह पुस्तक मेरे हाथमें प्राप्त हुवा, और मेंने उस्को मेरे वे परमपूज्य विद्यादाताओंकी शुभाशिषसे, उन्की अंत समयकी वासना पूर्ण करना मेरा कर्त्तव्य समज, पूर्णकिया; कि जिस्को, आज में उन विद्यादाताओंकी तथा आप सब सज्जनोंकी सेवामें प्रकाशकर निवेदन करनेको सफल हुवा हुं.

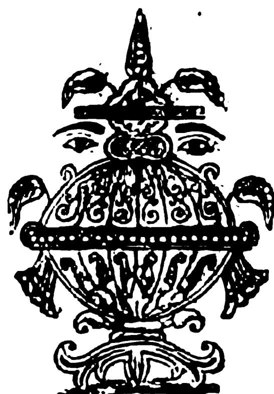
इस पुस्तकके प्रकाश करनेके पूर्व, संगीत विद्याके पूर्णज्ञाता, श्रीमान् परम कृपालु, श्रीमद्वल्लभाचार्यकुलभूषण, श्रीमन्नाथद्वाराधीश, महाराजाधिराज, गोस्वामितिलक श्रीश्री १०८ श्रीगोवर्द्धनलालजी महाराजके चरणकमलोंमें सप्रणाम शुद्धान्तःकरणद्वारा, अनेकानेक धन्यवाद निवेदन करताहुं, के जिन कृपालु श्रीमान्ने इस पुस्तकको प्रकाश करनेमें, सहर्ष पूर्ण सहायता प्रदान कर मेरेको विशेप उपकृत किया है. तथा संगीत विद्यानुरागी परमकृपालु श्रीमान् आचार्यवर्य्य, गोस्वामि श्री श्री १०८ श्री कांकरोलि महाराज श्रीबालकृष्णलालजीके चरणकमलोंमेंभी, सप्रणाम शुद्धान्तःकरणद्वारा, अनेक धन्यवाद निवेदन करता हुं के जिन कृपालु श्रीमान्ने इस पुस्तककी लिखीत प्रतिका अवलोकनकर, अपने आशीर्वादात्मक वचनोसें, पुस्तकको प्रशंसनीय तथा छपाने योग्य कह कर अपने शुभ हस्ता-

क्षरोंसेशोभित आज्ञापत्र (सम्मतिपत्र) द्वारा, मेरेयह पुस्तक प्रकाश करनेके उत्साहको, वृद्धि किया है. और मेरे पूर्वज पिता, प्रपिता, प्रभृति, के जिनोंने, इस विद्यामें पूर्ण ज्ञानप्राप्तकर अपनी इस विद्याका परिचय अनेक विद्वान् सज्जनों को तथा राजा महाराजाओंको दियाथा. उन्का थोडा जीवनचरित्रभी सब सज्जनोंके परिचयार्थ इसपुस्तकमें प्रकाश किया है.

अंतमें में अपने परमपूज्य पिताश्री, तथा काकाश्रीका शुद्धान्तःकरणद्वारा उपकार मानताहुं. तथा सब विद्वज्जनोंसे प्रार्थना करताहुं के, इस पुस्तकके विषयमें यदि कोई प्रकारकी न्यूनता मालुम पडेतो उस्को क्षमा करेंगे, और उस्में जो कुछ साररूपगुण होवे, उस्कोग्रहण कर मेरे परिश्रमको सफल करेंगे. क्योंकि ॥ सर्वः सर्वं न जानाति ॥ इस न्यायसे सब वस्तु सबकोई नही जानता है. और गुणीजनोंकातो यही स्वभाव है, के. गुणको ग्रहण कर दोषको छोड देवें। हंसो यथा क्षीरमिवांबुमध्यात् ॥ इतिशुभम् ॥

शुभमिति १९६८ कार्तिक शुक्लपक्ष ११

आपका कृपाभिलाषी
शंकरजी सुत घनश्याम पखावजी
(श्रीनाथद्वारा–मेवाड)



॥ श्रीनाथजी ॥

श्रीकृष्णायनमः ॥ इस ग्रंथका नाम संगीतानद्ध वाद्य विचार का कारण यह हे–संगीत कहने सें तीन भेद होते हे १ गीत २ वाद्य ३ नृत्यः तो दुसरा भेद वाद्य हे–अव वाद्यमें फेर चार भेद हे । श्लोक ॥ ततानद्धं सिखरं च घनानीति चतुर्विधं । ततो वीणादिकं वाद्यं मानद्धं मुरज्ञादिकं ॥ वंशादिकं तु सुखिरं कांस्यतालादिघनं ॥ ॥ अर्थ ॥ ततः आनद्धं सुखिरं घन्न । यह चार भेदे हें । ततः के वाद्य–वीन–तंबुरा सीतार ईत्यादि ॥

आनद्धं वाद्य–मुरज्ञ (मृदंग) दुंदुभि (नकारा) ढोल ढोलक ई० सुखिर वाद्य–वन्सी, महुअर, सेनाय, भेरी इत्यादि–

घन्न वाद्य ॥ झांझ, झालर, घंटा, घडीयाल, घुघरु इत्यादि । तो हमारा अव दुसरा नम्बर (आनद्ध वाद्य) विचार का ग्रंथ हे इस्से इस पुस्तक का नाम संगीतानद्ध वाद्य ग्रंथ लीखा है ।

१ दोहा ॥ गीत निरुपन जें कीयों सुहें वाद्य आधीन ॥ याते वरनत वाद्यकों रीझे जाहि प्रवीन–

॥ श्रीनाथजी ॥

पहले इस ग्रंथमें मात्रा प्रमाण लीखें हे की जिस्से आगे तालोका हीसाब ठीक तोरपर देखा जाय ॥ मात्रा कीसको कहते हे । ओर ताल के से बनी हें–

दोहा ॥ पुराणे ग्रंथोका आशय लीया गया हें ॥ सो कहते हें ॥

॥ शंकर कहेत्त कारकोः ऊमीया कहेलकार ॥
॥ शिव शक्ति सयोंगतेः होत ताल विस्तार ॥ १ ॥
॥ ऐक कमलदल वेधे जबलोः छिन प्रमान कहेत वलो ॥ २ ॥
आठ छीननकों ऐकलव होईः आठलव ऐककाष्टा जोई ॥ ३ ॥
आठ काष्टा ऐक निमेषः आठ निमेष नकला निमेष ॥ ४ ॥

कला युगल सो हो तु हें चत्रु लगि पुनि ऐक ॥
त्रुटीताहीं को कहत हे चित्तमें करि सुख टेक ॥ ५ ॥
चत्रुलगि द्वेसो अणुमानः द्वे अणु सो द्रुत कहें सुजान ॥ ६ ॥
द्वे द्रुतको पुनि लघु हे होतुः द्वे लघुले गुरु करे उद्योतु ॥ ७ ॥
कहे तीन लघू प्लुत निरधारः जे जानत हें काल विचार ॥ ८ ॥

॥ ऐक कमल की पाखडी को सुई के अग्र भागसें छेदन करनेमे जो समय लगता हें ऊसको ऐकछिन कहा जायगा–ऐसेही आठ छिनका ऐक लव होवेगा ओर आठ लवकी ऐक काष्ट । ओर आठ काष्टका ऐक निमेषि ओर आठ निमेषिकी ऐक कला होती है. ओर दो कलासो ऐक त्रुटी (चतुलगि) ओर दो त्रुटी सो ऐक अणु होवेगा तव दो अणुसे ऐक द्रुत जानो ओर दो द्रुतसों ऐक लघू होता है ॥ ऊसको ह्रस्व भी कहा जायगा ॥ ओर दो लघूसों एक गुरु होवेगा–जिस्को दीरघ भी कहेगे ओर तीन लघू सो ऐक प्लुत होवेगा. ईस्के आगे काक पद भी होता हे परंतु तालोमें ऊस्का थोडा काम पडेगा हा कुछ समके पीछे या कोई काट त्राछकी परणोमें तोवोभी आगे दीखा दीया जायगा आगे जो तालें वनी हें या कोई वनाई जायगी तो ईन्ही ह्रस्व दीरघ प्लुत द्रुत ओर अनुद्रुत में वनेगी सो कोई भी ताल नही मालुम होगी तो इस ग्रंथके देखने मुताविक जीस ताल का चक्र होगा ऊसमें सें थोडासा परिश्रम करने में परिश्रम सुफल होगा कीतनी तालोमें तो पहेली तालो पे सम हे ओर कीतनी तालों मे वीचकी तालपें सम होवेगा ओर कीतनी तालों पें छेली पें सम हे कीतनी तालो में खाली पें सम पडता हें ओर समसें पीछे गीनोगे तो सम छेलीपर आवेगा तो समकें पीछे जो ताल लगेगी वो ही पहली गीनी जायगी–अव आगे जो तालो के चक्र वाधे जायगे तो अणुद्रुत–द्रुत–लघू–गुरु. प्लुत ईनकी ताले वनेगी तो इनकी मात्रा ओर चीन्ह पहले दीखा देना ठीक हें.

१ नाम.	२ मात्रा.	३ चिन्ह.
अणुद्रुत	१	◡
द्रुत	२	0
द्विराम	३	०
लघु	४	I
लघुविराम	५	I
गुरु	८	S
प्लुत	१२	S
काकपद	१६	+

एक कह कर ताल दीजावे सुरत यह हैं
एक दो कह कर ताल दीजावें सुरत यह हैं
एक दो तीन कह कर ताल दीजावे सुरत यह हैं
एक दो तीन चार फिर ताल लगावे सुरत यह हैं
पांच तक गीनती कर पहेले ताल लगावे सुरत यह हैं
ताल लगाकर आठ गीने सुरत यह हैं
ताल लगाकर १२ गीने सुरत यह हैं

सोलह गीने सुरत यह हैं

अब ईनके उच्चार करनेवाले जानवरोंके नाम॥ अनुद्रुतको तीत्तर कहेः द्रुतको चटकें (चीरीया) जनाई ॥ बक (बगुली) बोले दवी रामकोः लघुको चाप (नीलकंठ)बनाई ॥१॥ कोकिल लविराम ही कहेः वायस गुरू कहि देहि ॥ निजश्वरको उच्चार करी कुकुट स्फुवत कहि लेहि ॥२ ॥ यहांपर ओरभी लिख देते हैं कि प्रातःकाल कुकुट जो बोलता हे उसमें तीनका उच्चार करताहें जेसे कुऊ कु ऊ ऊ कुऊऊऊ ऊ तो पहला कु(ह्रस्व दुसरा दीरघ(गुरू) तीसरा प्लुत अब ईनकी उत्पात्ति ॥ अनु द्रुत पवनमों भयो द्रुत को जल ते जान ॥ नीर पवनमों दवीराम हें

लघु पावक सों माना ॥ नीर अग्निसों लर्वीराम जों गुरु आकाश ते आनि ॥ अब प्लुत पृथ्वीते भयों करे गुनीजन गांन ॥ ओरभी ईनके देवतान को वर्णन भी हैं परंतु यहापर ईतनोंही लीख्यों हैं कारण की ग्रंथको बोहोत वढाना नही जीसकी जीतनी आवश्यकता हे ऊतनाही लीखा गया है ॥

अब–सम–विसम–अतीत–अनाघात

१ ४ २ ३

गीत तालके दो ऊ ज वे ऐक कालमें होही ॥ ताको सम सम्पानि तब पंडित रहें सब जोहि ॥ १ ॥

प्रथम ही रचना गीतकी पाछे तालही आनः ग्रह अती तासों कहें अरु अप् पान वखान ॥ २ ॥

पहले ताल प्रवृति पुनी होय गीत विस्तार । सो अनाधात कहिये वेहे उपर पान निरधार ॥ ३ ॥

आदि अंतकों नेम नही सो विसम ग्रेह होयः ईनके लच्छनयो कहें सब गुणी जन लोय ॥ ४ ॥

अब सम ओर विसम अतीत अनाघातकी मात्राओका दिखाव.

चोतालाकी बारह १२ मात्रामें चारों जगह ० अलग अलग चारो तालमें.

ताल	सम	विसम	अतीत	अनागात
	मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा
ताल–पहेली	१	२	३	४
ताल–दुसरी	५	६	७	८
ताल–तीसरी	९	९॥	१०	१०॥
ताल–चोथी	११	११॥	१२	०॥

, मृदंगाध्यायमें तो यह प्रमाण से चारो जगह (तालो) पर सम विसम अतीत अनागात ईस गुप्तिनसे सही सही होती हें और जानकार गवैइया या बजवैया भी ईसी तोर पर बरतते हें ओर गवैया पहेले हीसे बजाने वाले से कह देते हें की फलानी फलानी मात्रा पे तथा ऊसकी खाली (मात्राओके बीचमे जाहा जाहा बोहोत विकट जगह देखते हें वोही जगह बतादेते हें ओर फिर आपभी (गानेवाला) ऊसी जगहसे धुर पदकी ऊठान करते हे की बताई हुई जगहे पर सम आवे ओर वहापर पखावजी को भी एसी परन सुरु करना चाहिये की ऊसी जगहपर परन समाप्त होकरती होई तीन [टुकडे] आना चाहियें ॥

ओर कदाचित तीन टुकडे नही तो परनकी समाप्ति तो ऊस जगहपर जरूर होना चाहिये परंतु एसा तो अब बोहोत थोडा होता हे कारणकी ईस्मे तो क्या गाने वाले को ओर क्या बजाने वाले को बोहोत परिश्रम करना पडता हे ओर उस्तादभी करना पडता हें ओर बोहोतसें गाने बजाने वालोंनें ऐसा निश्चय कर लीया है के आव जाव करनेमें क्या लगता हें जाहापर दिल चाहा जाही आं कर दीया ओर बजानेवालेनेभी ऊसी जगह थाप लगादीतो वांहा वांहा अगर रहे गई तो फिरके आ ओ अबकी आवेगे फिर एसाही होता हे की गवैयातो पखावजी को देखता हे कि ईस्की थाप लग जाय तो हां करू ओर पखावजी देखताहे गवैये का मुह, कि ईस्के मुहसें हां निकसे तो मे थाप लगाऊ अपने अपने इल्मकी सचाई को थोडेसें वक्त के लिये दूर दूर पर रख देते हें बस ईतना ही लिखना ठीक हे कदरदान या समझदार गुणी लोगें समझ सकते हें कि उपर लीखी हुई मात्रा १२ ऊनकी १२ खाली तो मिलके २४ जगह हुई तो ईसमें एसी एसी जगह हे कि पहेले कह देते हे की फलानी फलानी मात्रापर सम रहेगा ओर वहां पर गाने वाले को या बजाने वालेको सम देना होगा तो भी मुस्कीलसे आया जाय सो भी कोई ऊस्ताद करके सीखा होया मात्रा हीसाब जानकर लें को रोक सकता हे या नीले ऊसके वदन में भरी हुई हो तब ऊस जगह को सम देगा नही हरेक आदमी का काम नही हे यहापर थोडीसी ऊनमेंसें जगह भी लीख

देतेहेकि अब २४ जगह में से ८ १६-२०-२४ यह जगहपर भी सम देता ओर वहां पर धालगाना कोई हरेक आदमी का काम नहीं हें वोइ करेगा कि जीसने अपने अपने ऊस्ताद सें सीखा होगा ओर हरवक्त काम पडता होगा वोई करेगा नकोई सुनके या उद्वाके करेगे ऊस्से ये काम कभी नही होगाः जो ऊस्ताद सें सीखेगा मात्रा भेद वोहीं करेगा ओर लें का ही साब भी अब कुछ लीखे हे कि तालों में पहेले बराबर कीले बजाई जाती हें फिर दुगण करते हें ईसी तरह सें ४ त्था ५ दरजे करते हें परंतु ईस्मे कुछ तरकीब से जादे दरजे बतावेगे की जीस्से ठीक ठीक मालुम होवेगा पहेले पावले का बोल फिर आधीले फिर पौण ले फिर बराबर यानी (१) इस्के आगे सवाई डोढी पुण दुगणी ओर दुगण ईस तरहसें अठ गुणतक गीने गे तो ३२ ले (दरजे) होवेंगे परंतु यतो करने ईसे होगा ईस्में तो सिरफ मात्राओ का हिसाब लीख दीया जायगा ॥

अब गाने के साथ कीस तरहसे सरुआद बजानेका होना चाहिये. प्रथम तो अस्ताई सीरु करें तब तक तो बराबर की धेनतक त्था बराबर का वसकार बराबर का काटत्राछके बोल बजाना. पीछे जब अन्तरा सीरु करें जब दुगण की धेन तक ओर दुगणकी परणे पडार मान मोहा राव जाने ओर दुगण को साथ बजाना फिर दुसरी अस्ताई सीरु करे जब आड (१।।) की धेन तक ने आडको साथ बजाना ने फिर दुसरो अन्तरो सिरु करे जब तीगण की धिन तक ने तीगण की परणो बजानी पीछे चोगण को साथ बजाना ओर चोगणकी परणो बजाना पीछे सवाई डोडी अडाई गुणी विगेरेह सब ले बजानी यह तो गाने कि साथ बजाने को प्रमाण लीखा हे ॥

॥ अथ गणेस परण लीखे हे ॥



ताल तीताल.

॥ गनपति सुर मुनि वंदे कलत विविध भाः दु म दु ग झीं झीन कीट कुकू थरी कीन जग विघन विनासन ना कीटरे तक नंगे थुं गे थाः चारु तेजपर भाव ताग्ड दीग्ड दाम् अच्छः जगतंझें ढग नग दाम् काम केल तरंगः तक तक झीम् दुग दुग झीम् तक धीग गुन वोहो विकासंः झीन् कीट झीझी कीटि थु गु दाम्ः दीपं धुपं फल पत्रं फल राज्य विनंग् नई वेदं तो तक् दाम् वस्तर समर्पयंझेः काम तरंम विलासंः शिस्य उ करणं गंडम् तिलकम् पुष्पं चंदन सर्वे विघ्नो प्रशान्ते दीग्ड दीग्ड दीग्ड दाम् मधुकर शाय तरंग तराव नरंगतव थरि किटि तक थरि किटि तक सुन्दर तन् देशांतन्त वोहो श्री वोहो गणेश। टे हे कुकुः ताको थरी २ किन जग मनोज् श्याम जनंगः नटुआ वल्लभ वल्लभ दास काहावत परणभेद वोहो विधसों वनावत श्री गणपति को ध्यान लगावत, थरींग झें थरींगझें थु किटिता किटि तक थरां खीरां खीरां जे तगनांग् दे त्थात थुंगता किट किट तक था ॥ १ ॥

॥ संगीत गणेश परण ॥

थेई ते तेरे तत् तत तत् तत था तत् था कीट किट गुण तक तक थुं थुं गे था थंग नंग किट तक धि कीं था, तत् था कीट तक ना ना थीं की थरी धी कीट कीट

तक धि का थुंगा अर द द मद्लो बुधि विनायक विन किटि हरलो गणपति झे झे झे कुर कुंटर कुठे दिम्नामः थरी कर आलू मूगत्थोः धि किोट किटि तक धिक्का थुंगा गणपति गो थुम् गध्यो बनहर अग्ड धिम् तग्ड धिम् तग्क धी ग्की था किट्टा किटि कीटि ताः अं गे तंमे किटितं क धी क्की था ॥ २ ॥

॥ श्रीशिव परण ॥

झिन पट उट दिये तेः दिग् ३ ति धाः झा ई झलकत अति थे ईत थे ई सुदन र ही री लखितेः दि स २ ति धाः भुवन विलास सां था तत् लीधी थाः तत था खानी मृग तत त थे ई सम सरण बनत ति धा ति धाः नागरी को नेन जुथता थुंः तक थुं २ गवरी के भोले शिम्भुः थु थु किटि किटि थु थु गिड गिडरे डेरू डिमरू वाजे इंक लंगनाथ जूके नाचे ताण्डव नाच थुन्तक धित्तक धित्तक तक थुंगा तत था करनेमें किंकनी ते ते ते ते तिधाः पायनमे पिज्जनी धिः धिलांगर २ धिक्की तक तक थुंगा तत थाः भनत शंकर विहारी तिगदाता थेई प्यारी ऐसी नही हे ओर त्रियाः तकर् थुं गे था देखनेके येही दिन थुन्तक ३ चसं चसा लसी तथै ता थैता थैता तीदत थेई ॥ १ ॥

जटिर् गंगाधर मुकट मगोरी ग्रावग्री कर किंकन ऊतमथा तत् तत् था हस्त कवलदल पुत्र बिन्यायक फिर नंगाथो थोरु दर सही शिव कालेगेरु दर सहा गिन थरींग थरींग मन हुलासे डिमरु केः डिम् २ घंटा वाहन ठलंकार त्रतीयक नैत्रक पत्र कथा ॥ २ ॥

॥ श्रीराधाकृष्ण नृत्य रासलीला ॥

नृत्य सांगीत.



॥ तालतिताला ॥

धां कीड्धांन धागेतीटि कत धाधा कीटतक धाकीटतकधीकीटि धाधीकीटि

कत गिदिगन वंसीवट ओर जमुनाके तट करत रास नागरी नागर नट पहेरन

नील ऊर पीत पट श्रवनन कुंडल सीस मुकट नृत्य करत दोऊ अरस पर [illegible]

घुंघुरू बजतहैं झुंमकझुमकः (क्र) त थेइ दीग् दीग् थेई तेत्तूकत्ताता तीगदाथेई

तेदीगदीग् तत् तदीगदीग तेत्तकत्तात्ता तीगदा थेई ।ऽथेईऽ दीगदीगतेतूकत्ताता त्ती

गदाथेई २ (श्री) दीगदीग् दीगदीग् दीगदीग दीगदीग तेतकत्ताता तीगदाथेई ते

दीगदीग् तत् त दीगदीग् तेतक त्ताताती गदा थेइ ।ऽ थेई ऽ दीगदीग् तेत्तकताता

तीगदाथेई २ (क) त्त थेइ दीगदीग थेई तेतकताता तीगदा थेइ २ (श्री) दीगदीग दीगदीग दीगदीग दीगदीग तेतकत्ताताचीगदा थेइ २ (श्रीकृष्ण) तेतकताता तीगदा थेई २ तथेइ तथेइ त्तथेइ त्तथेइ थेइत्ता २ त्त ३ थेइ दीगदीग थेइ तेतकत्ताता तीगदाथेइ तेदीगदीग ततत दीगदीग तेतकताता तीगदाथेइ ।ऽ थेई ऽ दीगदीग तेतकताता तीग दातीतकथेई बाजेबजत विविधकर तवत वितत ओर घएन शिखर त्ताहा शरद निशा मानोपूरण चंद्र जबबाजत मेंथनाद मृदंअग बजावत श्याम धकीटतक धुमकीटतक तरंग ततकीडां ण त्ता ध्यां ॥ त्ततकीडांण त्ता ध्या। ततकीडांण त्ता ध्यान धर शंकर रहे लुभ्याय लेचरण कमल रजको शिर न्हांय। जैतसमको कियो ऊधार अवकलुक संगीत शास्त्रविचार तकीटधीकीट धुमकीटत्तकध्धेता ताकीट्तकधीकीट धाधीकीटकत ग.दिगन कीड्धांनधा कीडधांनधा कीडधांनधा ॥ १ ॥ सं० ॥

(क) ऊपर जाहाऐसाचिन्हहें वाहांपर श्रीकृष्णके नृत्य शांगितहें

(श्री) जहा ऐसाचिन्हहे वहापर श्री राधिकाजीके नृत्य शांगितहें

श्रीवीष्णुजित ताल तीताला सुधी

तंः जिग ३ तगततथाः शान्ता ततकार थरिकिटि भुजगसयनं धीकी २ तक थरिकीटि पद्मनाभम झिनाकिटिथरीथाः ढींढीरटीगन सुरेसुरं धीधीकिटतकदीव दीवथाः ठंगनाविश्वा जगथरिथारः ढिंकूकू२तक गगनसुदर्शनताऽकीटथरींग मेघवरन सुभतकाकिनझक किनतकजकनक कुन्था दामदामगिनतक लक्ष्मीकान्तिक द्रुमकिट द्रुमकिट कमलनेनथरिथरिथा जोगविधांनगतिः थडिंगर२तककींनगथाःढीकुकू२गंवन्दे किटिश्झं विष्णुथरिकिटि भौभेहरनं जगथरिकिटि तकसर्व लोकीकनाथं दासंजग ३ नगः डग ३ नग ढगनगकीं नगदीन्था ॥ २ ॥

श्रीगुरु चर्ण कमलेभ्योनमः (ऐक ताल)

थेई त वत थेई तवत ता ता कु कु टे हे कु कु र टी ग न तक झेंझे झीं तं झें तं जिग जिग थाः था की ण झें की ण झें कीं न न झंः झीन कीट तक झें जिग जिग सुन्दर दन्तक थों गजमुख दंत क थो जिग ३ झीन किट तकः ताकु ना तक कू कू ताः तक ताकु ना ४ झेः अति बिचत्र राज न पति राज माहाराजा श्री श्री श्री गोवर्द्धनलाल दे त तुरंग ता जी ता हां रीझें दे त हा थी जा हा वाजे वाजत तव त त्रि तव घन्न शिखर गुनी जन मिल गुणे गावे पावे सन्न मान तन्न देत नित्त नित्त ही दान गं ग जगन तु लोभान चीरंजीव ४ वाजे निशानः धग्ड तक न किटि तक् धी ध ग्ड तक ना किटि तक धीः धग्ड तक ना किड तक ४ धी धी धी धी २ द्वे तां ग थो॥ १॥

॥ श्रीमाहाराणा फत्तेह सीहगजी ॥

(आसीर्वाद)

तालचौतालाः लै आडी ॥ ॥ तग्कधीकीट धांकीटतक धीकीटि धातीन् नाना धातीन्नाना नटततानःनटत्ततानः दानवली मानवली तेगवली तागवलीः बजतानिशान धृग्डत्तकझीं धृग्डतकझींझीं ३ धृग्डतकझीं राजनपत्तिराज राजा श्रीश्री श्री माहाराणा फत्तेहसींहग माहाबली धर्मराज धर्मकाज मृगपति सोयुद्धकरत करत सीकार खुलेचोक धऽधडाधड धिन्‌कधाः गुणीजनसब करत्तगांन सुजस चहुओरव खान संकरहीधरत्तध्यांन जीतनगारे बजोंसदाः धृग्डत्तकधुमकिटत्तकधाऽधृग्डतक धुमकीटतकधाऽधृग्डतकधुमकिटितकधाऽ ॥ १ ॥

ओरभी गनेश परणवहुतसीहें विष्णुपरणभीहें राजानकोआशीर्वादकीभीहे कोचटकाशद्वपर तथाटीटोडीके शद्व ऊपरभी परनेबनीहुई ओर सांगीतकेबोल नृत्यकेभी वोहोतहेसो अव अगाडी वढायकर लीखेगे यहापर मृदंगाध्याय पहलेलीखे हे पहलेतोमृदंग (पखावज) मे कोनकोन अक्षर मुख्यहे ओर ऊनकेसाथ ईसारे कोनकोन अक्षरंनिकलेगे ॥

गांनती	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
अक्षर	ता	त॰	दां	थुं	ना	धा	ड	धे	दी	ग	खिर्र	झें	म
आश्रित	१ रां २ क	ग	१ ण २ क	१ धु २ धा	१ लां	थेई	डां	धीं	कि	टि	शर्र	०	

१ता पखावजमे प्रथम ऊँकार शब्दहे इस्सेनाद पेदाहोतां हे नाद हे वोही बृह्म हें (परमात्माहें) ओर ताल इस ग्रंथमें मुख्य हें तालकालको ऐकही प्रमान हें कालकेवसमवहे प्रमाण इन्द्र प्रस्थके नादविनोद ग्रंथमेंश्लोकलीखे हे श्लोक ॥ गीतं वाद्यं तथा नृत्यं भातिताले प्रतिष्टितं ॥ अथ तालं प्रवक्षाभि कालरुपं जगतगुरु ॥ जनयतं सुखं गीते वाद्य नृत्य विशेषवित् ॥ ऊत्पत्या त्रयंलोके, एनताले नजायतें॥१॥ कीटकादि पशूनांच ताले नैव गतिर्भवेत् ॥ यानिकानिच कर्माणि लोकेतालेऽश्रुता निच ॥ २ ॥ आदित्यादि ग्रहाणांच ताले नैव गतिर्भवेत् ॥ बृह्मकल्पोपि कालेन यतः कालवशंगतः ॥ ३ ॥ कालक्रया वसाच्छिन्न तालशब्देन भंण्यते हस्तद्वयस्य संयोग वियोगे चापि वर्तते ॥ ४ ॥ तालमे लय होती हे ओर लय होकर जव मनको आनंद प्राप्त होता हे आनंद होकर श्री पुरुषोत्तम का दरसण होकर, मोक्ष फल दायक होता हें जैसां सिवजी नारदजी गोपिका इत्यादि ॥

प्रथम ईसीका ऊच्चार कीया जायगा येही जो मनको मोहित करने वाला शब्द हें सिरु होतेही अच्छे यावुरे की माल्यूम पडती हे येही पहले पहेल सीखाया जाय इसको थप्पी भी कहते हें दाहीने हाथकी चारो अंगुली बराबर जोडकर चट्टी (कनिष्टा) अगुली की तरफ कि जोहथेली का भागको पखावज की श्याई की पुडी के कुछ ऊपर की तरफ कुछ जोरसें लगाकर आहिस्ते २ हटाई जावे की ऊस्मे से ज्योती पेदा हो जावे.

२ त॰ पुडाकी तरफ बाहे हाथमे हथेली चारो अगुली समेत जोरसे देनेसे त॰ का आवाज होगा—ईसीकोगभी कहते येही अवाज ग की हें—

। ३ दी। । स्याई की पुडी की तरफ दाहिने हाथकी चारो अगुली के अग्रभाग को मिलाके छपका लगानेसे दी शब्द बोलेगा ओर नोंमें नम्बर पे फेर दी शब्द रखा हैं वो ओर यह ऐकही हें परंतु ऊस्में ईतनाही फरक हे की वोदी तीन ऊगलीके अग्र भागसें छपकालगाकर नीकासी जायगी कारण की ऊस्के आगेका अक्षर ग (ट) हें वोहोत जलदी नीकालनेकी जरूरत पडती हे ऊस्में जो पहेलेकी अगुली ऊस्मेसें नीकाल दीगइ ऊसका येही सबब हे कि ऊस निकासी हुइ ऊगुलीके अग्र भागसे ग (ट) नीकलेगा ईसीसे वो दी अलग दीखाई गईहें.

४ थुं—बाहे हाथसें बाहे की तरफ आधे हाथसे (चारोअगुली) ढीलें तोरपर मारनेसे थुं का आवाज होगा इनमेसे धु—थी—धी निकलता हें—

५ ना पुडीकी तरफ दाहेने हाथकी पहली ऐक ऊगुलीमें अग्रभागसें ताकत् देकर बोलानेसे न की आवाज पेदा होती हे ना. से. लां. कीं आवाज पैदा होती हे.

६ धा—ये पखावजपर दोनो तरफ कों लगाई जाती हें दाहने हाथसे नों ना की तरह ओंर बांह हाथसे पुडेकी तरफ दोनो हाथोकी आवाज एकसाथ निकलनेसे धांबोलेगी सम ईसीसें मालुम होता हे ईसी तरहमें थेई भी येही बोलेगी

७ ड यह दाहने हाथसे पुडी की तरफ अगोठेके ईसारेसे बोलेगा डाभी येहीहे

८ धे—दोनो हाथोकी चारोंई अगुली दोनो तरफ पखावज पे जोरसे दबानेसे धें बोलेगी इसी तरहसे धी शब्द भी बोलेगा

९ दी—त्था. की. येकही तरहेसे बोलेगी दाहिनें हाथसें अगोठे की तरफ की अंगुली [तर्जनी] ऊस्को अलगकर बाकी तीन अंगुलीनका छपका शाईके ऊपर पडनेसें दीं की का शब्द होगा.

१० ग—त्था टि-दाहेने हाथकें अगुठे की तरफ की जो अगुली (जो नम्बर ९ में अलग ऊठाली गईथी) ऊसी ऊगलीसे ग त्था टि बोलेगा बाकी की बेतीनो अगुरी स्याहीपर से हटाली जावेगी

११ खिरे ये स्याई तरफ अगुष्टे कों ओर बीचकी अगुरी दोनोको मिलाकर श्याइके ऊपर घसीट लगाई जाती हैं ईसी तरहसे थरें भी बोलेगी

१२ झें–यह जो शद्ध पखावजके दोनों तरफ दोनो हाथों को ढीले रखकर बजाने झें शद्ध बोलेगा ओरम इसी तरहसे पुडी की तरफ एक हायसे बोलता हे

अब ईनके आगे ओरभी शद्ध हे कू–टोहों–परंतु यह तो बोहोतकम बजानेमें आते हे शद्धमे तो बोहोत जगहपर आते हैं परंतु बजानेवाला फुरतीवाला हो तो ऊतनींले के अन्दाजनमें कू पाचो अगुरीनको मिलाकर श्याईके ऊपर लगानेसे बोलेगा. ओर टोहो शब्द श्याईकि पुडींके ऊपर खोणीसे बजानेमे बोलालेवेंहे परंतु यहतो राजाओको खुस करनेकी वाते हें, जेसे दोनो हाथोंसे पुडाकी तरफ थिलांग लगाते पुडींकी तरफ कीडाण लगालेते हें ओर ईस्के अलांवे सलामी भी पखावजपर लेते हें यह सब रहीसो को खुसकरता हें कोई ऐसी बात हें नहीं की जिस्कों यहापर विचारकरके लीखें

अब पडार–परण बोल (पेसकार टूकडे–मोहरें का कोन कोन भदेहें

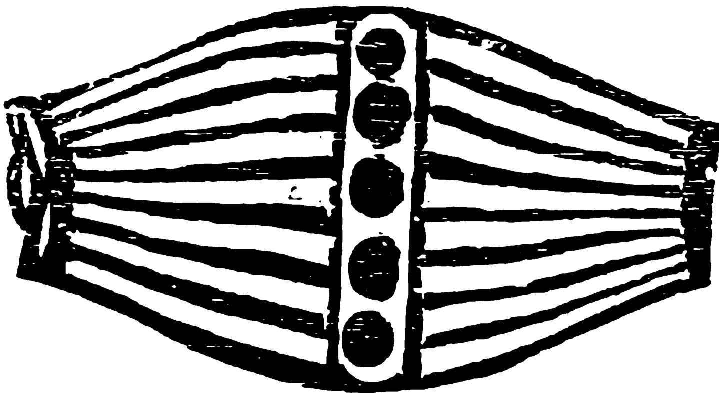
१ पडार–ऊस्को कहते हें की एक एक अक्षरपर लडगुथावहों

२ बोल–ऊस्को कहते हे कि समसे समतक पुरा बेठे ओर सिधी चाल हो तालका दरसाव हो जावे कि फलानी फलानी तालका बोल हें

३ परण–ऊस्को कहते हें पहेले कुछ सम और फिर कुछ दुगणके अक्षर हों ईसी तरहसें दो चार आवडदीमें सम देती हो ऊस्को परण कहते हें

४टूकडे–चार मात्रा या छे मात्रा आठ मात्रा त्था बारे मात्रा त्था १६ मात्रा तक होते हें वो अपनी अपनी जगहसे समके ऊपर तीसरी दफेंमे समदेते बाकीके दो टुकडेका सम खाली मात्रा ओमें जाता हे ऊस्को टुकडे कहेंगे

५ मोहरे– ऊस्कों कहतेहे जो साथ (लपेट) माने वालेके साथ खुला बाज बजाते हे ओर ऊस्के अंतमें मुखडा बादकर एक देकेमें या ऊसीको तीन दफे आते हे मात्रा ४–६–के होते हें जेसे: ध टी ग न धा इत्यादि ॥



अब प्रथम पडार लिखे हैं ॥ ताल तिताला ॥ ले. ठाकी ॥

० । ० ० । ० ५ । ० ०

ता । दी । थुं । न । कि । टि । त । क । धं । दी ग । न । धा ॥१॥

अब बरावर ले ॥ धाधिंधिंधिंधाऽ तेतूतेतूताऽ ॥ ताता दीदी थुंथुं नांनां: कीटितक धादेग न धा ॥ अब सम दुगणकी ॥ ताता दीदी थुंथुं नाना: किटितक धदीगनधा ३ ॥ ४ ॥ ॥ पडार आडीलेकी ॥ ताताता । दींदींदी । थुंथुंथुं । नानाना । तकीटतका: दीकीटतका: थुंकीटतका: नकीटितका: तकिटिधाकधाऽ३॥५॥

पडार दुगणलेकी ॥ तातातातः दीदीदीदी: थुंथुंथुंथुं: नानानाना: तकीटिदीकिटितक: दीकिटितकिटितक: थुंकिटिनाकिटितक: नकीटिथुंकिटतक: ताकिटितकिटितक धाऽ ३ ॥६ ॥ ॥ पडार ठादुणकी ॥ ताः दीः थुंः नाः ताः किटि२तक दिनूधा । धे धे त्तार२ नाः किटि२तक दिनूधा । तकदेत् ३ धुमकिटिकिटितक दिनूधा । धाऽदिन । धाधा दिनः धादिन धादिन २ धाधा दिनः धाकिटिकिटि ४ धाऽदिनः ता दी थुं नाः तत किडाणताधाऽ ३ ॥ ॥७॥

पडार दुणकी ॥ ॥ताकिटित किटितक ३ ताता २ दीकिटित किटितक ३ दींदी २ थुंकिटित किटितक ३ थुथु २ नाकेटित किटितक ३ नाना २ तकीटित किटितक: ताता २ दीकिटित किटितक: दींदी २ थुकिटित किटितक: थुथु २

नकीटित किटितकः नाना २ तकीटित किटितकः दिकिटित किटितकः थुकिटित किटितकः नाकिटित किटितकः ताकिटित किटितक ३ तकथा गदीगनथा ॥८॥ ॥

पडार ठा. दुगन॥ तत् किटि २ ताकिटितकाकिटिः ताकिटितकाः किट्तिक्ः ताकिटितकाः दीत किटितत् किटि ताकिटितका किटि ताकिटितकाः किट्तक् ताकिटि तकाः थुनाकिटि ततकिटि ताकिटितका किटि ताकिटितकाः किट्तिक् तीकटितकः ननकिटि ततकिटि ताकिटितका किटि ताकिटितकाः किट्तक्ः ताकिटितकाः ततकिटि २ ताकिटितका किटिः दित किटि तनकिटि तकीटितकाकिटिः थुनाकिटि ततकिटि ताकिटितकाकिटिः ननकिटि ततकिटि तकीटितकाः किट्तिक् ताकिटतकाः किटिनक दीकिटितकाः किटितक थुंकिटतकाः किवितक नकीटितकाः ततक धीकिटि धिधि किटिकत गदीगन ३ ॥६॥ ॥९॥ तानाताता २ ताताव तातातातो। दीदीदीदी २ दीदी दीदीदीदी। थुथुथुथु २ थुथ्थुं थुथुथुथु। नानानाना २ नान्ना नानानाना। ताताव तातातातो। दीदी दीदीदीदी। थुथ्थु थुथुथुथु। नान्ना नानानाना। तात दीदी तातादीदी तातात्र तातातो दीदी तातात दीदीदी ताथुंथुंथुंथुं नानानाना २ तातात दीदीदी ताथुंथुंथुंथुं नानानाना २ थुंथुंथुंथुं नानानाना २ थुंथुं नाना २ कीटितक धदीगनथाऽ ३ ॥ ॥१०॥

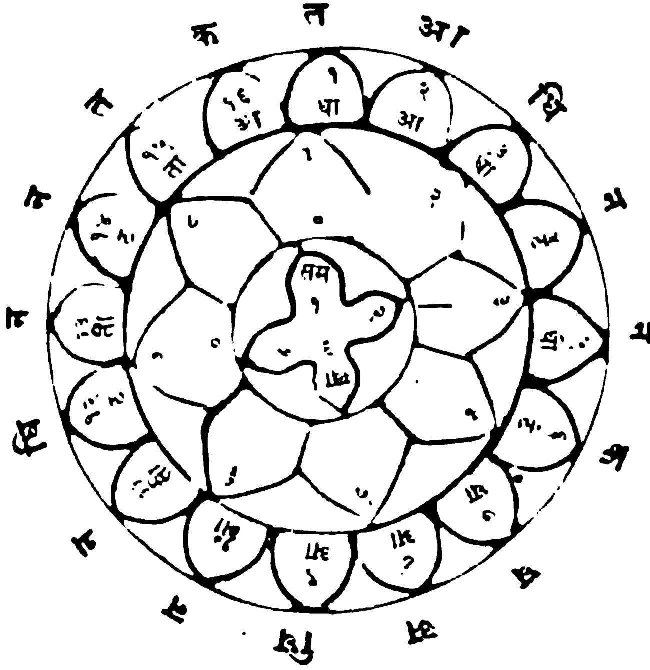
पडार दुगणकी॥ तानाताता ताकिटि किटितक २ ताताता किटि किटितक २ ताकिटि किटितकः दीदीदीदीदी किटि किटितक २ दीदीदी किटि किटितक २ दीकिटि किटितकः थुंथुंथुंथुंथुं किटि किटितक २ थुंथुं थुकिटि किटितक २ थुंकिटि किटितकः नानानाना नाकिटि किटितक २ नानानाकिटि किटितकः २ नाकिटि किटितकः ताता ताकिटि किटितक २ ताः किटि २ तकः दीदी दीकिटि किटितक २ दीः किटिरतकः थुंथुं थुकिटि किटितक २ थुं: किटिकिटितकः नाना नाकिटि किटि तक २ नाः किटि २ तकः ताः किटि किटितकः दीकिटि किटितकः थुं किटिकिटि तकः नाकिटि किटितकः ताः किटि २ ताकिटि तकाकीटतकः दीः कीट २ ताकिटि तकाकीटतकः थुंः किटि २ ताकिट तकाकीटतकः नाः किटि २ ताकिट तकाकीटतकः धेन्नाव धातिधा किटितक धमकिटि धमकिटितक धदीगनथा॥ ॥११॥

पडार ठादुणकी ॥ तनथुंगा तक्काथुंगा ताः किटि २ तक तक्काथुंगा तकीटि धिकिटितक ताः किटि २ तकतक्का थुंगाः तक्का तक्का थुंगा २ तक्काथुंगाः ताकिट किटतक ३ तक्काथुंगाः दीनः थुंगा दीक्काथुंगा दीः किटि २ तक दिक्काथुंगा दीकीटी तकीटीतक दीः किटि २ तक दीक्काथुंगाः दीक्कादीक्का थुंगा २ दीक्काथुंगा दीकिटि किटितक ३ तक दीक्काथुंगाः थुन् थुंगाथुंगाथुंगा थुंः किटि २ तक थुंगाथुंगा थुः किटित किटितक थुः किट २ तक थुंगाथुंगाः थुंगाथुंगातक २ थुंगातकः थुकिटि किटितक ३ थुंगातकः ननथुंगा नंगाथुंगा नाकिटि किटितक नंगाथुंगा नकिटि तकीटतक नाः किटि २ तक नंगाथुगाः नंगानंगा थुंगा २ नंगाथुंगाः नाकिटि किटि तक ३ नंगाथुंगाः । तत्थुंगा तक्काथुंगा ताः किटिकिटितक तक्काथुंगाः दीतथुंगा दीक्काथुंगा दिकिटि किटितक दीक्काथुंगाः थुंः थुंगाथुंगाथुंगाथुंः किटिकिटितक थुंगाथुंगाः ननथुंगा नंगा थुंगा नाः किट २ तक नंगाथुंगाः । तत थुंगाः तकीट ३ तकाः दीतथुंगाः दीकिटःत. किटतकिटितकाः थुंथुंगा थुकिटीतकीटताकिटनकाः नन थुंगाः नकिटित किटिताकिटिनकाःतकिट ३ तकाः दीकिटिःताकिटि २ तकाः थुंकिटिताकिटिताकिटितकाः नकिटितकिटिताकिटतकाः तकिटितकाः दीकिटितकाः थुंकिटितकाः नकिटितकः तत थुंगाः दीत थुंगाः थुंन थुंगाः ननथंगाः तकिटिधिकिटितकता कीटकिटनक तक्काथुंगाः तरांगधाऽ ३ ॥ ॥ १२ ॥ ॥



॥ श्रीनाथांजयती ॥

चक्र तिताला मात्रा १६ का.



ताल ३-१ क खाली-ताल दोद्रुत ऐक लघुरूप यहहें ०।०

॥ टुकडे बराबर लेके ॥

० । ० ० ० ०।
धा धें धें धाः कीटी तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धा धें धें धाः कीटी तक
० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ सम १ २ ३ ४ ५ ६
तरांग धा ॥ २ ॥ ॥ धां धें धें धाः धे त्तां धंदी गन धा ॥ ३ ॥ ॥ धा धे धे धा
॥७॥-८ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ० १ २ ३ ४
धे त्ता तरांग धा ॥ ४ ॥ ॥ धां धे धे धाः तक तक धंदी गन धा ॥ ५ ॥ ॥ धा
५ ६ ॥७॥८ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ० १
धे धे धाः तक तक तरांग धा ॥ ६ ॥ ॥ धां धे धे धाः घींघी ता धंदी गन धा ७॥
२ ३ ४ ५ ६ ॥७॥८ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ०

॥ ॥ धां धे धें धाः धींधीं ता तंरांग धा ॥८॥ ॥ धां धे धें धा धुम किटि धदी
१ २ ३ ४ ५ ६ ॥७॥८ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७

गन धा ॥ ९ ॥ ॥ धां धे धें धाः धुम कीट तरांग धा ॥ १० ॥ ॥ धा धे धें धा
८ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ॥७॥८ ० १ २ ४

आ ते तें ताः धंदी धन धाः धदी गन धाः धंदी गन धाः ॥ १ ॥ ॥ धदी गन धा
५ ६ ७ ८ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ० १ २ ३

धदी गन धाः धंदी गन धा ॥ १॥ ॥ धदी गनधा तारांग धा धदी गन धा ॥ २ ॥
३ ५ ६ ७ ८ ० १ २ ३ ४ ६ ७ ०

॥ धदी गन धा धदी गन धदी गन धे धा ॥ ३ ॥
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

० । ऽ ० । ०
धा किटितक धुमकीटतक धंदीगन धा ॥ १ ॥ धाकीटतक धुमकीटतक तराग धा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ सम १ २ ३ ४ — ५ ६ १ सम
७॥

॥ २ ॥ ॥ धांकिटकिट धुम कीटतक धंदीगन धा ॥ ३ ॥ धाकिटकिटि धुम
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ सम १ २ ३ ४

किटितक तंरागन धा ॥ ४ ॥ ॥ धां धुमकिटितकधेत्ता धंदीगन धा ॥ ५ ॥
५ ६ १ ८ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ —
७॥

धांधुमकिटितकधेत्ता तंराग धा ॥ ६ ॥ धांधेत्ता कातार्कीटीतक धंदीगनधा ॥ ७ ॥
१ २ ३ ४ ५ ६ १ ८ —— १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ —
७॥

धां धेत्ता कातांकिटितक तंराग धा ॥ ८ ॥ धांकिटितक धा किटितक धंदीगन
१ २ ३ ४ ५ ६ १ ८ —— १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
७॥

धा ॥ ९ ॥ धांकिटितक धा किटितक तंराग धा ॥ १० ॥
— १ २ ३ ४ ५ ६ १ ८ ——
७॥

॥ अत्र तित्तालाकि दुगणकी धिननक नें दुगण कामान मात्रा १६/३२ का ॥ बराबरकीले

में लेतो आवुरदी दोमेंआवें नेदुगणले में लेतो आवुरदी एकमे आवें ॥ ॥

तां धिननकं धेधि ननक धिंननक धें धे धिननक धिनन धिनन तक ॥
१ ० २ ० ३ ० ४ ० ५ ० ६ ० ७ ० ८ ० ९ ० १० ० ११ ० १२ ० १३ ० १४ ० १५ ० १६ ०

धंकिटिधा क धाधीकिटि धागेदींगे तक किटनकिटतका किन धागे
१ ० २ ० ३ ० ४ ० ५ ० ६ ० ७ ० ८ ० ९ ० १० ० ११ ० १२
दींगन धागें दींगन धा ॥ १ ॥
० १३ ० १४ ० १५ ० १६ ०—

धाकिटिनकीटिनका २ धेत्ता धेत्तकदीन् धाधींकीटतकिटितका धाकधा ॥ २ ॥ धाधाक धाकः धातक धदींगन ३ धा ॥ ३ ॥ धाधीन् तना घिरकिटिनक कत्तधी त्तीटी धीलांन तकधदी गनधा ॥ ४ ॥ ॥ नकिटिधीकिटि धेतगनांगः तकिट २ तकधादींन् तकधीकीतकधीः किट २ तकधदींगनधा ॥ ५ ॥ ॥ का धीधीताधीः धी २ तातक धीकीतकधीन् धीनकिटीत किटितका किटनक धीन्ना किटितकधा ॥ ६ ॥ ॥ धुमकिटितटिकीटितकाकिट तकधुमकिटितकीटतका किटतकधदींगनधाः ॥ ७ ॥ ॥ ॥ धुमधेत्ता घित्तांग तकधीकीतक तकीटिधीकिटिधिलांग कतगदींगनधा ॥ ८ ॥ ताधिलांगतकतताः कीट २ तकीट तकाका किटतकधदींगनधा ॥ ९ ॥ ॥ ताघिलांग २ तकधा ताकिटिघिकिटि धिलांगः तकधदींगनधा ॥ १०॥ ॥ ता किटि २ तकिटतका किटि २ तकिटितकाकाः किटिनक धदींगनधा ॥ ११ ॥

ताः देअ धा धाकिटितक धुमकिट धुमाकिटिनक धदींगनधा ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ तकथो धीकीथों धीकीतगथाथा घिलांगनक धदींगनधा ॥ १६ ॥ ॥ तान् थुंन् तकथुंनः तक२ घिकितक तकधीकीतकधिलांगनक धदींघनधा ॥ १४ ॥ ॥ तकतकथुन् २ तकथुन् तका तकथुन् तकधदींगनधा ॥ १५ ॥ ॥ तकधीकीतक २ धीकीतक तकधीकीतक घिलांगनक धदींगनधा ॥ १६ ॥ ॥ कीतक धा धाधा कीटतकधा धातकधा कीटनिक धदींगनधा ॥ १७॥ ॥ कीटिनकीटतका किटि-तकधदींगन ततधेत्ता धुमकिटितक धदींगनधा ॥ १८ ॥ ॥ धाकीटतकिटितका किटिःतकधुमकिटितकितका किटीतक धदींगनधा ॥ १९ ॥ ॥ धाकिट् २ कीटीःधा२ किटितकधकिटितकिटि धाधाकिटि धकिटधाकधा ॥२०॥ ॥ धेत्ता २ धादीन् धाकि-टितकः धुमकिटि२तकधदींगन धा ॥ २१॥ ॥ धाकिटि तक २ धादिन्धाकिटितकधा किटितकधदींगनधा ॥ २२ ॥ ॥ धादीन धाकिटीतकिटितकाकिटिः तगनगदेअ धाकिटिनक धदींगनधा ॥ २३ ॥ ॥ धादिंन धुमकिटनकिटितकाकिटतकधेत्ता

धुमकिटि २ तकधद्गीगनधा ॥ २४॥ ॥ धाआः धद्गीगन ३ धातगनगद् भः द्धतरागधा ॥ २५॥ ॥ धा धुमकिटिनगनांग धा तक किटितक धद्गीगनधा ॥ २६॥ ॥ धा किटी-किटितकीटतका किटः टगनगदेअ धा किटीतक धद्गीगनधा ॥ २७ ॥ ॥ धा किडनान्ः नकिटितकः धीनना तक धीनना धीनना तकधद्गीगनधा ॥ २८ ॥ ॥ धा ध्येत्त २ ध्ये ध्ये किटितक ध्ये तरागधा कीटीतक धद्गीगनधा ॥ २९ ॥ ॥ धाग्धीकीतकनकधाः धा २ कीटिकिटितकधा । कीटितका धाकधाकधा ॥ ३० ॥ ॥ धाग्तक धाधा किटतकतकाकिटिधा किटः तक २ किटधाधाधा ॥ ३१ ॥ ॥ धाग्तक धुमकीटिः तरांग ३ तक धद्गीगनधा ॥ ३२ ॥ धाग्तकः धुमकीटि ४ तक धद्गीगनधा ॥ ३३ ॥

॥ अब तितालाकी आडकी धिननक ॥

॥ ने आडकामान मात्रा १२--२४ का ॥

० । ० मम

ता धि न न क ध्ये धि न न क धि न न क धि न न धि न न त क ॥

१ ० २ ० ३ ० ४ ० ५ ० ६ ० ७ ० ८ ० ९ ० १० ० ११ ० १२

० । ०

धा कि टि त क धु म कि टि त क ध्ये ता कि टि त क ध द्गी ग न धा ॥ १॥

१ ० २ ० ३ ० ४ ० ५ ० ६ ० ७ ० ८ ० ९ १० ० ११ ० १२ ०

धाँकिटिदिन् धुमकीटतक ध्येता किटितक धद्गीगनधा ॥ २ ॥

धाः किटि २ तकीटतका किटि धुमाकिटितक धद्गीगनधा ॥ ३ ॥

धा कीटतक २ किटिधा किटितक धद्गीगनधा ॥ ४ ॥

धाः किडांण धुमकिटितक ध्येत्ता किटितक धद्गीगनधा ॥ ५ ॥

धाः किनांग धुमकिटितक ध्येता किटितक धद्गीगनधा ॥ ६ ॥

धाः धुमकिटितक ध्येता कीटतक धद्गीगन धाधाधा ॥ ७ ॥

धाः धुमकिटि तकिटितका किटतक धद्गीगन धाधाधा ॥ ८ ॥

धाः ध्येत्ता तक ध्येत्ताः ध्येत्ता २ धद्गीगन धा ॥ ९ ॥

धाः ध्येत्ता काता किटितकः ध्येत्ता २ धद्गीगनधाः ॥ १० ॥

धाः आः तक दधिनातक धानधाऽ ३ ॥ ११ ॥

इसी जोडके बोल चोतालाकी बराबर कीलेमें है सो सब पुरे बैठते हैं.

अवतीताला कीतीगण कीधेननक नेतीगण

का मान मात्रा २४ ४८ का ॥ वरोवरमे लेतो आवडदी तीन में आवे ॥ नेआडीले मेलेतो आवर्दी दौमे अवि नेतीगुणी लेमेल तो अवर्दी एकमेआवें ॥

॥ तांधेननक धअधेननक ध्धें ध्धें धेननक धेनन धेनन तकधां धेनन धेननं तकधा धेननंधेननंतकधां ॥ ॥ धां कि टि धि धि कि धि तराण तंकधा किटितक धादिनधा किटि धांधी किटि तंक धांकिट धुमाकिटतक धंदीगन . धां ॥१॥ ॥ धाकिट किटितकः धीर२ किटि धुमकिटितक धीनूत्तरांण धाकधाक धादिनूना किटिधुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ २॥ ॥ धाकिटितकः धा ३ धुमकिटतक ध्धेतरांगन गदेअधा किटितकः ध्धेत्ता किटितक धद्दीगनधा ॥ ३ ।. ॥

धाकिटतक ध्धेध्धे धाडना किटितक धुमकिटितक धुमकिटितक ध्धेत्ता कतकधाक तकटद्दीगनधा ॥ ४ ॥ ॥ किटिधुमकिटि तकध्धेत्ता तकिटिधीकीटी धीनतरांणः धुमकीटतक तत्किडाण किडनगदेअ तकाअधाकधा ॥ ५॥ ॥

कतकधाक धादिनूतक धीर२ नातक धुमतरांण धाकिडाग धुमकिटितक डिकितकदेअ ताआधाकधा ॥ ६ ॥ कतक धाक किडनगदेअः काताः कीट २ तकतरांण किटितक धुमकिटध्धेत्ता तकाधाक किटितरांणडा ॥ ७ ॥ धादिन्तक धुम किटितकतकीटधाक धाकिटिद्दिन् तअकिडाण धुमकिटितकः धींधी दनदन तकि टितकधा ॥ ८ ॥ धादिनूतक काताकिटितक धुमाकिटितक धादिनूना तकिटितका धिधिनतकिटि तकीडाण धीदिनूताड धा ॥ ९ ॥ तत्किन ताताकिन तकीन ताताकिन धिकिटिधाकः धीनां धाटधाआः धीनांधाट धाआः धीनांधाट ॥ १० ॥ तकधाः ध्धेधाः दिनूधाः किटिः धुमकिटितकधद्दीगनधा ३ ॥ ११ ॥ तरांगध्धेत्ताः ध्धेध्धेत्ताः धुम-किटितकधद्दीगनधा ३ ॥ १२ ॥ तरांगधाधाः दीगनधाधाः ध्धेत्ताधद्दीगनधाआ ३ ॥ १३ ॥ ध्धेत्ता २ धादिन् धाकिटिः तक धुमकिटितक धाआ ३ ॥ १४ ॥ ध्धेताः तकधादिनूनाः धी २ किटितकः धाक २ धाकिटितकध्धेः तरांगधा ३ ॥ १५ ॥ धाधा ३ तकिटिः ता २ किटितकः धा २ तकिटिधाकः धा २ किटितक धद्दीगनः धा ३ ॥ १६ ॥ धा २ धा धेनकधा धेना धीकीः तक २ देअः धादिनूना

तकः धद्गीगनधा ३ ॥ १७ ॥ ॥ धाकीटताकीटतक [illegible]
नगध्धेअता धीन्‌नडांल धाधिन्‌ना कण्तीटीधाआ किटितक धद्गीगनधा ॥ १८ ॥
॥ धुमकिटी तकीटतकाआ धी २ किटितकः तक्धेअताः ध्धेतकांन धादिन्‌नाः ताकिटिताः किटितक धद्गीगनधा ॥ १९ ॥ ॥ धाआः किटितक तक २ धा २ किटितकः धीडना किटितकः देअकिटिकिट तक दिन्‌नाआड देअधा ॥ २० ॥ ॥ किटिधाकिटि किटतक धुमकिटि किटि धीधींकीटतराण किटिध्धेता धुमकिटि तक्धीन्‌ तरांण तकीटधाकधा ॥ २१ ॥ ॥ धाआः किटि ३ तकः धीरकीटतकः ध्धेत्तातकः धेधे धाआनाआ तकः किट २ तत्‌ कीडाण देअ ३ धा ॥ २२ ॥ ॥ धाआ ध्धेता कीटतकः तेटे २ देत्ता नकीट धींकिटि धुमकिटितक ध्धेत्ता जिगकत नंकिटी दंगनधा ॥ २३ ॥ ॥ धाआः धिग २ धींकिटितः तक २ नाकिटितक धीं २ किटिः तक २ नकाआः धाधाधा नगद्गीगन धा ॥ २४ ॥ ॥ धाआ धुमकिटि तत्‌ किटि २ तकीटतका तकीटतः तकधा किटितक धद्गीगन धाकिटि धाद्देअ धादंग नंधा ॥ २५ ॥ ॥ धा धुमकिटि तक धुन्‌ धुन्‌नाः तक २ धादंन्‌ धादिन्‌नाः धीं कीनक धीलांग तक धदीगन धाकधा ॥ २६ ॥ ॥ धाआ ताआ तत्‌ काधुन्‌गा धातुन्ना कीडना तत्‌ काधुंगा किटितकीटतकाः किटतक धद्गीगनधा ॥ २७ ॥ ॥ धाआ ताता धींकिटितक धाधीलांग किटतकता ध्धेताकिटतकतक ध्धेत्ता किटतक धद्गीगनधा ॥ २८ ॥ ॥ धाआ ताकीटतकः किट २ धाकीटतकः धिधिकिटि धाकिटित ध्धेतकांन किटितकतक तरांग धद्गीगनधा ॥ २९ ॥ ॥ धाताकीटतक धाकीटतक किटिकिटितकत्तक धींकींकीटतकतः धीं २ कीटनक ध्धेत्ता किटतक धद्गीगन धा ॥ ३० ॥



अब तीतालाकी चोगण लेंकी थिननकं ओर चोगणले कामान मात्रा ३२/६४ का बराबरमे ले तो आवर्दी चारमें आवे ने दुगणमें ले तो आवर्दी दोमें आवे चोगणमें लेतो आवर्दी एकमें आवें।

त आ थि न न क धे अ धें न न क ता धि न नं क धे अ धे न न क धे अ धे अ धिं न न क धें अ धे अ धें न न क धें न न क धे न न क धे अ धे अ धे न न क थि न न थि न न त क। (सम)

न ग धे अ धीं किटि तक धीं ई दिन न ना कीट तक धुम कीट त अ क ती कीड नग तर किडा ण किड धा ती: धा कीडा ण किड धा ती धा ॥१॥

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ सम

तरांणधा ताकीटतकधा धीन् तरकिटितक तकधुमकीटतक किडाणधा किडनग तरकिटतक तकिटि धीकीटि धुमकिटि धींई ताडधा ॥ २ ॥ ॥ धेतक धदीगन धेतक धदीगन धेअतग नातगना: किट किटितक: तगन तगन किटता: धीं २ किटितक तकानन तकधा कीटत धदीगनधा ॥ ३ ॥ ॥ कानकधाआ दीगनधाआ दीदीगनधा दीगनधा ताताक धादीगन धाधादीगन धादीगन धादीगनधा ॥ ४ ॥ धेत्ता धेधेत्ता धेत्तधेत्ता धेधेत्ता: धेता तकधदीगनधा ३ ॥ ५॥ धदीगनधदीगन धाधादींन्ना: धादिन्ना किटतरांग धदीगनधा: धकीट २ धदी-गनधा धकिटिधीदिंन धेत्ता तक धा धा धा ॥ ६ ॥ धित्त २ धेत्ता: धीं २ किटितका आ धादिधनातक: धीं: किट२ तकीटतका धीं२ किटतकाआ धाकधा ॥ ७॥ ॥ धींगदाआ दाणदा किटतक धुमकि-तदेअधा किटितकतकधा: किटितक धुमकिटिधा धकिटिधादिन्ना तकतक धेअ किटि २ ताकिटितका: धींधीं किटितका आ धाकधा ॥ ८ ॥ ॥ तकीटितकात किटितका: धींधीं किटितक: धींधीं किटितक: धीन् धीन धीन: तका: धिगा: २ धिधि किटितकधा तकधा किटि ताकिटितका आ धाकधा ॥ ९ ॥ ॥ तके धागे दीगनता: दिधा दिधा दिन्ता तकिटितका ते देन तक धाधीं दीगेतक: धकिटिधाक धाधींकिटि धागेदीगेतक किटताकिट तकाकिन: धागेदीगन२ धा ॥ १० ॥ ॥ तादीदी तकथो धींगनाम् धुतकिटि तोतींदांम: किटि२ तकतक २ धींकीतक तकधींकीनक थिलांग तकधदीगनधा ॥ ११ ॥ ॥ धा:

धकिातक तकधीकीनकः तकधीकीतकः तक २ धी कीतकः तकधीकीतक २ धीकतिकः तकधीकीतकः धिलांग तकधदीगनधा ॥ १२ ॥ ॥ धाधाकिटितक धदीगन धाधा किटितक धदीगनः धाधा कीटितकः धाकिटित्तकधदीगन धाकिटितक धदीगन धाकिटितक धदीगनधा ॥ १३ ॥ ॥ धाकिटिन कीटितकाथुन्ः ताकिटित किटितकाथुन् २ ताआ तादीनधाः किटिताकिटितका आ धाकधा ॥ १४ ॥ किडाण-धाडः धुमकिटितक ध्धेधीडाणः ध्धेधी २ किटि धेध्धेधाडः धातीन्ताः धीनतराण २ कीडाणधाआः किडाणधाआः किडाणधा ॥ १५ ॥ ध्धेत्ताः धदीगनताः किडाण किडाण धदीगनताआः किडाणधदीगनताआः किडाण धदीगनताआः किडाणः धदीगनताआः ॥ १६ ॥ ॥ किटितकटगनाआगः किटिधादिन्ना तत्क धाधी-किटि धाधीन्ः नानाकिटिः धी २ नात्तक धदीगनधा ॥ १७ ॥ ॥ कीटतक धुमकिट तगनाआग धाः तत्कधाः धीकिटिधाः धाधी किटीतक धदीगनधा ॥ १८ ॥ ॥ किटित कीटीतका किटितकः धुमकिटितकिटितका किटितक थुन्तकः धी २ किटितकीटितका किटितकः धुमकिटितकिटितका किटीतकधदीगनधा ॥ १९ ॥ ॥ किटितक तत्क धीकिटिः किटितक धाकिटितक धीकिटिः किटिनकधा-तीन्ना नानाः किटतकनटततानः किटित्तकधीन्तरांण धकिटिधाडततथुन्ः तत्कधी-किटि धुमकिटीकांता गदीगनधा ॥ २०॥ ॥ दांम् दिगड् दांम्ः धीर किटितकः धीकितकः धीर किटीः तकर ध्धेत्ताः ता धाः धी धीकिटिनकः धीर किटि धुमकिटि धीन्नाः धीर काता ताधीः धीधीधीतकाआ धाकधा ॥ २१॥ ॥ धीटर धाः किडत्तः धीर किटिः किडतक धीकिटि धीडनग धातीन् नानानाः नटतक दिंगन ताकेत्रक तिनागिनः तीटर तागेत्रुकः धीनाधिनधिनाधा ॥ २२॥ ॥ धुमकिटि किड्तानः किड् नात्रकिटिकीत्तांनः त्रकीटीत्रकीतानः कतधीधीईत धीधी किटितक धा ३ ॥ २३॥ ॥ तकधुमकिटितकः धीटेर धीधीकिट तक धीनधाः किटिर तकः धीराकिटीतकधाः धागेधन्त्ताः कीडाणधा तकधाः धागेधन्ता किडाण धाकतधाः धागे धन्ता किडाण धा कतधा ॥ २४॥ ॥ धाकिटितकिटितकआर तकधार तत्थुन्गार धदीगनः धातक धदीगनरधा ॥ २५॥ ॥ ध्धाः धुमकिटिध्धेताः किटितक कत्तकः धाक धाक धाक धाः

किटितककतक धाक धाक धाक धाधा२ ॥ २६ ॥ ॥ धाआ तत् किडाण धुमकिटितक धागएदींगन धेता कीटितक धदींगम ताकिटिधाक धादिंनक धींन्तराण तकीटितका धींदन्ताडधा ॥ २७॥ ॥ धाआ तअक धीकिटः धी२ किटितकः किटितरांण धींधीं-दिन्दिन्ः तक२ किटिधादिन्ना धुमकिटितक धेत्तातअः किटितकदेअः तकिटिनन् कधा ॥ २८॥ ॥ धाआताकिटिदिन् धाकिटितक धेतकांन धेताकिटिताकिटितका ताआधाक धुमकिटिः तन्किडाण धेत्ताकिटि तक धदींगनधा ॥ २९ ॥ ॥ धाना किटिदंतदेअः तकिटिः धाक२ धी२ किटितक ताधेताः किटि२ तक किटिः तरांणधा धुमकिटि धा आंनांन्ड तकाआ तन्कधा ॥ ३० ॥ ॥ धा आतत् तन किटितकततः किटि २ धी २ किटि धुमकिटि तकः धुमकिटितक धेत्ताधिलांगः कतकधाकधाः तकाआधाकधाः किटितकाआ धाकधा ॥ ३१ ॥ ॥ धाआ तकाआ तकदेअः धुम किटितकदेअ २ तकाआतकदेअः धदींगनधाआः धदींगनधाआः धदींगनधाआः धदींगनधाआ ॥ ३२ ॥ धाआतकाआधात्तीन् धाकिटितकः धा २ किटितक धातीनः धाकिटिकिटि तकिटितकाः तनकाः धाधाकिटितकः गदींगनधा ॥ ३३ ॥ ॥ धा आतक धुमकिटिः कतधेत्तीटी धीलांन तकधदींगनः धेत्तात्तक धुमकिटिः कत्तधेत्तेगी २ धीलांन किडनगदेअ धा ॥ ३४ ॥ ॥ धाआः कीटित्तकधा २ किटित्तकं धुमकिटि तरांग तकधाः किटितकधाः धदींगनधाः ताकिटितका किटि धन्ना धाधाधा ॥ ३५ ॥ धा किटितकः धाधा २ किटितक धाधा दंगन धाधा धाकिटितक धाधाकिटितक धाताकिटितक धाआ दींगनतक धाधा ॥ ३६ ॥

॥ अब तीतालाकी सवाई लेकी धेननक नेसवाई लेका मान मात्रा ८० का बरोबर सेलेतो आवडदो पाचमेंने पचगुणी लेमे लेतो आवडदी ऐकमे आवे ॥

०				।								•		०					
ता	धि	न	न	धि	न	धि	न	न	धी	ना	आ	धि	न	धे	ए	धि	न	न	
	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
०						।									०		•		
ध		धे	धि	न	न	आ	न	न	त	क	न	ध	न	ध	न	न	ग	अ	
२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	
	०				।								०						
धे	धे	ध	न	न	त	का	आ	धा	क	धाः	ध	धे	ध	न	न	त			

ऽ । ऽ ऽ
का आ धा क धाः ध ंधे ध न न त का आ धा क धा
६१ ६२ ६४ ६५ ६७ ६८ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७८ ७९ ८० सम

ऽ ।
धा धा क कि टि त कि टि ंधे त कां न धुम्म त कं धी धी कि टि त की
२ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १३ १५ १६ १७१९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७

टि त क त्त धा कि टि धा दे अ त क आ ध कि टि तक दे अ धा–
२८ २९ ३० ३१ ३३ ३४ ३५ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४७ ४८ ४९ ५१

ऽ
क कि टि त का आ धा धे ंधे कि टि ता आ धु म कि टृ अ
५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५९ ६० ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१

ऽ
धा त का कि टि धा क धा ॥ १ ॥
७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७९ ८० सम

धाकिटितकः नकिटितकः धी २ त धुमदेअ तका धातंधें धिनतकां किटित धुम धीडनंग धादीगनतांन तक किटि धीकिटिताकिटि तकधदेअ तकधीन धीनाआ तदी दी तकद्धे धाकधा ॥ २ ॥ तत्कधा धीकिटितक किटितधुम किटितान किटि धीन्ना किटिंधन्नतधातकनकिटि तकधा धकिंधेत्त किटि धुमकिटि तदेअ धाकाकिटि तका देदेअ धाकिटत्तअः कधा ॥ ३ ॥ ॥ तकधाआ तकिटितक धगदीगन् तकातकः धगअ त्ताकिटि धुमअः ंधेतागिन तदेअ तकधाधाआः किटित्तका किटिकिट्टिः धुम तका किटिधाक धेतका ततअधा किटिधाकधा ॥ ४ ॥ ॥ धा किटितक धुमाकिटिः धेता २ तकधा धर्धाकीटितकः तत्तराकिटतक धदीगनधाः धी २ किटिः धी २ ताधा कीडाणधा॰ किटितक धदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ धागेदीन् २ धाकिटिता दिंनाकिटि कत्ताकः ंधेतधेत्ताः किडनाकिटिधुमाकिट तकधदीगन धाधीधीडना कीडाणधा ॥ ६ ॥ किडाणधा धुमाकिटितकंधेताः धी २ कीटः धुमाकिटितक २ तकाआधिगाः धुमकिटि तकंधेत्ताः धीदीनत्तन किट्किट्धाआ ३ ॥ ७ ॥ धुमकिटिताकिटीत्तका किटितकधं दीगनः धाकिटितकधदीगन् २ धधीकीटितक धदीगनः धाःत्तअ ३ धाकिटितकधदी गन २ धाधाधा ॥ ८ ॥ ॥ धाकिटितकिटितकाः किटि २ त्तकिटितकाः किटिधुम कीटिताकिटितका २ किटि २ तकंधेत्ताः किटितकधदीगनधा ३ ॥ ९ ॥ ॥ धा

किटितक धुमकिटितक २ धाकिट धुमकिटिकिटिः धी २ किटितकः ध्येना २ किटि तकधद्गीगनः किटितरांग २ तकधा कीटिनक धद्गीगनधा ॥ १० ॥ ॥ ध्येनानरांग किटिः किटि २ तकः धुमकिटि २ किटि २ तरांणतकध्ये धद्गीगनः धा २ किटिधा दिन्तकधेन्ना ध्येताः धि २ किटि धुमकिटि तरांणः तकधद्गीगनधाधा ॥ ११ ॥ ॥ ध्येत २ ध्येताः धी २ किटिधुमकिटिः दगनगद्देभः धाकिटिनकननः धात २ धाधाधाः किटितकधद्गीगनः धाधाधा किटितक धद्गीगनं २ धा ॥ १२ ॥ नन तत् किटितकः ततः किटि २ धी २ किटि धुमकिटिः धी २ दिन् ३ गिन २ किटि ३ धी २ किटि धुमकिटि ताकीटिनक धीकीटितकः थुन् ३ तकः थुन् ३ तकथुन् तकधद्गीगनधा ॥ १३ ॥

॥ अथ तितालाकी सवाईले कीधेननक ॥

॥ नेमान मात्रा २० का आयहदी ऐकमेलेणा ॥

०					।							०							
ता	धे	न	न	क	ध्ये	धे	न	न	क	ध	न	न	ध	न	न	त	क ॥		
२	३	४	५	६		८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	

०					।								०						सम
कि	टि	त	क	कि	टि	धु	म	की	टि	धा	कि	टि	त	क	ध	द्गी	ग	न	धा
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	-

किटिध्येता धुमकिटिता किटितक धद्गीगनधा ॥ २ ॥ ॥

किटितरांगः धुमकिटितकध्येता धद्गीगनधा ॥ ३ ॥ ॥

किटिकिटिनक धादिन्धाः किटीतक धद्गीगनधा ॥ ४ ॥ ॥

तकधुमकिटितकध्येता किटितकधद्गीगनधा ॥ ५ ॥ ॥

तकध्येत्ता धुमकिटितकध्येता धद्गीगनधा ॥ ६ ॥ ॥

धुमकिटिनक धुमकिटिधा किटितकधद्गीगनधा ॥ ७ ॥ ॥

धुमकिटतकिटितकाः धुमकिटितक धद्गीगनधा ॥ ८ ॥ ॥

धाकिटितक धुमकिटतक ध्येंता धद्गीगनधा ॥ ९ ॥ ॥

धाकीटतकध्येताः किटिः तक २ धद्गीगनधा ॥ १० ॥ ॥

धाकधाक धाकिटि-कः ध्येनाः तरांणधा ॥ ११ ॥ ॥

धाधाकिटितक किटिधुमकिटितक धद्गीगनधा ॥ १२ ॥ ॥

किटिताकिटि धुमकिटितक किडाण धद्गीगनधा ॥ १३ ॥ ॥

अब तितालाकी अडाइगुणी लेकामान

मात्रा ४० का आवडदी ऐकमे लेणा ॥

o |
कि ड ना कि टि धु म कि टि त क ध द्गी ग नः त क धु म कि टि त क
१ २ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४

o o
ध द्गी ग न धा धीं धी ड ना कि डा आ ण धा ॥ १ ॥ ॥
२५ २६ २७ २८ ३० ३१ ३२ ३३ ३५ ३६ ३८ ३९ ४० सम

किटितकः ध्धेतकांनध्धे धिरकिटिः धीकडताधीकिटिकिटि धिडंनगद्गीगन धीलान धीकीटितकधा ॥ २ ॥ ॥ धुः किटिकिटितकधादिन् धाधाः थुः किटि किटिके धींनाआडः के धीन्नाडधाधा ॥ ३ ॥ ॥ ध्धेत्त २ ध्धेध्धेध्धेः धी २ किटि धुमकिटिः धी २ ना २ तरांग तकधा किटितक धद्गीगनधा ॥ ४ ॥ ॥ तत्ः किटि २ तत् किटिताः किटि २ त्ता किडताकिडाण किडताधा किटितकधद्गीगनधा ॥ ५ ॥ तक ३ किटि तकीटीतगनतक किटितअक धीकिटिः तक २ तकाआ धाकधा ॥ ६ ॥ तकधुमकिटितक धद्गीगन धिलांगतक धुमकिटितकः धद्गीगनधा धीं धीडना किडाणधा ॥ ७ ॥ ॥ तकिटि २ कताआकः कताकिटि धीकताआकः धीकिटितकीट २ धातक धद्गीगनधा ॥ ८ ॥ ॥ तकधुमकिटि २ तक २ धुमाकिटि तकधुमकिटितकिटितका किटितकधद्गीगनधा ॥ ९ ॥ ॥ तकिटिधिकिटिधादिनः धाकिटितकद्गीगन ३ धा ॥ १० ॥ ॥ तकिटिधीकिटि धुमकिटितकध्धेता थुगननागीन किडनगकाता किटि-तकः धिलांनधी किटतकधा ॥ ११ ॥ ॥ तगनादिअः धाधींधीताः दिन्गन धांडं नगद्गीगन धींगंतधींगताः धी २ तातरांगधा ॥ १२ ॥ ॥

॥ अब तीतालाकी पचगुणी लेकी परणे ॥

॥ मात्रा ८० की आवडदी एकमे लेणी ॥

o |
धा । कि टि त क धु म कि टि त क ध्धे तां ध्धे ता त क धा । धा धीं
२ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १६ १८ २० २२ २३ २४ २५ २६ २८ ३० ३१

कि टि त क त त त र कि टि त क ध दी ग न धा । धी धी कि टि
३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४९ ५१ ५२ ५३ ५४ ५५

० ०
धी धी ता ० धा । कि डा ण धा । कि टि त क ध दी ग न धा ॥१॥
५६ ५७ ५९ ६० ६२ ६४ ६५ ६७ ६८ ७० ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० स.म

धागेदिन् २ धा किटितादिरना किटितका आधेत धेताः किडना किटि, धुम किटि तक धद्दीगन, धा धी धीडना किडागधा ॥ २ ॥ ॥ किडाणधा धुन किटितकधेता धीरकिटितक, धुन किटि धुमकिटितकनका धिना धुनकिटितकधेतः धीदिन्तत किटि किटिधाआ ३ ॥ ३ ॥ धुमकिटितकिटितकाकिटि तकधद्दीगनः धाकिटितकध-दीगन २ धधी किटितकदीगनधा तअ तअ तअ, धाकिटितक धदीगन २ धा धा धा ॥ ४ ॥ ॥ धा किटित किटितकाः किटि किटीत किटितका किटि धुम किटित किटितका धुम किटित किटितकाः किटितकधेताः किटि २ तकधदीगनधा ॥ ५ ॥

॥ अथ तितालाकी, परणे मात्रा ९६ की
बराबरमें, लेनो आवडदी, छे मे आवे, ने
दुगणमे । लेतो, आवडदी तीनमे आवे, ने
आडमे लेतो । आवडदी चारमे आवे, ने
चोगणमे लेतो आवदी, दोमे आवे ॥

० ।
धा दि न धा कि टि त कि टि त का कि टि धी धी कि टि धु म
२ ३ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२

० ० ।
कि टि त कि टि त का कि टि त त कि टि धु म कि टि त कि टि त का
२३ २४ २५ २६ २७ २८ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४६

० ०
कि टि त क त क धु म कि टि त कि टि त का कि टि ध दी ग न न न
४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६२ ६३ ६४ ६५ ६५ ६७ ६८ ६९ ७०

॥ अब तितालाकी अढाईगुणी लेकामान मात्रा ४० का आवडदी ऐकमे लेणा ॥

॥ अब तितालाकी, परणे मात्रा ९६ की ॥

बराबरमें, लेनो आवडदी, छे मे आवे, नेदु गणमे । लेतो,

आवड्दी तीनमें आवे, ने आडमें लेतो । आवड्दी चारमें
आवे, ने तीगणमें लेतो आवड्दी, दोमें आवे ॥

कि	टि	त	कि	टि	त	का	कि	टि	त	क	धे	ता	धु	म	कि	टि	त	क
७१	७२	७३	७४	७५	७६	७८	७९	८०	८१	८२	८४	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२

ध	दी	ग	न	धा ॥ १ ॥ ॥
९३	९४	९५	९६	सम

धादिनधाकिटि तकिटित्तकाकिटि ३ धाकिटितकिटितका किट २ तकिटितका कीटिः तकधेत्ता धुमकिटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ ताः किटितक धुमकिटितक ततकिडाण किडनगदेअ धीईनीई धीडाणधा धातीनता धाकिटितक धग्गदीगन धे धी२ किटि तकधुमकिटि ततकिडाण कीडनगदेअ ताधाकिटि तअकधाकिटितक धदीगनधा ॥ ३ ॥ ॥ ताः दीः धुन्नाः किटितकधेतांकनः किटितकधे कअदीः किडाणधाआः धादिन्ना धाकिटितक धाः धुमकिटि २ तातक धदीगनधेत्तकांनः किटितकधानताः धिंनाः तकधिलांग कताधदीगनधा ॥ ४ ॥ ॥ धीकीतकतकधीनः तकतकतकधीन्ः तकात्वकिटिधीनः धीकीतकतकधा किटितकः धधीकिटितक २ धीन् २ धीकिटितकिटि तरांगः धधीकिटित्तकधदीगनधा ३ ॥ ५ ॥ ॥ धीकीतकः धी २ दीन्ः किटि २ धी २ टेतक धीधीतांः न धाकिटितक धुमकिटितकः धी २ टाणधाआः किडाणधाआः ताः धाआः धी २ टत धीधीटाणः किडधानधानधाआ ३ ॥ ६ ॥ ॥ तकअतकत २ धग्गदीगन २ धेधेएधाड २ धातीन् नानाना २ नटन त्तान २ ताधाकिटितक धाधाकिटिकतगदीगनः ताधाकिटितकधाधाकिटिकतगदीगनः ताधाकिटितक धाधाकिटिकत्त गदीगनधा ॥ ७ ॥ ॥ त्तकेधागेदीगनताः दीधा २ दीन्त्ता तकिटितकाः तेदीन्त्तक धाधीदीगेतकः धाकिटितकनः धा २ किटितकन धादीन्तकनः धाधाकिटि धादिन्त्त धेतकदीन्ः धाकिटितकिटितकाथुन्ः ताकि तकीटितकाथुन २ ताः तादीन्धाः किटितकिटितका आधाकधा ॥ ८ ॥ ॥ धाअ तकधाआः तक० धीगाः० धाकिटितकिटितका० २ धेत्ताआनकधाआ धाधाआ धादिनअः किटितकधदीगनधाधा ३ ॥ ९ ॥ ॥ धाआः तकधा २ किटितकः

तकधा ३ किटितकः तकधातकधा किटितक २ किटितक धदींगन धाधाधा ३ ॥ १० ॥ ॥ धाआः तकाआ तकिटितकधी किटितकिटि दिंगनधाः तकधीकिटि कातांकिटित्तकध्धे दांगणधाः किटित्तकधीकिटितरंगतकधा काताकिटितकनाः किटि ततधातरंगधा ३ ॥ ११ ॥ ॥ धा०ः किडधा किटिता २ किटितकधींकिटिताकः धाधांकिडधांकिटितक २ तकिटिधाक धादिंगनः तकधाकिटितक २ किटितक धादिंगन २ तकिटितअकधाधाधा ॥ १२ ॥ ॥ धाआधुमकिटित्तगनाः नगतकत्तकं अधाकिटितकिटितका किटिः किडधातीन धाकिटितकिटितकाकिटि धुमकिटि किडना ताः धीधी २ तकिटितकाकिटि तकधुमाकिटिताकिटित्तकाः किटितकधदींगनधा ॥ १३॥ धाआधुमकिटितकनाः किटिधुमकिटिधिलांगतकधदींगनधा धदींगन धाकिटीतकः धा- किटितकध्धेः किटि२ धीनतराण तकधुमकिटितक ध्धेनकान ध्धेधी२ किटि धींकिडना धीः किटि २ कात्ता किटिधा ॥ १४ ॥ ॥ धादिन्नाः धाध्धा धादिन्ना धाध्धा धादिन्नाः तकधादिन्ना धीकीतकधाः धीधीकातअक धीलांगतादींदीतका ध्धेतधाक कानकदींगन तकधादिनतकः धिनतकतकः धिनाकधा ॥ १५ ॥ ॥ धादिंगनन गना तकनकधादिन्ः धा २ दीन्ः तकधादिन धादिन्तकधा २ ध्धेतकधुम ध्धेत्तगांग धदींगनः धा ३ तकदीन तकधाधातकधादिन्नाः धातककताकधा ॥ १६ ॥ ॥ धाआ ध्धेताकाताकिटितक धोधींकिटिः किटितकांनः धाआः ताधाधदींगन ध्धेत्ता धी २ कीटितक ताधुनगाः धींडाण धीलांगः धी २ किटिधुमकिटि ध२ किटित- किटि धातींनाधाः धुमकिटितक २ धदींगनधा ॥ १७ ॥ ॥ धाआः ध्धेताकिडना किटितकदेअ धाकिटितकः धा २ किटितक धादिंगनतकः धा २ दिंगनतक किटितधः धा२ दिंगनत्तकधाः धुमकिटिध्धेताः तक २ ध्धेताः धा २ तकधाकिटितकिटितकाआ तअकधा ॥ १८ ॥ ॥ धाआ तकधाः धीट २ धागे किटि धागेदीगे नागेकिटिः किटि २ किडधान तकधुमकिटितक धींनानाधि२ किटितक धी २ किटि धुमकिटि ततांकिटिधुमकिटि तकिटितकाकिटिः किटि २ धुमकिटिधिलांग तक धदींगनधा ॥१९॥ धाकिटतकिटितकाआ २ ध्धेनाध्धेतकादिनः ततततत्त् जैश्रीगोवर्द्धननाथजीकीः जैश्रीनवनीतप्रीयाजीकीः जैश्रीगुरुदेवकी ततकीटितकधदींगनधा ॥ २० ॥ ॥ध्धे

धादिन्धा किटितकिट तकाकिटिः कअत्तागदीगनधागनाआ कअत्तागदीगनधाआः
दींअधींडान धादिन्ताकअत्तागदींगनधाआः कअत्तागदींगनधाआ ३ ॥ २१ ॥

अब तीनतालाकी परणे मात्रा १२८ की बरोबरमे लेतो आवडदी ८ मे आवे ने दुगणमे लेतो आवडदी ४ मे आवेः ने चोगण मे लेतो आवडदी एकमे आवे ॥

धुम कि टि धुम कि टि त कि टि त का आ कि टिः धु म कि टि त कि टि त क
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५

आ कि टि धु म कि टि त की टी त क आ कि टि धु म कि टि त की टि त क
२५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९

आ कि टि त कि टि त क आ कि टिः धु म कि टि त क धु म
५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८

कि टि त क ध दीं ग न धा आ धा आः धु म कि टि त क
६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९०

धु म कि टि त क ध दीं ग न धा आ धा आः धु म कि टि
९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १०० २ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२

त क धु म कि टि त क ध दीं ग न धा आ धा ॥ १ ॥
१३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २८ सम

किडाण किडाण तकिटितकाकिटिः किडाण तकिटितकाकिटि ३ तकिटितकाकिटिः किडाणधा २ किडाणधाआः धाधाकिडाण धाधाकिडाणधाधा ॥ २ ॥ तकधुमकिटि-तकधदींगन धाधींधींढना किडाणःतगनाआ ढेताआ धागेदिन् धाधाकिटितक धातींन् ढेत्ताः तकधुमकिटितक ढेता तकधाः तअक धींकिटी तकधुमकिटितक धदीं-गन धागेदींगन २ धा ॥ ३ ॥ धाआ धुमकिटितकधदींगन धाधीं धींडनाकिडाणः धोड् २ तत्‌किड्धाकिटि धींडना किटितक धुमकिटितक ढेताः धिलांग तकधुमकिटितक धदींगन नगदेअः तकदेअः ढेधींरकिटितक गदींगन धागेदींगन धागेदींनधा ॥ ४ ॥

धाआकिडाण किटितकः किटितकाआततक धाकिटितकः धीर किटितक धाकिटितक धीकिटिधुमाकिटि तकधागदीगन नाकिटिताकिटितकाआ धीगाआततक धीर किटि तकधीकिटि तअकधींकिटी २ धगगदीगन २ तकधुमांकिटितक ताकिटिधीकिटिः द्धेतकानधा ३ ॥ ५ ॥ धाआकिडाण किटितक धागेदीगेनागेकिटिःकिडनग धृगड-तकतागिनीतकिटीः ताकिटिथुंन्किटिः धृग्डधागेदीगेकिटी किडाण धीडाणः धुमंकिटि तिगतीकाकिटि धृगडधागेदीगन धाआताड धाधाधीदेअ ताडधाधा दींगनताड धाधाधीः धमकिटि त्रमकिटि तकता गदीगननधा ॥ ६ ॥ धाआःकिडाण किटितक-द्धेता द्धातात्रककीटि धाकिटिधुनग ताथरीं कुनाकिटितक किटिधगडधागेदीगन त्रगड-नागेदिगन त्रग्डनागेडअः ताधगधागे· द्धेत्तानंकिटि धुंकिटिधा २ किटि धुमाकिटि धाआताडधाधाधा ३ धा ॥ ७ ॥ धाआः किडाणकिटितकंताधाआः त्रकिटितकता धागेताटी धागेदींगनागेनाटी किडनग किडतांन धींधादींगन नगदेअतधाकिडाण धा त्रकडकधा किडाणधा तीकडधाताः धाद्धितान धा धाधी नगदेअ तअकिडाणधा गदीगनधा कतगदीगनधा कतगदीगन धा ॥ ८ ॥

अब ललितकीपरणे मात्रा १३० की बरोबर ।

मेलेतो आवडदी दसमेआवे नेडुणमेलेतो आवे ॥

डदी पाचमेआवे नेसुरफागतामे ने चरचरीमें ।

लेलो आवडदी चार मे आवे ॥

कि टि धा कि टि त क कि टि धु म कि टि त क कि ट धि लां ग कि टि
१ २ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २१ २२ २३ २४

कि टि त कि टि त क आ कि टि ध दी ग न धु म कि टि त
२५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३

क दे अ ता कि टि द्धे ता धा धा आ धा दि न ना कि टि धा
४४ ४५ ४६ ४८ ४९ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६३ ६४ ६६ ६७ ६८ ७०

दि न त कि टि धा कि टि त क कि टि धा धी कि टि त काः कि टि कि टि त
७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६

क कि टि त रां ग त क धा धु म कि टि त क कि टीः कि टि कि टि त क दे
१ २ ३ ४ १०० १ ३ ५ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२

धः धा कि टि त क कि टि की टि का ता कि टि न क ना धी धी कि टि धी धी
२३ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३५ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८

धु म कि टि त क धा कि टि त क धा ॥ १॥ ॥ धाकिटितकिटितका२त्ताकिटितका२
४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० सम

त्तगनाधीधीः धी२किटिःधी२दिन२धी२किटितकथुनथुनथुनः धी२किटितकधदीगन द्रेत्ताद्रेकाताआक धादिनतत् धदीगनधा ॥ २ ॥

धाआकिटितकधदीगन धगीगन धाआःधिगताद्र धाकिटितक२धा२किटितक धीगंत-धीगता धीदिन ताड२धाडःधीरनधीनाकिटि किडानधाड धातनधीडाण तकधीडाणः तक२धीडाण द्रेद्रेधीरकिटितक थुनथुनः धिलागःधीडाणनगदेअ२धा ॥ ३ ॥ धःआ-किटितकधदीगन२धी०ःताकिटितकधुमकिटितक ४ तकनकधुमकिटितक४किडनाकिटि काताकिटितक तकिटिधीकिटि तकद्रेना किडनांआन किटितकधीना तकधीना धीनातकधदीगनधा ॥ ४ ॥ धाकिटितकःधदीगन२धाधदीगन नाकिटितक धीत्ःकि-टितक नकडतक धाकिटितकिटिता काताकिटितक धुमकिटिधा धीरनागधीनगा धीकीतकःधीरनागकिटितकःतकदे किटितकतकदे धाआनकदे धाधीनातकःदेःतत्-धाआ तगनांगधीःधीरनाग धीनाधीकितककिटिधीना तकदेअ तातद्रेतधा तकधी-टधा ॥ ५ ॥ धाआकिटितकःधदीगन२धाआद्रे किटिकिटिद्रे किटिधुनकिटि ततक धीडनाकिडाणःतक२धुमकिटि तकतकिटिधीनतराण धातीनता तकधातअका थुनगा धदीगनधा किडनगदेअ तत्किडाणधा किटितक तकधुमकिटितक तकिटितका। किटिगदीगनःधागेदीगन २ धा ॥ ६ ॥

॥ अथ तीनतालाकीपरणे मात्रा १९२ की ॥
॥ बराबरमेलेलो आवडदीबाराने आवेनेदुगन ॥
॥ मेलेलो आवडदीछेमे आवेनेचोगणमेले ॥
॥ सोआवडदी तनिमेआवे नेचोतालामेदुण
॥ मेलेलो आवडदी चारमेआवे ॥

धा आः ना धा ता क थु न गा धा गे दी गे ता धा कि टि त क धु म कि
१ ४ ६ ८ १० ११ १२ १३ १५ १७ १८ १९ २० २२ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१

टि न कि टि कि डा ण कि डा ण कि ड न ग घ्र म कि टि न कि टि कि
३२ ३४ ३५ ३६ ३७ ३९ ४० ४१ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६

टि त क घ्र ग ड त क धू ग ड घ्रा गे दीं ग नें ता न घ्रा ण घ्र कि टि न
५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७६ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३

क त्र कि टि म कि टि कि टि त क त्र कं कि टि घुम कि टि धां आ ता ड
८४ ८५ ८६ ८७ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १०० १२ ३ ५ ७ ९ १०

धा धा धी धा धें ता कि टि त क थु न् कि टि कि टि त क घ्र
१२ १४ १५ १७ १९ २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४

म कि टि त क ड त क ना ता त क घु म कि टि त
३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४४ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३

क ग ड़ी ग न गे ड़ अ धा त त् धी डा णं घे ड़ी न धें
५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६३ ६४ ६५ ६६ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३

ए़ न ग डे़ अ धा आ त क घु म कि टि ग ड़ी ग न धा ॥ १ ॥
७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ८० ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ सम

धा आता तअक धींकिटितक धड़ीगन धाकिटिताकिटितका धड़ीगनधा धी २ तानअकः धी २ ताधाआः घ्रगडकाताकिटितकः गिनकानाकीटितकः किटिकानाकिटितकः धादि़नगननत् २ घ्रगडअ २ घ्रगड २ ताकिटि २ काताकिटितक डंगनःकाताआक धात अकथा किटिकिटितकिटिता काताकिटि ततकिटी २ किटितकिटिता कानाकिटितकधींन्नाडे़अ ताकिटितकताकिटियाः धींन्नाकिटि काताःकिटि २ ताकिटिःधी २ तातअकथा ॥ २ ॥ ॥ धाःताकिटितक धुमाकिटितकः धेता २ तकधाधधींकिटितक ततृतरकिटितकः किडधांन २ धुमाकिटितगना २ ताकुना २ कुकुना २ तअथरांग २ तरांगधा २ धींलांगनगडे़अ २ तअतराकिटितक धड़ीगन धा ३ ॥ ३ ॥ धाआ ताआ देअ धाआ दिन नाआ धाधाआ धादि़नूनाः तकधादि़नूना तकधाकिटितकःधा २ किटितक धागड़ीगन धेण् धींड धींडः धधींकिटि २ धादि़नूधाकिटितकिटितकाकिटि

[illegible]

धुमकिटिन कद्धेताः नकाआ धिगा धुमकिटितक द्धेता नगांगधाधातकधा किटितक धगाद्दीगनद्धेण धाधाधा ॥ ४ ॥ ॥ ताः किटि २ ताकिटितकाः धीकिटिकिटिताः किटि २ तकधीःताः किटि २ ताकिटितकाः किटि २ ताकिटितकाका किटितक धाः किटितकःताकिटितक नाकिटिनक २ तीन २ धीकिटितकिटितरांगःताताकिटितक कतगद्दीगनधा ३ ॥ ५ ॥ किटितकिटिका किटितकधींई २ कीटीतकाआ किटिता-धींईःधी २ किंटितकधीनधा किटितकःधीकिटितकनाकिटीतक २ धीन् २ धीःकिटीत किटितरांगःधाधीकिटितककत गद्दीगनधा २ ॥ ६ ॥

अवनीनाल्लाकीपरणो मात्रा २२४ की ॥ बरोबरमे
लेनोआवडदी १४ मे आवेनेडुणमे आवर्दी ७ मे आवे ॥

त किटि धी की टि धी धी की टि त क त कि टि धा कि टि
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १७ १८ १९

त क धुम कि टि त क त कि टि क त कि टि त रांग त कि टि
२० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३७ ३८ ३९ ४० ४१

त का कि टि कि टि त क त कि टि धा दि न ना त कि टि धा धा
४२ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५५ ५६ ५७ ५९ ६० ६१ ६२ ६४ ६६

दि न ना त कि टि त क ध कि टि त क त त कि टि कि टि
६७ ६८ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६

त कि टि त क त त कि टि ता दि थ न ना कि टि त क त
८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९७ ९८ ९९ १०० २ ३ ४ ५ ६ १०७

कि टि धा क द्धे त रां ग धा धा कि टि त कि टि धा
८ ९ ११ १२ १४ १५ १७ १८ २० २२ २३ २४ २५ २६ २७ २९

धुम कि टि त क त कि टि ता धी ना ता कि टि त क त
३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ४० ४१ ४३ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ (१५०)

कि टि थुं ग थुं गा त कि टि ताः द्धे ना त कि टिः ट ग न ग
५१ ५२ ५४ ५५ ५७ ५९ ६० ६१ [illegible] ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५

० ०
दे अ धा कि टि त क त कि टि धा दि न् धा कि टि त क त
७६ ७७ ७८ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८८ ८९ ९० ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७

| |
कि टि धे त ध्धे ता धा कि टि त क त कि टि धा त कि टि
९८ ९९ २०० १ ३ ५ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १६ १७ १८ १९

० ०
धा त कि टि धा ॥ १ ॥
२१ २२ २३ [२२४] सम

धुम किटि २ त किटितका किटि धुम किटि तरांग धुम किटितकः धुम किटि २ धा किटितक धुमकिटिः धी २ किटितक धुमकिटितकध्धेता धुमकिटिः धा ३ धुमकिटि धा दिनना धुम किटित किटितका धुम किटित किटितक धुम किटि किटितक धुमकिटितकध्धेत्ता धुमकिटिधेतरांग धुमकिटिः धीधींदिन् । दिन् धुमकिटि कातांकिटितक धुमकिटितकदेअः धाधुमकिटि तकिटिधाक धुमकिटिः नादेअनाः धुमकिटितकधा किटिधुमकिटि तरकिटितक धुमकिटितक २ धुमकिटिध्धे किटितकधा ॥ २ ॥

॥ अथ तन्तालाको आडे मात्रा ९६ को आवर्द्दो ४ मे आवे ॥

० | |
ता कि टि त क धु म कि टि त क त अ कि डा ण किं ड न ग
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १७ १८ १९ २० २१ २२

० |
दे अ घें ए ए नी इ ई घी डा ण धा धा ती न ता धां कि टि
२३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३३ ३४ ३६ ३८ ३९ ४० ४२ ४४ ४५ ४६

० | ०
त क धा ग दी ग न ध्धे धी र कि टि त क धु म कि टि तं त
४७ ४८ ४९ ५१ ५२ ५३ ५४ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८

०
कि डा ण कि ड न ग दे अ ता धा कि टि तँ अ क धी कि टि
६९ ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ८० ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९०

०
त क ध दी ग न धा ॥ १ ॥
९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ सम

— — — — श्रीसितकाठेतताल किटितकध्धे कअती विद्यालय नादिनना

धाकिटितकधा धुमकिटि २ तानक धर्दींगन धेतकानकिट तकधीः ताधींना तकधिलांग कातगर्दींगनधा ॥ २ ॥ ॥ नानककनकताकिटि धातकः दींग २ तातक दींदी २ गनथुन् धाकिटितकः थुनथुन् २ गन नाना २ तकनटततानःताकिटि २ ताधाकिटितक दींदींदींगदींग दींग किटितकः थुन् २ थुगे २ किटिः नाना २ किटितकधदींगनधा ॥ ३ ॥ नाकिटितातक २ काना किटितक २ नाकिटितानक २ धाधीकाकिटितक २ धीक २ धदींगन नाताकाताआकः धी २ किटिधाः धीकाका-ताआक धकिटिधेधेकिनांग देअधाकाता ताआकधा ॥ ४ ॥ धाकिटितकः धा २ किटितक धा धीडाण धीडनगदेअ धेताधीडाणःधा २ दिनुना धाकिटित कत-किटिधाक धेधीकीतक तत् किटितानकधीलांग तअकधीकीटी ताधाकिटि तकआ धाकतक धदींगनधा ॥ ५ ॥ ॥ धाकिटि २ धींकिटि २ दींगन २ नागिन २ तकिटिधाकः धा २ धा २ किटि तकिटितका किटिः धा किटि २ धींकिटि २ दींगन २ नागिन २ तकिटिधाकधाआ ॥ ६ ॥ ॥ धींधींकनाट धेधेधाक धा नता धुमकिटितकः धोड २ धाकिटिधिलांग धी २ किटितक धग्गत्ताधीकीः कि-टिधदींगन २ धाधा २ दिनना, किटिधुमकिटितक धेताधीगनत्तींतीन् नाकिटितअ-कधा ॥ ७॥ ॥ धी२कधाक धाधादिननाःद्धन २ धी २ किटितक तकधीनंन किटि २ तकःतकधुमकिटितक धिलांगः धगुत्तअधाः किटितक तकिटिधीकिटिधीननरांण धाकिटितक धीकिटि धींदींननाडधा ताडधाः ताडधा ॥ ८ ॥ ॥ तकअ तकत २ धग अदींगन २ धेधेधाड २ धातीनना २ नटततानः ताधाकिटितक धाधाकिटि तक-धदींगन ३ धा ॥ ९ ॥ ॥ नाताक किटितका ताकिटितकः थुनाकिटिधाधींकिना नाना नागेनतक किटिधाथुन् धेधेधेधेता देअदेअधाकिनः तकनातानन नटतः धागिन २ धा २ गिन २ धी२ धीकी २ तकदींग किटिःधाधा २ किटि २ तकथून् धाधा २ किटितक धदींगनधा ॥ १० ॥

॥ अब तीनतालाकी आडा मात्रा ६०–१२० की आवडदीपाव्य ।

॥ मे लेर्गानेस्मूरफागताम नेचरचरोकी ४ आवडदींसेआवे

ते अ क धा आ धीं की टी धा धु म कि टि धा कि टि त क धा का

तक धा द्रीं ग न धा धें ता धा धिं लां ग धा धीं की त क धा
२५ २६ २८ २९ ३० ३१ ३३ ३५ ३७ ३९ ४० ४२ ४३ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५१

कि डा ण धा न त कि टि धा त गी ड़ न धा धीं न कि टि धा
५२ ५४ ५५ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७५

दे अ ता धा धा कि टि त क धुं म कि टि धां दि न ना कि
७६ ७७ ७९ ८१ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९३ ९६ ९७ ९९ १००

टि ता आ त कि टि कि टि न क अ तं का ता ग द्रीं ग न धां ॥२॥
१ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १७ १८ १९ २० सम

तअक धा धुमकिटिकधा धगडतक धगुतअधाः तअकधीकिटि ताधाकिटि तनूधाकिटि किटिकताआक दिंगनांग धाकिटिधीकिटिः द्रींगनागः दिगननागिन किटि २ तकधें तराणः धा २ किटिधा किटतकः धींधींकिटितक धुमकिटितक नअकाधींकिटिःधी २ नतकिटिधा ॥ १॥ ॥ धांधेता किडाणधाःधा २ किटितकःदेअ ३ तकधद्रीगनःधाधा २ दिनूना धाःकिटि २ तक धेता तकधुमकिटितक धिलांग किटितककिटिःधी २ किटिदिन्ः नाकिटितक धाधुमकिटतकद्धेताः किटि २ तकः तक ३ तकाआधा-कधा ॥ ३॥ ॥ धाधेतातरांगधाःधा २ किटिधाकिटितकःधी २ किटितक धुमकिटि तकः तकधुमतकधद्रींगः तक २ धाः किटि २ तकःधुमकिटि धुमकिटि तकतकधा धाधाधींकिटितक धेधेधेधी २ किटितकः तकधुमकिटि तकद्धेता धातकअत किटि-तराणधा ॥ ४॥ ॥

॥ अब तीनालाकी परणों आर्डीमात्रा १४४ की ॥

॥ आर्डीलेमे लेतो आवडदी छेमे नेतीगणमे लेनो ॥

॥ आवडदीतीनमे आवें ॥ नेचोतालाकी तीगणमे ॥

॥ लेतो आवडदीदोमे आवे ॥

द्धें त द्धे त द्धे ता कि टि न क धीं धी कि टि तं क धु म कि टि धां दि
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६

नू धा कि टि त क धु म कि टि कि टि न क त कि टि त का धा आं ना ड धा
२८ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५५ ५७

धा ता थी नं ता कि टि कि टि त क धा धु म कि टि ध्ये ता त क त क ध दी
५९ ६१ ६२ ६४ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ८० ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८

ग न धा दि न् ना त कि टि धी कि टि धा दि न त्ता धाः कि टि त क ध
८८ ९० ९२ ९३ ९४ ९६ ९७ ९८ ९९ १०० १ २ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ १५

दी ग न धा धा कि टि त क ध दी ग न धा धाः कि टि त क ध दां ग न धा
१६ १७ १८ २० २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३२ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४४

धा ॥ १ ॥ ॥ ॥ धगुत्ततधाःधाकिटितक धुमकिटिधिलांग
सम
किटितकिटिकिटिताःकाता२ धुमकिटितकिटिताःकाता२तःकीता काताकिटितकःधी२ किटितक ध्यानाडधातांःकिडाणकिडनगदेअ किटितकिटिता काताकिटितकः धुमकि-टिकतक धाकधाकधा ॥ २ ॥ धा२किटिधाकिटितकः धाधाधा । धाधुमकिट धुमकिटितकःत२किटिधाःत२ किटितक ताकिटितक धाकिटितक तकथुंगाःधेत२ ध्ये ३ किटि तकिटितकिटिःतकतकतकिटिधाकःधा २ किटिकाताकिटितक धुमकिटि-तक तकधाकिटि धाकिटितक धीन्नानाधि२ किटितक धीन्किटितक ताकिटिधाकधा ॥ ३ ॥ ॥ धाःकिटि २ ध्येध्येधाडधाःधीड २ तक धाकिटितक धीन्नंनधी२ किटि-तकःधी२नतकिटिःधी२किटिताकिटि ध्येतकःकिटि२तकधुमाकिटि धी२किटिधिलांगधा धेध्येधिन धुमकिटितकध्येता ध्येतकतक ताकिटिधाकिटि धातकःधाक२धाधाधाधा दिन्तककिटितगनाः किटितककिटि धीध्येनाटधा ॥ ४ ॥ ॥ किटिधेकाताकिटित-राण धीधीधादिन्ना किटितकः काताःकिटी २ धुमाकिटिधाकिटि धदीगननःधिलांग किटितकदेअःधा ३ धीधेता कतादिन्तक ताध्येता धदीगननताःकिटितकध्ये धदीगन-धेअ तक २ धीनन धातन्धादिन्ना तकधीगननअ किडाणतक धुमकिटिःधी २की-टितक धगअदीगनध ॥ ५ ॥ ॥ किटि २ तकाकिटितरांण धुमकिटिध्ये धादिन्नक

धीर्कोतकना धेतकधुम किटि२तकर्तकिटितका टगनगदेअः धाकीटितक धुमकिटितक-तकिटितकाध्धेताधे तकिटिधीकिटितक धुमकिटितकध्धेताःकिटि २ तकःधादिन् २धा-ध्धेता धाकिटितककिटितक तादीथुंना तकाधाक किटितरांगधा ॥ ६ ॥ ॥ तकधुम-किटिध्धेतकांन किटितराण किटितकदिन धादिन्धाकिटित ध्धेताकिटिदिन् धाकि-टितकधीकीःतक २धादिनना दिगननागिनकिटिध्धेता किटताकिटितकिटितकाः धी२किटिधुमःधिरकिटिताकिटि धुमकिटिधाकिटितकधा किटि२तकिटितका किटि-किटिकिटितकिटिधाक किटिधातक धेध्धेधाडधा ॥ ७ ॥ ॥ ताकिटिधाधिन्ना किटि दीगंटेनातक धधींकिटींतक धदीदींगातकः किटित्ता२ किनध्धेतकांनः किटितक धींकिटिधा किटिधुमाकिटिनक धुमकिटिधी २ किटि धिलांगधातकधाः किटि२तक किटः धीधीकिटिधेध्धेनांटः धग्गदीगनतदेअधाकः ताधीनंता किटितकः ततुःधुनकिटि तराण तधाकिटितकाआः धाकधा ॥ ८ ॥ ॥ त्रकिटिदिन्ग तकतराणनमदिन्त्तक ध्धेत्तधाकः कात्ताकिटिकिटितकिटितका धुमकिटितकादिन्नां ताकिटिः तक२ ध्धेनाः दिगननागिन त्तकधिलांग धींकीतकदीन् तअकिडाणतकन्धाकः किडनाकिटिधा किटितकः ताकिटिधाकः किटिधाकिटिदिंगनतत्ः धी२ दीन् २ नागिनदीगनः धीण२ किटिधींदिन्त्तन्कधा ॥ ९ ॥ ॥ त्रकिटिकिटित किटितराणतानन धी २ नाकिटित्तकः किटित्तकनात्तादिन्ः त्तकनकिटिध्धेतकः किटितितान् धी २ त्तातकत धुमकिटित्तक धी२ किटितकध्धेता किटिध्धेतधाकः ननताત્તकः देअः देअः देअ ता किटि२तकःधुम२ त्तदीकिटिधुम ध्धेतकांन त्तकअ धींकिटितकधाकिटि किडनाकिटि धगअ दीगनधा ॥ १० ॥

अब तीतालाका मोहरा मात्रा १६ का ॥ बरोबरमेलेतो आवडदी एकमेआवें ॥ और दुगणलेमें तीनवखत लेणा जो दोआवडदीमे बेठेधापर मात्रा और राखीहें ॥

किटितक आः धा किटितक धदी गन धा ॥ १ ॥

कि टी त क आ धु म कि टि त क ध दी ग न धा आ ० २ कि टि त क आ
१ २ ३ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १८ २० २४ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५४

धु म कि टि त क ध दी ग न धा ॥ २ ॥ ॥ किटितकिटितकआ किटितक-
५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ सम

धदीगन धाआ० २किटितकिटितकआ किटीतक धदीगनधा ॥ ३॥ किटितकिटित-
कद्धा किटितक तरांगधाआ० २किटितकिटितकधा किटितक नरांगधा ॥ ४ ॥ किड-
नाकिटि धुमकिटितक धदीगनधाआ० २किडनाकिटि धुमकिटितक धदीगनधा ॥ ५ ॥

॥ अबतीनविरयाले दुणमेलेवाकीरीती ॥

कि टि त क आ धा कि टि त क ध दी ग न धा आ आ आ कि टि त
१ २ ३ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १८ २० २२ २४ २५ २६ २७

क आ धा कि टि त क ध दी ग न धा आ आ आ कि टि त क आ धा कि टि
२८ ३० ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५४ ५६ ५७ ५८

त क ध दी ग न धा ॥ ६॥ ॥
५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ सम

किडनाकिटि धुमकिटितक तरांगधाआ० २किडनाकिटि धुमकिटितक तरांगधा ॥ ६ ॥
किटितकधे तकदेअ धाधदीगनदेअ धाआकिटितकधे तकदेअ धाधदीगनदेअ धा
॥ ७ ॥ ॥ किटितकिटितका किनधागेदिगन धागेदीगन धाआ० २ किटितकिटितका
किनधागेदीगन धागेदीगन धा ॥ ८ ॥ ॥ कतकधाकधा किटितकधदीगनधाआ० २
कतकधाकधा किटितकधदीगनधा ॥ ९ ॥ ॥ कातकधा दीगनधा तरांगधाआ०२-
कातकधा दीगनधा तरांगधा ॥ १० ॥ काधीधीताधी धीधीता तकधदीगनधाआ०२
काधीधीताधी धीधीधीता तकधदीगनधा ॥ ११ ॥ ॥ क्रू धीधीना कुक्रूक नगदेअ
धाआ० २ क्रू धीधीना कुक्रूक नगदेअ धा ॥१२॥ ॥ धुमकिटितक धुमकिटिनक धदी-
गनधाआ० २ धुमकिटिनक २ धदीगनधा ॥१३॥ ॥ धुमकिटितरांगधा धदीगनदेअ
धाआ० २ धुमकिटितरांगधा धदीगनदेअ धा ॥ १४ ॥ ॥ धुमाकिटिदेअधा किटितक
धदीगनधाआ० २ धुमाकिटिदेअ धाकिटितकधदीगनधा ॥ १५ ॥ ॥ धुमकिटितगना

किटितकथद्गीगनथाआ० २ धुमकिटितगना किटिनकथद्गीगनथा ॥१६॥ धीकिटिकि-टिनाकिटित्तका धीधीकिटितका धाकथाआ० २धींकिटिकिटि तकिटि धी २ किटित्तका धाकथा ॥१७॥ ॥ धीगननांद धुमाकिटितक धद्गी गनथाआ० २ धीगननाद धुमकि-टिनक धद्गीगनथा ॥ १८ ॥ ॥ धीग्गंतधीगताः किटित्तकथद्गीगनथा आ० २ धिग्गत धिगता किटितक धद्गीगनथा ॥ १९ ॥ ॥ धीनद्गीबकिटिकिटि ताकिटितककेधीन्नाड किटि तअकथाआ० २ धीन् २ तकिटित्तकके धीन्नाड किटितअकधा ॥ २० ॥ ॥ धादिननक धीकिटित्तक धीकिटितक धद्गीगनथाआ० २ धाद्गीनतकः धीकिटित्तक२ धद्गीगन धा ॥ २१ ॥ ॥ धाकिटितक धीकीटी तकडथा कानाकिटिथाआ० २ धाकिटितक धीकिटि तकडथा कानाकिटिथा ॥ २२ ॥ ॥ धाकिटिनकनथा धीकि टिनक धद्गीगनथाआ० २ धाकिटितकनथा धीकिटितक धद्गीगनथा ॥ २३ ॥ ॥ धाकिटिद्गीगन नाकिटितगन तागेतींटींधाआ० २ धाकिटिद्गीगन नाकिटितगन तागे-तींटींथा ॥ २४ ॥ ॥ धीडं नगद्गीगन धील्लांनधी किटितकथाआ० २ धीडंनगद्गीगन धील्लांनधी कीटिनकथा ॥ २५ ॥ ॥धीणधीणतकिटि धुमकिटितक धद्गीगनथाआ० २ धीण २ तकिटि धुमकिटितक धद्गीगनथा ॥ २६ ॥ ॥ धिडंनधीधीता धेता तरांग-थाआ० २ धीडंतःधीरता धेता तरांगथा ॥ २७ ॥ ॥ धीद्गंतधीद्गंत धग्गद्गीगनतक धाकथाआ० २धीद्गंत २धगाद्गीगनतक धाकथा ॥२८॥ ॥ धद्गीगनथा धद्गीगन धद्गी-गन देअथाआ० २ धद्गीगनथाःधद्गीगन २ देअथा ॥२९॥ ॥ धद्गीगनथा तरांगथा धद्गीगनथाआ० २धद्गीगनथा तरांगथा धद्गीगनथा ॥३०॥ ॥ धद्गीगनथा तगनाथा तागेतींटी थाआ० २धद्गीगनथा तगनाथाआ तागेतींटी धा ॥३१॥ ॥ धद्गीगनथा धेनाथा धीनकिटि धाआ० २ धद्गीगनथा धेनाथा धीनकिटि धा ॥३२॥ ॥नगदेअ तकदेअ धाधद्गीगनदेअ धाआ० २नगदेअ तकदेअ धाधद्गीगनदेअ धा ॥३३॥ नगत-कतकदेअ धाधद्गीगनदेअ धा० २ नगतकतकदेअ धाधद्गीगनदेअ धा ॥ ३४ ॥ ॥ नाकिटिताकिटि तकतक तरांगथाआ० २ नाकिटिताकिटि तकतक तरांगथा ॥३५॥ [illegible] धानाथाआ० २ ना २ गिड २ तकधुं धानाथा ॥ ३६ ॥ ॥

थुंगननागिन धुमकिटितक धदींगनधाआ० २ थुगननगिन धुमकिटितक धदींगनधा ॥ ३७ ॥ थुकिटिनाकिटि कानाकिटि तरांगधाआ० २ थुकिटिनाकिटि कानाकिटि तरांगधा ॥ ३८ ॥ ॥ थरकिटि थरकिटि कानाकीटी धाआ० २ थरकिटि ३ काता-किटिधा ॥ ३९ ॥ ॥ थरकिटि थरकिटि थरकिटि नगदेअधा० २ थरकिटि ३ नग-देअधा ॥ ४० ॥ तकधुमकिटि धुमकिटितक धदींगनधाआ० २ तकधुमकिटि धुम-किटितक धदींगनधा ॥ ४१ ॥ ॥ तगनगदेअ धाकिटितक धदींगनधाआ० २ तग-नगदेअ धाकिटितक धदींगनधा ॥ ४२ ॥ ॥ ततकधीकीटि धीधीकिटि तकधदींगन धाआ० २ ततकधीकिटि धी २ किटितक धदींगनधा ॥ ४३ ॥ ॥ नकेअ तागेन धाकिटितक धदींगनधाआ० २ नकेअ तागेत धाकिटितक धदींगनधा ॥ ४४ ॥ ॥ तकधा तकधा नकधा धदींगनधाआ० २ तकधा ३ धदींगनधा ॥ ४५ ॥ ॥ तकधी धीधी तकधदींगनधाआ० २ तकधी धीधी तकधदींगनधा ॥ ४६ ॥ ॥ तका धिगा धुमकिटितक धदींगनधाआ० २ तका धीगा धुमकिटितक धदींगनधा ॥ ४७ ॥ ॥ तअकिटिकिटि धुमकिटितक धदींगनधाआ० २ तअकिटि-किटि धुमकिटितक धदींगनधा ॥ ४८ ॥ ॥ तगना धीधी टेतक धदींगनआ० २ तगना धीधी टेतक धदींगनधा ॥ ४९ ॥ ॥ टगना धीधी धुमकिटि धदींगनधा आ० २ टगना धीधी धुमकिटि धदींगनधाआ ॥ ५० ॥ ततथुन ततथुन तकतक धदींग नधाआ० २ ततथुन तकथुन तक २ धदींगनधा ॥ ५१ ॥ ॥ तअ थरींग धुमकि-टितक ददींगनधाआ० २ तअथरींग धुमकिटितक धदींगनधा ॥ ५२ ॥ ॥ तत-थुंगा तकाथुंगा तकतक ददींगमधाआ० २ ततथुंगा तकाथुंगाः तक २ धदींगनधा ॥ ॥ ५३ ॥ ततथरींगता धीदीन् तअ किटितकधाआ० २ ततथरींगता धीदिन्तअ किटितकधा ॥ ५४ ॥ ॥ ताकिटिधीकिटि धाकिटितक धदींगनधाआ० २ तकिटि-धीकिटि धाकिटितक धदींगनधा ॥ ५५ ॥ ॥ ताकिटिताकिटि तकतकधदींगनधाआ० २ ताकिटि २ तक २ धदींगनधा ॥ ५६ ॥ ॥ ताकिटिताकिटि नगदेअ धातरांग-धाआ० २ ताकिटि २ नगदेअ धातरांगधा ॥ ५७ ॥ ॥ ताकिटिधीना धुमकिटि-तक धदींगनधाआ० २ ताकिटिधीना धुमकिटितक धदींगनधा ॥ ५८ ॥ ताकुक-

थुंगननागिन धुमकिटितक धद्दीगनधाआ० २ थुगननगिन धुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ ३७ ॥ थुकिटिनाकिटि कानाकिटि तरांगधाआ० २ थुकिटिनाकिटि कानाकिटि तरांगधा ॥ ३८ ॥ ॥ थरकिटि थरकिटि कानाकीटी धाआ० २ थरकिटि ३ काताकिटिधा ॥ ३९ ॥ ॥ थरकिटि थरकिटि थरकिटि नगदेअधा० २ थरकिटि ३ नगदेअधा ॥ ४० ॥ तकधुमकिटि धुमकिटितक धद्दीगनधाआ० २ तकधुमकिटि धुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ ४१ ॥ ॥ तगनगदेअ धाकिटितक धद्दीगनधाआ० २ तगनगदेअ धाकिटितक धद्दीगनधा ॥ ४२ ॥ ॥ ततकधीकीटि धीधीकिटि तकधद्दीगन धाआ० २ ततकधीकिटि धी २ किटितक धद्दीगनधा ॥ ४३ ॥ ॥ तकेअ तागेन धाकिटितक धद्दीगनधाआ० २ तकेअ तागेत धाकिटितक धद्दीगनधा ॥ ४४ ॥ ॥ तकधा तकधा तकधा धद्दीगनधाआ० २ तकधा ३ धद्दीगनधा ॥ ४५ ॥ ॥ तकधी धीधी तकधद्दीगनधाआ० २ तकधी धीधी तकधद्दीगनधा ॥ ४६ ॥ ॥ तका धिगा धुमकिटितक धद्दीगनधाआ० २ तका धीगा धुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ ४७ ॥ ॥ तअकिटिकिटि धुमकिटितक धद्दीगनधाआ० २ तअकिटिकिटि धुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ ४८ ॥ ॥ तगना धीधी टीतक धद्दीगनआ० २ तगना धीधी टीतक धद्दीगनधा ॥ ४९ ॥ ॥ टगना धीधी धुमकिटि धद्दीगनधाआ० २ टगना धीधी धुमकिटि धद्दीगनधाआ ॥ ५० ॥ ततथुन ततथुन तकतक धद्दीगनधाआ० २ ततथुन तकथुन तक २ धद्दीगनधा ॥ ५१ ॥ ॥ तअ थरींग धुमकिटितक दद्दीगनधाआ० २ तअथरींग धुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ ५२ ॥ ॥ ततथुंगा तकाथुंगा तकतक दद्दीगनधाआ० २ ततथुंगा तकाथुंगाः तक २ धद्दीगनधा ॥ ॥ ५३ ॥ ततथरींगता धीदीन तअ किटितकधाआ० २ ततथरींगता धीदिनतअ किटितकधा ॥ ५४ ॥ ॥ ताकिटिधीकिटि धाकिटितक धद्दीगनधाआ० २ तकिटिधीकिटि धाकिटितक धद्दीगनधा ॥ ५५ ॥ ॥ ताकिटिताकिटि तकतकधद्दीगनधाआ० २ ताकिटि २ तक २ धद्दीगनधा ॥ ५६ ॥ ॥ ताकिटिताकिटि नगदेअ धातरांगधाआ० २ ताकिटि २ नगदेअ धातरांगधा ॥ ५७ ॥ ॥ ताकिटिधीना धुमकिटितक धद्दीगनधाआ० २ ताकिटिधीना धुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ ५८ ॥ ताकुक-

नाकुक्कू थीलांगनक धदीगनधाआ०२ नाकुक्कूनाकुक्कू थिलांग तकधदीगनधा ॥ ५९ ॥
॥ ताकिटिधाकिटि तकधदीगनधाआ० २ ताकिटिधाकिटि तकधदीगनधा ॥ ६० ॥
॥ तागिनतागिनधा तगीनधा तागिनधा० २ तागिन २ धा तागिनधा तगिनधा ॥ ६१ ॥
॥ तागिनतगिनधा तागिनधिनतगिनधाआ० २ तागिन २ धा तगिनधिनतगिनधा ॥
॥ ६२ ॥ ॥ तागिनतागिन धा धा धिता किडधागिनधाआ० २ तागिन २ धा २
द्धेता किडधागिनधा ॥ ६३ ॥ ॥ तगनातगना तगनाधदीगनधाअ० २ तगना३
धदीगनधा ॥ ६४ ॥ ॥ धीन्धीन धीन तकदीगनधाआ० २ धीन् २ द्धीन् तकध-
दीगनधा ॥६५॥ टोतकदिन्नाम धदीगनधाआ०२ टोतकदिन्नाम ददीगनधा ॥६६॥

॥ मोहरा ठाडुणका ॥

किटि	किटि	तक	द्धे	ताआ	धदी	गंन	धा	आ	धदी	गन	धा	आ	धदी	गन
१	२	३	४	५ ६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६

०
धा ॥ १ ॥ किटि किटि तक द्धे ता आ ताः धा आ ताः धा आ ताः
सम १ २ ३ ४ ५ ६ ७-८ ९ १०. ११-१२--१३--१४-१५-१६

०
धा ॥ २ ॥ ॥ धुम किटि तकि टित का आः धदी गन धा आ धदी गन धा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३

आ धदी गन धा ॥ ३ ॥ धुम किटि तकि टित का आः ता आ धा आ ता
१४ १५ १६ सम १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११

आ धा आ ता आ धा ॥ ४ ॥ ॥ धुम किटि तकि टित का आ त रा ग
१२ १३ १४ १५ १६ सम १ २ ३ ४ ५ ६ ६॥ ७॥ ८

धा आ त रा ग धा आ त रा ग धा ॥ ५ ॥ ॥
९ १० १०॥ ११॥ १२ १३ १४ १४॥ १५॥ १६ सम

॥ मोहरा फेरल्हीम्बेहैं मात्रा १२ का नेणेकधा मात्रा ४ की ॥
॥ पेहेले लगाईजायगी सो सोलेह मात्राके होयगे ॥
॥ बराबरकी लेमेलेवेनो आवडदी एकमेआवे ॥
॥ नेडुणमे लेतोआवडदी १॥ मेआवे तीनदाण लेणा ॥
॥ उठाणा धादिन्था किटिनाकिटिनका किटिः ॥
इमु बरोबर दोआवडदी मे आवेगा ॥

॥ बराबर लेसमसेसमतक ॥

धा आ० किटि किटि तक धदी गन धा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ सम
२ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

॥ लै दुगण ऊठाणले करती नर्षारीया मोहोरा ॥

॥ लेणाजो आवडदी दीमें आवे ॥

धा दिन् धा किट तकि टित का किटि धा आ किटि किटि
१ २ ३ १ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

तक धा धदी गन धा आ किटि किटि तक धा धदी गन धा आः
१३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६

किटि किटि तक धा धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥
२७ २८ २९ ३० ३१ ३२

धाआः किटिकिटितकधा तरांगधाआर किटिकिटितकधा तरांगधा ॥ २ ॥ धाआःतअका धाधागदीगन धाआर तअकाः धार गदीगनधा ॥ ३ ॥ ॥ धाआः तकिटिधीकिटितक धदीगनधाआर तकिटिधीकिटितक धदीगनधा ॥ ४ ॥ ॥ धाआः ध्धेता तकतक धदीगनधाआर ध्धेता तकतक धदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ धाआः ध्धेत्ताः तकर तरांगधाआः ध्धेताः तकर तरांगधाआः ध्धेत्ताः तकर तरांगधा ॥ ६ ॥ ॥ ॥

॥ अथ तीतालाका टुकडा मात्रा ८ का

॥ तीनिदाणलेणा धासुदा जो आवडदी १ में

॥ आवे लैदुगण होवे ॥

किटि तक धदी गन धा आ किटि तक धदी गन धा आ कि टि तक
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥
१५ १६ सम

किटितक तरांणधाआर किटितकतरांगधा ॥ २ ॥ ॥ किटितक धाधा धाआर किटितक धाधाधा ॥ ३ ॥ ॥ किटितकाआ धाक धाआर किटितकाआ धाकधा ॥ ४ ॥ ॥ किटिकिटितक धाधाआर किटि किटितकः धाधा ॥ ५ ॥ किटि किटितकध्येताआः२ किटि२ तकध्येता ॥ ६ ॥ ॥ किटि किटितकधेता-धाआर किटि२ तकधेताधा ॥ ७ ॥ ॥ किटि किटि किडाणधाआर किट२ किडाणधा ॥ ८ ॥ ॥ धुमकिटि धदीगनधाआर धुमकिटि धदीगनधा ॥ ९ ॥ धुमकिटितरांगधाआर धुमकिटितरांगधा ॥ १० ॥ ॥ धुमकिटिध्येताधाआर धुम किटिध्येताधा ॥ ११ ॥ ॥ धुमकिटि कतकिटिधाआर धुमकिटि कतकिटिधा ॥१२॥ धीधीकिटि धींधीताधाआर धी२ किटिः धी२ताधा ॥ १३ ॥ ॥ धीधीकिटि तराणधाआर धी२ किटितरांणधा ॥ १४ ॥ ॥ धीधीकिटिकातकधाआर धी२ किटिकातकधा ॥ १५ ॥ धीधीकिटि किडाणधाआर धी२ किटिकिडाणधा ॥ १६ ॥ ध्येताकिटितकधाआर ध्येताकिटितकधा ॥ १७ ॥ ॥ ध्येताधदीगनधाआर ध्येताधदीगनधा ॥ १८ ॥ ॥ ध्रुता तरांगधाआ २ ध्रुता तरांगधा ॥ ॥ १९ ॥ ध्येतातागेतीटिधाआ २ ध्येतातागे तीटीधा ॥ २० ॥ ॥ धीधीता धदीगनधाआ २ धींधीताधदीगनधा ॥ २१ ॥ ॥ धींधीतातरां-गधाआर धींधीतातरांगधा ॥ २२ ॥ धींधीनतधीनकिटिधाआर धींधी-नतधीनकिटिध ॥ २३ ॥ ॥ धीलांनधीकिटितकधाआ २ धीलांनधीकिटितकधा ॥ २४ ॥ ॥ धीदंअत धीकिटितकधाआ २ धीदंअत धीकिटितकधा ॥ २५ ॥ ॥ धीकिडताधीकाताकिटिधाआ २ धीकीडताधीकाताकिटिधा ॥ २६ ॥ ॥ धीडाणनग-देअधाआ २ धीडाणनगदेअधाआ ॥ २७ ॥ ॥ धीणधीणधाकिटितकधाआ २ धीण २ धकिटितकधा ॥ २८ ॥ ॥ धदीगनधा धाधाआ २ धदीगनधाधाधा ॥ २९ ॥ ॥ धदीगनतरांगधाआ २ धदीगनतरांगधा ॥ ३० ॥ ॥ धदीगन तागेतीटिधाआ २ धदीगनता गेतीटीधा ॥ ३१ ॥ ॥ धदीगनध्येता धाआ २ धदीगनध्येताधा ॥ ३२ ॥ नगदेअतकदेअ धाआ २ नगदेअतकदेअ धा ॥ ३३ ॥ ॥ नकनकनकदेअ धाआ २ नक्कानक [illegible] ॥ ३४ ॥ नाकिटितकिटितकधाआ २ नकिटि२ [illegible] ॥३५॥

नाना क्डिडाणधा आ २ ना २ क्डिडाणधा ॥ ३६ ॥ ॥ धुगिननागिनतकधाआ २ धुगनानागिनतकधा ॥ ३७ ॥ ॥ धुगिनतकिटितकधाआ २ धुगनतकिटितकधा ॥३८॥ थरींगनगदेअधाआ २ थरींगनगदेअधा ॥ ३९ ॥ ॥ थरींगनगितीटिधाआ २ थरींगनागेतीटिधा ॥ ४० ॥ ॥ नकतकधद्दीगनधाआ २ तक २ धद्दीगनधा ॥ ४१ ॥ तकतकतरांगधाआ २ तक २ तरांगधा ॥ ४२ ॥ ॥ तकधाकधाकधाआ २ तक-धाकधाकधा ॥ ४३ ॥ ॥ तगनांगधाधाधाआ २ तगनांगधाधाधा ॥ ४४ ॥ ताकिडाणधाधाआ २ ताकिडाणधाधा ॥ ४५ ॥ ॥ ततूकधी किटितकधाआ २ ततूकधी किटितकधा ॥ ४६ ॥ तकाधींगातकधाआ२तकाधींगातकधा ॥ ४७ ॥ तक-धुमाकिटितकधाआ२तकधुमकिटितकधा ॥ ४८ ॥ तअ किटिकिटितकधाआ२तअ किटिकिटितकधा ॥ ४९ ॥ तअ तरांगधाधाआ२तअ तरांगधाधा ॥ ५० ॥ तकिटि-धींकिटितकधाआ२तकिटिधींकिटितकधा ॥ ५१ ॥ तकिटिधींनातकधाआ२तकिटिधीं-नातकधा ॥ ५२ ॥ तकाधाधाकधाआ२तकाधाधाकधा ॥ ५३ ॥ ताताअक धाधा-आ२ताताअकधाधा ॥ ५४ ॥ धेंताधाधाकधाआ२धेंताधाधाकधा ॥ ५५ ॥ धींकि-टिधाधाकधाआ२धकिटिधाधाकधा ॥ ५६ ॥ धें किटि किटितकधाआ २ धें: किट २ तकधा ॥ ५७ ॥ ॥ धिगनाकिटितकधाआ २ धींगनाकिटितकधा ॥ ५८ ॥ धाः धद्दीगनदेअधाआ २ धद्दीगनदेअधा ॥ ५९ ॥ ॥ धाः तरांगदेअधाआ २ तरांगदेअधा ॥ ६० ॥ ॥

॥ अब तीतालाका टुकडा मात्रा १६ । ३२ ॥ का बरोबरमे
लेतो आवडदी ४ मे आवे ने दुणमे लेतो आवडदी २ मे आवे
ने चोगणमे लेतो आवडदी १ मे आवे ॥

०				।								०			
धा	ता	धा	ता	धा	ता	धा	ता	धा	ता	धा	ता	धा	ता	धा	ता
२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२

०
धा ॥ १ ॥

धा तरंग धा तरंग धा तरंग धा तरंग धा तरंग धा तरंग धाः तरंग धा तरंग
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २५ २८ ३० ३२

धा ॥ २ ॥
सम

धा किटि तक धा किटि तक धाः किटि तक धा किटि तक धा किटि तक
२ ३ ४ ६ ७ ८ १० ११ १२ १४ १५ १६ १८ १९ २०

धा किटि तक धा किटि तक धा किटि तक धा ॥ ३ ॥
२२ २३ २४ २६ २७ २८ ३० ३१ ३२ सम

धा किडाण धा किडाणधाः किडाणधा किडाणधाः किडाणधा किडाणधा किडाणधा ॥ ४ ॥ ॥ धींकतक धाकतकधाः कतकधाः कतकधा कतकधा २ ॥५॥॥ धाधड़ीगन धाधड़ीगन धा धड़ीगनधा धड़ीगनधा धड़ीगनधा २ ॥६॥

॥ अथ तीतालका टुकडा मात्रा ४ कालेट ॥

॥ पहिले लेणार तीनदाण ॥

धा ड़ी न धा कि टि न कि टि न का कि टिः कि टि त क धा कि टि
२ ३ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २२ २३ २४

न क धा कि टि त क धा ॥ १ ॥
२५ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ सम

किटि २ धाः किट २ धाः किटि २ धा ॥ १ ॥ ॥ किडाणधा ३ ॥ ३ ॥ किडधागिनधा ३ ॥ ४ ॥ ॥ किडधादिन्धा ३ ॥ ५ ॥ ॥ किडदांताधा ३ ॥६॥ कतअकधा ३ ॥ ७ ॥ कातकधा ३ ॥ ८ ॥ ॥ धुमकिटिधा ३ ॥ ९ ॥ ॥ धुमतकधा ३ ॥ १० ॥ धुमदिन्धा ॥ ११ ॥ ॥ धुमधुमधा ३ ॥ १२ ॥ ॥ धींधी किटिधा ३ ॥ १३ ॥ ॥ धींकीतकधा ३ ॥४१॥ ॥ धीन्नांगधा ३ ॥ १५ ॥ ॥ धिनकिटिधा ३ ॥ १६ ॥ ॥ धींगदिन्धा ३ ॥ १७ ॥ ॥ धिनगिनधा ३ ॥१८॥ धेनाधा ३ ॥ १९ ॥ ॥ धेकिटिधा ३ ॥ २० ॥ ॥ धींधींताधा ३ ॥ २१ ॥ ॥ धींधींदिनधा ३ ॥ २२ ॥ ॥ धिन्नांनधा ३ ॥ २३ ॥ ॥ धींडनतअधा ३ ॥२४॥

धद्दीगनधा ३ ॥ २५ ॥ दिनगनधा ३ ॥ २६ ॥ नगद्धेधा ३ ॥ २७ ॥ नग. दिन्धा ३ ॥ २८ ॥ नतकिटधा ३ ॥ २९ ॥ नतत्ताधा ३ ॥ ३० ॥ नागनिटि धा ३ ॥ ३१ ॥ नानाकिड्डाणधा ३ ॥ ३२ ॥ तकधिनधा ३ ॥ ३३ ॥ तकदिनधा ३ ॥ ३४ ॥ तगनाआंगधा ३ ॥ ३५ ॥ तरांगधा ३ ॥ ३६ ॥ तांगतीटोधा ३ ॥३७॥ ॥ नकद्धेता ३ ॥ ३८ ॥ ॥ तनकधा ३ ॥ ३९ ॥ ॥ थरंगधा ३ ॥ ४० ॥

॥ अब तीताल्मे छेधा नेआरो प्रमाण ठाकीलेमे बराबर ॥

॥ की लेमे दुगणकी लेमे नेचोगणकी लेमे ॥ ४ लेमे ॥

॥ अब प्रथम ठाकीलेमे आवड्दी ८ मे आवे ॥

धादिनधा किटितकिटि तकाकिटि धीर्धाकिटि धुमकिटि नकिटि तकाकिटि तकधद्दी गनधा धा किटितकधद्दीगनधाः धाकिटितकधद्दीगनधाधा ॥ १ ॥

॥ अब बरोबर कीलेमे आवडदी ४ मे आवे ॥

धादिन् धाकिटि नकिटि नका कि टि धी धी कि टि धु म कि टि न कि टि न का कि टि त क ध द्दी ग न धा धा कि टि त क ध द्दी ग न धा धा कि टि त क ध द्दी ग न धा धा ॥ २ ॥ ॥

अब दुगणकी लेमे आवडदी २ मे आवे ॥

धा दिन धा कि टि न की टी त का कि टि धी धी कि टि धु म कि टि न कि टि तका कि टि त क ध द्दा ग न धा धा कि टि त क ध द्दी ग न धा धा कि टि त क ध द्दी ग न धा धा ॥ ३ ॥ ॥ ॥

॥ अब चोगणकी लेमे आवडदी एकमे आवे ॥

धा दि न धा कि टि न कि टि त का कि टि। धी धी कि टि धु म कि टि न कि टि न का कि टि न क ध द्दी न धा धा कि टि न क ध द्दी ग न धा धा

कि टि त क ध दी ग न धा धा ॥ ४ ॥ ॥

॥ अबछेधाआईलिमे लेवाको प्रमाण आवडदीदां ॥

मे आवे

धा दिं ना धा कि टि त क ता कि टि त क ध दी ग न धा धा कि टि त
क ध दी ग न धा धा कि टि त क ध दी ग न धा धा ॥ १ ॥ ॥

अब तीगण मे छे धालेवाको प्रमाण आवडदी १ मेलेवा ॥

धा दिं ना धा कि टि त क ता कि टि त क ध दी ग न धा धा कि टि त
क ध दी ग न धा धा कि टि त क ध दी ग न धा धा ॥ २ ॥ ॥

अब तिनालामे नोधा लेवाको प्रमाण बरावरमे
लेणा आवडदी ४ मे आवे नेठाकीलेमे लेणो आवडदी ८ मे आवे ॥

धा दि न धा कि टि त की टि त का कि टि धी धी कि टि धु म कि टि
कि टि त क ध दी ग न धा धा धा कि टि त क ध दी ग न धा धा धा कि टि
त क ध दी ग न धा धा धा ॥ १ ॥ ॥

॥ अब दुगण कीलेमे ९ धाले वाको प्रमाण आवडदी २ मे आवे ॥

धा दि न धा कि टि त कि टि त का कि टि धी धी कि टि धु म कि टि
कि टि त क ध दी ग न धा धा धाः कि टि त क ध दी ग न धा धा धा कि टि
त क ध दी ग न धा धा धा ॥ २ ॥ ॥

॥ अब चौगण लेमे ९ धालेवाको प्रमाण आवडदी १ मे आवे ॥

धा दि न धा कि टि त कि टि त का कि टि धी धी कि टि धु म कि टि

किटितक धदींगनधाधाधा किटितकधदींगनधाधाधा किटितकधदींगनधाधाधा ॥३॥

अब ततितालामे बारे धा लेवाको प्रमाण ॥

बरोबर मेले तो आवडदी ४ मे आवे ॥

धादिन् धाकिटिताकिटितकाकिटि ता किटितकधदींगनधाधाधाधा किटि-
तकधदींगननधाधाधाधा किटितकधदींगनधाधाधाधा ॥ १ ॥ ॥

अब दुगणकीलेमे १२ धा लेवाको प्रमाण आवडदी २ मे आवे

धादिन् धाकिटितकिटितकाकिटि ता किटितकधदींगनधाधाधाधा किटि-
तकधदींगनधाधाधा किटितकधदींगनधाधाधाधा ॥ २ ॥ ॥

अब चोगणकीलेमे १२ धा लेवाको प्रमाण ॥

आवडदी एकमे आवे ॥

धादिन् धाकिटितकिटि तकाकिटिताः किटितकधदींगनधाधाधाधाः किटि-
तकधदींगनधाधाधाधा किटितकधदींगनधाधाधाधा ॥ ३ ॥ ॥

अब तीतालामे १९ धा लेवाको प्रमाण ॥

ले दुगीनि आवडदी २ मे आवे ॥

ध्येता ध्येता ध्येता किटितकधदींदनधाधा धाधाधा किटितकधदींगन-
धाधा धाधाधा किटितकधदींगनधाधाधा धा ॥ १ ॥ ॥

अब तीतालाकी दुणमे १८ धा लेवाको प्रमाण ॥

आवडदी २ मे आवे ॥

ध्येता ध्ये किटितकधदींगनधाधाधाधाधाधा किटितकधदींगनधाधाधा
धाधा किटितकधदींगनधाधाधाधाधाधा ॥ १ ॥ ॥

अब तीतालामे २१ धा लेवाको प्रमाण ॥

दुणकी लेमे आवडदी २ मे आवे ॥

किटितकधदींगन धाधाधाधाधाधाधाः किटितकधदींगन धाधाधाधाधा-
[illegible]

॥ श्रीकृष्णायनमः ॥ अथ श्रीमाहा देवजीका तांडव नृत्य साङ्गीत लीखते ॥ ताल जल्दतिताला ॥ पिरमलु ॥ ॥ ताः तीदाम् थेईयाः थेइयाः थेइयाः दीगदीग तथेईः थेईः तथेईः थेई ॥ तादीदीतकथो धिगनांम धुमकिटितां तीदांम् किटिरतकतकरधिकितकः तकधीकीतक धिलांग तकधदीगनथेई ॥ १ ॥ तादीधित्तातरतादीथाः तादीद्धितातरतादीथाः तादीथारतादीद्धिता तादीथा । था तादीथा ॥ २ ॥ ता । थेईथेई३तितेताः थेईथेई३तितेताः थेईथेईतितेतारथेइति तेतारतितेताः थेईथेई३तीदतथेई ॥ ३ ॥ ॥ तीदिधित्तत तीदीधित्तत थेईतारति द्धीत्तत दिग २ ततकताता तिगदातीतकथेई ॥ ४ ॥ ॥ सथुन् तकथुन् तकतक धिकितकतकधिकीतक धिलांग तकथोरतकधिकितक धिलांग तकथोर सथुन तकथुनःतकरधीकीतकः तकधिकीतक धिलांगतक धदीगनथेई ॥ ५ ॥ ॥ ताकि-टितकः दीकिटितक दिन्नामः धुमकिटिताद्धीः द्धनांग तकथोः तोधीम्मरधि-त्तामरधिलांग३तकधदीगनथेई ॥ ६ ॥ ॥ ताकिटिरदिकिटिरतथुनगाथुनुगा द्धीथाः धीकितकः धीकीरतकः धीकितकदीनांमथाः थुंगथुंग तथुंग तकधीकीतक थुगडदाम् धिलांग तकधदीगनथेई ॥ ७ ॥ ॥

थाःथेई तकतकधिकीतक थुंगातकथुंगारत्तथुंगाथुंगा तकथुंगाथुंगा थांमथुंगाः तथुंगतक धीकीतादी गाथो तकतक धदीगनथेइ ॥ ८ ॥ ॥ था थेई ततथेई तत-थेई थेइतारथेइरताः थेइरताः थेइता २ तिधा ता तीदतथेई ॥ ९ ॥ ॥ ता ~ःथेई ~ तथेई ~ तथेइ ~ तथेइता ~ थेइ थेइ थेइ थेइ थेइ थेई तीदतरथेइ~ तथेइ ~ तथेई ~ तथेइतारतीदींधीत्तातरथेइताः तोदीधीत्तातरथेइताः थेइ ~ः तथेइ ~रतथेइताः थेइ६तीदीतथेई ॥ १० ॥ ॥ तां~ः थेइ~तथेइ~ तथेई ~तथेईता थेइथेइत दीगदींगततग ताना तीगदाथेईरतांथेइ~ तथेइ~ तथेइ~ तथेइतारतीदीधी तातरथेइताः तीदीधीतातरथेइताः थेइ~ तथेइ ~ तथेइ ~ तथेइताः थेइर तदीगदीग तेतगतातातीगदा तीतकथेई ॥ ११ ॥ ॥ त्तथाः दिग८तथुंगा थुंगाः

॥ १२ ॥ ॥ थुथुथुथु थुंगानक२ताथुंगा तकथुंगा तकथुथुथुथुनां: थांदिग नानानानानाना तादींकथो तक२धदीगनथेइ ॥ १३ ॥ ॥ धुम२धेता धेतां-तक धीकीतक तकिटिधीकिटि धिलांगतकथो२धुमद्धेता२धेता धेताक्तक धेता तकधेता धुमधेता द्धेता तकधदीगनथे ॥ १४ ॥ ॥ त्तकिटि४थुमाकथोः त्तकिटि४थुगाकथोः थुग्डदांनां थुगडद्दिन्दिन् थुम२थुगिन नागिन तकथो धीदामः ताहत्ता२हत्ता३गदीगनथेई ॥ १५ ॥ ॥ थाधिकितक तकधीकीतक तकधीकीतक तकतकधीकितक२तकधींकीनक२धींकीतक तकधींकीतक धिलांग तकधदीगनथेइ ॥ १६ ॥ ॥ ता ० तीधीता तद्दिगतीधा तीदीथातेतिगती-धी२तीदीततथा ० तीदीथाः तादीथा५तीगदाम् ४दीग२ त्तथाः तथेइताःथेइता२ तीदतथेइ ॥ १७ ॥ ॥ पंलीपिरमलुसुवासकी ॥ ताआ२थेइथेई२ताः थेई३याः थेइ २थेइयाःथेइया३तीधीतत०२२ ताःथेइथेइथेइया२तीधितत४ताःथेई२याः थेइ२थेइयाः थेईया३तीधीनततीधीनत्तः दीग२तेद्दिगताता तीगदातीतकथेई ॥ १८ ॥ ॥ ईतीसुधीतालकी तांडवनृत्यशांगितसंपुरण ॥

अव उटाणदुसरी सुधीतालकी ॥ ॥ तेत्तताधिन्ना धिन्ना ० तेतेताधिन्नाः द्धेद्धे तकतकतकतक धीकीतक तकधीकीतक धिलांग तक धदीगनथेई ॥ १ ॥ धेधेः तक ४ धीकीतक तकधीकीतक धिलांग तकथो २२ तकधींकी-तक धिलांगतकथो २ धेधेः तक ४ धीकीतक तकधीकीतक धिलांगतक धदीगनथेई ॥ २ ॥ ॥ त्तुग्डदांम धीधीकिटितक धीकीतक ताकुंकू ना-कुकू धित्तांग तकथो २ ताकुकू नाकुकु धित्तांग तकथो २ त्तुग्डदांम धीधीकि-टितक धीकीतक ताकुकू नाकुकू धित्तांग तकधदीगनथेइ ॥ ३ ॥ ॥ त्तुग्डदाम २ धधीकिटितक तुग्डदाम् धुमाकतकथो २२ त्तुग्डदाम थुमा-कतकथो २ त्तुग्डदाम २ धीधीकिटितक थुग्डदामथुमाक तकगदीग२थे ॥ ४ ॥ ॥ त्तुग्डदाम् २ तुग्डदाम त्तुग्डदाम थुमाकथकथो २२ त्तु

गडद्दाम धुमाक्नकथो २ त्तुग्डदांम् २ तुग्डद्दाम् त्तुग्हदाम धुमाक तक-
धद्दीगनथेई ॥ ५ ॥ ॥ ताथेईया दीगदीगथेइया तीधीतत थेइ थेइत दीग-
दीग तेतकताता तीगदाथेइ २ थेइथेइत दीगदीग तेतकताता तीगदाथेई २
ताथेइयाः दीग २ थेइया तिधीततः थेइ २ तः दीग २ तेतकताता तीगदा-
तीतकथेई ॥ ६ ॥ ॥ तथेइ ४ तीदीतत थेइथेइत दिगदिग तेतकताता
तीगदाथेइ २२ थेइथेइत दीगदीगतेतक तातातीगदाथेई २ तथेई ४ तीदी-
ततः थेइ २ ततः दीग २ तेतकताता तीगदा तीतकथेई ॥ ७ ॥ ॥ त्तदि
गदिग ४ तादिगदिग ४ तत्तादिगदिग तेदिगदिगतत्तः दिग २ तेतकताता
तीगदाथेई थेइ दीग २ तेतकताता तीगदाथेइ २२ त्तदिगदिग २ तेतकताता
तीगदाथेई २२ तेतकताता तीगदाथेइ २ तथेइ ४ थेइता २२ त्तदीगदीग ४
तादिगदिग ४ तत्तादिगदिगातिः दिग २ त्ततः दीग २ तेतकताता तीगदा
थेइ थेइ दीग २ तेतकताता तीगदातीतकथेई ॥ ८ ॥ ॥ त्तथेइःदिग २ थेइः
तेतकताता तीगदाथेई तेः दिग २ त्ततःदिग २ तेतकताता तीगदाथेई थेइ
दीग २ तेतकताता तीगदाथेई २२ त्तथेइः दीग २ थेइ तेतकताता तीगदाथेई
२ तेतकताता तीगदाथेई २ तथेइ ४ थेइता २२ त्तथेई दीग २ थेइ तेतक-
ताता तीगदाथेइ तेःदिग २ त्तत दीग २ तेतकताता दीगदाथेई थेइ दीग
२ तेतकताता तीगदातीतकथेई ॥ ९ ॥ ॥ दीग ८ त्तेतकताता तिगदाथेई तेः
दिग २ तत्तदिग २ तेतकताता तीगदाथेइ थेइ दिगदिग तेतकताता तीगदाथेइ
२२ दिग ८ त्तेतकताता तिगदाथेइ २२ तेतकताता तीगदाथेइ २ तथेइ ४
थेइता२२ दिग८त्तेतकताता तिगदाथेइ तेः दिग२तत्तः दिग२तेतकताता तिगदाथेइ
थेई दिग २ तेतकताता तिगदातीतकथेई ॥ १० ॥ ॥ त्त ३ दिग २ तेतकताता
तिगदाथेई तेः दिग २ त्ततः दिग २ तेतकताता तिगदाथेई थेइ दिग २ तेत-
कताता तिगदाथेइ २२ त्त ३ दिग २ तेतकताता तिगदाथेई २ तेतकताता
तीगदाथेई २ तथेई ४ थेईता २२ त्त ३ दिग २ तेतकताता तिगदाथेइ तेः
[illegible] दिग २ तेतकताता तीगदाथेई थेइ दिग २ तेतकताता तीग-

दातीतकथेइ ॥ ११ ॥ ॥ आरपटी ॥ ॥ तेतेताधिन्नाधिन्ना ततेता धिन्ना धधीथाआ २ धधेधेथाः तीन्न २ ता ः तीन्न २ ता धधीना २ ताधधीता ताधधीता किटितक धदीगन २२ थेइ ॥१॥ ॥ धिधता २ ताधिधता २ किटि-तक धदीन (चलति) थेइत्तता तीदीथोएईत्तथेऐई दिग २ तेतकतीदीताः त्तथा॥२॥ धा धीकीतक तकथो थाथाथाधिकितक तकधो२तकथो धीकीथो धीकीतक थाथा धिलांग तक धदीगनथेई ॥३॥॥ धेता तादी तकतक धीकीतक थुकिटितकथुंगा२ थुकिटि तक२तक२धीकीतक धेत्ता तादी धुनथुगा धिलांग तकधदीगनथेइ ॥ ४ ॥ तका तकथुन् तकतकतकथुन्२तकतकथुन्२तकथुनः तका तकथुन् तकधदीगन-थेइ ॥ ५ ॥ ॥ तकथुन्किटितक२ थुमाकथो२२ तकथुन् किटितकथुमाकथो२ तकथुन्२थुंगथाः तकथुंगा थुमाक तकधदीगनथेइ ॥ ६ ॥ ॥ आरपटी ॥ धिन्नाम तादीई किटितकतादीः ताहत्ता धीना धीन्नाम् ताहत्ता ताहत्ता ताहत्ता धिन्नाम ताहत्ता३ (चलत) धदीगन तेतेतेतेतेतेतेते तकथो धिकीथो धीकी-तादीकथो धिकीतकथुंगा जिग२ततथा२ततथाः श्रीमहादेवजी पार्वतीजीकाताण्ड-नृत्य)थोदिगदाम् ददीगनः दाम् दाम ददीगन२ दाम ददीगन२थोः दिग२ दिगदोम् दिग२तत्तथा थोदीगदीम् धदीगनः दीम्२ददीगन दीम्२ददीगन दिम ददीगन२ थाःदीग२दिग२दीमःदिग२ तत्तथाः थोदिगदामददीगनः दाम२ददीगन थोदिगदीमददीगनः दीम२ददीगन थोदिगदाना थोदिगदिन्दिन् धीकीतक तथुं२-थाआ धिकीतक तथुन्२थाथाधिकीतक तथुन२ तथुन् थुंग धिकीतादीकथो गदीगनथेइ ॥ १ ॥ ॥

सब्द गनेसजीको ॥ ॥ थेईतेते२त्ततत्२थाः त्तथा किटि२गुणतक तक-थुन् थुंगथाः अंगेतंगे किटितक धीकीथाः० त्तथा किटितकनाना धीकीथरी घीः किटि२तक धीका थुंगा अर्दद मदलो बुद्धि किनायक विनकिटि हरलों गनपति झेझेझे कुर कुटर कुछे झेझेझे कुर कुटर कुछेः दिन्नाम थरीक२ आलम् गथ्यो धीकिटिकिटितक धीकाथुंगा गनपति गोथुम् गथ्यो बनहर अगदधीम

नग्डधीमत्तकधीकथा किट्टाः किटि२ताः अंगतंगे किटितक धीक्कीथा ॥ ८ ॥

॥ अथहणमंतमोरलीखतं ॥ दींग२त्तथा त्तथा दींगदांग त्तथा त्तथा ततथाः थाआ० द्धींकिटितादींदींदीं द्धींकाथो द्धींकिटितादींदोंदीं तातगना किटितक ताः किटि२तक तकथुं किटितक धीःकिटि२तकःतोधीम्२धिताम्२धिलाम२ धिलाम् तकधदींगनथेई ॥ ९ ॥ ॥ थाथुंगाः तक२थुंगा२तकतकःथुंगा२तकतकथुंगा२ धा तक२थुंगा२थुंगा२थुमाक ददींगनथेई । १० ॥ ॥ दिंग२तअथा ततथा ताआ किटिथुंगा ताताकिटिथुंगा ताताकिटि दींदींकिटि किड्धा किटि थुंगा दिन्ना दिग्ड्राम द्धे घे त्तकथुंगा तकगदींगनथा ॥ ११ ॥ ॥ थाआ थुन्गा थुंमाकथुंगा थोथुंगा२था ॥ १२ ॥ ॥ तादिःदींदीं३द्धेता किटितक तादींःदींदीं२द्धेता किटितकतादीं दीं४द्धेता तादींःदीं४द्धेता मदींध्धेता२ ताध्धेता२धिधता धिलांगथो२-धिलांग३ददींगनथेई ॥ १३ ॥ ॥ ध्धे३किटि दा३किटि घुम३किटि तक२धीकीतक ध्येगीनांग२ददींगनथेई ॥ १४ ॥ ॥ पडार ॥ ॥ त्ताक२तक तकधीकीतक त्तका थोः तकधीकीतक दींकत्ताक तक तकधीकीतक दींदींकाथो तकधीकीतक थुंगत्ताकतक तकधीकीतक थुनथुंगाथों तकधीकीतक नांगत्ताकतक तकधीकीतक नंन्नंगाथो तकधीकीतकःताक२तकःतकधीकीतक दींकताकतक तकधीकीतक थुंगताकतक तकधीकीतक नांगताकतक तकधीकीतकःता२तक दींकताकतक थुंगताकतक नांगताकतक२२ताकिटि७तका दींकिटिः ताकीटि-६ तका थुंकिटिः ताकिटि६तका नाकिटिः ताकिटि६तका२२ताकिटि३तकाः दींकिटिः ताकिटि२तका थुकिटिःताकिटि२तका नाकिटिःताकिटि२तका२२ता-किटितका दींकिटितका थुकिटितका नाकिटितका२तोधीम्२धिता२म्धिलांम२ धिलाम तकधदींगनथेई ॥ १५ ॥ ॥

अथ जेतसह लिखते सुधीतालमे ॥

था धुंगा थोधोथुंगा तथुंगतक धिग तकिटिधीकिटि धिलांग तकथोः थुंग-नांग दिक्का थोतकथुंगा तोधमीक धमीक तकधीकितक धमीक २ जिगथाः थातथुंग धुंगा तथुंगतुक- थुंगन्नाग दित्था ॥ १ ॥ ॥ दीग २ त्तथा २ ततथाः ॥ थाधुमकिटि तकथुंगा थादीद्दा ददीगनधोः थुंकिटित्ता किटिथुथुकिटि ताकिट थुंगताक २ दिग २ तत्तथाः तोधम ताधिम २ तकधिम तोधमीक २ दिग २ तत्तथाः थुग्ङदाम थुंगाथो नगदीत्था ॥ २ ॥ ॥ था धुमकिटि धिग-नाम धिक्काथो तकथुंगाः थाथुंगा तथुंगथुंगा तकधीकीतक तथुंगथा थुंकिटितक-थां थुंन् तक तकथो तथुंग तक दिग तादीत् दीत्था ॥ ३ ॥ ॥ तद्दः तक ३ ताकुनाथर्र कुकुथर्रक ताकुनत्था तेथेइया दिग २ थेइया तथुंगथाः तथुंग ता किटिथरीं थेइन २ थेइता तिधीत्तथेई धिमत् २ धिमताः दिग २ तथेइ तेढिंढि कूतीदीतत् तीदीता कुनन्था ॥ ४ ॥ ॥ तत्ताधित्ताताथर्र थर्रकततक तक २ ततक ततक ४ त्ततक २ तक २ थों दिगदांम ४ दांगदांगदांम २ दिगुदाम् दी थुगिननागिनदी नंगाथोथो' धिम् ६ धी दिग २ त्तथाः किनः किटिकिं नकिन् किन २ किंकिं किनक २ किन ३ किंकिः किनझे २ किनझे २ किनझे किनझे किनक २ किन ३ नगदेत्था ताः थर्र थर्रांगथा ॥ ५ ॥ ॥ त्तथ-रांग झीन्ना झीनकिटितकताकुनाथरकः तक २ तनझें कुन्दर कुकुदित्थाः ताकु झाकु टगनगनग जिगः २ थरी २ कुकुदेव ३ थाः ताकुदेव ३ थाः था २ था थर्रकः तकथर्रक २ खिरेट २ झेहोटक तकदिन्नाम धुमकिटितांदी ताकु-झाकुता ताकुथरी २ झांख २ दिंनाम किड २ थाः किड् २ थाः झांत २ झीन् झीन् कुकुताकुताकुः ताकु ३ ताकु ३ ताकु ६ था थर्रकथा ॥ ६ ॥ ॥ ताकिटिः

ता २ किटि [illegible]

धीकीथो धिकीतकतक धीधीकिटितकथो: धिगेधुमकिटि धिलांग तकधदीन: किनकिनकिन किनझेझझेकिटि:ताकु२थरीक२झीं २ झींकिटि धुमकिटि थरींगथा धिलांग तदिग धुमकताकतक ताकिटि थुनकिटि तक:थुन२तकदीग टोटकदिथा ॥ ७ ॥ ॥ तझीनताकुझीन ताताकुकुतझीम: ताकुकु२झीकुकु२झीन झीन झींद कुन्द कू: ढिन२कुकुथा किनक झिनक कुकुथरी ताताकुकु३तत्थाकिन-कझिनककुकुथरीकुकुततत्त झिनथरींगथा ॥ ८ ॥ ॥ सिवपरण ॥ ॥ झीन-पट उटदींये ते:दींग२तीथा: झईझलकत अतथेईतथेई सुदन रहीरी लखिते दिग२तिथा: भोवन विसालक्षी थाततत तीदींथा: ततथा: खानीमृगतेतेतेथेइ समसरन बुनत तीथा२नागरीको नेनयुत तांथुं:तकथु२गवरीके भोलिसम्भु-थुथुकिटि४डेरूडिमरूवाजे ईकलंगनाथ जुके नाचे तान्डवनाच थुनतक धेतक२-तकथुंगा ततथा:करनमे किंकनी तेतेतेते तींथा पायनमे पेंजनी दीअ:धिलांग-२धीकीतकतक थुंगाततथा: भनतविहारी (संकर) तेगदातेथेई प्यारीएेसी नहीहे ओरत्रीय: तक२थुंगेथा देखवेके येहोदिन थुंतक३चसम चसालक्षा तथेइता२तीथतथेई ॥ ९ ॥ ॥ था थरंक ततक तता कुकुदाथरंक: . ताकु४-ततक थरंकथा: थाथरंक तक२थरंक ततक धेतक२खीरेट२खीरेट: किंझि-नक२झिनका:झिन२थरक२थरका:थर२किनक२ किनका:किन२ढीकुकु२ ढीकु२-झीनक२झीन:थरक२थर:किनक२किन:ढीकुकु२ढीकु:झिन२थर२किन २ढीकु२-अगडदेअ:झीनकिटि थराकिटि नगदेअथा ॥ १० ॥ ॥ थरंककिनजग ताकु-कुनाहूनाकु२झेतंजिगथा थातांजेग: तक२तंजिग थरं खिरं किंकिंकिं: कुकुथा२ कुकु:२था:कुकु३था:कुकु२था ॥ ११ ॥ ॥

॥ अब चोतालाकी पिरमलु लिखते ॥

लांग० द्रं ३ धि २ किंटितक थुंथुं धिलांग दद्दीगनथेंई ॥ १ ॥ ॥ त्तथा
दिंग २ थेइ० त्तथा तकिटिधीकिटि धींधी धीटतक धीकीतकधिलांगथा २ ता.
धिलांग तकधिलांगः तक २ धिलांग ० तकिटिधीकिटिः धी २ कीटतक धीकी-
तक धिलांग दद्दीगनथेइ ॥ २ ॥ ॥ त्तथा दिग २ थेइ ० त्तथाः थाथेइत-
थेइः तेते २ थेइ दीग ३ ततो दीग ३ तथेइ थेइतीधा २२ ततया ३ थेइ ६ तीद-
तथेइ ॥ ३ ॥ ॥ त्तथा दीग २ थेइ ० त्तथाः तिताता २ तिधाथेइया २
तेथेइया २ थेइ ततत २२ तीधीतत ततकताता तीगदातीतकथेइ ॥ ४ ॥ ॥
त्तथा दिग २ थेइ ० तथा त्तताताः थेइ ४ त्तताता २२ थेइ ४ ततीद-
तथेई ॥ ५ ॥ ॥ ताथुन् तकथुन् तकतक धीकीतक तकधीकितक धि-
लांग तकथो धीकीतक धिलांग थों २ थुंगडदांना धुंगडदिन् दिन्
धीकीतकः धीकिधीकितक ४ धिलांग धद्दीगनथेइ ॥ ६ ॥ ॥ तींदींदीं-
थेइया ३ त्तथा २२ तींदींदींथेइया त्तथा २ तीधा ४ थेइधा ३ तीधी-
त्तत तेतगनाता तीगदा तातगता तेतगथेइ ॥ ७ ॥ ॥ ताता थुकिटि ताद्दी-
कत्थो तकतक धीकीतक धिलांग थों २ धिलांग तोद्दीथाः धिलांगथाः धि-
लांग तकधद्दीगनथेइ ॥ ८ ॥ ॥ त्त ताता थेई थेई थेई थेइ तताता २ त्त-
ताताः थेइ ३ थेइ ५ तीद्तथेइ ॥ ९ ॥ ॥ त्तथाः दीग २ थेइः थेइ २
ताः थेइया ३ ततथेइ २२ तत्थाः दीग २ थेइः थेइ २ दीग २ थेइः थेइ२
ततथेइः तत्थाः दिग २ थेईः थेइ २ ताः थेइया ३ ततथेइ ॥ १० ॥ ॥
त्तदीगनाम् धधीकिटितकधीकीतक तकथुन् थो २ ताथुन् थोः तकथुन्थो २२
तकिटिधीकीटनकः धीकता ३ दद्दीगनथेइ ॥ ११ ॥ ॥ तेदिगदिग ४ तीदी-
तत तेद्दीगनाता तिगदाथेई २२ तिगदाथेइ ३ था ५ था ५ धाततथेई ॥ १२ ॥ च
फलप ॥ थेइ जिंग जिंग ततथेईः थेइ थेंइ त्तः थोंद्दीगद्दांनाः नाना २
दींदीं २ धीकीतक थुंथुनम धींकी ताद्दीगंथो दद्दीगनथेंइ ॥

थेइतत्ते थेइ ५ ततता ४ तातीथा गेइनतः थेइ थेई तत ३ थेइ २ तीध्धा-
तिद्तथेइ ॥ ॥

॥ अथ कलप चपकतालकी लीख्यते ॥

जींगजींग तत्ः थेइथेई थेइ दद्दींगनः जिग २ ततथा थांदिगदानाः
·१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ २ ४ ६ ८ १०
नाना २ दीदी २ धीकीतक थांथोंग धीकीतादी गत्थो दद्दीगनथेई ॥
॥ पांहोपाजुरी ॥

गुग्गंगा जमुना पटीयते तद्पीयते देवसतलास्तिलं गियते मथिलियते गन्स ताराकरोपियते गवरीजटनटी जदि कंसतालियते सिन्धु अद्भुतनाट मंभर्गत्रियं जातत आकास गंगाः जाततगोकोन गादी गगन गनपति गोमतीन्दा गणेस गावत ब्रह्मा पिनाकी हरतन कवला वेद संख्यात्र षानी तावन पुत्र पवित्रा सजन प्रोहितो करते राज लच्छमी अग्र दच्छने पिछते महागुरू पिप्रतो रंग वावे अंग सम्भवः पताक त्रीपताक सचमुख अर्धनेश्वर चंद्रकाराति भवरो राल मुष्टमेश्वर मोरपिच्छ सजल जलद नील मुरलीधर हंसगवन गुंजमाल विराजमान ॥ ॥ ताल चपक ॥ ता० तीदा तीदीथेइ ॥ तततााता तिधा थेई ततः थेई२तत थेइ२तत२२ततथाः तथेइःथेइ२ तथेइ तिदीथेईः ता०तीदातीदत्थेइ ॥ १ ॥ ॥ ततताताःतधीया ततधिया धीया तधीया तधीया ततधीया धिया तधीया तधीया ततधीया४तथेइ थेइ२तथेइ तीदींथेइ ताः तीधा तीदीथेइ ॥ २ ॥ ॥ पीरमलु ॥ ॥ ताकुताकु थरीं ताकुकु ताकुथरीं २ झींतथा २२ ताकुकु ताकुथरीं झींनथा २ झींतथा २झींझीं ताकुत कुथरीं ताकुकुताकुथरीं२झींत झींथा ॥ ३ ॥ ॥ तधीकीटि ताकिटि धीकीतक तकधीकीतक थुंथुं थो २ चाथुंथो तकथुंथो तकथुंथो२तधी धीं तकधीकीतक तकधीकीतक थुंथुं थुमात धीगनथेइ ॥ ४ ॥ ॥

॥ अब वृह्म की फलप लीखते ॥

थेइ: जिगरततथा: ॥ थों दिग दा ना: ना नार दी दीर धी की तं
१ २ ३ ४ ६ ८ १० १२ १३ १४ १५

क थो थो ग धी की तां दि क त्थो ददी गन थेई ॥ आसरी वचन।
१६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २६ २७ २८ सम

वृह्मा तालधरो हस्तकरो वीनाकरो भारती: वंसी कंभी की धुनि धरो सीरदा फुरो किन्नर। गीत नादा तुंमर मृदंग जंनरी कुवार हम्नाव अनेहे श्रीकृष्ण देवज्ञ तुमको रिच्छा करतहैं अग्रते पिण्डते राजा दच्छने मम गुरू प्रीतिअन्तरेपोहांपाजुरी वांम भागे चतुरंग भांमिका: तातांधा तीधीनतथेइ थेईततू थेइते थेइतेथेई ततथा: थेइनेसे थेइ नथेइ तेथेइ ती ततथा थेइतन थेइथेईता धी धा तीधीनीतथेइ ॥ तीधा थेइतत थेइथेइ तत २ तातातां: तीधा २ तीदीततथेइ ॥ २ ॥ ॥ तधीयातत धीया धीया तधीया:ता ३ तीधा तीदीतनथेई ॥ ३ ॥ तीधीधी तीधीनत: ततनीधीतत २२ थेइ ३ तीधा तीधीततथेइ ॥ ४ ॥ ॥ युंग ॥ थेईत:तेथेइ३तीतेता २२ थेइत: तेथेइ३थेइतातीधा तीधी ततथेइ ॥ ५ ॥ ॥ तीधा थेइततथेइ थेइतत२ता३तीधातीधी ततथेई ॥ ६ ॥ ॥ पिरपलु ताकु झिनकिटि: झनकुनाकुथगीं नाकुकुझीं धरी झींतथाथा: ताताता तीधातीं धीततथेइ ॥ ७ ॥ ॥ चोक ॥ ताथेइयथेइयाथेइ: ततथेइयथेयाथेइ ताथेइ तातीधा तीधीततथेइ२२नाथेइय थेइया थेइता:थेईतथा२थैथा:ता३तीधा ती धी-ततथेइ ॥ ८ ॥ ॥ ततथेइदिगदीग४तेतेथेइ: दिगर२तेदिगदा तिगदातीतकथेइ२२ तेतथेइ: दिगर२तेदिगदा तिगदा थेइ२३तेतेथेइ दिग२तेदिगदा तिगदा तिकथेइ ॥ तेनथेइ दिगादिग४तेतेथेइ दिगर२तेदिगदा तिगदा तीतकथेइ ॥ ९ ॥ ॥ तृथरक धुमडदाम० किटितकथो० नाञांगथों: किनर२कत्थो: थरी२ कथो धुमडदाम तदडोगन ददद दांम: दीदीदीदीम: तथुंगा तकधीकीतक गोंतीधीतिनथेइ ॥ १० ॥ ॥

अथ छुंमताल कीअस्तुन लिख्यंते रागअडाणो ॥

चचकार ॥ ॥ थेइ ४ तत ३ थेइ २२ जिग २ तत्था तत्था ततत्था ॥ थेइ ते थेइ तेंतेथेइ ॥ मिरमलु ॥ ध्रग्डदेअ धधीकिटिनक धीकीतक तकधीधीकीतकः तरांगतकथो धीकीनक धिल्लांग तकधदीगनथो २ ध्रग्डधदीः किटि २ तक २ धीकीनकः धधीकिटितक २ धीकीतकःतक धीकीतक २ तकधदीगनथो ॥ १ ॥ ॥ आनंदी आनंदरूप आदि भवानीः भग्त उधारनी असुर सिंघारनी तीनलोकमानी ॥ पिरमलुः थाथुग्डदाम् धिधीकिटिनक धीकीतकथुगाथौ था दित्था थौ थुंगथा २ तादीदी धिधीकिटितकः धी ४ धीकीटितक टांनाधिधीथा थाथुंगा तकदधीगनथेई ॥ २ ॥ ॥ ताता ताकिटिनकतक धीकीनकः थु ३ किटितकथुंथाः थुंग २ तथुंग तकधी कीतक तगदीत ततुग्डदांम धदीकिटितकधीकीतकः थुंकिटिताकिटि धीकीनादिक थुंगा दिकः थुंगा २ तादी कत्थो तकददीगनथों ॥ ३ ॥ ॥ बुलाई ॥ ॥ तीधाथेइया तत्थेइया २ थेइ २ तथेइ ॥ थेई ४ तःतीधीतत तेदिगदाता तिगदा तितकथेइ ॥ तीधा थेइयाःतथेइया २ थेइ २ तथेइ २२ जोड ॥ ताथेइयाः थेइ २ थेइयाः थेइ २ थेइयाः थेइ २ ततत: ताथेइयाः थेइ २ थेइयाः थेइ २ तानीरत थेइ ॥ तथेइः थेइतीदा २ थेइया थेइ दीग ३ थेइ थेइया २ ततता २ थेइ ४ ततत २२ तथेइः थेइतीदा २ थेइया थेइः दीग ३ थेइ २२ तथेइ ४ दिग २ तीदीदीततत ते निगदाता तिगदाथेइ । तथेइथेई तीधाः थेइता २ थेइता तीदतथेइ ॥ ४ ॥ पीरमलु ॥ धीकीतकतगदीगन ताकिटि धीकीनक तकतकिटि धीकीतकः । तगदीग २ थुगतक धाकीतक ददीगनथों ॥ ५ ॥ ॥ जोड ॥ तीधीतेतेः दीग २ तेदिग दाता तिगदाथेइ तेतकदाता तिगदा तेतकथेइ थेईय ४ तीधाः थेइ ६ त २२ तीधीतत दिग २ तेदिग दाता तिगदाथेइ तेतकताता तिगदा तितकथेइ २२ तथेइ ४ दिग २ तीधीतत तेदिगदाता तिगदाथेइः थेइये ४

तीधा थेइ थेइ तातीधत थेइ ॥ ६ ॥ ॥ पिरमलु ॥ धा थरेक तकथरक धीकीधुमाकथो किटितक थरेक धुमाकथो ताकुन्दकिनजगथा २२ ताथुंगा तकथुंगा तक २ धीकीतक थुंगा तथोंगथुंगा त्ततुर्ईदेअ धुमाकतक धदीगनथो ॥ ७ ॥ ॥ ताः थेइत तीधी २ थेइत दिग २ तेदिगदाता तिगदाथेइ २२ ताः थेइत तीधी २ ताः थेइत तीधी २ थेइत तीधी २ थेइ २ तः दिग २ तेदित दाता तिगदाथेइ ता थेइत तीधी थेइ २ त दिग २ ततगता ता तिगदातानकथेइ ॥ ८ ॥ ॥ पिरमलु ॥ तकिटिधीकिटिः धीरकिटितकः दगनाम् धीरकिटितकथोः टगनगरदिन्तकरटोहोटकथाः दित्तकथाः ताथुंगतक धिकथुंगतकः ताथुंरधिकीथुंरतातथेंगतकधदीगनथें ॥ ९ ॥ ॥ जोड ॥ ताः थेइथेइततरथेइततःथेइरतत थेइ२ततःतीधीनतः तेदिगदाता तिगदाततगथेइ२२ तथेइ४तीधीततरताः थेइरतततीधीतत तेदिगदाता तीगदा तीतकथेई ॥ १० ॥ ॥ प्रमलु ॥ ताथुंथुं तकथुंथुंथाः ताथुंरधिकिथुं ताःतथांमर तकधदीगन थेइ ॥ ११ ॥ ॥

कालीकर त्रसुल्वरदायक रुद्रानी त्रिष्णसिंह सेवगकी रीच्छकर रिच्छउनीः दानाः ना ४ दी४ दीकीतक थोंगतक धधीगनथेइ ॥१२॥ ॥ ब्रह्मताल पेसकार

तिधा थेइया थेइथेइया थेइ थेइया थेइ थेइ तत थेई

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० सम ताल १०

॥ अब झफतालका पिरमलु तथा पेसकार ॥

पेसकार ॥ ताथेइया थेइ ४ या ॥ तीधाथेइया थेइथेइया २ तिधा थेइया थेइथेइरतथेइ ॥ पिरमलु ॥ तादींदी दींत्तकतक धीकीतक धुमतक धितांगतक-थों: तादींदींदीन्तकथो दीन्दींत्तकथोः तादींथोदींदींथोदीं ३धित्तांगतकधदीगनथेइ ॥१ दाम् दाम् दाम्ः धिलांगतक धीकीतक थुं थुं थरे गरे ठःतथुंगता तकधदिगनथेइ ॥२ उचार ॥ त्तत्तथा । ततत्तथा त्तथा ॥ त्ततकुन कुकुताकुन कुकुताकुनः त्तताकु-नथाः त्तथाः धंगर्ड ताकिटि कुन्दा कुकु ताकुन कुन्दाः धगर्डता किटा ३त्तताकु-था ॥ ३ ॥ इत्यादि ॥

॥ तालस्वरफागताका चचकार ॥

ततथाः- ततथा ॥ पिरमलु ॥ थुग्ड्दाम् दीग्डदामः तकरधीकीतक तान्नी धीकीटि थुमाक तकथो २२ ततथुमाक दिगथुमाक थुं थुंन्नादीधीकीटिः थुमाक२ तक धदीगनथेइ ॥ १ ॥ सिव २ जटा मुकुट गंगाधर ॥ धधीधी धधीकिटिः तक २तकथुं थुग्डदाम् ददीगन थुमाकथो २२ घुमधुमतकं ३ थरेक ददीगनथेइ सोभित त्रइनेत्र नीलकंठ पारवतीवर ॥ २॥ पिरमलु। ततरांगः तकतक २ धीकीतक थुंथुंथो २२ ताकिटि धीकिट्टिथुंथुं धधीकीटितक धदीगनथो ॥ ३ ॥॥ ॥ जोड ॥ १ ॥ तिधाथैया तेथेइया तैथैयातन २ तीध्धीतत्त तेदिगत्ताता तीगदाथेइ ॥ ४ ॥ ॥ पिरमलु ॥ झींझीं झिनकिट्टितकः तकतञ्झे थुगिन नागिन थुमाकतक थो २२ धुम २ ताः ताधिना ४ दिग२ताः ताधिता ४ दिगनांगः तरांग २ तक धदीगनथों ॥ ५ ॥

अथगणेसपरण—१—तथा २ परणेतो
पहले सिरुवाद ग्रंथकीमे लीग्व चुकेहेबाकी
यहापर लीग्वीहे ॥ ताल तिताला ॥ सब्द ॥

धिग्ड्देअ धधीकीटितकः धीकीतक २ दुदाला दुःखभंजनाः तक २ धीकीतक धिलांगतकथाः थरिकिटि सदा सुवालीवेसःद्धिः घ्रग्डकिटितकतकधीकीतक धीकी-तकः सारापेली सुमरजे धीधीकिटितक२ धीकीतक २ तुवमसाद गणेशः धीकीतक२ धदीगनथोः तक३ थो धीकीःतक २ थोः धीकीतक२ तकथों दिन्धिलांग तकध दींगनथों ॥ ३ ॥ टहकुकु २टीगनथरिकिटिथडींग किंः नग ३ झीं झींथाः झींथां कुकुथा किनथाः टहकुकुः ताकु २ द्धे किनजगनामः अगेडधी किनजगन जगनांम किंः जग ३ झीं२ थाः झीनकिटिझींथा ताकुन्नथा कुकुन्नथाः ताकुन कुकुन ताकुन्नथाः तं जगनग झंथडींग रुणझेकिटितकःढिकुकुताञ्कुकु २ ढिकुताक्कु २ किनाकिटितकनाम। थरेकपिरेकताकुथरीः कुकुथरीकिटिथरी किन जग जग२२ थाः गणपति झींझींकिटितक-नागदीन्था ॥ ४ ॥ ११ सब्द ॥ धीगेडदान्ना धीकीधरीः झिनकिटिकुकुथरी मगद

दंतनः थुंकिटि २ तक दींदींमुख दंतविनायकः थुन्नांकिटिः ना २ किटि थुना ना२
किटि कलुवांर हिनं ना गिडगिडतकः नाना गीडगीड दिगमं मरहिनंः ताकुकु २
जककिकि काया ततकिटि तींटींजाया मदनसकाया कानकइरे कपुर सइरे श्रवनन
उलधा ल्योसंज समान ऊः विनकालगसब्दः असुरनसइ मुखरनसईः तक २ थाः
तक २ धीं तक २ थाः तक २ धींः तक २ धींकीतकः तक २ धींकीतकः दिगदिग
४ ताक धीकताकिटा थुंः किटि २ तकटे अंगेतंग किटितकधींकीथा ॥५॥ गुरुगणेस
गणपति सेवास्तुतिः झीं ३ टगःनग २थरीकुकु महमतंग मुख झीं थरी किटिकुन्दाः
कुकुताकुनं थाः । लंबोदरालियेनाम कामजगनग झींथरीकिटि तक पूरत अम्रत
सुखः तक २ झें दुग२ झें ताझें तकझेंः तक२झें दुग२ झें धितांगथाः फरम पान रिध-
सिध दांन झेंझें २ किना २ किट २ धींन्ना तकड्धिन्ना जकडींग धजग कुदनदुम
रटंगिन वाहन मुख गवर ठेंगिन झींझींता किटिताकुदथा एकदंत झलकंथ मुंड-
सिन्दुर भावरभर झेन कुकु २ थरकिटि झिंझिंताः किटितकुन्द झिनकथरक
कुकुथरी ताकुन्दथा ॥ ६ ॥ ॥ सद्ध ॥ ताताकिटिचन्द मुगटधर किटित्त
जेहकुकु चंदन वदनं ताकुजाकु जनसुन्दरवदनं जंत २ किटित्तक थडींगतकथा
पत्रपुष्प फल तोयं निमर पयं जंकनांग २ वचन सुवासन रत्न भुषण थरीजग
किनजग गिरजा नन्दन जगवन्दन तुही सरण २ त्तकी २ तक्काः किटितक
जन्म २ विघन विनासन जनथरीग २ थर २ थांकुकु थरेथाः प्रानपती वीं गुप्त
करत तोइ लंबोदर-सुकरण भरण पोसितः सुतज्ञान मुनिगुण निधान विद्या
विवेक श्रीकृष्णमागेदान त्तथडींग नगदेअ था ॥ ७ ॥ ॥ झींझींझीं झीनकिटितक
नाकिडतक धिना ३ झीं ३ झीनकिटितकधिना दीत्था दिग २ तत्तत हत तिधी-
तत्त : दीम २ तींदींदी ततत तेतगदाता तींगदाथेइः महमंत ऊज्जलदंत सिन्दुर
कुंभराजे. झिनक २ झिनः न ४ झिनक २ झिनः न ४ तत्तकुन्दकूः ततत कुन्दकू
ततत कुन्दकू तत्तकुन्द तततकुन्द हस्तचरण वाजे जंजीर झी ४ झींन २ झीं
झीः झीन २ झींः धाकिटितक २ धीना ३ धाकिटितक२धिना३धाकिटितक धीनाः३
किटितक धाकिटितक धिना किटितक धींधी तांगतक तरांगः धींधी४धितांगथां ॥ ८ ॥

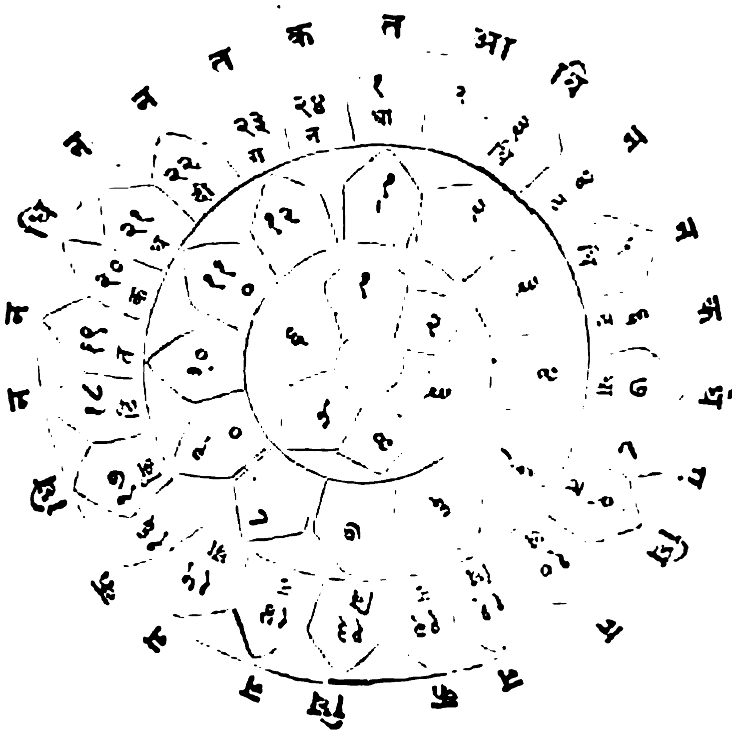
ताल किल्याण ॥ सब्द ॥ किटिझीं झांनकिटि कुकुथरी किनजग विघनविनायक नाः किट २ तक नांगथुंगे थाः गवरीनंदनकिटितकटेहकुकु खीरीं खीरीं टेहकुकु ताः किटितक नगदींत्था विघनहरन सुभकरन साहायकता किटि २ तक दींकी-टतकः ताकिटिकिटितक टेहकुकुथाः ताकुकु जेहकुकु २ झनरकुनरः ताकिटिकिटि तकथा ३ ॥ ९ ॥ ॥ सब्द ॥ लक्ष्मी ताल ॥ टेहकुकु रटीगन थरकिटि धगींग किंः नग ३ झींझींथाः झींथाः कुकुथा किनथा टेहकुकु ताकु २ दंअः किनजगनाम आडदींत्कीन जगन जगनां किं जगः जंग २ झीं२थाः झीनकिटि झींथा ताकुन्नथा कुरन्नथा ताकुन्नकुकुन्न ताकुन्नथाः तंजगनगझै थर्डीगरुणझे किटितकः ढींकुकुताकुर ढींकत्ताक २ किनांकिटितकनामः थरक खीरक ताकुथरी कुकुथरी किटिथरी किनजग २ थाः गनपति झींझीं किटितक नगर्दीत्था ॥ १० ॥ ॥ सब्द ॥ तालसींह नन्दन ॥ थाः ताकुन्दथा ताकिनजग टेहकुकु ताकुताकुन्द किनजग रटीगन टकहकुकु ताकुटहकुकु ताकुझींझींताः किटि२तकथा ॥ टहकुताकु२किनजगतंझेनकताकिड दींगड२ दाम । गनपति सुरमन वन्दे बुद्धिविनायक गजमुख चत्रभुज विघन हरन सुभकरण साहायक नाः किट २ तक नांगथुंगे थाः तक २ झींः दुग २ झीं झीन किटथा ताकुन्दथाः कुकुन्दथा ताकुन्द कुकुन्द ताकुनाकुन्दकुन्दः किटि नगदींत्था ॥ ११ ॥ ॥ ताजहकु जेकुनाम २ तकुन्था कुकुन्दा तक ताताकु ताकुदींमः किन्दा हांदींम किन्थाःझींडीं तकिटि२झींझींझे तगजग झींझीं झेम नगंजिग किन२झेमः तग जग जग३दुगःजग३नगः जग ३ किन२झेम २२ नाकुकुथडी२झेम थडी२ताकुकुझेमः ताकुकु जहकुकु ताकुकु गनपति झींझीं किटितक मगदींत्था ॥ १२ ॥ ॥

॥ परिमलु मे आसरीबाद श्लोक ॥

तालसुधी ॥ जिग२तत्रःथेइ२ददींमनः जिग२तत्थाः थोंदिगदानाः नाना२दींदीं२धीकीतक थोंथोंग धीकीतादी कत्थोददींगनथेइ ॥ भवतं भवंत भवाद भवानी भवल्लभा अंगीक्रते संगीते सदामुदित मानसाः अग्रंत पींडते राजाःदिष्टते पीडते सभागुरु पिष्टतो चैत्र वंगसंभव ॥ तोतीथी [illegible]थइ ॥ ॥ ॥

|| श्री गोवर्द्धन नाथोजयती ||

|| चक्र चौताल्का ||



ताल ४ मात्रा १२-२४ पहली ताल लघु दुसरी लघु तीसरी द्रुत चौथी द्रुत स्वरुप यह हैं || ० ०

|| पेसकार ||

धा धा दिन्ता तिंट धा दिन्ता तिटिकत धद्गीगन धा || १ ||
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ सम

धा धिट धिट धा तंभ धिट धिट धा किटितक धद्गीगन धा || २ ||
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ सम

धा धिट धिट धा तञ् धींट धींट धा किटितक तरांगधा ॥ ३ ॥ " ध्येता धदींगनधा ॥ ४ ॥ " ध्येता तरांगधा ॥ ५ ॥ ॥ " तक २ धदींगनधा ॥ ६ ॥ " तक २ तरांगधा ॥ ७ ॥ " धुमकिटि धदींगनधा ॥ ८ ॥ " धुमकिटि तरांगधा ॥ ९ ॥ " धी २ ता धदींगनधा ॥ १० ॥ " धी २ ता तरांगधा ॥ ११ ॥ ॥

बोल ॥ ॥ धाकिटितक धुमकिटितक ध्येता किटितक धदींगन धा ॥ १ ॥ धा किटि दिन् धुमकिटितक ध्येता किटितक धदींगनधा ॥ २ ॥ धाः किटि २ तकिटितका किटिधुमकिटि तकधदींगन धा ॥ ३ ॥ धाकिटितक२ किटिधा किटितक धदींगनधा ॥ ४ ॥ ॥ धा किडाण धुमकिटितक ध्येता किटितक धदींगनधा ॥ ५ ॥ ॥ धा किनांग धुमकिटितक ध्येता किटितक धदींगनधा ॥ ६ ॥ ॥ धा धुमकिटितक ध्येता किटितक ददींगन धाधाधा ॥ ७ ॥ धा धुमकिटि तकिकिटितका किटितक धदींगन धाधाधा ॥ ८ ॥ धा ध्येता तक ध्येताः ध्येता२ धदींगनधा ॥ ९ ॥ ॥ धां ध्येता काताकिटितकः ध्येता२ धदींगनधा ॥ १० ॥ ॥ धाः आः तकद्धीनातकःधान धाआ ३ ॥ ११ ॥ ॥

धाआता धीन्अः ताः किटि२धीरकिटितक धीरकिटिधा ॥ १२ ॥ ॥ किटितकः किटि॰तरांण किटिः धी॰कीटीतकाआ धाकधा ॥ १३ ॥ किटितकिटिध्येत धेता किटिधुमकिटि तकधदींगनधा ॥ १४ ॥ तकिटिधीकिटि धीनृतरांण धाकिटि तक धीकिटिधीदिन् ताडधा ॥ १५ ॥ तकिटि२धी२ नताकिटी तन्किडाणधीदीन्ताड धा ॥ १६ ॥ तकधुमकिटि२धुमकिटि ध्येतकधदींधा ॥ १७ ॥ तकध्येता२तक२ध्येता धदींगनधा ॥ १८ ॥ ॥ धकिटिधागेदींगननागे किटिकता आंक तीईःकअःतधा ॥ १९ ॥ ॥ धकिटिताग्गे धुमकिटितक धुमकिटि ध्येतक धदींगनधा ॥ २० ॥ ॥ किटितकधाक धाकधा किटितकःतक धाकधाकधा ॥ २१ ॥ किटिकाताकिटितकः किडाणधाः किडाणधा किडाणधा ॥ २२ ॥ ताडधाड२धाआनाड धाइताडधा॥ २३ ॥ ॥ तकधुमकिटितक धदींगनधाधीधीडना किडाण धा ॥ २४ ॥ ॥ तकननः धात२धा२धा किटितकधदींगनधा ॥ २५ ॥ ॥ तराणकिन्डे तक्तरिन धाकिटितकधदींगनधा ॥ २६ ॥ ॥ नकाधिना धाकिटि-

तक ध्येताधींदींन् तआःकिट२ धा ॥ २७ ॥ तकाकिट धुमकिट तकिटतका किटि-तकधदींगनधा ॥ २८ ॥ तकः द्धेता द्धेधीःकिटितक गदींगनधा ॥ २९ ॥ तक२ धीकीतककिटिधादिना किटिद्धेददींगनधा ॥ ३० ॥ ॥ धाकिडाणधादितूताधाती-तूः धा२गदींगनधा ॥ ३१ ॥ धाआ तीई द्धेता तकधुमकिटितक धदींगनधा ॥ ३२ ॥ ॥ धाधींनतक धींनातक धीकीतक धे द्धे धाडधा ॥ ३३ ॥ धाकि-टितकिटितका धीकीताकतागदींगनधा ॥ ३४ ॥ ॥ धाकिटितकिटितका धाधा गदींगनधा ॥ ३५ ॥ ॥ धाकिटिःधी२किटितकधा किटिधुमकिटितक धदींगनधा ॥ ३६ ॥ ॥ द्धेताधिलांगतकः धुमकिट२तक धदींगनधा ॥ ३७ ॥ द्धेः तकान द्धेधी२किटि धीकडत्ता धीकिटकिट कातािकिटिधा ॥ ३८ ॥ ॥ द्धेतातकधींगता धी किटिःतकिटि२धिलांग तकधा ॥ ३९ ॥ ॥ द्धेःधींड२तकथुन् धाताधा किटितक धदींगनधा ॥ ४० ॥ ॥ धींडाणनगदेअ२ धा ॥ ४१ ॥ ॥ धिल्लांगनगदेअ२ धा ॥ ४२ ॥ ॥ किडाणनगदेअ२ धा॥ ४३ ॥ ॥ थरींगनगदेअ२धा ॥ ४४ ॥ ॥

अथ चौताला की दुगुणलयकी धिननक ओर
परणे मात्रा २४–४८ की ॥ आवडदी १ मे लेणी

ता	धिननक	ध्ये	धिननक	द्धे	ध्धे	धिंननकः	धिननधिनन	तकधा						
२	४ ६	८	१० १२	१४	१६	१८ २०	२२ २६	२८ ३०						

धिननधिनन तक धा	धिननधिनन	तक धा ॥ ॥	धा	किटि	धीधीकिटि	तराण				
३२ ३४ ३६ ३८ ४०	४२ ४४ ४६	४८ सम	२	४	६ ८	१० १२				

तक धीं	किटितक	धादिन्	धा	किटि	धींधी	किटि	तक धा	किटि	धुम	किटि	तक	
१४ १६	१८ २०	२२ २४	२६	२८	३०	३२	३४ ३६	३८	४०	४२	४४	

धदींगन धा ॥ १ ॥ धाः किटि २ तकः धी २ किटि धुमकिटि तक धीन् तराण
४६ ४८ ,,

धाक २ धा दिन्ना किटिधुमकिटितक धदींगन धा ॥ २ ॥ धाकिटितक धाधा धा धुमकिटितक द्धेत्तरांगनगदेअ धाकिटितक द्धेता किटि क धदींगनधा ॥ ३ ॥ धाकिटितक द्धे द्धे धाद ताकिटितक धुमकिटितक धुमकिटितक ध्येताः तकधा

तकधद्रीगनधा ॥ ४ ॥ किटि धुमकिटितक ध्धेता नकिटिधिकिटि धिननगाण धुमकिटितक तअ किडाण किटनग देअ् तका, धाकधा ॥ ५ ॥ कतक धाक धाधिन्नकः धी २ नातक धुमतगांण धाकिडाण धुमकिटितक डितकदेअ धाकधा ॥६॥ कतक धाक किडनगदेअ काता किटिकिटितकतराण किटितक धुमकिट ध्धेता तका धाक धिलांग धा ॥ ८ ॥ धा दिन्नक धुमकिटितक ताकिटि धाक धाकिटि दिन् नकिडाण धुमकिटितकः धी२दिन्२ ताकिटितकोधा ॥ ९ ॥ धादिननक कातांकिटितक धुमकिटितक धादिन्नाः तकिटितका धिधिननाकिटितअ किडाण धिदिननाडधा ॥ १० ॥ नकिन् ताताकिन तकान ताताकिन धिकिटि धाकः धिनाधाट धाआ२ धिना धाटधा ॥ ११ ॥ तकधा देअधा डिनधा किटि धुम किटिनक धद्रीगनधाः धुमकिटि तकधद्रीगनधा धुमकिटि तक धद्रीगन धा ॥ १२ ॥ तरांग ध्धेता ध्धेतेताःधुमकिटितक धद्रीगनधा२ ॥ १३ ॥ तरांग धाधा द्रीगनधाधाः ध्धेता धद्रीगनधाः ध्धेता धद्रीगनधाः ध्धेता धद्रीगनधा ॥ १४ ॥ ध्धेता तकधा दिन्ना धीधी किटिनकः धाक२ धा किटनक ध्धेः तरांगधा२ ॥ १५ ॥ ध्धेता२धादिन् धाकिटिः तकधुमकिटि तकधाआ२तकधुमकिटि तकधा ॥ १६ ॥ धाधा३तकिटि नानाकिटिनक धाधा किटिनक धद्रीगनधा ॥ १७ ॥ धाधा धाधेतकधा ध्धेता धीकीनक तकदेअः धादिन्ना तकादिङ्गनधा दिङ्गनधा दिङ्गनधा ॥ १८ ॥ धाकिटितकिटितकाआः कतधिधि दिनः नगध्धेत्ता धीनडाल धाधिन्ता कत्तींटाधा किटिनकधद्रीगनधा ॥१९॥ धुमकिटितकिटितकाआः धी२ किटितक तकध्धेत्ता ध्धेतकान धादिन्ना ताकिटिता किटिनक धद्रीगनधा ॥२० ॥ धाआ किटितक तक किटितकतक धाधा किटितक धीडना किटितक देअ् किटि-किटितक दिन्नाडे दअधा ॥ २१ ॥ धाआः किटि३तकः धी२ किटिनक ध्धेता तक ध्धे ध्धेताआ नाआ तक किटि किटि त्त किडाण देअ धा ॥ २२ ॥ धा ध्धेता किटि-नकः तेटे २ ध्धेतान किटि धिकिटि धुमकिटितक ध्धेता जिगतक नं किटि ध्धे धा ॥ २३ ॥ धाः धिग २ धिकिटिः तक ३ तकिटि ततक धीधीकिटिः तक २ तकाआ

धिनडाल धाधिता कतिटिधादिंता त्तक धुंगकतः धानकत २ किटितकधदीगन धा ॥ २५ ॥

अब चोतालाकी आडकी धिननक ओर परणे मात्रा ३७ की १ आंवर्दीमे आवे

तां धि न न क ध्धे धि न न क धिं न न क धि न न क ध्धे
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ १० २२

ध्धे धि न न क धि न न धि न न त्त क तां ॥ धीं ग धी कि टि त
२४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ सम १ २ ३ ४ ५ ६

धी ग धी कि· टि त तं क ना ना न कि टि ता त क धा धा
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १६ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २६ २८

धां धा ग दी ग न धा ॥ १ ॥ तक त किटित २ किटि देअ देअ दी किटि
३० ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ सम

तातकः धाधा २ तरांग धा ॥ १ ॥ ध्धेतराण ध्धेता किटि धाकिटितक धुमाकिटितक तक धा किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ धाआं नाआं धाकिटि तकधीकिटि तकिटि धीकिटि तकधदीगन तकिटि धीकिटितक धदीगन धा ॥ ४ ॥ धा किटितकधीकिट३ तकधदीगन धाकिटितक धीकिटितक धदीगन धा ॥ ५ ॥ तकधुमकिटि२ तकधेत्ता२ किटिधुमकिटितक धदीगनधा ॥ ६ ॥ तकधदीगन२ तकधादिन२ तकिटितका किटितरांण धा ॥ ७ ॥ ध्धेता किटी धीधी किटितक तकिटिधीकिटि तक ध्धेता किटिधुम किटितक धदीगनधा ॥ ८ ॥ किठितकिटितकाआर धाआतअतत् किटितक धदीगन धा ॥ ९ ॥ धातरांग धाधा तरांगधाधाः तरांगधाधाः के धिनडाल२ धा२ ॥ १० ॥

अब चोतालाकी तिगुणले कि धिननक ओर परणे मात्रा ७२ की बराबर लेमे लेतो आवर्डा३में आवे ओर आडमें २ भा. आडे ने तिगुण लेवे १ आवर्दीमें आवे ।

ता धि न न क ध्ये धि न न क ता धि न न क
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८

ध्ये धि न न कं ध्ये ध्ये धि न न क ध्ये ध्ये धि न न
२० २१ २२ २३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३५ ३७ ३८ ३९

क धि न न क धि न न क ध्ये ध्ये धि न न क द्वि
४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ५० ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५८

द्वी धि न न क धि न न धि न न त क ॥ धा द्वि
६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ २ ३

न ना धा कि टि त क धी धी कि टि त क धु म कि टि त
४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३

क त अ कि टि कि टि धु म कि टि त क त क धु म कि टि
२४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२

त क ध दी ग न त क धु म कि टि त क धु म कि टि त क
४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२

धु म कि टि त क ध दी ग न धा ॥ १ ॥
६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ सम

धाकिटितक धुमकिटितक ध्येत्ता किटितकधदीगन धा किटितक धुमकिटितक ध्येता किटितक धदीगन धाकिटितक धुमकिटतक ध्येता किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ धा २ किटितक धा दिन् धा किटि तक ध्येता किटितक धाकिटि धाद्विन् तक धेत्तराण धेता किटितक धाकिटितक धुमकिटितक धा किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ धा २ किटितक तकिटितका किटितक तराण धुमकिटि किटितक धदीगन तकिटिघाक किटितकाआ धाधाधाआ धुमकिटि तकिटितका किटितक धदीगन धा ॥ ४ ॥ धीअती घीडाण धा धातीन्ता धाकिटितक धग्गदीगन ध्ये धिरकिटि तकधुमकिटि तकीडाणः किडनगद्देश ताधा किटि तक धी किटि तक धदीगन धा ॥ ५ ॥ कअ् दी किडाण धादिन्नाधा किटितक धा धुमकिटि धुमकिटि तागक धीगन ... किटितक ... धिनाक ... ताधा धदीगन ... ।

धेत धेत्ता किटितकः धी २ किटितक धुमकिटि तक धाः किटि २ धीनृतराण किटि तत्तकः थुंग तकिटि धादिन् धा किटितक धुमः किटि २ तक तकाआ धाकधा ॥ ७ ॥ धागे दींगे किटितक किटितान तकिटि धेता किडाण कतक धाक किडनग द्धे काता किटि किठि तकतराण किटि धुमकिटि धिलांगः धी २ दिन् २ तकीट तअक धा ॥ ८ ॥ धागे दींगे नागे किटि त्रकडक किडनग धातीं किडाण धधीतान धा नगदेअः किटि २ तक धींदिन्न ताड तागे तिटि किटि ताकिटि थुंन किटि धिलांगः धी २ नताकिटि धा ॥ ९ ॥ धा किटितक धुमकिटितक धेताआ धेताआः तकिटि धिकिटि धादिन्ता धा किटितक धदींगन धा धा किटितक धदींगन धा धा किटितक धदींगन धा धा ॥ १० ॥ इस जोडकी परणे सब पुरी वेठेगी.

अब चोतालाकी चौगुण लै कीधिननक ने चौगुण कीपरणे मात्रा ८६ की बराबरलै में लेतो आवडर्दा ४ मे आवे आंर दुगण ले मे २ आ. आवे ने चौगुण लै मे १ आवर्त में आवें ॥

तां	धि	न	न	क	धे	धि	न	न	क	ता	धि	न	न	क	धे	धि
	२	३	४	५	६	८	९	१०	११	१२	१४	१५	१६	१७	१८	२० २१

न	न	क	धे	धे	धि	न	न	क	धे	धे	धि	न	न	क	धि	न	न क
२२	२३	२४	२६	२८	२९	३०	३१	३२	३४	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३ ४४

धि	न	न	क	ता	धि	न	न	क	धे	धि	न	न	क	ता	धि	न
४५	४६	४७	४८	५०	५१	५२	५३	५४	५६	५७	५८	५९	६०	६२	६३	६४

न	क	धे	धि	न	न	क	धे	धे	धि	न	न	क	धे	धे	धि	न	न	क
६५	६६	६८	६९	७०	७१	७२	७४	७६	७७	७८	७९	८०	८२	८४	८५	८६	८७	८८

ध	न	न	धि	न	न	त	क	तां ॥	तां	कि	टि	त	क	धु	म
८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	सम		२	३	४	५	६	७	८

कि टि त क त कि डा ण कि ड न ग दे अ धी अ तांई धि

डा	णं	था	आः	धा	ती	न्ता	धा	कि	टि	त	क	ध	गग	दीं	ग	न	ध्धे
३१	३२	३४	३६	३८	३९	४२	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५१	५२	५३	५४	५६

थि	र	कि	टि	त	क	धु	म	किं	टि	तअ	कि	डा	ण	कि	ड	न	ग
५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६८	६९	७१	७२	७३	७४	७५	७६

दे	अ	ताः	धाः	कि	टि	त	अ	क	थि	कि	टि	त	क	ध	द्दीं	ग	न	धा
७७	७८	८०	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	सम

॥ १ ॥ थिकितकतकथीन्ः तक२ तैकथीन् तकाआ तकिर्टिथिन थीकीतक तकधा किटितक धाथींकिटि तक धाधींकीटतक थिन् धिन् थिकिटितकिटि तगांगः धाधींकिटितकधद्दीगनधा३ ॥ २ ॥ ॥ धादिन्न धाकिटि तकिटितका किटिः धी२किटिधुमकिटि तकिटितकाकिटिः तअ किटिधुमकिटितकिटितका किटिः तक२ धुमाकिटि ताकिटि तकाकिटि धद्दीगन न्नं किटित किटि तकाकिटि तकध्धेता धुमाकिटि तक धदीगन २धा ॥ ३ ॥ धादिन्न धा किटि तकिटि तकाकिटि ३ धाकिटि तकिटितका किटि २ तकिटि तका-किटि तकः धुमकिटि २ तक धद्दीगनधा ॥ ४ ॥ तकं धागंः दिगनथा दिधा २ दिन्ता तकिटितका तेदिन्नतक धाधी दीगनक धाकिटि तगन धाघ्राकिटि तगन धादिंत-कन धाकिटि धादिंत ध्धे तकदींन्ः धाकिटितकिटितकाधुंः ताकिटिताकिटितकाधुं २ ताः तादिंध्धा किटिताकिटितकाः धाकधा ॥ ५ ॥ धाआ तक धा तका थिग्गाः धाकिटितकिटितकाआ २ धेत्ता तकधा धाधाअ धादिन्ः किटितकधद्दीगनधा३ ॥ ६ ॥ धाअः तकधा ३ किटितकः तकधा २ किटितकः तकधातकधा किटितक २ किटितक धद्दीगन धाधाधा ३ ॥ ७ ॥ धाआ तका ताकिटि तकधी किटितकिटि दिगनधा तकधाकिटि काता किठितक ध्धे दागणधा किटितक धीकिटि तरांगत-कधा काताकिटितगनाः किटित्तधातरागधा ३ ॥ ८ ॥ धाआ धुमकिटितगना नग-तकतकद्धं धाकिटि तकीट तकाकिटि किडधातीन् धाकिटि तकिटितका किटिधुम-किटि किडना ना घिट घिट ताकिटितकाकिटि तक धुमाकिटि तकिटितका किटितक [illegible]

दीगनधा किटितकः धा २ कीटतक ध्धे धिरकिटि धीनत्तराण तक धुमकिटितक ध्धेतकान ध्धेधिरकिटि धीकडता धीः किटि २ काता किटि धा ॥ १० ॥ धाअ दिन्नाः धाध्धा धादिन्ना २ तक धादिन्ना धिकितकधा धीधीकातक धिलांग तादीदी तका ध्धेतधाक कतागीदीगन तकधादिनः तकधिनतक २ धा ॥ ११ ॥ धाधा ध्धेता किडना किठितकध्धे धाकिटितक धाधाकिटितक धादिगन तकः धा २ दिंगन किटितकः धा २ दिंगन तकधा धुमकिटि ध्धेतक तकतक धेत्ताः धा २ तकधा किटि कोताअक धा ॥ १२ ॥ धाआ तकधाः धीट २ धागेकिटि धागेकिटि धागेदीग नागे तिट किटिकिटि किडधान तकधुमकिटितक धिन्नाना धिरकिटितक धि २ किटि धुमकिटि त्तकिटि धुमकिटि तकिटितका किटितक धुमकिटि धिलांग तकधदीगनधा ॥ १३ ॥ कायेटीटी धीधीतिटि केत्रकडधेतेटि किटिकन्ताकताः ध्धेतगींनः धागेतिटि कतकधिकिटि धाधीताट धाधीताट धा ३ ॥ १४ ॥ धीकीतक धीधी दिनः किटी २ धीधीटत धिधटाण धाकिटितक धुमकिटितक धिधिटाण धाआ किडाणधाआ ताआधाआ धीधिटत धिधिटाणः किडधान धान धाआ २ किड धान धान धानधा ॥ १५ ॥ नकत्तकत तकत्तकत धगगदिगन धगदीगन २ धेध्धे धाड २ धातिन्नाना २ नटततान २ ताधा किटितक धाधा किटितक गदीगन ३ धा ॥ १६ ॥ धाअः किडधाकिटिता २ किटितक धकिटिधाक धाधाः किडधाकिटितक २ तकिटिधाक धादिंगनः तकधाकिटितक धादिंगन २ तकिटि तअक धाधाधा ॥ १७ ॥ धाआदिन्नाः धाध्धा धादिन्ना २ तकधा दिन्ना धीकीतकधा धीधीकातक धिलांग तादीदीतका ध्धे तधाक कातागदीगन तकधादिनः तकधिनतक २ धा ॥ १८ ॥ ध्धा दिंगन तगनाः तकतकधादिन् धाधादेअ तकधादिन् धादेअ तकधाधा धेतकधुम धातरांग धदीगनः धा २ तकदेअ धुमतकदेअ तकधाधाः तकधादिन्ना धातककातकधा ॥ १९ ॥ धाआ ध्धेता किटितकः धी २ किटि किटितकानधा ताधामदीगन ध्धेताधीर किटितक ताथुंगा धीडाणतरकिटि धिराकिटि [illegible] तिरकिटि धिलांग धादीन्ना धा [illegible] २ धदीगन धा ॥ २० ॥

अथ चोतालाकी सवाइ लेंकी धिननकने बोल
मात्रा ३० का आवडदी एकमें लेणा ॥

तां धि न न क ध्धे धि न नं क धि न न क धि ना धि
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १९ २०

न न धि न न धि न न तक तां ॥ तं का त कि टि धां कि
२२ २३ २४ २४ २५ २६ २७ २८ ३० सम १ ३ ४ ५ ६ ८ ९

टि तं क ना कि टि त क ध्धे ता कि टि त क ध दीं ग न
१० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०

धां ॥ १ ॥ धुमकिटितकध्धेता तकिटिधाक धादिननकधा धदींगनधा ॥ २ ॥

इसी जोडके बोल सब इसी तरह से बेठेंगे ॥

अथ चोतालाकी अढाइ गुणीलैकी धिननक
ओंर बोल मात्रा ६० का ॥ आवडदी एकमें लेणा ॥

तां धि न न क ध्धे धि न न क ता धि न न क द्धे धिं न
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२

न क द्धे द्धे धि न न क द्धे द्धे धि न न क धि न न क द्धे
२३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४६

द्धे धि न न क धि न न धि न न त क तां ॥ तं अ कि डा
४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० सम १ २ ३ ५

ण धु म कि टि त क ध ग दीं ग न ध्धे ता कि टि त क ध दीं
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १५ १६ १७ १८ २० २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८

ग न त कि टि धा क धा दि न त क धीन त रा ण त कि धि
२९ ३० ३१ ३२ ३३ ३५ ३६ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४४ ४५ ४७ ४८ ४९ ५० ५१

त का धि दिन ता ड धां ॥ १ ॥ तअक धी किटितक धीन तराणः
५२ ५४ ५५ ५६ ५९ ६० सम

धीर किटि: धीरदिन्तकरकिटि धादिन्ना धुमकिटितक ढ्रना त्तकिटिकिटि देअ त. किटितअकधा ॥ २ ॥ "इसजोडकी परणे सब इसलैमे वेठतीहैं

अब चोतालाकी पुणदूणीलैका बोल

. मात्रा ४२ का आबडदी एकमें लेणा ॥

धा दी न्नां धा कि टि त क ध धी किं टि त क त
२ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९

क धु म कि टि त क धु म किं टि त क धु म कि टिं त क ध
२० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९

दी ग न धां ॥ १ ॥
४१ ४१ ४२ सम

अब चोताला की साडातीगुण लेका बोल

मात्रा ८४ का आवडदी ऐकमें लेण ॥

धां कि टि त क धु म कि टि त क धु म कि टि कि टि त कि
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

टि त का त क धु म किं टिं त क घे ता त क ध दी ग न धा
२१ २२ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४४

कि टि त क ता कि टि त क त किं टि त क घे ता घे घे ता
४५ ४६ ४७ ४८ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६१ ६३ ६४ ६६ ६८

ध दीं ग न धा ध दी ग न धा ध दी ग न धां
६९ ७० ७१ ७२ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ सम

अब चोतालामे बत्तीस लै करबाको हिसाब

चोथाइसु लगायकर अठगुण ताइ टुकडा बोल

परणे आवडदी एक मे तीन ३ बिरिया लेणा

प्रथम टुकडा मात्रा २ कों ॥ लै पाव (चोथाइ)

त अ क अः त अ क अः त अ क अः धा ॥ १ ॥

॥ लैआधी टुकडा मात्रा ४ कों ॥

ध आ त कः ध आ त कः ध आ त कः धा ॥ २ ॥
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ सम

॥ लै पौणी टुकडो मात्रा ६ कों ॥

धा ध दी ग न धा ध दी ग न धा ध दी ग न धा ॥ ३ ॥
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ सम

॥ लै (१) बराबर बोलमात्रा ८ को ॥

धआ तक धदी गन धआ तक धदी गन धआ तक धदी गन धा ॥ ४ ॥
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ सम

॥ लै सवाइ बोल मात्रा १० कों ॥

धा किटि तक धदी गन धा किटि तक धदी गन धा किटि
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

तक धदीगन धा ॥ ५ ॥
११ १२ सम

॥ लैडोर्डी (आड) मात्रा १२ को ॥

धा किटि तक धदी गनधा धा किटि तक धदी गनधा धा कि
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

टितक ध दी गन धा धा ॥ ६ ॥
१० ११ १२

॥ लैपुण दुगण बोल मात्रा १४ को ॥

धा किटितक धदीगन धदीगन धा किटितक धदीगन धदीगन धा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

किटितक धदीगन धदीगन धा ॥ ७ ॥
१० ११ १२

॥ दुगण लैका बोल मात्रा १६ का ॥

धा किटितक धुमकिटितक धदीगन धा किटितक धुमकिटि तक ध.दीगन
१ २ ३ ४ ५ ६ ७

धा किटिनक धुमकिटिनक धद्दीगन धा ॥ ८ ॥
९ १० ११ १२ सम

॥ सवा दुगण लैका बोल मात्रा १८ को ॥

तकिटि धिकिटि धुमकिटि तकतक धद्दीगन तकिटि धिकिटि धुमकिटि
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
तकतक धद्दीगन तकिटि धिकिटि धुमकिटि तकत॰ धद्दीगन धा ॥ ९ ॥
८ ९ १० ११ १२ सम

अढाइ गुणलिका बोल मात्रा २० को ॥

किटितक किटि धुमकिटि धाकिटितकधद्दीगन किटितक किटि धुमकिटि धा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटितक धद्दीगन किटितक किटि धुमकिटि धा किटि तक धद्दीगन धा ॥ १० ॥
८ ९ १० ११ १२ सम

॥ पुणा तिगण लैका बोल मात्रा २२ को ॥

धा किटितक किटि धुमकिटि धाकिटितक धद्दीगन धाकिटितक किटि धुम
१ २ ३ ४ ५ ६
किटि धा किटितक धद्दीगन धा किटितक किटि धुम किटि धा किटितक धद्दीगन
७ ८ ९ १० ११ १२
धा ॥ ११ ॥
सम

॥ तीगण लैको बोल मात्रा २४ को ॥

धा किटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धद्दीगन धा किटितक धुम
१ २ ३ ४ ५ ६
किटितक ध्धेता किटितक धद्दीगन धा किटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक
७ ८ ९ १० ११ १२
धद्दीगन धा ॥ १२ ॥
सम

॥ अब बोल सवा तिगुणलैको मात्रा २६ को ॥

धा ता किटितक धुमकिटितक ध्धेताकिटितक धद्दीगन धाताकिटितक
१ २ ३ ४ ५ ६

धुमकिटितक ध्धेताकिटितक धद्दीगन धाता किटितक धुमकिटितक ध्धेता किटि-
७ ८ ९ १० ११ १२
तक धद्दीगन धा ॥ १३ ॥
सम

॥ साडा तिगुणलैको बोल मात्रा २८ को ॥

धा किटितकधद्दीगन धुमकिटितकध्धेता किटितकधद्दीगन धा किटि-
१ २ ३ ४ ५
तकधद्दीगन धुमकिटितकध्धेता किटितकधद्दीगन धाकिटितक धद्दीगन धुमकिटि
६ ७ ८ ९ १०
तकध्धेता किटितक धद्दीगनधा ॥ १४ ॥
११ १२ सम

॥ पुरी चौगुणलैको बोल मात्रा ३० को ॥

तका तकिटि तक धाकिटितक नाकिटितक ताकिटितक धद्दीगन तका
१ २ ३ ४ ५
तकिटितक धाकितितक नाकिटितक ताकिटितक धद्दीगन तकाताकिटितक धा-
६ ७ ८ ९ १०
किटितक नाकिटितक ताकिटितकधद्दीगन धा ॥ १५ ॥
११ १२ सम

॥ अब परण मात्रा ३२ की लै चौगुणको ॥

धा आ धद्दीगन धद्दीगन धद्दीगन धा तगनग देअ० देअ तरांग धाआ
१ २ ३ ४ ५
धद्दीगन धद्दीगन धद्दीगन धा तगनग देअ० देअ तरांग धाआ धद्दीगन
६ ७ ८ ९
धद्दीगन धद्दीगन धा तगनग देअ० देअ तराग धा ॥ १६ ॥
१० ११ १२

॥ सवा चौगण लैको परण मात्रा ३४ को ॥

धा धुमाकिटि तकिटितका किटितक धुमकिटितकीटीतका किटितक धद्दी-

गन धा धुमकिटि तकिटितका किटितक धुमकिटि तकिटितका किटितक धदी-
५ ६ ७ ८
गन धा धुमकिटितकिटितका किटितक धुम किटितकिटितका किटितक
९ १० ११ १२
धदीगन धा ॥ १७ ॥

॥ साढा चोगण ले की परण मात्रा ३६ की ॥

धीग धीकिटित धीगधीकिटित तकनाना न किटित तक धा धा धा
१ २ ३ ४
धा गदीगन धीगधि किटित धीगधी किटित तकनाना नकिटित तक
५ ६
धाधा -धाधा गदीगन धीगधीकिटित धीगधी किटित तकनाना नकिटित तक
८ ९ १० ११
धाधा धाधा गदीगन धा ॥ १८ ॥
१२

॥ पुगा पचगुण लै की परण मात्रा ३८ की ॥

धा धीगधीकिटित धीग धीकिटित तकनाना नकिटितक धाधा धाधा
१ २ ३ ४
गदीगन धा धिगधीकिटित धीगधिकिटित तकनाना न किटित तकधाधा
५ ६ ७ ८
धाधा गदीगन धाधीगधिकिटित धीग धीकिटित तकनाना नकिटित तक
९ १० ११
धाधा धाधा गदीगन धा ॥ १९ ॥
१२

॥ अथ पचगुणी लैकी परण मात्रा ४० की ॥

किडनाकिटि धुमकिटितक धदीगन तक धुमकिटितक धदीगन धाधी
१ २ ३ ४
धीडनाकीडाण किडना किटि धुमकिटि तक धदीगन तक धुमकिटि तक
५ ६ ७
धदीगन धाधी. धीडनाकिडाण किडनाकिटि धुमकिटि तक धदीगन तक

धुमकिटि तक धद्गीगन धाधी, घीडना किडाण धा ॥ २० ॥
११ १२ सम

॥ सवापचगुणी लैकी परण मात्रा ४२ की ॥

धा किडनाकिटि धुमकिटितक धद्गीगन तक धुमकिटितक धद्गीगन धाधी
१ २ ३ ४

धीडना किडाण धा किडना किटिधुम किटितक धद्गीगन तक धुमकिटि तक
५ ६ ७

धद्गीगन धाधी, धीडना किडाण धा किडनाकिटि धुमकिटि तक धद्गीगन
८ ९ १०

तक धुमकिटि तक धद्गीगन धाधी, धिडना किडाण धा ॥ २१ ॥
११ १२ सम

॥ साढा पचगुण लैकी परण मात्रा ४४ की ॥

किटितकतक किटितकतक धा धा किटितक घिडना किटितक देअ किटि
१ २ ३

किटि तक दिन् नाड देअत् किटितकतक किटितकतक धा धा किटितक घिडना
४ ५ ६ ७

किटितक देअ किटि किटितक दीन्नों डं दे अत् किटितकतक किटितकतक धा धा
८ ९ १०

किटितक घिडना किटितक देअ किटिकिटितक दीन्नाड देअ, धा ॥ २२ ॥
११ १२ सम

॥ पुणी छे गुणी लैकी परण मात्रा ४६ की ॥

धा किटितकतक किटितकतक धा धा किटितक घिडना किटितक देअ
१ २ ३

किटिकिटितक दिन्नाड देअत् । धाकिटितकतक किटितकतक धाधा किटितक
४ ५ ६

घिडना किटितक देअ किटि किटितक दीन्नाड देअत । धाकिटितकतक किटि
७ ८ ९

तकतक धाधा किटितक घिडना किटितक देअ किटिकिटितक दिन्नाड दिअधा ॥ २३
११ १२ सम

॥ छे गुण लैकी परण मात्रा ४८ की ॥

तरांग ध्धेता ध्धेध्धेता धुमकिटितक धद्गीगन धा धुम किटितक धद्गीगन
१ २ ३

धा धुमकिटि तकधद्गीगन तरांग ध्धेता ध्धे द्धेता धुमकिटितक धद्गीगन धा
४ ५ ६ ७

धुमकिटितक धद्गीगम धा धुमकिटितक धद्गीगन तरांग द्धेता द्धे द्धेता धुमकिटि
८ ९ १०

तक धद्गीगन धा धुमकिटितक धद्गीगनधा धुमकिटितक धद्गीगन धा ॥ २४ ॥
११ १२ सम

॥ सवा छे गुण ले की परण मात्रा ५० की ॥

धा द्धेता तकधा दिन्ना धींधींकिटितक धाकधाकधा किटितक द्धे तरांग
१ २ ३ ४

धा तरांग धातरांग धा ध्धेता तकधा दिन्ना धी धी किटितक
५ ६

धाकधाकधा किटितकध्धें तरांगधा तरांगधा तरांग धा ध्धेता तकधा धिदिन्ना
७ ८ ९ १०

धिधी किटितक धाकधाक धाकिटितक ध्धे तरांगधा तरांगधा तरांगधा ॥ २५ ॥
११ १२ सम

॥ साढा छे गुणा लैकी परणमात्रा ५२ की ॥

किटित्त०धुमकिटितक धुमकिटितक धद्गीगन धाकिटितक धद्गीगन धाकिटितकधद्गी-
१ २ ३ ४

गन धाकिटितकधद्गीगन किटित्त० धुमकिटितक धुमकिटितक धद्गीगन धकिटितक
५ ६ ७

धद्गीगन धा किटितक धद्गीगन धाकिटितकधद्गीगन किटित्त० धुमकिटितक धुम-
८ ९ १०

किटितकधद्गीगन धाकिटितकधद्गीगन धाकिटितकधद्गीगन धाकिटितकधद्गीगन
११ १२

धा ॥ २६ ॥

॥ पुण सतगुणी लेकी परण मात्रा ५४ की ॥

धा किटित्त ऽधुमकिटितक धुमकिटितक धदीगन धाकिटितकधदीगन धाकि-
१ २ ३
टितकधदीगन धाकिटितकधदीगन धाकिटित्त० धुमकिटितक धुमकिटितक धदी-
४ ५ ६
गन धाकिटितक धदीगन धाकिटितकधदीगन धाकिटितकधदीगन धाकिटित्त०
७ ८ ९
धुमकिटितक धुमकिटितकधदीगन धाकिटितकधदीगन धाकिटितकधदीगन धाकि-
१० ११ १२
टितकधदीगन धा ॥ २७ ॥
सम

॥ सतगुणी लेकी परण मात्रा ५६ की ॥

धाकिटितक धुमकिटितकऽधेता धिधिकिटि धुमकिटि तकधुमकिटितक धेत्ता
१ २ ३
धिलांग तकधुमकिटि धुमकिटितकधदीगन धाकिटितक धुमकिटितक ऽधेताः
४ ५ ६
धीऽकिटिधुमकिटि तकधुमकिटितकऽधेता धिलांग तक धुमकिटि धुमकिटितकधदी
७ ८
गन धाकिटितक धुमकिटितक ऽधेता धीधीकिटि धुमकिटि तकधुमकिटि
९ १०
तक धेता धिलांग तकधुमकिटि धुमकिटितक धदीगन धा ॥ २८ ॥
११ १२ सम

॥ सवासतगुण ले की परण मात्रा ५८ की ॥

धाधा किटितक धुमकिटितक ऽधेता धीधीकिटि धुमकिटि तकधुमकिटि
१ २ ३
तक ऽधेता धिलांग तकधुमकिटि धुमकिटितक धदीगन धाधा किटितक धुम-

किटितक ध्धेताः धी २ किटिधुमकिटितक धुमकिटितक ध्धेता धिलांग तक
६ ७ ८

धुमकिटि धुमकिटि तक धद्गीगन धा धा किटितक धुमकिटितक ध्धेताः
९ १०

धी २ किटिधुमकिटि तक धुमकिटितक ध्धेता धिलांग तक धुमकिटि धुम-
११ १२

किटि तक धद्गीगन धा ॥ २९ ॥
सम

॥ साढा सतगुणी ले की परण मात्रा ६० की ॥

तअ त्त किटितक तअ किटिकिटि धीधीकिटि धुमकिटि तकधुमकिटि-
१ २

तक ध्धेता धिलांग कतक धाकधा तकाधाकधा किटितका धाक तअत्त
३ ४ ५

किटितकतअ किटिकिटि धीधीकिटि धुमकिटि तकधुम किटितक ध्धेत्ता धिलांग
६ ७

कतक धाकधा तका धाकधा किटितकाधाक तअत्त किटितकअ किटिकिटि
८ ९

धीधीकिटि धुमकिटि तकधुमकिटितक ध्धेता धिलांग कतक धाकधा तका
१० ११ १२

धाकधा किटितका धाकधा ॥ ३० ॥
सम

॥ पुण अठगुणी ले की परण मात्रा ६२ की ॥

धाआ तकाआ धातीन् धाआ किटितक धाधा किटितक
१ २

धातीन् धाकिटि किटितकिटितका त्तका धाधा किटितक धद्गीगन धाआ
३ ४ ५

तकआ धातीन् धाआ किटि तक धाधा किटितक धातीन् धा
६ ७

किटिकिटितकिटितका तक्का धाधा किटितकधद्दीगन धाआ तकाआ धातीन्
८ ९

धाअ किटितक धाधाकिटितक धातीन् धाकिटिकिटितकिटितका तक्का धाधा-
१० ११ १२

किटितक धद्दीगन धा ॥ ३१ ॥

॥ अठगुणीलेकी परण मात्रा ६४ की ॥

नगधंधे ऐधंधीकिटितकधंधीई दिन्ना किटितक धुमकिटित्त० क, ती, किडनग
१ २ ३

त्तकिडाण किड धात्तीधा किडाण किडधात्ती नगधंधेए धीकिटितकधंधीई दिन्ना
४ ५ ६

किटितक धुमकिटित्त० क०ती० किडनगत्तकिडाण किडधात्ती धाकिडाण किड-
६ ८

धात्ती नगधंधेए धीकिटितकधंधीई दिन्ना किटितक धुमकिटित्त० क०ती०किडनगत्त
९ १० ११

किडाण किडधात्ती धाकिडाण किडधात्तीधा ॥ ३२ ॥
१२ सम

यहउपर लीखीहुइ परण विगेरह ऐक आवर्तमे तीन तीन त्रिरिया लेणी ४ चार मात्रामे एक परण एसे बारे मात्रामे तीन त्रिरीया लेणीसो लीखीहुइ लें होवेगी ओर चोगण लैसे अगाडी कीले विलंपत ले करके परण बोलेगे तो अक्षर साफ बोलनेमे आवेगे करतासे सब नजीकहें.

॥ अब बिना किटिकी परण मात्रा ९६ की आवडदी
दोमे आवे उठाण सुदा ॥

धाआ दिन्नाआः धाधा धादिन्ना तकधादिन्नाः कातकधाअ दीगनधाअ दीदींगनधा दिगनधाअ तातकधादिंगन धाधादिंगनः धादीगन २ धा ॥ १ ॥
धाआ दिन्नाआ धाधा धादिन्ना तकधादिन्ना धंधेता, धेधंधेता,धिन्ना २ धींधींताः

घेत्तातकधदागन धा ३ ॥ २ ॥ धाआ दिन्नाअः धाद्धी धादिन्ना २ तकधादिन्ना धीकीतकधा धींधीकातक धिलांग तादींदी तका घेतधाक कातकदिगन तकधादिन् तकधिनतक तकधिनाक धा ॥ ३ ॥ धादीगन तगनाः तक २ धादिनः धाधा-देअः तकधादिन् धादेअतकः धा २ घेत्तक धुमधा तरांग धदीगनः धा ३ तक देअ धुमतकद्ध तकधाधा तकधादिन्ना धातक कताअक धा ॥ ४ ॥

॥ अब बिना धाकी परण मात्रा ६४ की तीन
खिरिग्यालेणी जो आवडदी ४ मे आवे ने, निताला
मे एकदाण लेणी जो दो आवडदीमे आवे ॥

तादीदीनकथां धिगनाम धुमकिटितो तीदामुः किट २ तक ४ धीकितक तक धिकितक धिलांग तक धदीगन ता ॥ १ ॥ था धीकीतक, तक धीकितक, तकधी-कितकः तक २ धीकीतकः तकधीकितक २ धीकितक तकधीकितक धिलांगतक धदीगन धा ॥ २ ॥

॥ अब धिन, किटि की तथा बिना धाकी परण
मात्रा ६४ की, उपरके माफिक लेणी ॥

घेत्ता धदीगनताः किडाण २ धदीगनताः किडाणतक धदीगनता ३ ॥ १ ॥
घेत्ता घेघेताः घेता २ घेघेताः घेतातक धदीगन ता ३ ॥ २ ॥

॥ अब उलटी परण मात्रा २४ की ॥

धानगदी धकत टिकिताधे कतटकी मधुकतटिकिधा ॥ १ ॥ धाधाधा नगदिग कतधा तक गदीगन धाधाधा ॥ २ ॥

अब छे धा लेवाको प्रमाण ठाकी लेमे लेतो
आवडदी ८ में आवे ओर बराबर लेमे लेतो आ०
४ मे आवे ने दुगुण लेमे लेतों आ० २ मे आवे
ने चोगणमे एक आवडदीमें आवे ॥

धादिन धाकीटतकिटि तका किटः धी २ किटि धुमकिटित

किटितकाकिटि तअकिटिधुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक२धुमकिटितकिटितकाः किटितक धद्गीगन धाधा ३ ॥ १ ॥

॥ अब आडी लें मे छे धालेवा को
प्रमाण आवडदी एकमे आवे ॥

धाः किटितक धद्गीगन धा धा ३ ॥ १ ॥

॥ अब तीगणकी लेंमे छे धा लेवाको
हिसाब आवडदी एकमें लेण ॥

तरांग धेत्ता द्धे द्धेत्ता धुमकिटितक धद्गीगनधा धुमकिटितक धद्गीगनताः किटितक धद्गीगन धाधा ३ ॥ १ ॥

॥ अब नोधा लेवाको प्रमाण बराबर
लेंमे लेतो आवडदी ४ मे दुगणमे
आ० दोमे ओर चोगणमें आ० एकमें आवे ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटि तकिटितका किटि तकिटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धुमकिटिः किटितक धद्गीगन धा धा धा ३ ॥ १ ॥

॥ अब बारे धा लेवाको प्रमाण दुगणमें
आवडदी २ मे आवे ॥

धादिन् धाकिटित्ताकिटितकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटितकिटितकाकिटि तअ् किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटितकः किटितक धद्गीगन धाधा धाधा ३ ॥ १ ॥

॥ अब पन्दरे धा लेवाको प्रमाण ॥

धादिन् धाकिटि तकिटितकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटितकिटि तकाकिटिः धेत्ता द्धेता धेताः किटितकधद्गीगन धाधा धाधाधा ॥ ३ ॥ ३ ॥

॥ अब १८ धा लेवाको प्रमाण ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटित किटि तकाकिटिः धेता द्धेः किटितकः धद्गीगन धा धा धा धा धा धा ३ ॥ १ ॥

॥ अब २१ धा लेवाको प्रमाण ॥

धादिन् धाकिटितकिटि तकाकिटिः धि २ किटि धुमकिटि तकिटि तका किटिः किटितक धदींगन धाधाधाधा धाधाधा ३ ॥ १ ॥

अब चोतालामें एकसे लगाकर इकवीस धा लेनेका हिसाब मात्रा छोड छोड कर उतनेही अन्दाजसे सिरू करे कि उतनी धा समपर आवे आवडदी एकमे लै दुणी रहे मात्रा २४ का ॥

०००००००००० किटितक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ अब दो धाको ॥

०००००००००ᵕ ,, ,, ,, धा ॥ २ ॥

००००००००० ,, ,, ,, ,, धा ॥ ३ ॥

००००००००ᵕ ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ४ ॥

०००००००० ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ५ ॥

०००००००ᵕ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ६ ॥

००००००० ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ७ ॥

००००००ᵕ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ८ ॥

०००००० ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ९ ॥

०००००ᵕ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ १० ॥

००००० ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ११ ॥

००००ᵕ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ १२ ॥

०००० ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ १३ ॥

०००ᵕ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ १४ ॥

००० ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ १५ ॥

००ᵕ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ १६ ॥

०० ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥१७

०ᵕ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥१८।

० ,, धा॥१९

ᵕ ,, धा ॥२०

किटितक धदींगन धा धा धा धा धा [illegible] ॥

॥ अब दुसरी तरहसे धाओंका प्रमान ॥

ऽ ॥ ०० किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥--ऽ । ० ᵛ किटितक धदीगन धा २ ॥ २ ॥
ऽ ० किटितक धदीगन धा ३ ॥ ३ ॥--॥ ० ० ᵛ किटितक धदीगन धा ४ ॥ ४ ॥
किटितक धदीगन धा ५ ॥ ५ ॥ ॥--ऽ ऽ ० ᵛ किटितक धदीगन धा ६ ॥ ६ ॥
ऽ । ० किटितक धदीगन धा ७ ॥ ७ ॥ --ऽ ᵛ किटितक धदीगन धा ८ ॥ ८ ॥
। किटितक धदीगन धा ९ ॥ ९ ॥ --ऽ ऽ । ० ᵛ किटितक धदीगन धा १० ॥ १०
ऽ । । ० किटितक धदीगन धा ११ ॥ ११ ॥ -- ऽ । ᵛ किटितक धदीगन धा १२ ॥ १२
०००० किटितक धदीगन धा १३ ॥ १३ ॥ -- ० ᵛ किटितक धदीगन धा १४ ॥ १४ ॥
ऽ ऽ । ० किटितक धदीगन धा १५ ॥ १५ ॥ --ऽ ऽ ᵛ किटितक धदीगन धा १६ ॥ १६
ऽ । किटितक धदीगन धा १७ ॥ १७ ॥ --। ० ᵛ किटितक धदीगन धा १८ ॥ १८ ॥
० किटितक धदीगन धा १९ ॥ १९ ॥ --ऽ ऽ । ᵛ किटितक धदीगन धा २० ॥ २० ॥
ऽ ॥ किटितक धदीगन धा २१ ॥ २१ ॥ -- ऽ ० ᵛ किटितक धदीगन धा २२ ॥ २२
। ० किटितक धदीगन धा २३ ॥ २३ ॥ -- ᵛ किटितक धदीगन धा २४ ॥ २४ ॥
ऽ ऽ । किटितक धदीगन धा २५ ॥ २५ ॥

॥ अब फेर तीसरी तरेहसे धाओंका हिसाब ॥
बराबर की लेमें लेतो आवर्दी ४ मे आवे ने
दुगण लेमे आ० २ मे ओर चोगणमें आ० १ मे आवे ॥

धादिन् धा किटितकिटि तका किटिः धी २ किटि धुमकिटि ताकिटि तकाकिटि ताकिटि धुमकिटि ताकिटि तकाकिटि; तक २ धुमकिटि ताकिटि तकाकिटिः धदीगन नं किटि तकिटि तकाकिटिः धेत्ता २ किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ धादिन धा किटि तकिटि तकाकिटि; धी २ किटि धमकिटि तकिटि तकाकिटि तअ किटि धमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धमकिटि तकिटि तकाकिटि धदीगन नं किधि तकिटि तकाः किटितक धदीगन धा २ ॥ २ ॥ धादिन् धा किटितकिटि तका किटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः ताकिटि धुमकिटि ताकिटि तकाकिटिः

तक २ धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः धेत्ताः किटितक धद्दीगन धा ३ ॥ ३ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तअ-किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः धेत्ता २ ध्धेः किटितक धद्दीगन धा ४ ॥ ४ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटि धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तअ किटिधुमकिटि तकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगनधा ५ ॥ ५ ॥ धादिन् धा किटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि धेता ध्धेः किटितक धद्दीगन धा ६ ॥ ६ ॥ धादिन् धाकिटितकिटितकाटिः ध्धेता ३ किटि-तक धदीगन धा ७ ॥ ७ ॥ धादिन् धा किटि तकिटि तकाकिटिः ध्धेः किटितक धद्दीगनधा ८ ॥ ८ ॥ धेत्ता धेत्ताः किटितक धदीगन धा ९ ॥ ९ ॥

अब दुगणकी लेमे तो चार आबडदीमे आवे
ओर चोगणकी लेमे दो आबडदीमें आवे ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धुमाकिटि तकिटि तकाकिटिः धदीगन नंकिटि तकिटि तकाकिटि ध्धेत्ता ३ ध्धेः किटितक धद्दीगनधा १०॥१०॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटि धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तकिटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः धदी-गन नंकिटि तकिटि तकाकिटिः धेत्ताः किटितक धदीगनधा ११ ॥ ११ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः धेत्ता २ ध्धेः किटितक धदीगन धा १२ ॥ १२ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि ताकिटि तकाकिटिः तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक२ धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगन धा १३ ॥ १३ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धि २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि ध्धेता ध्धेः किटितक धदीगनधा १४ ॥

धादिन् धाकिटि तकिटितकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटि ताकिटि तकाकिटिः द्धेता ३ किटितक धदीगन धा १५ ॥ १५ ॥ धादिन् धाकिटि ताकिटि तकाकिटि; धी २ किटिधुमकिटितकिटितकाटिः द्धेः किटितक धदीगनधा १६ ॥ १६ ॥ धादिन् धाकिटि ताकिटि तकाकिटि ताकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगनधा १७ ॥ १७ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटितकाः किटितक धदीगनधा १८ ॥ १८ ॥ द्धेताः किटितक धदीगनधा १९ ॥ १९ ॥ [दुणमें पांच आवडदीमें आवे] धादिन् धाकिटि ताकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि द्धेता २ द्धेः किटितक धदीगन धा २० ॥ २० ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धि २ किटिधुमकिटि ताकिटितकाकिटिः किटितक धदीगनधा २१ ॥ २१ ॥ धादिन् धाकिटि ताकिटि तकाकिटिः द्धेता द्धेः किटितक धदीगनधा २२ ॥ २२ ॥ द्धेता २ द्धेताः किटितक धदीगन धा २३ ॥ २३ ॥ द्धेः किटितक धदीगनधा २४ ॥ २४ ॥

॥ अब फेरभी धाओंका चोथी तरहेका हिसाब ॥

॥ बोलोमें तथा परणेमे सिरुसे समासितक उतनी ॥

॥ धा आवे ॥

तकिटि धिकिटि धुमकिटितक धदीगन ताकिटिकिटि ताकिटितकाः किटि २ तकिटितकाकाः किटितक धदीगनधा ॥ १ ॥ किटिधुमकिटि धिलांग कतगदीगन २ द्धेतक धदीगन २ द्धेतगना तगनाः किटि २ तकः तकन२ किटिताः धी २ किटितक तकांन तकधा किटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ तरांग द्धेता द्धेधेताः धुमकिटितक धदीगनधा ३ ॥ ३ ॥ ताआः किटितक धदीगन धा आ० किटितक धदीगन धाआ० किटितक धदीगन धाआ० किटितक धदीगन धा ॥ ४ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटिधुम किटि तकिट तकाकिटि तआकिटि धाधा किटितक धदीगनधा ॥ ५ ॥ धुधकिटि २ तकिटि तकाकिटिः धुमकिटि ताकिटितकाकिटिः धुमकिटितक २ धदीगन धाआ धाआः ॥ धुमकिटितक २ धदीगन धा आ आ आ

धुमकिटितक २ धद्‌गिन धाआ धा ॥ ६ ॥ तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः धाधाक धाकः धातक धद्‌गिन ३ धा ॥ ७ ॥ धाकिटितक धुमकिटितक ध्येत्ताः किटितकधद्‌गिन २ धाआः त्ततअ किटितक तअः किटि २ धी २ किटि धुमकिटि तकधुमाकिटितक ध्येता धिलांग कतक धाकधा तकाअ धाकधा किटितकाअ धाकधा ॥ ८ ॥ किटितक धद्‌गिनः किटितक धद्‌गिन धाधाधा ३ ॥ ९ ॥ तआकिटि धुमाकिटि तकिटि तकाकिटि तकतक धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः धाधा किटितक धदीन २ धा २ किटितकः धाकिटितक धद्‌गिन ३ धा ॥ १० ॥ धद्‌गिन नंकिटि तकिटि तकाकिटिः धाकिटितक धुमाकिटितक धद्‌गिन कातक धाआ दींगनधाआ दीदींगनधा दिंगनधा ताताक धादिंगन धाधा दिंगनः धादिं गन २ धा ॥ ११ ॥ धाआ दिन्नाः धाधाअ धादिंना २ तकधादिन्ना धिकि तकधाः धी २ कातक धिलांग तादींदीं तका धेत धाक कातागद्‌गिन धादिन्ः तकधिन्नतक २ धा ॥ १२ ॥ धाधाघा २ तकिटिताता किटितक धाधा तकिटि धाकः धा २ किटितक धद्‌गिन धाआ ॥ १३ ॥ धाआ तकधा तकाआ धिगाआः धाकिटितकिटि तका २ ध्येता तकधा धाध्धा धादेअ्ः किटितक धद्‌गिन धाधा३ ॥१४॥ तके धागे दिगनताः दिधा २ दिःता तकिटितका तदिन्नतकः धागादिगतक धाकिटि तकनः धाधाकिटितकन धादिन्‌तकनः धाधाकिटि धादिन्त धेतक दिनः धाकिटि तकिटितकाधुन्ः ताकिटि तकिटि तकाधुन् २ ताः तादिन्धाः किटितकिटितकाआ धाकधा ॥ १५ ॥ तकअ तकत २ धागद्‌गिन २ धेध्धेधाड २ धातीननानान २ नटततान २ ताधाकिटितक धाधाकिटितक गद्‌गिन ताधाकिटितक धाधाकिटिकत गद्‌गिन ताधा किटितक धाधाकिटितक गद्‌गिन धा ॥ १६ ॥ धाआ किडधा किटता २ किडधक धाकः धाधाः किडधाकिटितक २ तकिटिधाक धादिंगनः तकधाकिटित्तक २ किटिधादिंगन २ तकिटि तअक धाधाधा ॥ १७ ॥ धाआ ताआ देअ् धाआ दिन्ना ढ्धाधा धादिन्ना तकधा दिन्ना तक धाकिटितकः धा २ धगगद्‌गिन ढ्ः धीड २ धधीकिटि २ धादिन धाकिटि

[illegible]

टितकधा ताकिटि धुमकिटितक द्धेता तकाधिगा धुमकिटितकधेताः तरांग
ग तकधा किटितक धग्गदीगन धद्धे धाधाधा ॥ १८ ॥ धा० तकधा
धाकिटितकः तकधा ३ किटितकः तकधा तकधा किटितक २ किटितक
दीगन धाधाधा ३ ॥ १९ ॥ ताः किटितकिटितका किटितक धाधा २ किटि
ताआ किटिताधाः धा २ किटितक तकधा किटितकः धाकिटितक नाकिटि
क २ धीन् २ धाकिटि तकिटि तरांगः धाधा किटितक तकगदी-
धा ३ ॥ २० ॥

॥ एकहत्थी परण यां एकहातसे बजानेकी परण ॥

तानिन तनाना तिट तानिन तनानातिट तानिनाता तानिनाता तानि-
तनाना तिटि तानिनाता तिटि तानिन तनाना तिटि तानिनाता तिटि
तातिटि नातातिटिः तानिन दिनन तिटि तानिन दिनन तिटि तानिदाना
निदाना तानिन दनिन तिट तानीदाना तिटि नदनिनतिटि तानिदाना तिटि
ना दाना तिटिना ॥

॥ अथ चोतालामें परण समसु उठणी ओर तीन
विरीया लेणी धापर ५ पाच मात्रा का दम देणा
सो तीन आवर्दीमे बराबर बेठेगी ॥

कि ड नां कि टि धु म कि टि त क ध दी ग न त क धु
१ २ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९
कि टि त क ध दी ग न धा धी, धीं ड ना कि डा ण धा
२१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ ३० ३२ ३३ ३४ ३६ ३७ ३९ ४० ४२
ा ऽ किं ड ना कि टि धु म कि टि त क ध दी ग न त क
४ ५२ ५३ ५४ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७०
म कि टि त क ध दी ग न धा धी, धी ड ना कि डा ण धा
[illegible] ८४ ८५ ८६ ८८ ८९ ९१ ९२ ९४

आ ऽ कि ड ना कि टि धु म कि टि त क ध दी ग न त क धु
१६ १०४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३

म कि टि त क ध दी ग न धा धी, धि ड ना कि डा ण धा ॥१॥
२४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ४० ४१ ४३ १४४ सम

इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे बेठेगी ॥

॥ अब ओर भी परण उपर माफिक आवडदी ४ की ॥

किटितातक धिलांग तकधुमकिटितक धी इ तकधुमकिटितक धदीगन धा धी धींडना किडाण धाआऽ २ किटितातक धिलांग तकधुमकिटितकद्धी तक धुमकिटितक धदीगन धाधी धींडनाकिडाधा ॥ २ ॥

॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरह से लेणी ॥

॥ अब परण समझु उटणी ने तीन बिरीया लेणी सो आवडदी ४ मे आवे परंतु इस परण मे कुछ बोलनेकी लिखनेकी सफाइ हे ध्यांन करनेसे मालुम होगी ॥

कातकधाआ दिंगनधाआ दिदिगनधा दींगनधा ताताक धादिंगन धाधा दीगनः धादीगन २ धा,: कातकधा दिगनधा दीदीगनधा दीगनधा ताताकधा दिंगन धाधादिंगन धादिंगन धादींगनद्धा २ ॥ १ ॥

अब टुकडा मात्रा ४ का उठाण सुदालेणासो बराबर कीलेमें तो आवडदी दोमे आवे ऑर दुणकी लेमे आवडदी एकमे आवे ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि किटितक धा ३ ॥ १ ॥ इस जोडके टुकडे सब इसीतरहसे बेठेगे ॥

॥ अब टुकडा मात्रा ८ काः उठाणसे लेणा ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगन धाआ ३ ॥ १ ॥

॥ अब टुकडा मात्रा १२ का उठाण सुदा ॥

धाआः किटिकिटितकधा धदीगन धाआ २ किटि२ तक धा धदीगन धा ॥१॥

॥ अब बोल मात्रा १६ को उठाणसें दुणलै
मे २ आवर्तमे ने चोगण लेमें १ आवर्तमें ॥

धादिन् धाकिटि ताकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि ताकिटि तकाकिटिः किटितकाआ धाकिटितक धदीगनधाआ २ किटितकाअ धाकिटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ एह लिखे हुए टुकडे तथा वोल सब जिल्लेवार तिताला मे लिखे हें पाने ४२–से ९१ तक

॥ अब बोल मात्रा २० को चार दाण लेणा
दुगण लेंमें जो आवडदी एक में आवे ॥

धाआ किटितक धदीगन धाआ किटितक धदीगन धाआ किटितक धदीगन धाआ किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडका बोल सब इसीतरहसे वेठेगे ॥ ॥

॥ बोल मात्रा २४ का ३ तीन बिरिया
लेणा दुणी लेमेंसों आवडदी २ मे आवे ॥

धाआ किटितक धदीगन धदीगनः धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धाआ ३ ॥ १ ॥ इस जोडके सब बोल वेठते हें.

अब बोल मात्रा २४ को आडी लेमे आवडदी २
मे आवे ने तीगण मे एक आवडदीमें आवें ॥

धा किटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धा ३ ॥ १ ॥ ॥ इस जोडका बोल सब आड तीगण लेंमे बरावर वेठेगे ॥

अब मृदङ्ग भुषण पंचरत्न कि परणे ॥
॥ परण मात्रा २८ की ॥

धाआः धा किटितक धदीगन धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धाआ ३ ॥ १ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे वेठेगी

अघ परण मात्रा ३२ की लै दुगणमें ॥
आवडदी तीनमे आवे उठाणकी मात्रा सुद्धा

।।।।। धकिटि धाक धाधी किटि धागे दींगे तक किटि तकिटि तकाकिन धागे दींगन धागेदींगन धाआ ३ ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी-परणे सब इसी तरहसे इतनी मात्रा छोडकर सिरूवाद करणी सो समपर तीसरी दुणमें बराबर बेठेगी ॥

अब परण मात्रा ३६ की तीन ३ विरीया लेणी
दुणमें जो आवडदी तीनमें आवे ॥

ऽ। ० धींगे धी किटिता धींगे धिकिटित तकनाना नकिटिता तक धाधाधाधा गदींगन धाआ २ धींगे धींकिटिता २ तक नानान किटितातकः धाधा २ गदींगन धा ॥ ३ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे मात्रा छोडकर बराबर बेठेगी ॥

॥ अब परण मात्रा ४० की दुगण लेमें लेणी
तीन विरीया सो आवडदी ३ में आवे ॥

ऽ किडना किटि धुमकिटि तक धदींगन तक धुमकिटि तक धदींगन धा धीं धींडना किडाण धाआ २ किडना किटि धुमकिटितक धदींगन तक धुमकिटि तक धदींगन धाधीं धींडना किडाण धा ॥ ४ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे इतनी मात्रा छोडकर सिरूकरनेसे बराबर बेठेगी ॥

॥ परण मात्रा ४४ की दुणीलेंकी तीन विरीया
लेणीसो तीन आवडदी मे आवे ॥

ऽ किटितकतक किटितकतक धाधाकिटितक धींडनाकिटितक देअकिटिकिटि-तक दिंन्नाड देअधाअ २ किटितकतक २ धा २ किटितक धींडना किटितक देअः किटि २ तकदिंन्नाड देअधा ॥ ५ ॥

इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे पुरी बेठती हें ॥

॥ परण मात्रा ४८ की दुणीलेंकी ३ आवडदी की ॥

ऽऽ। तरांग धेंता धेंधेंता धुमकिटितक धदींगनधा धुमकिटितक धदीं

नधा धुमकिटितक धदीगनधाआ २ तरांग धेता धेद्धेताः धुमकिटितक धदी नधा ३ ॥ ६ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसें बराबर बेठेगी ॥

॥ अब परण मात्रा ४८ की तीगणकी लेमे तीनआ-
वडदीमे ओर आडी लेमे छे आवडदींमें आवे ॥

ऽऽ। तकिटि धीकिटि धादिन्ता धाकिटितक धदीगनधाधा किटितक धदी-नधाधा किटितक धदीगन धाधाआ २ ताकिटि धीकिटि धादिन्ता धाः किटितक धदीगनधाधा, ३ ॥ ७ ॥

इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे पूरी बेठेगी ॥

॥ अब परण मात्रा ५२ की दुंणमे लेतो आव
डदी ४ मे आवे ने चोगण मे २ आवडदींमें आमे ॥

ऽ।० किटितअ धुमकिटितक धुमकिटितक धदीगन धाकिटितक धदीगन धाकिटितक धदीगन धाकिटितक, धदीगनधाआ २ किटितअ धुमकिटितक धुमकिटितक धदीगनः धाकिटितक धदीगन ३ धा ॥ ८ ॥

॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसें पूरी बेठेगी ॥

अब परण मात्रा ५६ की दुगण लेंमे आ ०
४ मे आवे ओर चोगण लेंमे आ० २ मे आवे

ऽ किटि तात्तअक धिलांग तकधुमकिटि तकध्धी तक धुमकिटितक धदी-गन धाधी घीडना किडाण धाआ २ किटितात्तक धिलांग तक धुमकिटितकध्धी तकधुमकिटितक धदीगन धाधी घीडना किडाण धा ॥ ९ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे लेणी ॥

परण मात्रा ६० की दुणमें लेणी तीन दाण जो
आवडदी ४ मे आवे ओर चोगणमें दो आ० आवे ॥

० तअ किडाण धुमकिटितक धगदीगन धेता किटितक धदीगन तकिटि-

[illegible]

किटितक धगदीगन धेता किटितक धदीगन तकिटिधाक धादिन्तक धीन्तराण तकिटितका धीदिन् ताड धा ॥ १० ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरह से पूरी बेठेगी ॥

परण मात्रा ६४ की तीन विरिया लेणी जो दुगण लेमे आयडदी ५ मे आवे ॥

ऽ। ऽ नगधे, धी किटितक धी, दिन्ना किटितक धुमकिटि तअ० कत्ती किडगन त किडाण किडधाती धा किडाण किडधाती धाअ २ नगधे, धी किटितक धी, दिन्ना किटितक धुमकिटि तअ० कत्ती किडनग तत् किडाण किडधाती धा किडाण किडधाती धा ॥ ११ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी उठाण से पूरी बेठती हैं ॥

परण मात्रा ५६ की दुसरी ताड धाडकी ॥
तीन विरिया लेणी उठाणसु जो आ० ४ मे आवे ॥

। । तअक धी किटितक धा किटितक धी किटितक धातीन् नानाना नट तकता किटितक ताड धाड ताड धाड धाआ नाड धाड ताड धाअ २ तअक धी किटितक धाकिटितक धिकिटितक धातीन् नानाना नटतकता किटितकः ताड धाड २ धा आंताड धाड ताड धा ॥ १२ ॥ ॥

॥ अब आडी लेकी परण मात्रा ७२ की ३ विरीया लेणीजो आवडदी ४ में आवे ॥

ऽ ॥ तअकधीकिटि धीनतरांण धाकिटितकधिकिटि धीनतरांण धाकिटितक धिकिटि धीधीकिटितक धाकिटितक धीकिटितक धदीगन धाकिटितक धिकिटितक धदीगन धाकिटितक धिकिटितक धदीगन धाआ २ तअक धीकिटि धीनतरांण धाकिटितक धीकिटि धीनतराण धाकिटितक धीकिटि धीधीकिटितकः धाकिटितक धिकिटितक धदीगन ३ धा ॥ १३ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे लेणी ॥

॥ अब परण मात्रा ७२ की सम दुगण लैकी
तीन ३ दाण लेणी जो आबडदी ५ मे आवे ॥

ऽ ० ऽ धकिटितकिटि तकाआ० कतधीधींदिनअ नगध्धेणता धीन डाल धाधीन्ता कत्तीटी धाआ किटितक धदीगनधा। किटितक धदीगनधा किटतक धदीगनधा किटितक धदीगनधाआ ऽ २ धाकिटि तकिटितकाआ० तधीधीदिनअ नगद्धेएता धीननडाल धाधीन्ता कत्तीटी धाआकिटितक दीगनधा ।: किटितक धदीगन धा ३ ॥ १४ ॥ ॥

॥ अब परण मात्रा ८० की दुणमे आ० छे
॥ मे आवे ॥

ऽ धाकिटितक धुमकिटितक द्धेता द्धेता तकधा धधीकिटितक त्तत टि धदीगनधाआ धीधीकिटि धीधीताधाआ किडाणधा किटितक धदीगन आ २ धाकिटितक धुमकिटितक: द्धेता २ तकधा धधीकिटितक त्ततर्किटि गनधाअ धीधीकिटि धिधिताधाआ किडाणधाअ किटितक धदीगनधा १५ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे वैठगी ॥

॥ अब परण मात्रा ८४ की दुगण लेकी तीन विरीया
॥ लेणी जो आबडदी छेमे आवे ॥

ऽ ऽ ० ० नगतकतकदेअ धाकिटितकिटि तकाकिटि किडधातीन किटि तकिटि तकाकिटि धुमकिटि किडना, ता धीट धीट तकिटि तकाकिटि तक किटि तकिटितका किटितक धदीगन धाआ २ नगतक तकदेअ धाकिटितकिटि किटि किड धातीन् धाकिटि तकिटि तकाकिटि धुमकिटि किडना, ता: धीट २ टि तकाकिटि तक धुमकिटि तकिटितका किटितक धदीगन धा ॥ १६ ॥ ॥ जोडकी परणे सब इसी तरहसे पूरी वैठती हैं ॥

॥ अब परण मात्रा ८८ की सम दुगणकी ॥
तीन ३ विरिया लेणी जो आ० छे मे आवे ॥

।। किटितक थुन् थुन् न किटि ताआ धादिन्ता किडधादिन्ता कतीटीधा-दिन्ता कअत् तीटी धादिन्ता किडधाआ धादिन्ता कतीटी धाआ थुंन्त धाआ २ किटितक थुन्थुन नकिटि ताआ धादिन्ता किधधादिन्ता कतीटी धादिन्ता कअत तीटीधादिन्ता किटधाआ धादिन्ता कतीटी धाआ थुंनत्त धा ।। १७ ।। ।।

अब परण आडी लेकी मात्रा ९६ की तीगण
लेंमे तीन दाल लेणी जो आवडदी छेमे आवे

ऽ । ऽ ताकिटितक धुमकिटितक त किडाण किडनग देअ धीअ तीइ धीडाण धाआ धातीन्ता धाकिटितक धग्गदीगन ध्धेधिरकिटि तक धुमकिटि तअ किडाण किणनग देअ ता धाकिटि तअक धीकिटि तक धदीगन धाआ २ ताकिटितक धुम-किटितक तअ किडाण किडनग देअ धीअत्तीइ धीडाण धाआ धातीन्ना धाकिटि तक धग्गदीगन ध्धे धीर किटितक धुमकिटि तअ किडाण किडनग देअ ताधाकिटि तअक धी किटि तक धदीगन धा ।। १८ ।।

।। अब परण मात्रा १५६ की सम दुगणकी
तीन विरिया लेणी जो आवडदी ७ मे आवे ।।

ऽ तगनाआ ध्धेत्ता धागेदिन धाधा किटितक धाती ऽ ध्धेत्ता तक धुमकिटितक धेता तकधा त्तक धीकिटि तक धुन किटि तक गदीगन धागेदीगन: धागेदीगन धाआ २ तगनाआ ध्धेता धागेदिन धाधा-किटितक धातीअद्धेता तकधुमकिटितक धेतातकधा त्तकधीकिटि तकधुमकिटि तक धदीगन: धागेदीगन २ धा ।। १९ ।। इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे पूरी बेठती हैं ।।

अब काट ग्राछ की परण समसु उठाण है
सम दुगण चोगण लें होतीहै पढनेमे कुछ
तरकीबहे कि परण पढनेसे मालुम होगा
परण आवर्त्ती ४ मे आवेगी मात्रा ६४ की

तथुंग तक्काथुंगा त्रकिटितकता कअतः त्रकिटितक तातिटितक गदी-न द्धाता धाआ ३ तथुंग तक्काथुगा त्रकिटितक ताकअतः त्रकिटितक ताकि-टिकत गदीगन द्धा त्ता धाआ ३ धाआः तथुंगतक्काथुंगा त्रकिटितकता कअतः किटितक ताकिटिकत गदीगन ऽधाता धाआ ३ ॥ २० ॥

अब परण मात्रा १०८ की तीन दाण लेणी
सो आवडदी आठमें आवे सम दुगण लें ॥

ऽ ध्रगडतअ् किड़धाकिटि धरकिटितक धरकिटितकिटितका किटितक दीगनधाआ ताआ किडतअ धुमकिटितक ऽधाधी किडना ऽधंता धाकिटि किटितका ताआ ऽ गदीगन धागेदीगन धागेदीगन धाआ ३ ॥ २१ ॥

मोहरा सम दुगणका तीन दाण लेणा
सो आवडदी तीनमे आवे ॥

ऽ ऽ धकिटितगनधा धुंधा क्रधानधाआः कत्तधाआ ताःधाआः धाकिटितगनधा थुंधा क्रधानधाआ कत्तधाआ ताःधाआ धकिटितगनधा धुंधा क्रधानधाआ कत्तधाआ ताःधाआ ॥ २२ ॥ ॥ ऽ धिलांगनगदेअ ३ धाआः धिलांग नगदेअ ३ धाआः धिलांगनगदेअ ३ धाआ ॥ २३ ॥ ॥

अब मोहरो तीन दाण लेणो समकी ले मेतो ८ मात्रा सु उठणो
ने दुगणकी ले में १६ मात्रा सु उठणो सो सम पे आवे ॥

ध किटि धकिटि धा धीकिटि धाधिकिठि तका किठितक धदीगन धा ३ ॥ २४ ॥ ॥

अब परण मात्रा ४८ की तीन दाण लेणी १६ मात्रा
छोडकर तो आवडदी ४ मे आवे ओर एक दाण लेगे
तो समसे समतक ऐक आवडदीमे बरायर बेठेगा

ऽ ऽ धी किटि तान घिटताः धा घिटघा घिट घिट किडधा किटि धागे
[illegible] धा किना [illegible] ता किटितक धदीगन धाआ ३

धिकिटि ताँने धिटता धाः धिटधा धिठ धिट किडधा किटि धागे दिंगे नागे तिटि कट्ट तगन धा दिन्ना कअन् ताः किटि तक धदीगन धा ॥ २५ ॥ ॥

पडार परण तीन दाण लेणी सो आवडदी
चारमें आवे लें सम दुगण रहें

ऽ ताता कूकू थुंथुं नाना किटि कत्ता कधा कअ त्ती धा कअ त्ती धाआ कअ त्ती धाआ किटितक धदीगनधा किटितक धदीगन धा किटितक धदीगन धा ३ ॥ २६ ॥

अव परणे साथ (लपेट) ले मे वधी हुइ मात्रा
१०२ की दुणमें लेणी जो आवडधी चार मे आवे

द्धं द्धे धिरकिटि किटितक तरकिटि तगदीग तगदेअः धी २ दिन्ता तक थुंगा नग दिंग तक तराणधाआः किडधा तड धाक धाआ धंगतिटि कअधिर किटितक थुन् धात्ती धाता धा थुन् तक किटि धुमकिटि तक थुन् धागिन दीगन धागे धीन्ता धीननन गअदी गदीगन किडान गअदी गदीगन धिडाणः कत धीडाण २ धा धा धुमकिटि धीडाण धा धा धुमकिटि घिडनग तर किटि किटि धा घिडाणः धा ॥ १ ॥ ॥ इसको चाहे जितनी विरिया बजाते चले जाओ समकी जगह टूटक कभी मालुम नही होगी नये नये बोल मालुम होते रहेगें ॥ इसको रेला भी कहते हैं ॥ अब इस तरहकी छोटी परण ॥ धांआ धुमकिटि किटितक तगतिटि किडाण किटितक तगतिटि किडनग तरकिटि तागे तिटि किडनग धे: ॥ २ ॥ ॥

अब छुटकर परणे सम दुगणकी समका १ चिन्ह ओर दुगण का २ का चिन्ह लिखा हें अक्षर (परणो) के बीच बीचमें

(१) धकिटि २ धाधाकिटि किडधाकिटि धिधाकिटि तकिटि धाधीन्ता किडधा

धिन्ता कअद्दीक धिन्ताः (२) किटितक धी किटि. धागे तीटीकन गद्दी गन धडंगन धागे तिटि धाधा किटितक गदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ (१) धागे तिटि तागे तिटि धागे दीगे नागे तिटि (२) किडधा किटि १ धागे तिटि तकाअ ताकिटि तक कतः धिधितिटि २ कत्त गदीगन धाः धाधीतिटि कत गदीगन धा २॥ २ ॥ ॥

॥ ताल पेहलीसु ॥

द्धे द्धे धिरकिटि कतक धीकिटि कतः (२): धिन्तराण धा : १ : कत कत किडनग : २ : धीन्तर किटितक कअतर किटितक : १ : धीनतीट धीधीतिटि : २ : गदीगन गदीगन गदीगन धा : १ : धाकत्त धादीकत्तः २ : कत्तर किटितक : १ : थुन् किटि किडधा किटि किडधाकिटि : २ : द्धे द्धे धिरकिटि द्धे द्धे धिरकिटिः धर किटितक धरकिटितक धरकिटितक : १ : धातीअ धातीअ धाआ किडनग थुन् नागे नागे द्धे :.२ : नगनग नंगनगः १ : द्धे द्धे धिन धिन गदीगन नग तिटि ताआक धाधा किटितक तरकिटि किटितक तरकिटि कअधा गदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धिरकिटितअ धाकिटितक धीकिटिः २ : किडना किटि धुम किटितक धाधीधिन्ना किडाण धाः : १ : धीद्धेधीः२ः धीकिटितक धुमकिटि ती- किडाण धाः१ः तागेतिटिधाः२ः तकधुमकिटितकताआः१ः गदीगन धागेदिगन धागे दीगनधाः२ः गदीगन २ धादिन्ताः धीडान किडनगद्धेः तअ किडाण धाआः तअ किडाणधाआ तअ किडाणधाआ ॥ ४ ॥ ॥ समसुउठणो ॥ तगन्नाड धादिन् धेत्तरांगः द्धेद्धे धिराकिटि तकधुमकिटितक धदीगन धाताधाआ २ द्धेद्धे धिराकिटि तकधुमकिटितक धदीगन धाताधा ॥ ५ ॥ ॥ ताआ किटि धीधीकिटिः २ : तकधाकिटितक धिन्तक द्धे धाकिटितकिटितका किडधानः १ : द्धेतगीन्न धा, गअदीड कत्तधा : २ : किटितक गदीगन नगतिटि किडाण धाआ २ किटितक गदीगन नगतिटि किडाणधा ॥ ६ ॥

॥ परण समसु समतक आवडदी एकको ॥

धीकिटितांन धीटीताधा घिटिया: घिटि २ किडधाकिट धागेदीगे नागेतिटि कटअ तगन धादिंना कअत ताआ (२) किटितकधदीगनधा ॥ ७ ॥ धृगडत्तः घिटि २ तागिन ताकिटीकिटिः घिट २ धागेतिटि धागेदीगे नागे तिटि कतीटी तगन तकिट ताधिन्तधा ॥ ८ ॥ ॥ धीधीनद: धी २ तान धाआ किडाणधाआ कतीट तगन घिटितिटिः धागेदीगन ३ धा ॥ ९ ॥ ॥ घिधनिद धीधतान तकिटि धानधाआ कतीटि तगन घिटतिटि ७: धागेदी गन ४ धा ॥ १० ॥ ॥ धाआ काता किडता कअत् तगिन नागिन ता: धीन्तरांण २ तगिनधा, ३ ॥ ११ ॥ ॥

॥ अथ परण जय शब्दकी दुणमें लेणी जो आवडदी दोमे आवे ॥

धाकिटि तकिटि तका २ धेता धेतकादिन्न तअ् तअ् तअ् जै श्री गोवर्द्धन नाथजी की जै श्री नवनित्त पियाजीकी जै श्री गुरुदेवकी तअ किटितक धदीगनधा ॥१॥ ॥ इस परणमे तअ तअ तअ तो पहलो तअ पखावजकी डोरी या बादीके उपर दोनों हाथ मारना ओर दुसरी तथा तिसरी तअको दोनो हाथोकी तालबजाना ओर जब जै सब्द [जे श्री गोवर्द्धन नाथजीकी] तो पखाव-जको दोनो हाथ लगाकर सिरको लगाना ओर मुंहसे बोलबोलतेजाना फिर चोथी तअ आवे जाहांसे फिर बजाना सिरुहोगा—येही इसकी रितहैं

अब परण सलामी की तिगुण लैकी तितालामें तो सम की पेली ताल सु उठणो ने तिन विरिया लेणी सो आवडदी छे मे आवे ने चोतालामे भी समकी पहली ताल सु उठणो जो चार आवडदी मे आवे ॥

धीधी धुमकिटितक धादिना धाकिटितक धिधिकिटितक धुमकिटितक धंधता किटितक धदीगन धीधीकेटितक धदीगन धाआ * धीधीकिटितक धदीगन धाआ * धीधीकिटितक धदीगन धाणा * ३ ॥ २ ॥ ॥ धाके आगे * एसी फुलडी का चिन्ह हैं वहापर धा लगाने बादमे बाहे हाथसे सलामी (रांम रांम करनेगे हाथका इसारा होता हे उसी तरह से) होना चाहिये ॥

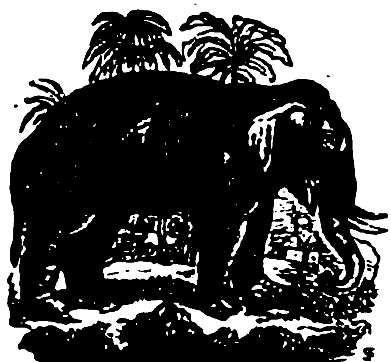
ओर भी इस तरहकी परण लीखी हे

सम दुगण की आवड दी ४ मे आवे ॥

तीटीकत गदीगन नागे ध्रकड तकता तकिटि तगनं धागे दीगन धागेदिगन धागेतिटि: धीट २ तक धुमकिटितक दागे दीम:(२) त्रकिटितक ता तिटिकत गदीगन * धाधी धीन्तक ३ त्रकिटि तकता तिटिकत गदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ इस परणमे जहांपर फुलडी का चिन्ह हैं उसके अगाडी धाधी धीन्नक ये अक्षर हें तो वहापर सलामी ली जायगी वो अक्षर पखावजमें नही वजाये जायगें ॥



अथ गज मोहर मस्त हाथीको रोकाथा परवावजी कुदुह सिंहजीने उन्मेकी यह परणहें परंतु उनको देवीका इष्टथा (सानुभावथी) परणमात्रा ७२ की ॥



अंगई धेत् धे त गिन्न धा धाः अंगई धेत् धे त गिन धा धा
२ ३॥ ४॥ ५ ६ ७ ८ १० ११॥ १२॥ १३ १४ १५ १६

अंगई धेत् धे त गिन धा धा किड धे धे धे धडं न किटि तक गन-
१८ १९॥ २०॥ २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३

पति तिटि किटि दग नक दग नक तद्दीत किटि तक धे त किटि ता ऽ ड
३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४२ ४३ ४४ ४५ ॥ ४६॥ ४८

धेत गिन धा ता धा तिटि किटि धित्रकंडं घां तिटि तक धेत किटि
४९॥ ५१ ५२ ५३ ५४ ५२ ५६ ५७॥ ॥ ५९ ६० ६१॥ ६२॥

ता ऽ ड ता ऽ धा ऽ ता ऽ धा ऽ ता आ घां ॥ १ ॥
६४ ६५॥ ६७ ६८॥ ७० ७१ ७२ सम

हाथीको नचानेकी परण ताल चलती ॥

धल धल ४ धल धलांग धलः धलाग २ थुंगाथुंगा ४ थुंगा थुमाक थुंगा थुमाक २ धल धल ३ धलांगः थुंगा थुंगा ३ थुमाकः धल २ धलांगः थुंगा २ थुमाक २२ धल धलांग थुगाथुमांक २ धलांग थुमाक २ तकतक थुंगाथुंगा २ तक तक थुंगा २ थाः नकतक थुंगाथुंगा थुमाक धद्दीगन थौ ॥ २ ॥ ॥

पञ्चदेव स्तुती परणम लें आडी

तंअक धागेतिटि धागेन धागेदिन् दित दिंदिन धात धा धिट धिधिटा धी २ तिटि धात्रक धटगन कत्त कत्तीटी कतिटिता कृता कतिटि किटि कत: कतिटि किटिकत कतिटि किटितक: कतीटीता कतकअत्त द्रगनन थुंन्तधा धिन धिनक धा धिनधिनक धागेत्रकथुंग धागेत्रकथुंग धा: धिट पञ्च गणपति पञ्च पाण्डव नटनारायण नटनरेहर पुष्प चंदन मुकुट झकझक धंनित धगनग धनितधा किट्तक तंत्रमन्तर जपति गणपति फणित धडकड फणित धा गति नादं अपरम्पार गतिनीत देखनित नित्त थथ धडाधड धडक जम धडजगन धडधड तंग तडधड नगनतंगातिटि धगनधगकिटि धा: दुर्गदुर्गति नाशनी दल असुर दलदलदल मलित दल सुंभ मुंभन काट मार पछार डारत तनकमे रहे भुवन त्रभुवन जयत जयजय जयत जयजय जयतजय सुर सकल निर्भय जान गावत ताल दै दै दै मृदङ्गन तंअक झिंगन दिडत नगदिन दिडत नग-दिन दिन्त धा ॥ १ ॥ ॥

अब प'च लैका टुकडा

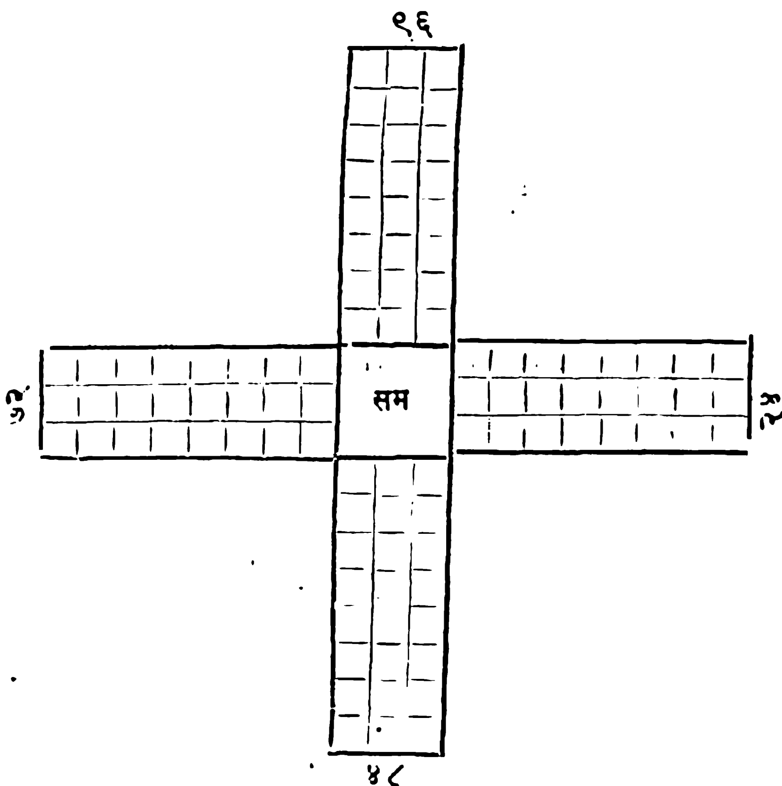
१ किड़ टिड़ तअ् कअ् धअ् दीइ गअ् नअ् धाआ० २ किड़ दितअक धअदी गअन धा ३ किट्टी तक धध्धीं गन्न धा ४ किटितक धदीगन धा ५ किटितक गदीगन धा किटितकगदीनधा किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥

१ ऐकके अंकसे ठाकी लै यानी ॥। पोणी लैं से टुकडा बोला जायगा ओर २ अंकसे ॥। पोणी लैं ओर ३ के अंकसे १। लै ओर ४ के अंकसे दुगणी लै ओर ५ के अंकमें चोगुणी लै रही है

अथ चोपडका बाज मात्रा ९६ का बोल तीन ३ [पासे तीन]

एक बोल मात्रा ३० का ओर दो मात्राका पहले दम (तत) दीया हैं ओर दो २ मात्राओंका बोल दोके अंतमें दम लगे हैं ओर तीसरी दफे समका बोल होगा जिस्से मात्रा नही गिनी जायगी तो सब मिलके ९६ मात्रा हुइ चोतालकी दो आवर्तनी में आवेगा दो आवर्तनीकी ताल ८ हुइ वही गोट हैं

मात्रा ९६ का पट तथा सम दिखाव



ओर पहले दो मात्राका तत ऐसा जोसका अक्षर रखनेका कारण यह हैं कि जिस वक्त पासा हाथसे डालते हैं तो डालनेके कुछ पहले मुहसे (उअ) एसी ध्वनी निकालते हे, ओर कोइ पड पासा एसा भी कहते हैं तो यहांपर उस्के माफिक इसी तत को समझ लेगे

अब पहले एक पासे की चारों तरफकी जमीन दिखाइ है उसमे बिन्दुका की जगह पर बडे हरुफमें धा धरी गइ हैं बाकीके बोल छोटे हरुफमें लिखे हैं बोलो की ये ही खूबी हैं कि चाहे इधरसे पढो चाहे उधरसे पढो तो उलटा सुलटा मालुम नही होगा इससे पासे काभी उलटा सुलटा पन नही रहेगा.

पासेकी पहली तरफका दिखाव	ताद्धिताकिटितकगदीगन**धा** नगदीगकतटिकिताद्धिता	एक दाणा
पासेकी दुसरी तरफका दिखाव.	त्ताकिटितक गदांगन **धा**० **धा**० नगदिग कतटिकिता	दो दाणा
पासेकी तीसरी तरफका दिखाव	**धा** **धा** **धा**नगदिग नगदिग कत**धा** तकगदीगनगदांगन **धा**	पांच दाणा
पासेकी चोथी तरफका दिखाव	**धा** **धा**तकगदीगनकतक**धा** **धा**कतकनगादिगकत**धा** **धा**	छै दाणा

	तीन काणा १- १--१--	
ख	ताद्धिताकिटितकगदिगन**धा**नगदिगकतटिकिताद्धिता	०
	ताद्धिताकिटितकगदोगन**धा**नगदिगकतटिकिताद्धिता	०
	ताद्धिता किटितकगदिगण**धा**नगदिगकतटिकिताद्धिता	सम
	चार काणा १- १--२	
ख	ताद्धिताकिटितकगदीगन**धा**नगदिगकतटिकिताद्धिता	०
	ताद्धिताकिटितकगदीगन**धा**नगदिगकतटिकिताद्धिता	०
	त्ताकिटितकगदोगन**धा**० **धा**० नगदिगकतटिकिता	सम

पांच दो सात ७

५–१–१–

धा   धा
धानगदिगनगदिगकतधातकगदांगनगदींगनधा ०

ताद्धिताकिटितकगदींगनधानगदिगकतटिकिताद्धिता ०

ताद्धिताकिटितकगदांगनधानगदिगकताटिकिताद्धिता सम

छे दो आठ ८

६–१–१

धा   धातकगदांगनकतक धा ०
धाकतकनगदिगकत   धा   धा

ताद्धिताकिटितकगदांगनधानगदिगकताटिकिताद्धिता ०

ताद्धिताकिटितकगदांगनधानगदिगकताटिकिताद्धिता सम

च **पञ्चडी ५**

२–२–१

ताकिटितकधदींगनधा ०
धा ०नगदिगकताटिक्किता ०

ताकिटितकधदांगनधा ०
धा ०नगदिगकतटिक्किता ०

ताद्धिताकिटितकधदींगनधानगदिगकतटिकिताद्धिता

च **छकडी ६**

२–२–२–

ताकिटितकधदांनग धा ०
धा ०नगदिगकतटिकित्ता ०

ताकिटितकधदींगनधा ०
धा ०नगदिगकताटिकित्ता ०

ताकिटितकगदींगनधा ०
धा ०नगदिगकताटिकित्ता   सम

पाच चार नो ९

५–२–२–

त धा धातकगदीगनगदीगनधा

धानगादिगनगादिगकत धा०

ताकिटितकगादीगनधा०

धा०नगदिगकताटिकिरा०

ताकिटितकगदीगनधा०

धा०नगदिगकतटिकित्ता सम

छै चार दस

६–२–२

त धा धातकगदीगनकतकधा

धाकतकनगदीगकतधा धा०

ताकिटितकधदीगनधा०

धा०नगदिगकतीटीकत्ता०

त्ताकिटितकधदीगनधा०

धा०नगदिगकतटिकिरा सम

पाच तीन आठ

५–२–१

त धा धातकगदीगनगदीगनधा

धानगादिगनगादिगकत धा०

ताकिटितकगदीगनधा०

धा०नगदिगकताटिकित्ता०

ताद्धिताकिटितकगदीगनधानगदिगकतटिकिताद्धिता सम

छै तीननो

६–२–१–

त धा धातकगदीगनकतकधा

धाकतकनगादिगकत धा धा०

ताकिटितकगदीगनधा०

धा०नगदिगकतटिकित्ता ०

ताद्धिताकिटितकगदीगनधानगदीगकतटिकिताद्धिता सम

कच्चा बारा १२

६--५--१

त धा धातकगदीगनकतकधा

धाकतकनगदीगकतधा धा०

धा धा

धानगदिगनगदिगकतधातकगदीगनगदीगनधा

ताध्वित किटितकगदीगनधानगदिगकताटिकिताद्विता सम

पौ बारा १२--१

१--६--६

त ताद्धिताकिटितकगदीगनधानगदिगकताटिकितादिता

धा धातकगदीगनकतकधा

धाकतकनगदिगकतधा धा

धा धातकगदीगनकतकधा

धाकतकनगदिगकतधा धा सम

दस पौ

५--५--१

त धा धातकगदीगनगदीगनधा

धानगदिगनगदिगकत धा०

धा धातकगदीगनगदीगन धा

धानगदिगनगदिगकत धा०

ताद्विता किटिनकगदीगनधानगदिगकताटिकिताद्विता सम

दस दो बारा

५--५--२--

त धा धातकगदीगनगदीगनकतधा

धानगदिगनगदिगकत धा०

धा धातकगदीगनगदीगनकतधा धा

धानगदिगनगदिगकत धा०

ताकिटितकगदीगनधा०

धा०नगदिगकताटिकत्ता सम

दस पाच पंदरा १५
१—४—५

त
घा घा०
घानगदिगनगदिगकतघातकगदीगनगदीगनघा

घा घा०
घानगदिगनगदिगकतघातकगदीगनगदीगनघा

घा घा०
घानगदिगनगदिगकतघातकगदीगनगदीगनघा

दस छै सोला १६
५—५—६

त
घा घानगदिगनगदिगकतघा०
घाकतगदीगनगदीगनघा वा०

घा घानगदिगनगदिगकतघा०
घातकगदीगनगदीगनघा घा०

घा घाकतकनगदिगकतघा
घातकगदीगनकतकघा घा सम

इग्यारा दो तेरा १३
६—५—२—

च
घा घातकगदीगनकतकघा
घाकतकनगदिगकतघा घा

घा घा०
घानगदिगनगदिगकतघातकगदीगनगदीगनघा

त्ताकिटितकगदीगनघा०
घा०नगदिगकतटिकित्ता सम

बारा दो चवदा १४
६—६—२

च
घा घातकगदीगनकतकघा
घाकतकनगदीगकतघा घा

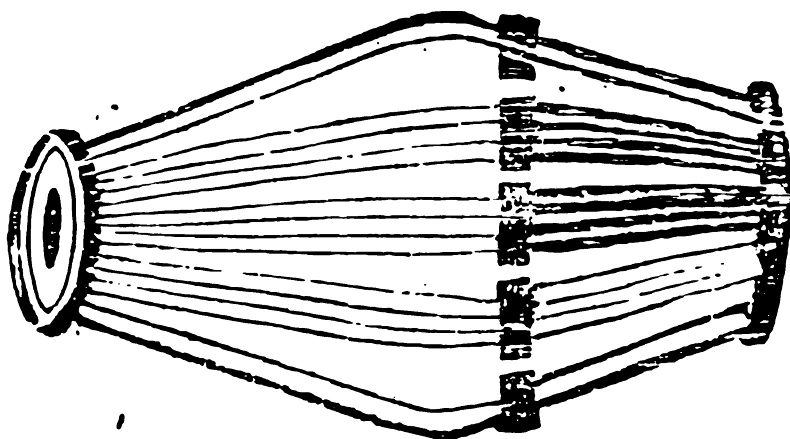
घा घाकतगदीगनकतकघा
घाकतकनगदीगकतघा धा

त्ताकिटितकगदीगनघा० घा०
घानगदिगकतटिकित्ता सम

बारा पाच सतरा १७ ६—६—५—	
त धा	धातकगदींगनकतकधा
धाकतकनगदींगकतधा	धा०
धा	धातकगदींगनकतकधा
धाकतकनगदिगकतधा	धा
धा	धा०
धानगदींगनगदींगकतधातकगदींगनगदींगनधा	

बारा छै अठारा १८ ६–६–६	
त धा	धाकतकनगदिगकतधा
धातकगदींगनकतकधा	धा०
धा	धाकतकनगदिगकतकधा०
धातकगदींगनकतकधा०	५८८
धाकतकनगदिगकतधा	धा
धा	धातकगदींगनकतकधा सम

ओर भी चोपडके बाजके माफिक धाओका हिसाब पहले लिखदियाहै र तरहसें उसमे पहिला हिसाब या चौथा हिसाब ठीकठीक समझाजाताहै इसीतरहसे पुराणे लेख भी देखेहै—



अथ रेलकी ध्वनीके उपर परण बधी हुइ हैं

ओर उसी ध्वनीका [रेलकी तारीफ] छप्पय लिखाहैं

ताल चोतालामे तथा तितालामे दोनोहीमे बेठती हैं

छप्प :तारमे खबर देत सबको मबर देत करदेत टिकट महमुल भर लेत हैं ॥ मिन्टमिन्ट घंटिया बजायकें चढायपुनि सिटिया सुनाय बकस उडाय देये हैं ॥ १ ॥ कूचन मनत थांन थांन प्रथमते जात आग पानी कोयला ते परम याको हित हे ॥ आधे आना कोसके हिसाबसों हिसाब कर जाओ जाहाताहा पहोंचानेको सचेत हैं ॥ २ ॥ ढाका आगरालो दिल्ली पूना सागरालों सुमे अवधि हिन्दवाकों जाहलो सर हद हैं ॥ जहालों तमाम झाको गस्त बंदोबस्त रहें ओर ओर मुलकमे प्रभाव नाम जद्ध हैं ॥ ३ ॥ निशुदिन आंधी अंधियारीमे फिरे निसङ्करये वचन मनत यह अजब उनमद्द हें ॥ पवनको पिछाडीकर अगाडीको निकलजात रेलकी संवारीसो सवारी सब रद्ध हैं ॥ १४ ॥

परण रेलध्वनीकी

कातर किटि धीकिटि किडधा किटि काताकातरांकिटितक तागेतिटि: काता २ कातरांकिटितक तागेतिट काता कातरकिटितक तागेतिटि कत गर्ग

गन ॥ १ ॥ दिंगे कतकनकत धीधीनिटः धी २ दिन् ३ कतिटि धिनत कत कतिटि धिनत धिधि देअ देअ धिदान ॥ २ ॥ धगअ् दिगन धग-दिगन धनितकत त्रकिधिद्धेः तिटि २ धीन् तराकिटितक तागेनिटी किडधीटी धीकिटि धागेतिटिकत गद्दीगन ॥ ३ ॥ नगनधकिटि २ धनन धा...... त्रकिडः कत २ कतिटि धिनत कतकत कतिति धिनत धिननन धिनन धांनधा ॥ ४ ॥ ॥

अथ परण तोप ध्वनीकी लै आड

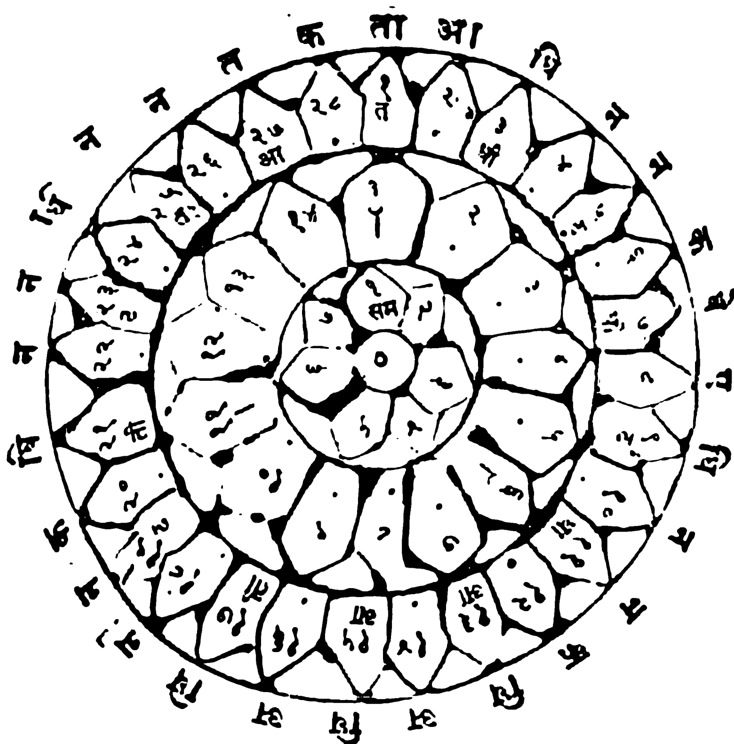
तथा तिगण ताल चोताला ॥

१ धग्डतक धग्डतक धग्डतक ताकिटितक धग्डतक धग्डतक धग्डतक ताकिटितकः २ : ताऽआ धाऽआ ताऽआ धाऽआ : ३ : थर । : ४ : ढ्रेए : ५ : धिननननः नननन नननननन २ : धा ॥ १ ॥

बोलनेमे कोनसीलेय रहती हे		बोलके अक्षर किस मतलब से रखे
तिगुणा लेयको अक्षर बोले जायगें	१	तोपको इधर उधर फेरनेसे पइडोका आवाज
आडी लेयमे अक्षर बोले जायगें	२	तोपमे सुम्बा देनेका हिसाब
,, ,,	३	तोपपर रंजककी आवाज होती हें
,, ,,	४	तोप छुटनेका धम्माका
तिगुणा लेय	५	बडे धम्माके के पिछेकी उतार आवाज

॥ श्रीनाथजी ॥

चक्र धम्मारको



मात्रा १४ ताल ३ ताल पेली लघू अनुद्रुत मीलीहुई दुसरी भी लघू अनु द्रुत मीलीहुई तीसरी लघू रूपक यह हैं ।ँ ।ँ ।

॥ अब बोल बराबरलेका मात्रा १४ का

आवडदी ऐकमे लेणा ॥ ॥

धाँ किटित कँ ध दीं ग न धे दी ग न धां ॥ १ ॥ धाँ कि टि
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ सम २ ३ ४

त कँ ध दीं ग नं तें रां ग धा ॥ २ ॥ ॥ धा कि टि त क ध
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ सम

दी ग न धा धा धा ॥ ३ ॥ ॥ धा कि टि त क त रां ग धा
८ ९ १० १२ १४ सम २ ३ ४ ५ ६ ७ ९ १० १२

धा धा ॥ ४ ॥ ॥ धा त क त क धे ता धं दी ग न धा ॥ ५ ॥ ॥
१४ सम २ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ सम

धा त क त क धे ता त रां ग धाँ ॥ ६ ॥ ॥ धा धे ता धे
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १३ १४ सम २ ४ ६ ८

ता धं दी ग न धा ॥ ७ ॥ ॥ धा धे ता धे ता त रां ग धा
१० ११ १२ १३ १४ सम २ ४ ६ ८ १० ११ १३ १४ सम

॥ ८ ॥ धा धु म कि टि धी धी ता धं दी ग न धा ॥ ९ ॥ ॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ १० ११ १२ १३ १४ सम

धा धु म कि टि धी धी ता तं रां ग धा ॥ १० ॥ ॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ १० ११ १३ १४ सम

अब बोल ठाढुणका मात्रा १४ का आबडदी ऐकमे लेणा ॥

तँ धि ट त्रि ट धाँ क ती ट तीं ट ताः ॥ तँ धि ट धि ट
१ २ ३ ४ ५ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १ २ ३ ४ ५

धाँ त का धं दी ग न धाँ ॥ १ ॥ ॥ धाँ आ धिट धाँ त का किंट
७ ८ १० ११ १२ १३ १४ सम २ ४ ५ ७ ८ १० ११

तक धदी गन : धाँ आ धिट धाँ त काः किंटि तक त रां ग १ धाँ
१२ १३ १४— २ ४ ५ ७ ८ १० ११ १२ १३॥ १४ —

आ धिटि धा त का धे ता धदी नन : धा आ धिट धा त काः धें
४ ५ ७ ८ १० ११ १२ १३ १४ २ ४ ५ १०

ता त रां ग धॉं आ धिट धॉं त का धुंम किटि धदी गन धॉं आ
१२ ॥ १३॥ १४ २ ४ ५ ७ ८ १० ११ १२ १३ १४ २ ४

धिट धा त का धुंम किटि त रा गः धॉं ॥ ६ ॥ ॥ इस जोडके
५ ७ ८ १० ११ १२ ॥ १३॥ १४ सम

बोल सबईसी तरहसे वेठेंगे.

॥ अब धमारमे दुणकी धिननक नेदुणका बोल मात्रा २८ का घरोबरकी लेमे लेतो आवडदी २ मे आवे ने दुणकी लेमे लेतो आवडदी ऐकमे आवे ॥

ता धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे धि न न क धि न
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ १५ १७ १८ १९ २० २१ २२

न धि न न त क ॥धा कि टि त क धदी ग न धु म कि टि त क
२३ २४ २५ २६ २७ २८ सम ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

ध्धे ता की टि त क धदी ग न धा ॥ १ ॥ धा किटितक तरांण धुम-
१८ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ सम

किटितक तराण ध्धेता तराण धा ॥ २ ॥ ॥ धा किटितक ध्धेता किटिः तक २ ध्धेता द्रेतातरांग धा ॥३॥ धाः किटि२ध्धेता धदींगन तक ध्धेता ध्धेता तरांगधा ॥४॥ धादिन्तकतरांण धुमकिटितकदेअः धाकिटितकधदींगन धा ॥ ५ ॥ ॥ धादिन् तकःधा २ धुमकिटितकदेअः किटितक तरांगधा ॥ ६ ॥ ॥ धी २ दिन् २ तक धातअ किडाण तकदेअ तअकधीकिटितक तकधा ॥ ७ ॥ ॥ धी २ दिन् २ धा २ धुमकिटितकः धा २ द्धेता तरांगधा ॥ ८ ॥ ॥ धुमकिटितक धुमकिटि २ धदींगन तकद्धेता किटितक धदींगन धा ॥ ९ ॥ ॥ धुमकिटितकधदींगन धादिंना किटितक तरांगधा ॥ १० ॥ ॥ धदींगन ३ धाआ तगनगदेअ देः तरांगधा ॥ ११ ॥ ॥ धुमकिटितगनाअग धाआतअः किटितकधदींगनधा

॥ १२ ॥ ॥ किटि २ तकिटितकाः किटितगनगदेअ धाकिटितक धद्दीगनधा ॥ १३ ॥ किडनांः नकिटितकधींना तकः धींना २ तकधद्दीगनधा ॥ १४ ॥ ध्येत् २ ध्ये २ किटितक ध्येतांग धाकिटितक धद्दीगनधा ॥ १५ ॥ धींकीतक२ धाः धा २ किटि २ तकधा किटितकः धाक २ धा ॥ १६ ॥ ॥ तकधा धाकिटितक तककिटिधा किटितकतक किटिधाधाधा ॥ १७ ॥ ॥ तकधुम किटिः तरांग ४ तकधद्दीगनधा ॥ १८ ॥ ॥ तकः धुमकिटि ५ तक धद्दी गनधा ॥ १९ ॥ ॥ तनधिडाण धेद्दींधेः नगदेअ धातकधुमकिटि धद्दीगनधा ॥ २० ॥ ॥ धाआः किटितकः धाक २ धाकिटितकतकः धाक २ धा ॥ २१ ॥ धाआ किटिकाताकिटितकः किधांणधाआ ३ ॥ २२ ॥ ॥ धाआः ताडधाड २ धाआंनाड धाडताडधा ॥ २३ ॥ ॥ धाआकतननधान् २ धा ३ किटितकगद्दी-गनधा ॥ २४ ॥ ॥ धाआ तकधुमकिटितक धद्दीगन धाधींधींडना किडाणधा ॥ २५ ॥ ॥ धाआतराणकिटि ध्येतकधादिन्धा किटितकधद्दीगनधा ॥ २६ ॥ धाआतकाधिगा धुमकिटितकध्येता धींदिन्तअः किटि २ धा ॥ २७ ॥ ॥ धाआः तकाकिटिधुमकिटि तकिटितका किटितकधद्दीगनधा ॥ २८ ॥ ॥ धाआःतक २ ध्येताध्येधिरकिटितक गअद्दीगनधा ॥ २९ ॥ ॥ धाआः तक २ धीकीतक किटि धादिन्ना किटिधेद् दीगनधा ॥ ३० ॥

॥ अयथमारकी आडकिधिननक ओर ॥

॥ बोलमात्रा २१ का आवडदी एकमे आवे ॥

तां	धि	न	न	क	ध्ये	ध्ये	धि	न	न	धि	न	न	धे	न	न	त	क		
	२	३	४	५	६	८	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	

धा	कि	टि	त	क	धी	कि	टि	धु	म	कि	टि	त	क	
	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५

त का धा क धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटितक तकिटधुमः किटि २

१६ १८ २० २१ सम

तक धदींगनधा ॥ २ ॥ ॥ धाकिटितक ध्धेता किटिधीकिटितक धदींगनधा ॥ ३ ॥ ॥ धाकिटितक धीं ध्धेता धुमकिटितक धदींगनधा ॥ ४ ॥ ॥ धादिंधाकिटितक तकिटिधाकिटितरांणधा ॥ ५ ॥ ॥ धादिन्धाकिटितक किटि तककिटिधी ध्धीनाटधा ॥ ६ ॥ ॥ धादिन्ना ध्धेताः किटि २ तकधदींगनधा ॥ ७ ॥ ॥ धादिंना तकिटीधाः किटि २ तकतरांणधा ॥ ८ ॥ ॥ ताकिटिदिन् धाआ धुमकिटिकिटितक धदींगनधा ॥ ९ ॥ ॥ ताकिटिकिटि धुमकिटितक तरांगतरांग धा ॥ १० ॥ ॥

॥ अब धमारकी तीगणकी धिननकने तीगणका ॥
बोल मात्रा ४२ का आत्रड्दी ऐकमे लेणा ॥ ॥

ताँ धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क धिगँ न धि न न त
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१

क धा धि न न धि न न तं क धा धि न न धि न नू त क धा
२२ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ सम

धा दिं ना धा कि टि त क थि धि कि टि त क त क धु म कि
२ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३

टि त क धु म कि टि तं क धु म कि टि त क ध दीं ग न धा
२४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ सम

॥ १ ॥ ॥ धादिन्ना धाकिटितक धधींकिटितकः तकधदींगनधाआ ३ ॥ २ ॥ धगगदींगन नकिटितकिटिः धीं २ किटितक धुमकिटितक ध्धेना धिदिनताडधा ॥ ३ ॥ ॥ धगगदींगन धुमकिटितक तकिटिधाक धादिन्ना तत्किडाण किड नगदेअतकाः धाकधा ॥ ४ ॥ ॥ धकिटितधुमकिटि ध्धेताकिटितक किटितक, किटिधिलांग किडधुमकिटितकः धी २ कीटधाकधा ॥ ५ ॥ ॥

ध किटि तकिटि त धुमकिटितक धदींगन देअ तकधुमकिटितक ध्धेता तकिटि-तक धदींगन धा ॥ ६ ॥ ॥ धा २ किटि तकिटि धुमकिटितक किटि तरांण किटि २ तक किटि धुमकिटि तध्धेता तकिटि धा ॥ ७ ॥ ॥ धा२ किटितक धाकिटि धिडनू तकधुमकिटिः धि २ किटितक ध्धेता धुमः किटि १

धाक धाक धा ॥ ८ ॥ ॥ धाक २ धा ३ तकिटि धा किटितक धुमकिटितक ध्धेता धेध्धेता ध्धे धद्गीगन धा ॥ ९ ॥ ॥ धाक २ धाकिटितक तकिटि धुमकिटि तक धा किटि ध्धेता किड धन्ना तका धाक धा ॥ १० ॥ ॥

अब फेर आड तिगण तथा दुगण
लैकी परणे ८४ की दुगण लेमे आ०
४ मे आवे ने आडी लेमे ६ आ० आ०
ने तीगण लेमे ३ आवडदीमे आवे

धा कि टि त क धु म कि टि त क धु म कि टि कि टि त
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९

कि टि त का त क धु म कि टि त क ध्धे ता त क ध द्दी ग न
२० २१ २२ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२

धा टि त क ता कि टि त क त कि टि त क ध्धे ता धे ध्धे
४४ ४५ ४६ ४७ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ६० ६२ ६४ ६६

ता ध द्दी ग न धा ध द्दी ग न धा ध द्दी ग न धा ॥ १ ॥ ॥
६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ सम

धा किटि किटि तकिटितक धुमकिटि तका धद्दीगन किटिधादिन् तक ध्धेता तकधादिन धाअ धादिन्नाः धि २ किटितक धुमकिटितक धाकधाधद्दी गन तकाधिलांग तकिटित्त किडाणधा ॥ २ ॥ तकिडाण किडनगदेअ धीड्तीड् धिडाणधाआ धातीन्ता धाकिटितक धग्गदिगन ढेः धिड २ तकधुम-किटितअ किडाण किडनगदेअ ताधाकिटि तअक धिकिटितक धद्दी-गनधा ॥ ३ ॥ ॥ ध्धेतकान किटितकधीकअद्दी किडाणधाआ धादिन्ना धा किटितकधाः धुमकिटि २ तातक धद्दीगन ध्धेतकान किटितकधी ताधिन्नातक धिलांग काता गद्दीगनधा ॥ ४ ॥ ॥ नगतकतकदेअ धाकिटतकिटि तकाकिटि किडधातीन् धाकिटितकिटि तकाकिटि धुमकिटि किडना, ताः धीट २ तकिटि तकाकिटि तकधुमकिटि तकिटितका किटितक धद्दीगनधा ॥ ५ ॥ ॥

किटिधुमकिटि धिलांगतक धद्दीगन धागदींगन धाकिट्टितक धाधाकिटितक ध्धे: किटि २ धिन्तराण तकधुमकिटितक ध्धेतक्कानध्धे धिरकिटि धिकडता धी: किटि २ कााकिटि धा ॥ ६ ॥ ॥ धाअ धाकिटितक धुमकिटितक: ध्धेता २ तकधाा धधीकिटितक त्तरकिटितक धद्दीगनधा: धी २ किटि धी २ ताधा किडाणधा किटितक धद्दीगनधा ॥ ७ ॥ ॥ धाअ: धागेदिन् ३ धाकिटि तादिन्ना: किटिकताअ: ध्धेतधेता: किडनाकिटि धुमकिटितक धद्दीगन धाधी धिडना किडाण धा ॥ ८ ॥ ॥ धाअ किडाण धाधुमकिटितक ध्धेता धीधी किटि धुमकिटि तकधुमकिटितकतका: धिगा धुमकिटितक ध्धेता धीदिन् तअ: किटि २ धा ॥ ९ ॥ ॥ धाअ धुमकिटि त नकिटि किटितक धद्दीगन: धाकिटितक धद्दीगन २ धधीकिटितक धद्दीगनधा: तअ ३ धाकिटितक धद्दी गन २ धाधाधा ॥ १० ॥ ॥

अब चोगण लेकी धिननक ओर परणे
मात्रा ५६ की बरोबरकी लेमे आवडदी
दोमे आवे ने चोगणकी लेमें आ. १ आवे

तो धि न न क ध्धे धि न न क ता धि न न क ध्धे धि
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१

न न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि
२२ २३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४२ ४४ ४५

न न क धि न न धि न न त क ॥ किं टि त्त आः धु म कि
४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ १ २ ४ ६ ७ ८ ९

टति क धु कि टि त ग ना किटित कि टि त का कि टि त क
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ २१ २२ २३ २५ २६ २७ २८ ३० ३१ ३२

ध द्दी ग न ध द्दी गं न धा आः त्त आ कि टि त क ध द्दी ग
३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४६ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५

न धा ॥ १ ॥ ॥ किटि तातअक धिलांग तक धुमकिटितक ध्धेः तक धुम किटितक धदीगन धा धी घोड़णा किडाण धा ॥ २ ॥ ॥ किडाण धा धुमकिटितक ध्धेत्ता धीधीकिटि धुमकिटितक धुमकिटितक तकाधिगा धुम-किटितक तकध्धेता धीदिन् तअ किटि किटि धा ॥ ३ ॥ ॥ किडाण धाः धी २ किटितक ध्धेताः तक २ धुमकिटि किटिधुमकिटितक तकिटि धिकि टितकः तक २ ध्धेताः घोलान धी किटितक धा ॥ ४ ॥ ॥ धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेत्ता धी धी किटि धुमकिटि तक धुमकिटितक ध्धेता धिलांगतकः धुम-किटि २ तक धदीगन धा ॥ ५ ॥ ॥ धाः किटि २ धुमकिटितक धदीगनः धिधिकिटि ध्धेत्ता तकधुमकिटितक तकिटि धिकिटि धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धा ॥ ६ ॥ ॥ ध्धेत ध्धेत ध्धेता किटितकः धि २ किटि धुमकिटि तगनगदेअ धा किटितकननः धात २ धा धा धा किटितक धदीगन धा ॥ ७ ॥ ध्धेतधाक धाकिटितक धा २ धा धुमकिटितक ध्धेता धिन् तरांणः किटि २ ध्धेतक धादिन् धाकिटितक धदीगन धा ॥ ८ ॥ ॥ त्त तरकिटितक तेटे २ किडनगतर किटितक धुमकिटितक धा किडाण धादित्ता धात्ती धाधा गदीगन धा ॥ ९ ॥ ॥ तअक धिकिटि तक धाकिटितक धिकिटितक धातीन् नाना-ना नटतकताः किड्तक् ताड धाड ताडधाड धाअ नांड धाड ताड धा ॥ १० ॥ धाअा किडतेअः धुमकिटितक २ धदीगनः धाकिटितक धदीगन ३ धा ॥ ११ ॥ धाअ किटितकअत धिन्तरांण धा धिन्ता कअत धाकिटितकिटितका धीनः कत्ता २ गदीगनधा ॥ १२ ॥ धाअ ध्धे किटि किटि तक ध्धेता किटि तअ किटि २ तनिग तक ना नाः गिड २ तक थुंः धाता धा किटितक धदीगन धा ॥ १३ ॥ ॥ धाअ ध्धेः किटि २ धुमकिटितकः किटि २ तरांण किटिध्धेः धा २ किटितक धुमकिटिकिटितक धाकिटिधाकिटितक धदीगन धा ॥१४॥

धाआ धेता: तकधा २ धादिन्ना: तकधेता धुमकिटिताकिटितका किटिताकिटि-तका: किटि २ तक धद्गीगन धा ॥ १५ ॥ ॥ धाआ द्धेता किटितक: धिर किटितरांण तकधाकिटितक धादिन धाकिटि: धी २ किटितकधा किटिधुमकिटि तक धद्गीगनधा ॥ १६ ॥ ॥ धाआ तिलांग धिरकिटितक धाकिन्ना किड-नग नगकत किटितक तकधिरकिटिनक तकधिरकिटितक तरकिटिनक धिरकिटि-तक धिन धा ॥ १७ ॥ ॥ धाआ तअक धीकोट: धीरकिटि किडतांन किटि धागिनधा: धिननअक धागिनधा ३ ॥ १८ ॥ ॥ धाआ: तकधादिन धा किटितक धा धेता तकधाधा किटितकधाधेता तकधिगनां धकिटि तकिटि धिलांगतकधा ॥ १९ ॥ ॥ धाआ: तकाआ धातीन धाआ किटितक धाधा किटितक धातीन: धाकिटित किटितका तअका धा ३ ॥ २० ॥ ॥

अथ सवाइ [पचगुणी] लेकी परण मात्रा ७० की
आवडदी ४ मे लेतो सवाइ ले होवें ने
आवडदी १ मे लेतो पचगुणी ले होवे ॥ ॥

द्धा धाकिटितक नाकिटितक किटितकिटितका किटिधुमकिटितक धेता
२
किटिधाकिटि द्धे द्धे ता धुमकिटि किटितक धुमकिटितक द्धेता किटितक धद्गी-
१
गन धा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे लेणी ॥

अथ पुणा दो दुगणका बोल मात्रा
२४ का आवडदी एक मे लेणा ॥

धाकिटितक धुमकिटितक धेता किटितक धद्गीगनधा ॥ १ ॥
इस जोडका बोल सब इसी तरहसे पूरे बेठेगे ॥

अब साढा तीगणकी परण मात्रा
४०. की आवडदी एकमे आवे ॥

तक धाअ दिन् धा दे अधा किटिः धुमकिटितक धदीगन धा ३ ॥ १ ॥

अब सवा दो दुगण लेकी परण
मात्रा ३१ की आवडदी १ मे आवे॥

धकिटि धाक धधी किटि धागे दीगे तक किटि तकिटि तका किन धागे दीगन धागेदीगन धा ॥ १ ॥ इस जोडकी परणे सब बेठेगी ॥

अब साढा चोगण लेकी परणे मात्रा
६२ की आवडदी १ मे लेणी ॥

धधाकिटितक धदीगन धधाकिटितक धदीगनः धा२ किटितकः धा किटितक धदीगन ३ धा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी परणे इसी तरहसे बेठेगी ॥

अब परण मात्रा ११२ की सम दुगण
लेकी आवडदी चार मे आवे ॥

ध्धा दिन् न ध्धेतरांग ध्धेता तेए ध्धेताः धी २ किटितक धी २ किटि तकध्धेता तगनग किड्ध्क धीकिटि धात धाआः धाता धाआः तकध्धेता तगनग किड्ध्क धिकिटि धात धाआः धाता धाआः तकध्धेता तगनग किड्ध्क धीकिटि धात धाआः धाता धाआः ॥ १ ॥ ॥

(लपेट)

तअः धीट धीट धाक तिट तिटि ताआः धागेन धी किटिः धागे तिटि २ धागे म धी किटि धागे तिटि गदीगनः नांगेन २ नांगे तिटि मदीगन दीगे दिनताः तिटिकत गदीगन धा ॥ १ ॥ ॥

(सम दुगणकी लपेट)

ता किड्तक धीकिटि धागेतिटि धागेतिटि तिटि धागे तिटि धागेतिन

नागेतिटि कतीटि धा दिन्नत कतीटि धागे दिन्नत किडनं किडनं
किडत धिट धिट धिकिटि धाधिन्ता कतिटी ता गिद्दीगन धागेः नाना२
धीननद किड्तक दिगडधा ॥ २ ॥ ॥ कअत धाआ धीन्त धाः धिन्तर
किटितक तिटिधा किटितक दींदीगनधाः तिन्नकत्त घिडघिड धा २ ॥ ३ ॥ ॥

अब छे धा लेवाको हिसाब

धा किटितक धुमकिटितक द्धेंता किटितकनाः किटितक धद्दीगन
धा धा ३ ॥ १ ॥ ॥

अब आडीले तथा तिगणी लेमे छे धा लेवाको हिसाब

धा धद्दीगनताः किटितक धद्दीगन धा धा ३ ॥ २ ॥ ॥

नो धा लेवाको प्रमाण

धींकी तकतकधा धाधींकिटितकधा किटितकधाः किटितक धाक धाक
धा ३ ॥ ३ ॥ ॥

अब परणे मात्रा १४० की बराबर कीलेमे लें तो आबडदी १० मे आवे ने दुणीमें लेतो ५ आ०अ०वे

धींगनांम्ः धाकिटितक २ धा २ किटितक धींदिन्नत धीन्ताः धी २ दिन्
ताडताड धाड घि २ नतकिटि नकिटि किडाण धाडधा तअ धिडाण तक धिडाणः
तक २ धिडाणः द्धे २ धे धिर किटितक थुन थुन धिलांगः घिडाण नगदेअ ३
धा ॥ १ ॥ ॥ ताकिटितक धुमकिटितक ४ तकतक धुमकिटितक ४ किडना-
किटि काता किटितक तकिटि धिकिटि तकधेत्ता किड्नान् नकिटितक धिन्ना
तक धिन्ना धिन्ना तक धद्दीगन धा ॥ २ ॥ ॥ दींगनना किटितक धी किटि
तक बगडतक धाकिटितकिटिता काताकिटितक धुमाकिटिधाः घि २ नांआग धिन्ना
[illegible]

तगनांग धी धी २ नांग धिन्ना धीकीतक किटिधिन्ना तकदेअ तता धेत धाक तकः धा ७ धा ।। ३ ।। द्रींकाटीकाटि द्रींकिटि धुमकिटितक घिडना किडाण तक २ धुमकिटितकः तकिटि तकत्त घिनतरांण धाधिताः तकधा तकाथुंगा धदीगनधा किडनगदेअ तअ किडाणधाआ किटितक तकधुमकिटितक तकिटित- काकाः किटितक धदीगनः धागदीगन २ धा ॥ ४ ॥ ॥

अब परणे मात्रा २२४ की आबडदी ८ मे आबे ले दुणी रहें

तकिटि घिकिटिः धी २ किटितक तकिटि धाकिटितक धुम किटितक तकिटि कत किटि तरांग तकिटितकाः किटि २ तक तकिटि धादिंना तकिटि धाधादिन्ना तकिटितक धकिटितक तअः किटि २ तकिटि तक- तअ किटि तादी थुंनाः किटितक तकिटि धाक धेतरांगः धा २ किटि ताकिटि धा धुम किटितक तकिटिता धिनाता किटितक ताकिटि थुंग थुंगा तकिटिता धेत्ता तकिटि टगनगदेअ धा किटितक तकिटि धादिन् धा किटितक तकिटि धेत धेता धा किटितकः तकिटिधा ३ ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब पूरी बेठेंगी ॥

अब मृदङ्गाभुषण पञ्च रत्नकी परणे [मोहरे] बोल दुगण ले मे भी लेना ओर; चोगुणी ले में भी लिये जायगें

ऽ ऽ। किटितक धा ३ ॥ १ ॥ ॥ ऽ। ० किटितक धदीगन धा ३ ॥ २॥

। ० किटिकिटितक धा धदीगन धाआ २ किटिकिटि तकधा धदीगनधा ॥ ३ ॥

+।० किटितक किटि धुमकिटि धा किटितक धदीगन धाआ २ किटितक किटि धुमकिटि धा किटितक धदीगन धा ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडके बोल सब इसी तरहसे बेठते हैं ॥

ऽऽ ०' किटितक धुम किटितक धेता किटितक धदीगन धाआ २ धा

किटितक धुम किटितक धेता किटितक धदीगन धा ॥ ५ ॥ ॥ इस जोडके बोल सब इस उठाण से बेठते हैं

ऽ ० धा किटितक धदीगन धुमकिटितक धेता किटितक धदीगन धाआ २ धा किटितक धदीगन धुमकिटितक धेता किटितक धदीगन धा ॥ ६ ॥ ॥ इस जोडके बोल सब इसी तरहसे लेणा ॥

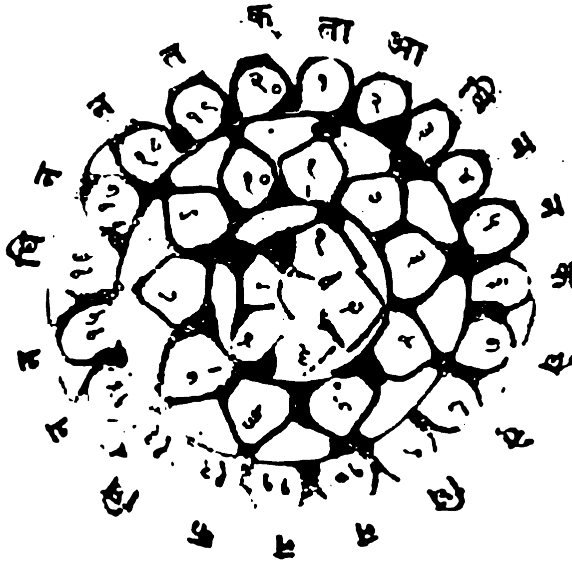
। धकिटि धाक धाधीकिटि धागे दिगे तक किटितकिटितका किन धागेदीगन धागेदीगन धाआ २ धकिटि धाक धाधीकिटि धागेदींगतक किटितकिटितका किन धागेदीगन २ धा ॥ ७ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरह से लेणी

सम थिगे थिकिटि तथिगे थिकिटित तक नाना न किटितातकः धाधा धा धा गदीगन धाआ २ थिगेथिकिटित थिगेथिकिटित तकनाना न किटितातकः धाधा २ गदीगन धा ॥ ८ ॥ ॥ इस० सब० ऽऽ । किडनाकिटि धुमकिटि तक धदीगन तक धुमकिटितक धदीगन धा धी गीडना किडाण धाआ २ किडना किटि धुमकिटितक धदीगन तक धुमकिटितक धदीगन धाधी धीडना किडाण धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे पूरी बेठेगी ॥



॥ १ ॥ श्रीगोवर्द्धन नाथो जयर्ता ॥

चक्र मूर फागताका ॥



तालरे मात्रा १० तालएक लघूर द्रुत रे लघूरूप यहरे । ० ।

इसको मंठ तालभी कहते हैं ॥

॥ अबबोल बराबरकीलैका मात्रा २० का ॥

॥ आवडदी ऐकमे लेणा ॥

| ० |

कि टि त क्र किं टि धु म कि टि धा कि टि त क ध
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७

दी ग न धां ॥ १ ॥
१८ १९ २० सम

| ० |

कि टि धे ता धु म कि टि ता कि टि त क ध दी
१ २ ४ ६ ७ ८ ९ १० १२ १३ १४ १५ १६ १७ १७

ग न धां ॥ २ ॥ ॥
१९ २० सम

किटितरांग धुमकिटितक ध्धेताधद्दीगनधा ॥ ३ ॥ किटि २ तकधाद्दी-न्धा किटितकधद्दीगनधा ॥ ४ ॥ तकधुमकिटितकध्धेता किटितकधद्दीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ तकधुमकिटितक धुमकिटि धाकिटि धद्दीगनधा ॥ ६ ॥ ॥ तकध्धेता धुमकिटितकध्धेता धद्दीगनधा ॥ ७ ॥ ॥ धुमकिटितकिटितका धुम-किटितक धद्दीगनधा ॥ ८ ॥ ॥ धाकिटितक धुमकिटितकध्धेता धद्दीगनधा ॥ ९ ॥ ॥ धाकिटितक ध्धेताकिटिः तक २ धद्दीगनधा ॥ १० ॥ ॥ धाक २ धा किटितकध्धेता तधंगधा ॥ ११ ॥ ॥ धाधाकिटितक किटिधुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ १२ ॥ ॥ किटितकिटिधुमकिटितकः किडाण धद्दीगनधा ॥ १३ ॥ ॥

॥ अबसूरफांगतो कीटुणकी लेकी धिननकत्ते टुण ॥

॥ काबोल मात्रा ४० का बराबरमे लेतो आवडदीदोमे ॥

॥ आवे नेटुणकी लेमेलेतो आवडदी ऐकमेआवे ॥

तां धि न न क द्धे धे न न कं ता धि न नं क ध्धे कि
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१

न न क ध्धे द्धे धिं न न क धिं न नं धिं न नं त क ॥ किं
२२ २३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० १

ड ना कि टि धु म कि टि त क ध द्दी ग न तं क धु म कि टि
२ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १२ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२

त क ध द्दी ग न धा द्धी घी ड ना कि डा ण धां ॥ १ ॥ ॥ किटि
२३ २४ २५ २६ २७ २८ ३० ३२ ३३ ३४ ३६ ३७ ३९ ४० सम

तकध्धेतकांन द्धेद्धेधिरकिटिधिडकताथीः किटि २ घीडंनगद्दीगन धीलांन धीकि-

... ॥ ॥ धुंत्रिटि २ तक धादिनधाधाधुं: किटि २ के धीमाड २

धेत २ द्धे ३ धीरकिटि धुमकिटिः घी २ ना २ तरांग

तकधा... ...धा ॥ ४ ॥ ॥ त्तःकिटि २ त्तकिटिताः किट २ ताकि

टिता किडाणकिडना धाकिटितक धद्दीननधा ॥ ५ ॥ ॥ तक २ किटितकिटि

तान तककिटिः तकिटि २ तकतक धाकिटितक तकनका धाकधा ॥ ६ ॥ ॥
धादिन्धाकिटितकिटितकाकिटि तकिटिनकाकिटि तकध्येत धुमकिटितक धा
गनधा ॥ ७ ॥ ॥ तकधुमकिटितकाधदींगन३धाधी धीडनाकिडाणधा ॥ ८ ॥ ॥
तकधुमकिटि २ तक २ धुमकिटिः तकधुमकिटितकिततका किटितकधदींगनधा
॥ ९ ॥ ॥ तकिटिधींकिटिधादिनधाः किटितक धदींगनधा ३ ॥ १० ॥ ॥

॥ अथसूरफागता कीआडकी धिननक नेआड ॥

॥ कायोल मात्रा ३० का आवडदी ऐकमे लेणा ॥

ता धि न नक ध्ये ध्ये धि न न ध्ये ध्ये धि न न क धि
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ १६ १८ १९ २० २१ २२

न न धि न न त क ॥ धा अं ना अं धा किटि त क धी
२४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० २ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १०

कि टि त कि टि धि कि टि तं कि टि धी कि टि त क ध
११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७

दीं ग न धा ॥ १ ॥ ॥ तं का त कि टि धा कि टि त क ना
२८ २९ ३० सम १ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४

कि टि त क ध्ये ता कि टि त क ध दीं ग न धा ॥ २ ॥ ॥
१५ १६ १७ १८ २० २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० सम

तकधुमकिटितक ध्येता तकिटिधाक धादिन्तकधाः धदींगनधा ॥ ३ ॥ ॥ तक-
धुमकिटि २ धुमकिटितक ध्येताकिटितक धदींगनधा ॥ ४ ॥ ॥ तक २
किटिद्धे द्धेधाक ध्येतताकिटिः तक २ किटितक धदींगनधा ॥ ५ ॥ ॥ धाकि-
टितकधा २ किटितक किटितरांणः किटि २ तकधदींगनधा ॥ ६ ॥ ॥ धाधु-
मकिटितक ध्येतातरांण किटिधुमकिटितक तकीटीधाकधा ॥ ७ ॥ ॥ धाधु-
मकिटितकिटितकाः किटिधुमकिटितक ध्येता किटितरांणधा ॥ ८ ॥ ॥ धादि
नधाकिटि धुमकिटितकः किटि २ तकीटतका किटिधदींगनधा ॥ ९ ॥ ॥
धादिनना ध्येतकधुम तकिटि नाकिटितक किटितरांणधा ॥ १० ॥ ॥

अथ मूर फारताकी तिगण लेकी धिननक और परणे मात्रा ६० की बराबरकी ले मे लेनो आडदी ३ मे आवे ओर आडी ले मे दो आवडदी मे ने तीगुण लेमे १ आ० आ०

ता धि न न क ध्धे धि न न क ता धि न न क ध्धे धि न
२ ३ ४ ५ ६ . ८ ९ १९ ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२
न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क धि न न क ध्धे ध्धे धि न
२३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४६ ४८ ४९ ५०
न क धि न न धि न न त क ॥ त अ त अ किटितक त अ
५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० . १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
कि टि कि टि धि २ कि टि धु म कि टि त क धु म कि टि त क
९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८
ध्धे ता धि लां ग क त क धा क धा त काः धा क धा कि टि त काः धा क
३० ३२ ३३ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४१ ४२ ४४ ४५ ४७ ४८ ५० ५२ ५३ ५४ ५५ ५७ ५९ ६०
धा ॥ १ ॥
सम

बराबरकी ले मे जिन मात्राओंपर ताल लगे वो अंक
१--९--१३--२१--२९--३७--४०--४८--५२

आडी ले मे मात्राओंपर ताल लगे वो अंक १--१३--१९--३१--४३--४९--
१ सम

तीगणी ले मे मात्राओंपर ताल लगे वो अंक १--२५--३७--१ सम

तअ किडाण धुमकिटि धगगीगन ध्धेता किटितक धदीगन तकिटि धाक धादिन्तक धीननराण तकिटि तका धिदिन ताई धा ॥ २ ॥ ॥ तअक धिकिटि धी २ किटितक किटिनराणः धि २ दिन २ तक २ किटि धादिन्ना धुमकिटितक ध्धेता त किटि देअ तकिटि तअ कधा ॥ ३ ॥ ॥ ताकिटि दिगधा किटितक ध्धे तकांन धेताकिटि तकिटितका ताआ धाक धुम किटितक तअ किडाण ध्धेता किटि तक धदीगन धा ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी ॥

(छे धा निगममे लेवाको हिसाव ॥)

धादिन्ना धाकिटितक धी धी किटितक धुमकिटितक ताः किटि तक धदीगन धा धा ३ ॥ १ ॥ ॥

अब चोगणलेकी धिननक ने परणे मात्रा ८० की
बराबर की लेमें लेनो आवडदी ४ मे आवे ने दुगणकी
लेमे लेनो आवडदी २ मे आवे ने चोगुणलेमे एक आवडदीमें आवे

बराबर कीलेमे ताल लगे मो अंक १-९-१३-२१-२९-३३-४१-४९ ५२-६१-६९-७३ १

दुगणकी लेमें मात्रा पर ताल लगेमो अंक १-१७-२५-४१-५७-६५-१ सम

चोगुणीलेमे ताल लगे मो अंक-१-३३-४९-१ सम

ता धि न न क द्धे धि न न क ता धि न न क द्धे धि
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१

न न क द्धे द्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क धि न न क
२२ २३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४

धि न न क द्धे द्धे धि न न क द्धे द्धे धि न न क द्धे द्धे धि न
४५ ४६ ४७ ४८ ५० ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५८ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६६ ६८ ६९ ७०

न क धि न न धि न न त क ॥ धा कि टि त क धु म कि टि
७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

त क ढे ता ध्धे ता त क धा ध धी कि टि त क त अ त र कि
११ १२ १४ १६ १८ २० २१ २२ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५

टि त क ध दी ग न धा आ आ धी २ कि टिः धि २ ता धा आ
३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५१ ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२

आ कि डा ण धा आ आ कि टि त क ध दी ग न धा ॥ १ ॥
६२ ६३ ६५ ६६ ६८ ७० ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० सम

धागेदिन् २ धाकिटितादिन्ना किटिकता घे तध्धेता किडना किटि धुमकिटितक धदीगन धाधी धीडना किडाणधा ॥ २ ॥ ॥ किडाण धा धुम

किटितक धेना: धीरकिटिधुमकिटि तकधुमकिटितक तका: धिगाधुमकिटि तकधेना
गिड़नतअ किटि किटि धा: ३ ॥ ३ ॥ ॥ धुमकिटितकिटितका किटितक
धद्गिन धा किटितक धद्गीगन २ धदीकिटितक धद्गीगनधा: तअ ३ धा किटितक
धद्गीगन २ धा ३ ॥ ४ ॥ ॥ धा किटित किटितका किटि किटि तकिटि
तकाकिटि: धुमकिटि तकिटितका २ किटि २ तक धेता: किटितकधद्गीगन
धा ३ ॥ ५ ॥ ॥ तअ तअ तअ किटितकत्त किटि २ धी २ किटि धुम
किटि: धी दिन् ३ गिन ३ किटि ३ धी २ किटिधुमकिटि ताकिटितक धीकिटि-
तक: धुन् ३ तक: धुन् तकधद्गीगनधा ॥ ६ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब
इस तालमे वेठेगी ॥ । ॥

अव परणे मात्रा १६० की मूल फागता ओर
चरचरी दोनो तालमे वेठती हैं दुगण में आ
वडदी चारमे ने चोगण मे आवर्त २ मे आवे

किटिधा किटितक किटि धुम किटितक: किटि धिलांग: किटि २ तकिटि
तकाकिटि धद्गीगन धुमकिटितक देअ: ताकिटि धेता धा धा धादिन्ना किटि
धादिन्: तकिटि धाकिटितक किटि धाधी किटितका: किटि २ तक किटितांग
तकधा धुमकिटितक किटि: किटि तक देअ: धाकिटितक किटि काता किटितक
ता धी धी किटि: धी २ धुमकिटितक धा किटितक धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटितकिटि
तका २ तकिटितका २ तमना: धी २ धी २ किटि: धि २ दिन् ३ धी २ किटि
तकधुन ३ धी २ किटितक धेता धद्गीगन धे काताआक धादिन् तक धद्गीगन
धा ॥ २ ॥ ॥ धा आ किटितक: धद्गीगन २ धाआ: धीगनां धाकिटितक २ धी २
किटितक धिगन्त धिगना आं दिन्: ताड २ धाड: धी २ न धीन किटि किड़ाण
धाडधा तत धिडाण तकधिडाण: तक २ धीडाण: धे २ धिराकिटितक थुंन २
धिलांग: धीडाण नगदेऊ ३ धा ॥ ३ ॥ ॥ धाआ किटितक धद्गीगन २ धाआ:
नाकिटितक धुमकिटितक २ तकतक धुमकिटितक ४ किडनाकिटि काता किटितक
तकिटि किटिकिटि तक [illegible] किडनाग तकिटि तकधिन्ना धिन्ना तक धद्गीगन

धा ॥ ४ ॥ ॥ धाकिटितकः धद्ीगन २ धा धद्ींगन ना किटितक धीः किटितक त्रकड तकधा किटिनकिटिना कान्ना किटिनक धुम किटि धाः धी २ नांग धिन्न धीकितकः धी २ नांगः किटितक तक देंअ २ धाआ तकदेअ धा धीन्ना तकदेअ तधा तगनांगधीः धी २ नांग धिन्ना धीकीतक किटि धिनाअ तकदेअ ताअ धेत धातक किटिधा ॥ ५ ॥ ॥ धाआ किटितकः धद्ीगन २ धाआ ध्धेः किटि २ ध्धे किटि धुमकिटितक धीडना किडाणः तक २ धुमकिटितक तकिटि त्रिनतरांण धानीन्ना तकधा त्तकाथुङ्गा धद्ीगनधा किडनगदेअ त्तकिडाण धा किटितक तक धुमकिटितक तकिटितकाका किटि गद्ीगनः धागे दीगन धागे दीगन धा ॥ ६ ॥ ॥

साथकी परण लें दुणी

धागेन धागेदीगन दीगेतक तिटिकत धिगतिटि तिटिकत दीगेतक किटि तक धीतीटा तगेदीगन ॥ ॥

अब चरचरी ने सूल फागताकी सवाइ लेकी परण मात्रा १०० की आवडदी चारमें आवे ने अढाइ गुणीलेमे लेतो आवडदी दोमे आवे ने पचगुणी लेमे एक आवडदीमे आवे

धा ३ किटितक धा २ किटि धुमकिटि देअन ताकिटिकिटि तक ध्धेता किटिकिट धुमकिटितक धद्ीगनतकध्धेः धाक २ किटि २ धी २ नताकिटि ध्धेतकान धाकिटितक धद्ीगन धुमकिटितक ध्धेता धीनतकिटिधा ॥ १ ॥ ॥ इसी जोडकी (परण) बोल मवही बेठेगे ॥

अथ परण पुणा दो दुगण लेकी मात्रा ७० की आवडदी दोमे लेणी ने एक आवर्त मे लेतो साढा तीगणी ले होवे ॥

धाआ धा किटितक ना किटितक किटिनकिटिन्ना किटि धाकी धुमाक

तक धेता धधिता धुमः किटि २ तक धुर्माकिटि तकधेना किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी परण सब इसी तरहसे पूरी बेठेगी ॥

अब छे धा लेवाको प्रमाण बराबरकी ले मे
आ. दोमे आ. ने दुगण ले मे ले तो आ. १ आ.
धा दिन्ताः किटितक धदीगन धा धा ३ ॥ १ ॥ ॥

अब आडी ले मे छे धा लेवाको हिसाब
आड मे ले तो आवडदी २ मे आवे
ने तिगणमे आवडदी एकमे आवे ॥

धाकिटितक धुर्माकिटितक धेता किटितक धदीगन धाः कीटितक धदीगन धा धा ३ ॥ २ ॥ ॥

अब नोधा लेवाको प्रमाण बराबर कीलेमे लेतो
आ० दोमे आवने दुणकी लेमे आ० १ मे आ०
किटितक धदीगनधाधाधा किटितक धदीगनधाधाधा किटितक धदीगन धा धाधा ॥ ३ ॥ ॥

अड तीगणमे नोधालेवाको हिसाब आडमे
लेतो २ आवर्तमने तीगणमे लेतां एक
॥ आवर्तमे आवे ॥

धाकिटितक धुर्माकिटितक द्धेता किटितकः क्रिटितक धदीगनधा धाधा धा ३ ॥ ४ ॥ ॥

अब बारे धालेवाको हिसाब दुणीलेमे
आवडदी एकमे आवे

धादिन धाकिटि तकिटि तकाकिटिः तकिटितकाकिटिः किटितक तकतक तकधाक धाकधा ३ ॥ ५ ॥ ॥

अब मद्धाड्ना .... परण

+ ० धा किटितक धुम किटितक धेता किटितक धदीगन धाआ २ धा घिटितक धुम किटितक धेता किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ इस जोडकी परणें सब इसी तरहसे बेठेंगी.

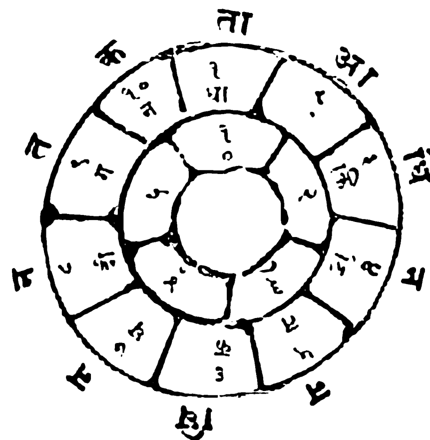
+ धाधाक धाक धातक धदीगन धातक धदीगन धातक धदीगग धाआ २ धाधाक धाकः धातक धदीगन ३ धा ॥ २ ॥ कातक धाआ दीगन धाआ दीदीगनधा दीगनधाआ ताताक धा दीगन धाधा दीगन धा दीगन धा दीगन धाआ २ कातक धाआ दीगन धाआ दीदीगन धा दीगन धा ताताक धा दीगनः धा २ दीगनः धा दीगन २ धा ॥ ३ ॥ ॥

। ० तरांग धेता धेधेता धुम किटितक धदीगनधा धुम किटितक धदीगन धा धुम किटितक धदीगन धाआ २ तरांग धेता धेधेताः धुम किटितक धदीगन धा ३ ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडके सब बेठंगे ॥



॥ श्री नाथजी ॥

चक्र जलद सूल फागताको



मात्रा ५ ताल ३ पहेलीद्रुत दुसरी अणु द्रुत तीसरी द्रुत ताल
स्वरूप यह हैं ० ‿ ० टुकडा बराबर लेंका मात्रा ५ का

धा किटितॅक धदींगन धा ॥ १ ॥ धा किटितॅक तरांग धा ॥ २ ॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० सम २ ३ ४ ५ ६ ७ ९ १० सम

धाध्धेता धदींगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धा ध्धेता तरांग धा ॥ ४ ॥ ॥

इस जोडके टुकडे सब लेणा जो पूरा बेठेगा

अब दुणीलें की धिननकनें बोल मात्रा २० का
बराबर की ले मे लेतो आवडदी दोमे आवें ओर
दुणीलें मे लेतो आवडदी एकमे आवे

ता धि न न क ध्धे धि न न क धि न न धि न न त क ॥ किटितक
२ ३ ४ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २९ १ २ ३ ४

किटितुम किटि धा किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥

किटितक धा किटि तरांग ध। किटि तरांग धा ॥ २ ॥ इस जोडके बोल सब लेणा ॥

॥ आडीले मात्रा १५ की ॥

धा ऽ धा कि टि त क धी कि टि त क घ दी ग न ता ऽ ता किटि तक
२ ३ ४ ५ ६
धि कि टि त क ध दी ग न धा
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ सम

तकातकिटि धा किटितक ना किटितक धेता धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥
इस जोडकी आडे सब इसी तरहसे बेटती हे

अथ दुणी लेंकी धिननक ओर परणे मात्रा ४० की ॥

ता धि न न क धे धि न न क ता धि न न क धे धि न न क धे
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२ २३ २४ २६

धे धि न न क धि न न धि न न त क ॥ कि ड ना कि टि धु म
२८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० १ २ ४ ५ ६ ७ ८

कि टि त क ध दी ग न त क धु म कि टि त क ध दी ग न
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८

धा धी घी ड ना कि डा ण धा ॥ १ ॥ १ इस जोडकी परणे सब
३० ३२ ३३ ३४ ३६ ३७ ३९ ४० सम
इसी तरहसे बेठेगी

अब तीगुणी लेकी परणे मात्रा ६० की ॥

धा दि न् ना धा कि टि त क धा धी कि टि त क धु म कि
२ ३ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१

टि त क त अ कि टि कि टि धु म कि टि त क त क धु म
२२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४०

ऽ ऽ ०. ऽ
कि टि त क धु म कि टि त क धु म कि टि त क ध दी ग न
४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६०
०
धा ॥ १ ॥ ॥ धा ऽ आ ऽ तक धुम किटि तक धुम किटि तक धुम ~~धुम~~ किटि
सम

तक धदीगन २ धा ॥ २ ॥ ॥ तअ तत किटितकत्तः किटि २ धी २ किटि धुम किटि तक धुम किटितक ध्धेता धिलांग कतक धाकधा तका धाकधा किटितका धाकधा ॥ ३ ॥ ॥ तअ किडाण धुम किटि तक धग्गे दिगन ध्धेता किटि तक धदीगन तकिटिधाक धादिनूतक धीनूतराण तकिटितका धीदिनताड धा ॥४॥
इस जोडकी परणे सब इस तालमें बेठेगी ॥

अब तीन धा लेवाको प्रमाण

धाआः किटिंतकः किटितक धदीगन धाआ ३ ॥ १ ॥ ॥

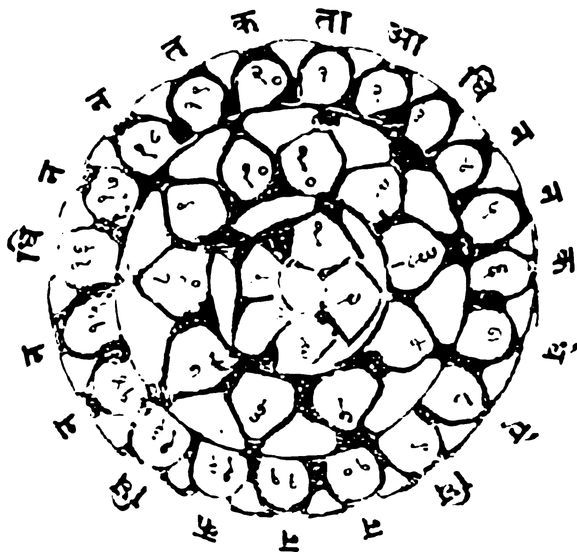
छे धा लेवाको हिसाब

ध्धेता ध्धेः किटितक धदीगन धा धा ३ ॥ २ ॥ २



॥ श्रीनाथोजयती ॥

चक्र झप ताल कों



झपताल मात्रा १० की ताल २ एक खाली ताल पेली द्रुत दुसरी लघु अणुद्रुत मिलीहुइ तिसरी द्रुत अणुद्रुत मिलीहुइ रूप उसका यह है ० ॅ ॅ इस तालको चराचरी तथा जात्रा भी कहते है

धाआ तीन् न आ ता त्त अ क अ धाँ आ क अ [धाआति धा न न
१ २ ४ ५ ६ ७ ८ १० ११ १२ १३ १४ १६ १८ १९ २० ६ ७

अ ता त्ता कि टि तँ क थ दी ग न धा ॥ १ ॥ धा आ ती न् न अ ता
८ १० १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० सम २ ४ ५ ६ ७ ८ १०

ता कि टि त क त रां ग धा ॥ २ ॥ धा आ ति न न अ ता ता ध्ये
१२ १३ १४ १५ १६ १७ १९ २० सम २ ४ ५ ६ ७ ८ १० १२ १४

ता थ दी ग न धा ॥ ३ ॥ ॥ धा आ ति न् न अ ता ता ध्ये ता
१६ १७ १८ १९ २० सम २ ४ ५ ६ ७ ८ १० १२ १४ १६

रां ग धा ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडके बोल सब बेठेगे ॥

बोल बराबर लेंका मात्रा २० का आ. १ मे लेणा

धां धा कि टि त क कि टि धु म कि टि त क ध दी ग न धां ॥ १ ॥
२ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० सम

तीन ३ विरियालेणा

धा धा किटितक किटिधुमाकिटितक धदीगन ३ धा ॥ १ ॥

धा किटितक ध्धेता किटितकतक धदीगन ३ धा ॥ २ ॥ ॥

अथ दुगण की धिननक ने बोल मात्रा ४० का

ता धि न न क ध्धे धि न न क ता धि न न क ध्धे धि न न क
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२ २३ २४

ध्धे ध्धे धि न न क धि न न धि न न त क ॥ धा धा दिं ग न
२६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० २ ४ ६ ७ ८

धा दिं ग न. धा ध्धेता ध्धेता कि टि त क ध दी ग न ध दी
१० १२ १३ १४ १६ १८ २० २२ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४

ग न ध दी ग न धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटितक धदीगन धाकिटितकिटितका
३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० सम

किटिधाकिटितकः धा धा किटितक धदीगन ३ धा ॥ २ ॥

येह बोल तीन ३ विरिया भी लेनेसे बरोबर बेठेमें ओर इस जोडके बोल मात्रा ४० के इसी तरह से सब बेठेमें ग्रंथ बोहोत बढ जाने के सबब से सूचना लिख दीगइ है ॥

अब आडकी धिननक ने आडका बोल मात्रा ३० का ॥

ता	धि	न	न	क	ध्धे	ध्धे	धि	न	न	क	ध्धे	ध्धे	धि	न	न	क	धि
२	३	४	५	६	८		१०	११	१२	१३	१४	१६	१८	१९	२०	२१	२२ २३

न	न	धि	न	न	त	क	॥	धा	कि	टि	त	क	धा	धा	कि	टि
२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०		२	३	४	५	६	८	१०	११	१२

त	क	कि	टि	त	रा	ण	कि	टि	कि	टि	त	क	ध	दी	ग	न	धा
१३	१४	१५	१६	१७	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	सम

॥ १ ॥ ॥ धाकिटि तकद्धेताः किटि २ तकिटितकाः किटि २ तक धद्दीगनधा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडके बोल सब इसीतरहसे पूरे बटेंगे ॥

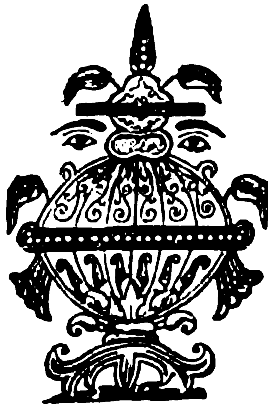
अब तिगण लेका धिननक ओर परणे मात्रा ६० की

ता धिननक ध्धे धिननक २ ध्धे ध्धे धिननक २ धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिनन धिननतकताः ॥ धा दिन्ना धा किटितक धींधीं किटितक धुम किटितक तअ किटि किटि धुम किटि तकः तक धुम किटि ३ तक धद्दीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धाः किटि २ तक तअ धाः किटि २ तक धुम किटितक धिधता तक धुम किटि धा धुम किटि तकथुन् धाआ किटितकः धीं २ किटितक तरांण तकन तकधा ॥ २ ॥ ॥ धा धुमकिटितद्दंत किटि धाकधाः धीं २ किटिता धिन्ता द्धेतः किटि २ तरांग तकिटितक धाकिठि धुमकिटि धग्गदीगनताकधा ॥ ३ ॥ ॥ ईस जोडकी परणे सब इसीतरहसे बेठेंगी ॥

॥ अब चोगणकी परणे मात्रा ८० की ॥

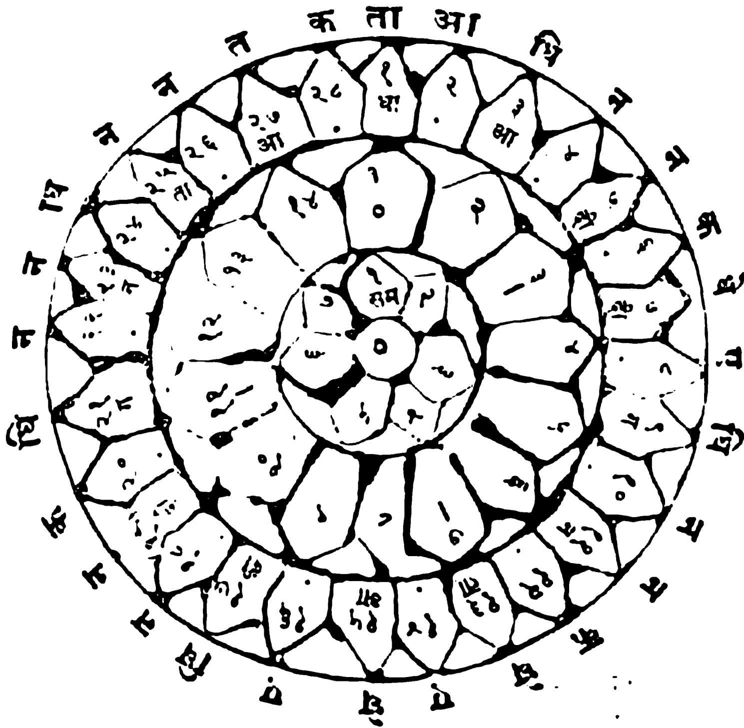
धाकिटितकिटितकाः किटि २ तकिटितका किटिधुमकिटि तकिटितका धुमकिटि तकिटितकाः किंटि २ तकद्धेताः किटितक धद्दीगनधा ३ ॥ १ ॥ ॥ धाकिटितक धुमकिटितक २ धाकिटि धुमकिटि किटिः धीं २ किटितक धदी-गनः किटि २ तराण २ तकधाकिटितक धद्दीगनधा ॥ २ ॥ ॥ किटि २ तराण

क्रिटि ३ तकः घुमाकिटि २ कातांकिटि तराणत्तकथे धद्दीगन धा धाकिटि धादि-
न्नतक धिन्ना द्धेताः धि २ किटि घुमकिटि तराण तकधा धद्दीगनधा ॥ ३ ॥
धित्त २ धेत्ताः धि २ किटि धुमकिटि टगनगदेश् धाकिटितकननः धात २
धाधाधाकिटितक धद्दीगन ३ धा ॥ ४ ॥ ॥ इसजोडकी परणे सब लेणी ॥
॥ इसके आगे छेधा वराबर लेंमें दुगणमें आडीमें तीगणीमें नोधा वारे था
मृदंगाभुषण पञ्चरत्न सवाइ डेढी पुणा दुगणी इत्यादि मुलफागताकी सब इस
तालमें बेठेगी इसका ओर उसका यानी मूलफागता ओर चरचरीका सिर्फ
सडुप (ताल) अलगअलग हे बाकी वजन एकहीहै



॥ श्रीगोवर्द्धन नाथोजयती ॥

चक्र ताल आडा चोताला को



ताल ४ मात्रा २८ का ताल एकद्रुत दुसरी लघु तीसरी चोथी लघु रूपक यह हैं ०।।। इसको ध्रुव ताल भी कहते हें

पेसकार

धा धक
० २ २ ४

ध्धाक ऽ ध्धा गे दि न् ता ऽ कं अ् धा दि न्ता किटि तक धदी गन धा

२ ३ ४ ६ ७ ८ ९ ११ १२ १३ १४ १५ १७ २० २२ २४ २६ २८ सम

ध्धें ता आ ध्धे ता आ कि टि त्त क ध दीं ग न धा

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ सम

॥ बोल बराबर लेंका मात्रा २८ का ॥

आबड दी एक मे लेणा

धा किटितक धदीगन धुम किटितक ध्धेता किटितक
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १८ २० २१ २२ २३ २४

धदीगन धा ॥ १ ॥
२५ २६ २७ २८ सम

धा किटितक तराण धुम किटितक १ तराण ध्धेता तरांग धा ॥ २ ॥ ॥ धा किटितक ध्धेता किटितक ध्धेता तक ध्धेता धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धाः किटि २ धेता धदीगन तक ध्धेता ध्धेतातरांग धा ॥ ४ ॥ ॥ धा दिनतक तराण धुमाकिटितकदेअ् धा किटितक धदीगन धा ॥ ५ ॥ ॥ ध्धेत ध्धेत ध्धे ध्धे किटितक ध्धे तरांगधा किटितक धदीगन धा ॥ ६ ॥ ॥ किडनान् न किटि तक धिन्ना तकः धिन्ना २ तक धदीगनधा ॥ ७ ॥ ॥ धाअ्तकधुमकिटि तक धदीगन धाधी धीडना किडाण धा ॥ ८ ॥ ॥ धा अ् किटिकाता किटितकः किडाण धाअ् २ किडाणधा ॥ ९ ॥ ॥ तअ् धीडाण घे दिन् घे नगदेअः धा तकधुमकिटि गदीगनधा ॥ १० ॥ ॥ इस जोडके बोल सब इसीतरहसे बेठते हैं ॥ ॥

अब दुगण की धिननक ओर परणे
मात्रा ५६ की बराबर की लेमे लेतो आ
बडदी २ मे आवे ने दुणी ले मे एक आ० आ०

ता धि न न क ध्धे धि न न क ता धि न न क ध्धे धि न न क
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२ २३ २४

ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क
२९ ३० ३१ ३२ ३४ ३५ ३६ ३८ ३९ ४० ४२ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८

धि न न धि न न त क ॥ धा किटि त क धु म कि टि त क
४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

ध्धे ता धी धी कि टि धु म कि ठि त क धु म कि टि त क
१४ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२

ध्धे ता धि लां ग त क धु म कि टि धु ग कि टि त क ध दी
३४ ३६ ३७ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४

ग न धा ॥ १ ॥ ॥ किटितात्तक धिलांग तक धुमकिटितक धीइः तक धुम
५५ ५६ सम

किटितक धदीगन धाधी धीडना किडाण धा ॥ २ ॥ ॥ किटितअ् धुमकिटि तक धुमकिटि तगना किटितकिटितका किटितकः धदीगन २ धाअ् तअ् किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ किडाण धा धुमकिटितक ध्धेताः धि२ किटि धुम किटि तक धुम किटितक तकाअ धिगाअ धुम किटितक ध्धेंता धिदिन ततःकिटि२ धा ॥४॥ धीन्तर किटितकः तेटे २ किडनग तर किटितक धुमकिटितक धा किडाण धा दिंता धातीइः धा२ गदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ तअक धी किटितक धाकिटितक धी किटितक धातीन् नानाना किटितक तकताः किडतकः ताड धाड२ धाआं नाड धाडताड धा ॥ ६ ॥ धाआ किटितअ धुमाकिटित्तक् धुम किटितक धदीगनः धाकिंटितक धदीगन २ धा ॥ ७ ॥ ॥ धाआः ध्धेता किटित्तकः धीं२ किटितरांग, तक धा किटितक धादिन् धाकिटिः धी २ किटितकधाकिटि धुमाकिटितक धदीगनधा ॥ ८ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इस लें मे बेठेगी ॥

अब आडकी धिननक ओर परणे

मात्रा ४२ की आबडदी एकमें लेणी ॥

ता धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क धि न न धि न न त क धा धि
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २४ २५

न न धि न न त क धा धि न न थि न न त क धा ॥ धा
२६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ सम २

दि ना धा कि टि त क धी धी कि टि त क त क धु म कि टि
४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४

त क धु म कि टि त क धु म कि टि त क ध दीं ग न धा ॥१॥
२५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ सम

धादिन्ना धाकिटितक धधीकिटितकः तक धदींगन धाआर नकधदींगनधा ॥ २ ॥ ॥ धग्गदींगन धुमकिटित्तक तकिटि धाक धादिन्ना त्तकिडाण किडनगदेअ तका धाकधा ॥ ३ ॥ ॥ धग्ग दींगन नकिटितकिटिः धीर किटितक धुमटतक तकाःधिगाः धुमाकिटितक धिदिन् ताड धा ॥ ४ ॥ ॥ धाक२ धाकिटितक तकिटि धुमकिटि धाकिटितक तक ध्येत्ता किटि धिन्ना तका धाकधा ॥ ५ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सब बेठेगी ॥

अब तिगण लें की धिननक ने परणे मात्रा ८४ की बराबरमे ले तो आ. २ मे आ. ने तीगुणमेआ. १ मे आवे

ता धि न न क ध्ये धि न न क ता धि न न क ध्ये धि न न क
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२ २३ २४

धि न न क ध्ये ध्ये धि न न क ध्ये ध्ये धि न न क धि न न क
२५ २६ २७ २८ ३० ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३८ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८

धि न न क ध्ये ध्ये धि न न क ध्ये ध्ये धि न न क ध्ये ध्ये धि न
४९ ५० ५१ ५२ ५४ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६२ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ७० ७२ ७३ ७४

न क धि न न धि न न त क ॥ त अ कि डा ण कि ड न ग दे अ
७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ १ २ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

धी इ ती इ धी डा ण धा आः धा ती न्ता धा कि टि त क ध ग्ग
१३ १४ १५ १६ १७ १९ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३९

दीं ग न ध्ये धि र कि टि त क धु म कि टि त अ कि डा ण
४० ४१ ४२ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५९ ६०

कि ड न ग दे अ ता धा कि टि त अ क धी कि टि त क
६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६८ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८०

ध दी ग न धा ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा के अंक तिगुणीलेका–१–१३–३७–६१–१
८१ ८२ ८३ ८४ सम

नगतक तक देअ धा किटि तकिटितका किटि किडधा तीन् धा किटि तकिटि तका किटि धुमकिटि किडना ताः धिट२ तकिटितका किटि तक धुमकिटि तकिटि तका किटि तक धदींगन घा ॥ २ ॥ ॥ धाकिटितक धुमकिटितक धुमः किटि २ तकिटितका तकधुमकिटितकध्धेता तकधदींगन धाकिटितक ताकिटि तकिटितक ध्धेता ध्धेताः धदींगनधा ३ ॥ ३ ॥ ॥ धाःकिटि २ तकिटितक धुमकिटितक धदींगन किटिधादिनतक धेत्तातकधादिन् धाआधादिनाः धि २ किटितक धुमकिटितक धाकधाधदींगन तक धिलांग तकिटितअ किडाणधा ॥ ४ ॥ ॥ धाआः धाकिटितक धुमकिटितकः धेता २ तकधाः धी २ किटितक तअ तरकिटितक धदींगनधाः धी २ किटिः धी २ ताधाः किडाण धा किटितक धदींगनधा ॥ ५ ॥

॥ इसजोडकी परणे सब लेणी ॥

अब चोगुणी लेंकी परणे मात्रा ११२ की ढूणमे लेणो आवडदी दोमे आवे ओर–चो गणीलेमे एक, आवडदीमे, आवे

धादिन धाकिटितकिटितकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटि तकिटितकाकिटि तअ किटिधुमकिटि तकिटितकाकिटिः तक २ धुमकिटि तकिटितकाकिटिः धदींगन नकिटि तकिटितकाकिटिः किटितक धदींगनधाआ २ किटितकधदींगनधा ॥ १ ॥ धादिन धाकिटितकिटि तकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटि तकिटितकाकिटि तअ किटिधुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धुमकिटिः किटितकाअ धाकिटितक धदींगनधाआ २ किटितकाअ धाकिटितक धदींगनधा ॥ २ ॥ ॥ इसजोडके टुकडा मोहरा सब इसी तरहसे लेणाजो पुरा बेठेगा. ।

सवाइ लेंकी परण मात्रा १४० की चार
आवडर्दीमें लेतो बरावर की सवाइ ले
होयने एक आवडर्दीमे लेतो पचगुणी होय
ने दो आवडर्दीमे लेतो अढाइ गुणी (कूराड) लेहोय

किटिधेतकांन किटित्तराण किटितक दिन् धादिन धाकिटि तकधेता किटि दन् धाकिटितक धीकीतक तकधादिना दिगन नागिन किटिध्धेता किटिताकिटि तकिटितकाः धी २ किटिधुमकिटि धिरकिटि धुमकिटित धाकिटितकधाः किटि २ तकिटितकाः किटि ३ तकिटिघाक किटिधातक धीद्धे धाडधा ॥ १ ॥ ॥

छे धा लेवाको प्रमाण

धाकिटितक धुमकिटितक द्धेता किटितकधाः किटितक धदीगन धा धा३ ॥ १ ॥ ॥

नो धा लेवाको हिसाव

धादिन् धाकिटिताकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगनधा धा धा धा ३ ॥ १ ॥

अब बारे धा लेवाको प्रमाण

द्धेता २ द्धेः क्रिटितक धदीगन धा धा धा धा ३ ॥ १ ॥ ॥

फेरभी बारे धा लेवाको प्रमाण

धाः किटितक कतक धाक धाकधाक धा ३ ॥ १ ॥ ॥

पन्दरे धाको प्रमाण

द्धेताः किटितक धदीगन धा धा धा धा धा ३ ॥ १ ॥ ॥

(लपेट)

धागेन धागेदीगन दीगेकत तिटिकत धीगतिटि किटितक दीगेतक तिटिकत गतिटि किटितक दीगेतक किटितक धातिटित गदीगन ॥ १ ॥ ॥

मृदङ्ग भुषण पञ्चरत्नकी परणे मोहरे विगेरह

धाकिटितक धुमकिटितक धदीगनधाआ २ धाकिटितक धुमकिटितक धदीगनधा ॥ १ ॥ ॥

। धाकिटितकिटितका धाकिटितकिटितका धेता धेतकदिन् धाधीकिटि तकिटितका धाकधा २ धाकिटि तकिटितका २ द्वेगनेनकादिन् धाधीकिटि तकिटि तका धाकधा ॥ २ ॥ ॥ इ. जोडकी स. ऽ ० किटितअ धुमकिटितक धुमकिटितगना किटितकिटितका किटितक धदीगन धदीगन धाआ तअ किटितक धदीगन धाआ २ किटितअ धुमकिटितक धुमकिटितगना किटितकिटितका किटितकः धदीगन २ धाआ तअ किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ इ. जो. स. ऽ । धाधाकिटितक धदीगन धाधाकिटितक धदीगन धाधा किटितक धाकिटितक धदीगन धाकिटितक धदीगन धाकिटितक धदीगनधाआ २ धाधाकिटितक धदीगन २ धा २ किटितकः धाकिटितक धदीगन ३ धा ॥ ४ ॥ ॥

लैं आडी (१॥)

तकिटि धिकिटिधा तरकिटिधिकिटि धा धुं धुं नक थुः थुः दिगन नागिन धान् तरांणधा ३ ॥ ५ ॥ ॥ कतीटी तगीन तगीन तानधा ३ ॥ ६ ॥ ॥

लैं तीगणीमें

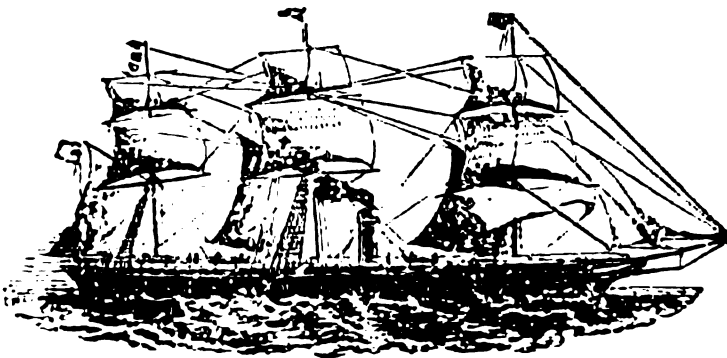
। द्धेता तकधादिन्ना धीधीकिटितक धाकधाकधा किटितक द्धेतरांगधा तरांगधा तरांगधाआ २ द्धेतातकधादिन्नाः त्रि २ किटितकः धाक २ धाः किटितक द्धेःतरांगधा ३ ॥ ७ ॥ ॥ इ. जो. स.

लैं चोगुणी

ऽ ० धादिन् धाकिटितकिटि तकाकिटि [illegible] किटितकधदीगनधा किटितक धदीगनधा किटितक धदी[illegible] [illegible] धाकिटि तकि-

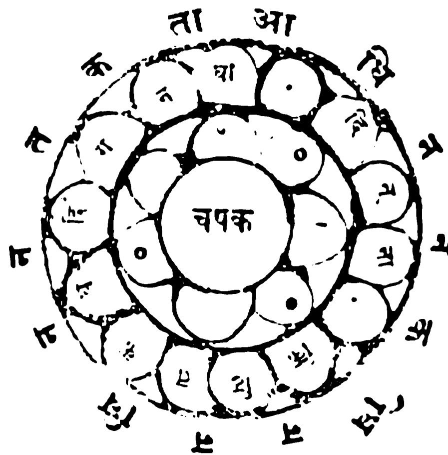
टितकाकिटि तकिटितकाकिटिः किटितक धदीगनधा ३ ॥ ८ ॥ ॥-धुमकिटि त टितकाकिटि तकधुमकिटि तकिटितका किटितक धदीगन धाआ २ धुमकि तकिटितकाकिटि तकधुमकिटि तकिटितकाकिटि तक धदीगनधा ॥ ९ ॥ ॥ कि तक धदीगनधा किटितक धदीगनधा किटितक धदीगनधाआ २ किटितक ध गनधा ३ ॥ १० ॥ ॥ इसजोडकी परणे सब इसीतरहसे बैठती हैं

किटिताकिटितका किटितक धदीगनधाआ किटितकधदीगनधाआ २ कि तकिटितका किटितक धदीगनधाआ किंटितक धदीगनधा । ११ ॥



श्री नाथजी

चक्र चपक तालका



मात्रा १४ का ताल ४ प्रथम ताल अणुद्रुत २-३-४ द्रुत स्वरुप यह है ०००.

॥ बोल बराबरके मात्रा १४ का ॥

धाँ किटितक धुमकिटि धदींगनधा ॥ १ ॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ सम

धाकिटितक धुमकिटि तरागधा ॥ २ ॥ ॥ धादिन्ना द्धेता धदींगनधा ॥ ३ ॥ ॥ धादिन्ना द्धेतातरांगधा ॥ ४ ॥ ॥ इसजोडके बोल सब इसीतरहसे लेणा ॥

अब दुगण लैंकी धिननक और परणे
मात्रा २८ की आवडदी १०मे लेणी

ता धि न न क धे धि न न क धे धे धि न न क धि न न
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २

धि न न त क ॥ धा कि टि त कि टि त का कि टि त क

ता धु म कि टि त क ध दी ग न धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटितक
१८ १९ ० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ ,,

धुम किटितक ध्धेता किटितक ध्धेता धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सबही इस तालमे लेणी ॥

अथ परणे मात्रा ५६ की ले दुणी आवड दी दोमे आवे ॥

धा किटितक धुम किटितक ध्धेता धीधीकिटि धुम किटितक धुम किटितक धेत्ता धिलांग तकः धुम किटि २ तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ किटितअ धुम किटितक धुम किटि तगना किटि त किटितका किटितकः धदीगन २ धाआ नभ किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे धम्मारमे २० लीखी है गाने ११८ के वो सब परणे इसी तरहसे इस तालमे बेठेगी ॥

आडकी धिननकने बोल मात्रा २१ का आवर्ती १ मे आवे ॥

ता धि न न क ध्धे ध्धे धि न न धि न न धि न न त क ॥
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१

धा कि टि त क धि कि टि त क त त कि टि धि कि टि त क ध दी
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९

ग न धा ॥ १ १ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी ॥
२० २१ सम

अब तिगन लेकी धिननकने परण मात्रा ४२ की आवडदी एकमे लेणी ॥

ता धि न न क ध्धे धि न न क धि न न क ध्धे ध्धे धि न

o
न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे धि न न धि न न त क ॥
२३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२

धा दि न्ना धा कि टि त क धी २ कि टि त क त अ कि टि
२ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२

कि टि धु म कि टि त क त क धु म कि टि त क ध द्दी ग न
२३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२

धा ॥ १ ॥ ॥ तक धुम किटितक धद्दीगन धा ३ ॥ २ ॥ ॥

सम

(दो आवडदीको मोहरा)

तक धुम किटि तक धुम किटि तक धुम किटि तक धद्दीगन धा ८ ३ ॥ ३ ॥

अब चोगुणलेकी परणे मात्रा ४२ की आवडदी एकमे लेणी

धादिन् धाकिटितकिटितका किटि: धी२ किटि धुमाकिटिताकिटि तकाकिटि तकिटितकाकिटि तकध्धेताधुमाकिटितक धद्दीगनधा ॥ १ ॥ ॥ किटितकिटित्तका किटितकधद्दीगनधा ३ ॥ २ ॥ ॥ किटितक धद्दीगनधा धद्दीगनधा ३ ॥ ३ ॥ ॥ धद्दीगनधा धद्दीगनधा धद्दीगनधा ३ ॥ ४ ॥ ॥ धगगअ् दिगन२ धागेदिगेनागे तिटिताकिटि तकाकिटि धीदिन्ताड नागेःतिटि २ धिदिन्ताडः धागेदिगन२ धा ॥ ५ ॥ धीन्तर किटित्तकतटे तेटे किडनगतर किटितक धुमकिटितक धाकिडाण धादित्ता धात्तीः धा२ गद्दीगनधा ॥ ६ ॥ ॥ धाआः किटितअः धुमकिटितक २ धद्दीगनः धाकिटितक धद्दीगन ३ धा ॥ ७ ॥ ॥ तअक धिकिटितक धा किटितक धी किटि-तक २ धातीन्नानाना नट तक त्रकता क्रिद्रुकः ताड धाड २ धाआन्नाड धाड ताड धा ॥ ८ ॥ ॥ इस जोडकी परणे ओर भी धम्मार मे चोगणकी लें मे लिखी हुई है पाने ११८ के वो सब परणें इस तालमें तथा ऋम्प मे आडा चोतालेंम फिरोदस्तमें त्योहरामें ब्रम्ह जोगमें सब मे बजेगी ॥ ॥

अब परणे मात्रा ८४ की दुर्णीलेमें आबडदी तीनमें आवे

नमतक तकदेअ धा किटितकिटितकाकिटि किडधानीगन धा किटि तकिटितका किटि धुमकिटि किडनाअः ता धींटधींट तकिटितका किटि तक धुमकिटितकिटितका किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ किटिधुमकिटि धिलांग तक घदीगनः धा धदीगव धा किट्टितकः धा २ किटितक धेः किटि २ धिन्तराण तक धुमकिटितक धेत्तकान धे धिर किटि धीकड्ता धीः किटि २ कातांकिटि धा ॥ २ ॥ ॥ धाकिटितक धुमकिटितक धुमः किटि २ तकिटितका तकधुमकिटितक धेता तक धदीगन धा किटितक ताकिटितक तकिटिधेत्ताः धेधेताः धदीगनधा३ ॥ ३ ॥ धाआः धाकिटि तक धुमकिटितकः धेता २ तक धा धधी किटितक नअ नर किटि धदीगन धा धी २ किटिः धीर ताथाः किडाणधा किटितक धदीगन ॥ ४ ॥ धा किडाण धुमकिटितक धेताः धी २ किटि धुमकिटि तकधुमकिटितक तका धिगा धुमकिटितक धेता धिदिन् तअः किटि २ धा ॥ ५ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब बेरंगी ॥

परणे मात्रा ११२ की दुर्णीलेमे लेतो आबडदी ४ मे आवे ने चोगणीले मे लेतो आबडदी २ मे आवे

धादिन धाकिटि तकिटितकाकिटिः धी२ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तअ किटि धुमकिटितकिटि तकाकिटिः तक२ धुमकिटि तकिटितकाकिटि धदीगननं किटि तकिटितकाकिटि धदीगननं किटि तकिटि तका किटि तक धेता धुम किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तका किटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटितका किटिः तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धुमकिटि तकिटितकाकिटि धदीगननं किटि तकिटितकिटितका २ किटितक धदीगन धाआ३ ॥ २ ॥ ॥ किटितकिटितका किटितक धदीगन धाआ किटितक धदीगन धाआ २ किटितकिटितका किटितक धदीगनधाआ किटितक घदीगन धा ॥ ३ ॥

अब पूणा दो दुगणी ले का बोल मात्रा २४ का

धाकिटितक धुमकिटितक धेता किटितक धदीगन धा ॥ १

अब सवादो दुगणलेकी परण मात्रा ३१॥ की

धेकिटि धाक धाधी किटि धागे दीगेतक किटितकिटितका किनः धागे दीगन २ धा ॥ १ ॥ ॥

अब साडा तिगणकी परण मात्रा ४०. की

ततकधा देअधा किटिः धुमाकिटि तक धदीगन धा ३ ॥ ॥

अब साडा चोगुणी लेकी परण मात्रा ६३ की॥

धधा किटितक धदीगनः धा २ किटितक धदीगनः धा २ किटितकः धा किटितक धदीगन ३ धा ॥ १ ॥ ॥

अब पचगुणी ले (सवाइ) की परण मात्रा ७० की

धा आ धाकिटितक ना किटितक किटतकिटतकाः किटि धा किटि धुम किटितक धेता धद्धिता धुम किटि किटितक धुम किटतक धेता किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥

अब छे धा लेवाको हिसाब

धा किटितक धुम किटितक धेता किटितकताः किटितक धदीगन धाधा ३ ॥१॥

नो धा लेवाको प्रमाण

धीकीतक तक धा धाधी किटितकधा किटितक धाः किटितकधाकधाक-धा ३ ॥ १ ॥ ॥

अब आड तीगणमे छे धा लेवाको प्रमाण

धा धदीगनताः किटितक धदीगन धा धा ३ ॥ १ ॥

अब चपक तालमे तथा झुमरामे वृह्ममे फिरोदस्तमे
वृह्म जो गमे त्यांरामे आडा चौतालमे मृदङ्ग भुषण
पञ्च रत्न की परणे मात्रा भेदसो टुकडा विगेरह

+ + ऽ किटितक धा ३ ॥ १ ॥ ॥ इस जोडके टुकडे सव वंटेगें ॥

ऽ ऽ ऽ । किटितक धदीगन धा ३ ॥ २ ॥ ॥ इस जोडके टुकडे सव वंटेगें

ऽ।   किटि किटितक धा धद़ीगन धाआ ३ ॥ ३ ॥ ॥इस जोडके सब लेणा

+ + ऽ। किटितक किटि धुम किटि धा किटितक धद़ीगन धाआ ३॥४॥इ.जो

+ ऽ ऽ धाकिटितक धुमकिटितक थ्धेता किटितक धद़ीगन धाआ ३ ॥ ५ ॥

ऽ ऽ । धाकिटितक धद़ीगन धुमकिटितक थ्धेता किटितक धद़ीगन धाआ ३॥६॥

० ० ० ० धा किटिताकिटितका ᵕ धा किटिताकिटितका ᵕ थ्धेता धेतक दिन धा धी किटि तकिटि तका ᵕ धाकधाआ ३ ॥ ७ ॥ इस जोडके सब लेणा

धींगे धी किटिता धीगे धींकिटिता तक नाना न किटिता तक धा धा धाधा धद़ीगन धाआ ३ ॥ ८ ॥ इस जोडकी परणे आडी ले मे हे

+ ÷ ऽ किडना किटि धुम किटि तक धद़ीगन तक धुम किटितक धद़ीगन धा धीं धीडना किडाण धाआ ३ ॥ ९ ॥

ऽ।०ᵕᵕ तराग धेता धे थ्धेता धुम किटितक धद़ीगन धा धुम किटितक धद़ी-गन धा धुम किटितक धद़ीगन धाआ ३ ॥ १० ॥ ॥ इस जोडकी सब लेणी ॥

(ले आडीमे)

० ᵕ धा ᵕ ना ᵕ धा किटितक धींकिटितक धद़ीगन धाआ ३ ॥ ११ ॥

(तीगुणी ले)

ŏ ŏ ŏ ŏ थ्धेतातक धा दिना धिधिकिटितक धाक धाक धा किटितक थ्धे तरांग धा तरांग धा तरांग धाआ ३ ॥ १२ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठेगी ॥

लडंतका साथ यहापर थोडासा लिखा हे इस्से

हाथकी तइयारी ओर खुब सुर्ती मालुम पडनी हे

धिननक सम दुगण चोगणकी

ता धि न न क थ्धे धि न न क धि न न क धि न न क थ्धे थ्धे धि न

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६

न क धा किट तक धि न न धा किटि तक धि न न धा किटि तक

धि न न धा किटि तक धि न न धिन नक ॥ किटि तक ध्धे धि न
४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५४ ५६ ५७ ५८ ६० ६१ ६२

न क किटि तक ध्धे धि न न क धिन नक धा कि टि त क धि
६३ ६४ ६५ ६६ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७४ ७६ ७७ ७८ ७९ ८०

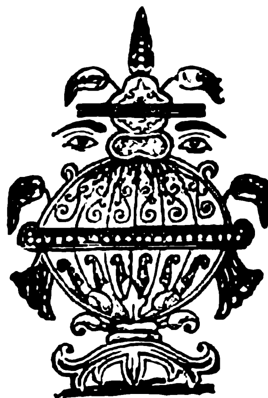
न न त क ॥ किटि तक ना ना त क ना ना किटि तक ना ना तक ना ना
८१ ८२ ८३ ८४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६

किटि तक ना ना तक ना ना किटि तक ना ना ॥ ॥ परण ॥ धा किटि
१७ १८ १९ २० २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ १ २

तक धी कि टि धा किटि तक धी कि टि धा किटि तक धी किटि धा धी कि
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१

टि त क ध दी ग न ॥ ता किटि तक धी कि टि ता किटि तक ति कि
२२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११

टि ता किटि तक धी कि टि धा धीं कि टि त क ध दी ग न ॥ १ ॥
१२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८



॥ श्री नाथोजयती ॥

चक्र ब्रह्मनाल को

ताल १० मात्रा २८ कों ताल पेली द्रुत दुसरी अणुद्रुत ३ द्रुत–४–५ मी अणुद्रुत ६ ठी द्रुत ७–८–९–मी अणुद्रुत –१० मी द्रुत रूपक यह हैं ०ᴗ०ᴗᴗ०ᴗᴗᴗ०

(पेसकार)

०   ᴗ   ०   ᴗ   ᴗ   ०   ᴗ   ᴗ

धा आ दी अ धा आ धे ता किटि तक धदी गन धा किट तक

२ ४ ५ ६ ८ १० १२ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१

ᴗ   ०   ०

धदी गन धा क्रिटि तक धदी गन धा ।' १ ॥ ॥

२२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ सम

०   ᴗ   ०   ᴗ   ᴗ

धा आ दिन दिन ता आ तिटि कत गदी गन धी किटि तागे दीगन

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

नागे नागे त्रकट तकता कतीटी धा दींनत कत किड धान धाआ किडि तक
१५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७

ढ़िगड धा ॥ २ ॥ ॥
२८ सम

बोलबराबरके मात्रा २८ के आवडदी ऐकमे आवे

धा कि टि त क ध दी ग न धु म कि टि त क ध्धेता किटि त क
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १८ २० ११ २२ २३ २४

ध दी ग न धा ॥ १ ॥ धदीगन ३ धा तम तग दे अ देअ तरांग धा ॥ २ ॥ ॥
२५ २६ २७ २८ सम

इस जोडके सब हीं ल्णा ॥

अब दुगणकी धिननकने दुणकी परणे मात्रा ५६ की
बराबरकी लेमे लेतों आवडदी दोमे आवे नेदुणी लें
मे एक आवडदी मे आवें ॥

ता धि न न क ध्धे धि न न क ता धि न न क ध्धे धि न न क
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२ २३ २४

ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क
२६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४२ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८

धि न न धि न न त क ॥ धा कि टि त क धु म कि टि त क
४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

ध्धे ता धीं धी कि टि धु म कि टि त क धु म कि टि त क
१४ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२

ध्धे ता धि ला ग त क धु म कि टि धु म कि टि त क ध दी
३४ ३६ ३७ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४

ग न धा ॥ १ ॥ ॥
५५ ५६ सम

किटितातअकधिलांग तकधुमकिटितक धीइ तकधुम किटितक धदीगन धाधी धीडना किडाण धा ॥ २ ॥ ॥ किटितअ धुमाकिटितक धुमकिटॅ तगना किटित किटि तका किटितकः धदीगन २ धाआ तअ किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धीन्तर किटितकः तटे २ किडनग तर किटितक धुमकिटितक धा किडाण धादित्ता धात्ती धाधा गदीगन धा ॥ ४ ॥ ॥ धग्गदीगन २ धग्गदीगे नागे तिटि तकिटितका किटि धिदिन् ताड तागे तिटि किटि धिदिन् ताडः धागेदीगन २ धा ॥ ५ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सबही इस ताल में बेठेंगी ॥

अब आडी लेकी धिननक और परणे

मात्रा ४२ की आवडदी एकमे लेणी

ता	धि	न	न	क	घे	घे	धि	न	न	क	धि	न	न	धि	न	न	त	क	धाः
२	३	४	५	६	८	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२४

धि	न	न	धि	न	न	त	क	धाः	धि	न	न	धि	न	न	त	क	धा ॥
२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	सम

धा	दि	न	ना	धा	कि	टि	त	क	धी	धी	कि	टि	त	क	त	क	धु	म	कि
२	३	४	६	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३

टि	त	क	धु	म	कि	टि	त	क	धु	म	कि	टि	त	क	ध	दी	ग	न	धा॥१॥
२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	सम

धादिन् ना धा किटितक धी धी किटितकः तक धदीगनधाआर तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी आडे सब इसी तरहसे बेठती हैं ।

अब ब्रह्म ताल की तिगण की धिननक ने परणे मात्रा ८४ की ॥

ता धिननक घेधिननक ३ घेघे धिननक २ धिननक २ घे घे धिननक२ धिनन धिननतक ॥ धादिन्ना धाकिटितकः धी२ किटित्तक धुमकिटितक तक धुम किटि तक धदीगनः तकधुम किटितक धदीगनधाआर तक धुमकिटि तक धदीगन

धा ॥ १ ॥ ॥ धादिन्ना धा किटितक धीधी किटितक धुमकिटितक तकधुमकिटि तक धदीगनः तरांग ध्धेता ध्धेधेताः धूमकिटितक धदीगन धा३ ॥ २ ॥ ॥

इस की जोडकी परणे सब येही उठाणसे पूरी बेठेगी

अब चोगण लें की परणे मात्रा ११२ की

आवडदी दोमे लेतो दुणीले होवे ने एक

आवडदीमे लेतो चोगुण लें होवे

धादिन् धा किटि तकिटि तका किटिः धीं२ किटि धुमकिटित किटितकाकिटि तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक तकधुमकिटि तकिटि तका किटि धदीगन मकिटि तकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगनधाआ२ किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ धादिन् धाकिटितकिटितकाकिटिः धी२ किटि धुमाकिटि तकिटि तका किटि तअ किटि धुमाकिटि तकिटि तकाकिटिः तक२ धुमकिटिः किटि तकाआ धाकिटितक धदीगन धाआ२ किटि तकाआ धाकिटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडके टुकडे सब इसी उठाण से लेणा सों पूरे बेठेगे ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः ताकिटितक धुमाकिटितक तअ् किडाण किधनग देअ धीइ तीइ धीडाण धा धातीन्ता धाकिटितक धगअ् दीगन ध्धे धि२ किटि तकधुमाकिटि तअ् किडाण किडनग देअ् ताधा किटि तअ्क धीकिटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी ॥

अब छे धा लेवा को हिसाब

धाकिटितक धुमाकिटितक ध्धेता किटितक धाः किटितक धदीगनधाधा३ ॥१॥

अब नो धा लेवाको प्रमाण

धादिन् धाकिटि तकिटितका किटिः किटितक धदीगनधा धा धा३ ॥ २ ॥

बारे धा लेवाको प्रमाण

ध्धेता २ ध्धेः किटितक धदीगन धाधा धाधा३ ॥ ३ ॥ ॥ पन्द्रे धा ॥ ध्धेता किटितक धदीगन धाधा धाधाधा३ ॥ ४ ॥ ॥

अब मृदङ्गा भूषण पञ्च रत्न की परणे

० धाकिटितकिटितकार ध्धेता ध्धेतक दिन् धाधी किटितकिटि तकाअ धाक धाआः धाकिटितकिटितकार ध्धेता ध्धेतकादिन् धाधी किटितकिटितकाअ धाकधाआः धाकिटि तकिटितकार ध्धेता ध्धेतक दिन् धाधी किटिताकिटितकाअ धाकधा ॥ १ ॥ इस जोडके तब ॥ ऽ । किटितअ धुमकिटितक धुमकिटि तगना किटिताकिटितका किटितक धदीगन धदीगन धाआ तअ किटितक धदीगनधाआ३ । २ ॥

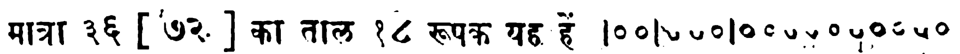
निगुणी ले मे

० नरांग ध्धेता ध्धेधेता धुमकिटितक धदीगन धा धुमकिटितक धदीगनधा धुमकिटि तक धदीगनधाआ३ ॥ ३ ॥ इस जोडके ॥ लें चोगणी– ऽ ० धादिन धा किटि तकिटितका किटि किटितक धदीगनधा किटितक धदीगनधा किटितक धदीगनधाआ३ ॥ ४ ॥ किटितक धदीगन धा३। किटितक धदीगनधा३। किटितक धदीगनधा३ ॥ ५ ॥ ॥

(० धाः धदीनन) (ऽ । धा दिन् धाकिटि तकिटि तुकाकिटि२ ताकिटितकाकिटितअ)
(० धादिन् ना धाकिटि तक) (ऽ ० धाकिटि तकिटि तकाकिटि२ तअकिटि धुमाकिटित किटितकाकिटि)

श्री गोवर्धन नाथोजयती

लक्ष्मी ताल का चक्र

मात्रा ३६ [७२] का ताल १८ रूपक यह हैं 

ताल पहली लघु दुसरी तिसरी द्रुत चोथी लघु पाचवी छट्टी अणुद्रत सातमीद्रत आठमी लघु नोमी दशमी द्रत इग्यारमी बारमी अणुद्रत तेरमी द्रत चौदमी अणुद्रत पन्दरमी सोलमी द्रत सतरमी अणुद्रत अट्ठारमी द्रत ॥

| ० ० | ० ०
धा कि टि तक धुम किटि तक ध्धे ता ता किटि तक
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १६ १८ २० २१ २२ २४

० ० ० ० |
ध्धे ता किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
२६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ सम

धीगे थी किडितर तक नानाना न किटि तातकः धा धार गदीगन धा ॥२॥
अणी जोडकी परणे सब इस तालमें बराबर लें मे वेठेंगी ॥

अब दुणी लेकी धिननकने परणे मात्रा
७२ की आवडदी एकमें लेणी

० ०
ता धि न न क द्धे धि न न क ता धि न न क ध्धे धि न
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२

० ०
न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क धि न न क
२३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४

० ० ० ०
धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क द्धे द्धे धि न न क
४५ ४६ ४७ ४८ ५० ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५८ ६० ६१ ६२ ६३ ६४

० ० ०
धि न नॅ धि न न त क ॥ धा द्दि न धा कि टि त कि टि त
६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ २ ३ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

०
का कि टि धीं धी कि टि धु म कि टि तॅ कि टि त का कि टि
१४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ ३० ३१ ३२

० ०
तॅ अ कि टि धु म कि टि त कि टि त का कि टि तॅ कि टि
३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१

० ० ० ●
त का कि टि तॅ क द्धे ता धु म कि टि तॅ क ध दी ग न धा
५२ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ६० ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ सम

॥ १ ॥ ॥ धा २ किटितक धादिन धाकिटितक द्धेताकिटि तकधाकिटि धदि-
तक द्धेतरान द्धेत।किटि तकधाकिटितक धुमाकिटि तकधा किटितक धदीगन
धा ॥ १ ॥ ॥ इसनोरकी परणे सब लेणी ॥

आडकी परणं मात्रा ५४ की आ. एकलेणी ॥

धां आं ना आं धा कि टि तक घी कि टि त कि टि धी
२ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

कि टि तं कँ ध दी ग न तं कि टि धि कि टि त क ध दी
१७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४

ग न धां अँ त क ध दी ग न धा अ त कँ ध दी ग न धां
३५ ३६ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ सम

॥ १ ॥ ॥ धादिन् धांकिटि तकिटितकाकिटि किटितकधदीगन धुमकिटितकिटि तकिटितका किटितकः तकिटिधा ३ ॥ २ ॥ ॥ इस जोधकी आड सब लेणी ॥

अब तिगुण ले की परणं मात्रा १०८ की आ. १ की

धा दि न्ना धा कि टि त क ध धी कि टि त क धु म कि टि त क
२ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४

तअ कि टि कि टि धु म कि टि त क त क धु म कि टि त क
२६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४

ध दी ग न धां आ ऽ त क धुम किटि तक धुम किटि तक धुम किटि
४५ ४६ ४७ ४८ ५० ५२ ६० ६१ ६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८

तक धदी गन धा किटि तक धुम किटि तक धे ता किटि तक धदी
८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९० ९२ ९४ ९६ ९८ १०० २ ४ ६

गन धा ॥ १ ॥ ॥ धादिन्ना धाकिटितक ता किटितक धुमकिटितक तअ्
१०८ सम

किडाण किडउग देध धींइ तींइ घींडाण धा० धातीन्ता धाकिटितक धग्ग दीगन धे घिर किटि तक धुमकिटि तअ् किडा५८ किडनग देअ् ताधा किटि तअक धीकिटि तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ धितर धेता किटितकः धीर किटितक धुमकिटि धादिन् धाकिटि तकः धुम किटि किटितक तकिटित्तका धा आंनांऽः धार ता धिन्नानाः किटि किटितक धाधुमकिटि धेता: तकः धदीगन धा किन्ना धाकिटिधकिटि

धा दिन्ता धाकथा ॥ ३ ॥ ॥ धाआ० धाउ किटि धाकिटितक धा३ धा धुमकिटि धुमकिटितक तत किटि धा तत किटितक ता किटितक धाकिटितक तकधुंगा किटि तकः किटिः तकिटिर तकाः तकिटि धा धाधाकिटि काता किटितक कतक धा कथा ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरह से इस लेमें बेठती हैं

अब लक्ष्मीताल की चोगुणी ले की थिन

नक ओर परणे मात्रा १४४ की दुणमे ले तो

आवर्त २ में आवे ने चोगणमे १ आवर्त मे आवे

ता थिननक ध्ये थिननक ता थिननक ध्ये थिननक ध्येध्ये थिननक ध्येध्ये थिननक थिननक थिननक ध्येध्ये थिननक ध्येध्ये थिननक थिननक थिननतक २ ॥

धा दि न् धा कि टि त कि टि त का कि टि धा दि न् धा कि टि त
२ ३ ४ ५ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १८ १९ २० २२ २३ २४ २५

कि टि त का कि टि धीधी किटि धुम किटि तकि टित का किटि तअ
२६ २७ २८ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५०

किटि धुम किटि तकि टित का किटि तक तक धुम किटि तकि टित का किटि
५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८०

धदी गन नअ किटि तकि टित का किटि धदी गन नअ किटि तकि टित का किटि
८२ ८४ ८६ ८८ ९० ९२ ९४ ९६ ९८ १०० २ ४ ६ ८ १० १२

धदी गन नअ किटि तकि टित का किटि तक ध्ये ता धुम किटि तक धदी गन
१४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ३० ४२ १४४

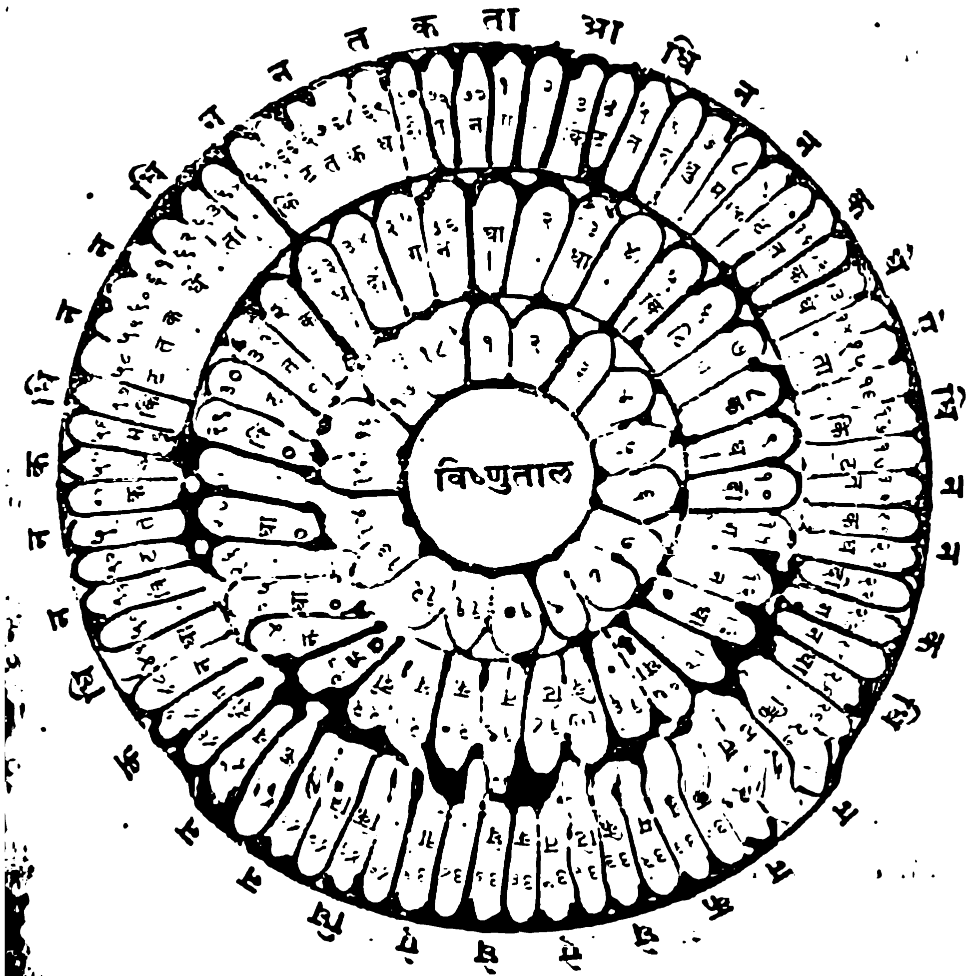
धा ॥ १ ॥ ॥ धादिन धाकिटि तकिटि तका किटिर धीर किटि धुमकिटि तकिटि
सम

तका किटिर तअ किटि धुमकिटि तकिटि तका किटिर तक धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगन धाआर किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥

xxxxx किटितकिटितका किटितक धदीनधाआर ॥ १ ॥ ॥ धाकिटितक धुमकिटितक [illegible] धदीगनः धा ॥ २ ॥

श्रीनाथजी

चक्र विष्णु तालकां



मात्रा ३६ [७२] का ताल १२ रूपक यह हें ।।।०।।००००। पहली ताल लघु दुसरी तिसरी लघु चोथी द्रुत पाचमी छट्ठी लघु ७-८-९-१०-११ मीद्रुत और बारमी लघु ॥

पेसकार

				।				।				०		।				।	
धा	आ	धि	ट	धि	ट	धा	आ	त	अ	धि	ट	धि	टं	धा	आ	दि	न	धि	ट
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०

धि ट धा आ कि टि त क ध दी ग न धा दि न धा ॥ १ ॥ ॥
२१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३५ ३६ सम

धा किटितक धुम किटितक ध्धेता क्रावां किटितकध्धेता किटितक धदींगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडके बोल बरावर लेंमे लेंणा जो पूरा बेठे ॥

अब दुणीलेकी भिननक ने परणे मात्रा ७२ की आघडदी एकमें लेंणी

ताधिननक ध्धे धिननक ताधिननक ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिननक ध्धे ध्धे
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

धिननक धिननक धिननक ध्धे ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिनन धिनन
३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७०

तक ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तका किटि धीधी किटि धुम किटि तकिटित
७२ २ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८

का किटि तअ् किटि धुम किटि तकि टित का किटि तकिटितका किटि तक
३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८

ध्धे ता धुम किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटि दिन् धुम किटितक
६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ सम

ध्धेता किटितक धदींगन ३ धा ॥ २ ॥ ॥

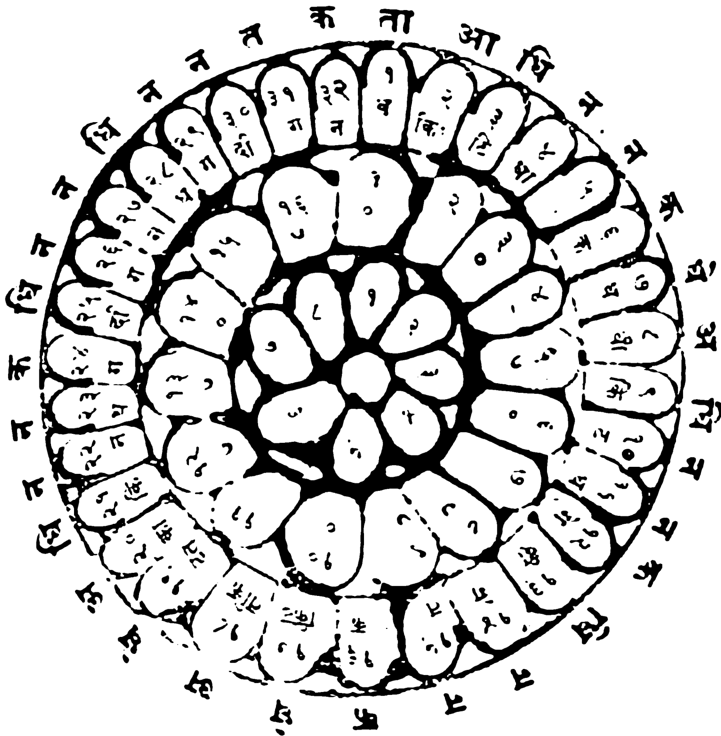
अब विष्णुताल की आडी लेकी परण मात्रा ५४ की आघडदी एकमे लेंणी

धाआं नाआं धाकिटितक धी किटि तकिटि धी किटिवक धदींगन तकिटि धी किटि तक धदींगन धा ᵕ तक धदींगन धा ᵕ तक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥

ओर तीगुणी लेकी परणे भिननक तथा चोगुणी लेकी परणे सब लक्ष्मी ताल की बेठती हें लक्ष्मी तालका ओर विष्णु तालका एकही वजन हें सिर्फ तालोंका फर्क हें

॥ श्रीहरि ॥

मत्त ताल चक्र



मात्रा ३२ का ताल ११ ताल पहले द्रुत दूसरी द्रुत तीसरी अणुद्रुत चौथी द्रुत ५–६ ठी अणुद्रुत ७ मी द्रुत ८–९ मी अणुद्रुत १० मी द्रुत ११ मी अणुद्रुत तालका रूप यह हैं ००ᵕ०ᵕᵕ०ᵕᵕ०ᵕ

पेसकार

धा धा दिन ना धा धा दिन् ना धा कि टि धा क ध धी किटि तक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १७ १८ १९ २१ २२ २३ २४ २५ २८

धदी गन धा ॥ धाकिटि तकिटि तका ᵕ२ धेता धितक दिन् धाधी किटितकिटि
३० ३२ सम

तका ᵕ धाक धा ॥ २ ॥ ॥ धा धाक धाकः धातक धदीगन२ धा ॥ ३ ॥ ॥
धकिटि धिकिटि धेधे धगनांगः [illegible] तक धादिनून तकधी कीतक धीः किट२ तक

धद्गीगन धा ॥ ४ ॥ ॥ धुम थ्थेता धितांग तक धीकीतक तकिटि धी किटि धिलांग तक धद्गीगन धा ॥ ५ ॥ ॥ ता धिलांग तक ताता किटि किटि तकिटि तकाका किटितक धदीगन धा ॥ ६ ॥ ॥ ताधिलांग२ तक धा तकिटि धिकिटि धिलांग तक धदीगन धा ॥ ७ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इस तालमे बेठती हैं॥

अब रुद्र तालकी दुगण लें की धिननक ने परणे मात्रा ६४ की आवडदी एकमे लेणी

ता धि न न क थ्थे धिननक धिननक थ्थे थ्थे धिननक धिनन धि नन
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २५ २७ २८ ३०

तक ता धिननक थ्थे धिननक धिननक थ्थे थ्थे धिननक धिनन धिननतक ॥
३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५७ ५९ ६३ ६४

त रां ण धा ता किटितक धा ० धी न्त र किटि तक तक धुम किटितक
१ ३ ४ ६ ८ १० १२ १४ १५ १७ १९ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

किडाण धा किडनग तर किटितक तकिटि धी किटि धुम किटि धि दि न
३४ ३५ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ५९ ६१ ६३

ता ड धा ॥ १ ॥ ॥ धाधा किटितक धदीगन२ धाधा किटितकः धा किटितक
६३ ६४ ०

धद्गीगन३ धा ॥ २ ॥ ॥ कातक धाः दींगनधाः दीद्गीगनधा दीगनधाः ताताकः धादिंगन धा धा दींगनः धार्दीगन२ धा ॥ ३ ॥ ॥ नगथ्थे धीकिटितक धी दिंता किटितक धुमकिटित्त कत्ती किडनग तअ् किडाण किड धाती, धा किडाण किड धटती धा ॥ ४ ॥ ॥ थ्थेनक धदीगन२ थ्थेतगना तगनाः किटि२ तकः तकन२ किटिताः धी२ किटितक तकांन तकधा किटितक धदीगन धा ॥ ५ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सब इस लें मे पूरी वेठेगी।

अब आडी लें की धिननक परणे मात्रा ४८ की आवडदी एक मे लेणा

ता धिननक थ्थे धिननक थ्थे थ्थे धिननक धिनन धिनन तक धा धिनन
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २३ २४ २६ २८ ३० ३२

धिनन तक धा धिननधिनन तकधा ॥ धा ऽ ना ऽ धा किटि तक धी कि टि
३४,३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ० २ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

त कि टि धी कि टि त क ध दी ग नः त क धदी गम धा ऽ तक
१३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २८ ३० ३२ ३३ ३५

धदीगन धा ऽ तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटितकः धा३ धुमकिटितक
३७ ४० ४१ ४२ ४४ ४६ ४८ सम

धेतरांग टगनगदेञ् धाकिटितक धेता किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥

इस जोडकी आडे सब इसमें बेटती हैं ॥

अथ तिगण ले की परणें मात्रा ९६ की
आवडदी एकमे लेणी ॥

धा दि न्ना धा किटितक धीधी किटितक धुम किटितक तञ् किटि किटि धुम
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

किटि तक तक धुम किटि तक धदी गनः तक धुम किटि तक धदी गन धा आ ०
३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६

तक धुम किटि तक धदीगन धा आ ० तक धुम किटि तक धदीगन धा ॥
६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९० ९२ ९४ ९६ सम

ता किटितक धुम किटितक तञ् किडाण किडनग देञ् धीतीइ धीडाण धा धातीन्ता धाकिटितक धगञ् दीगन धधी२ किटि तक धुमकिटि तञ किडाण कीणनगदेञ ताधा किटि तञक धी किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सबही लेणी ॥

ले चोगणकी परण मात्रा १२८ की ॥

धादिन् धा किटितकिटि तका किटि धीधी किठि धुम किटि तकिटि तका किटि तअ किटि धुम किटितकिटि तका किठिः तक२ धुम किठतकिठि तकाकिटिः धदीगननं किटितकिटितकाकिटि२ किटितक धदीगन धाआ२ किटितक धदीगम धा ॥ १ ॥ ॥

श्रीगोवर्धननाथोजयती

श्री सुदर्शन ताल

मात्रा २० ताल ७ पहेलीद्रुत २–३–४–५–६ टी द्रुत सातमीगुरू ००००००ऽ रूप यह हें

पेसकार

० ० ० ० ० ० ऽ
धा कि टि त क धु म कि टि त क ध्धे ता ध दी ग न धा ॥ १ ॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १७ १८ १९ २० सम

धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेतातरांग धा ॥ २ ॥ धाकिंटि किटि धुमाकिटितक धीधीता धदींगन धा ॥ ३ ॥ धा किटि किटि धुमकिटितक धीधीता तरांग धा ॥४॥

इस जोडके बोल सव लेणा ॥

अव दुणकी धिननक ओर परणे मात्रा ४० की आवडदी एकमे लेणी

० ० ० ० ० ० ० ऽ
तां धि न न क ध्धे धिननक ता धिननक ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिननक
२ ४ ५ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

धिनन धिननतक ॥ ॥ धा धा दिगन धादिंगन धा ध्धे ता ध्धेता किटितक
३४ ३६ ३८ ३० २ ४ ६ ८ १०१२१४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८

धदींगन धदींगन धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ किडना किटि धुमाकिटितक धदींगन
३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४०

तक धुमाकिट तक धदींगन धाधीं गीधना किडाण धा ॥ २ ॥ ॥ धुं किटि किटि तक धादिन् धाधा धुंः किटि२ के धिन्नाड२ धाधा ॥३॥ नअः किटि२ तअ किटिताः किटि२ता किडता किडाण किठिताधा किटितक धदींगन धा ॥ ४ ॥ ॥ किट्तक् ध्धेतकान ध्धेध्धे धिर किटि धीकड्ता धीः किटि२ धीडंतग दींगन धिलान धी कटनक धा ॥ ५ ॥

आडी ले की परण मात्रा ३० की

आवडदी एकमे लेणी ॥

धा किठितक धा धा किटि तक किटि तराण किटि किटि तक धदींगन धा ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० सम

अब तिगुण ले की परण मात्रा ६० की

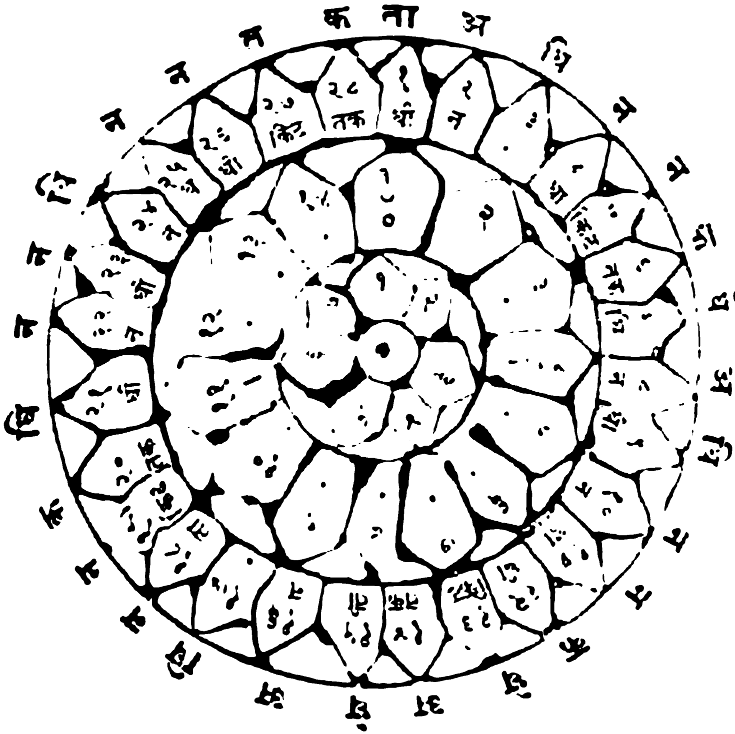
धादिन्ना धाकिटितकः धीर किटितक धुम किटितक तअः किटि किठि धुम किटितकः तक धुम किटि२ तक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥

चोगणलेकी परण मात्रा ८० की ॥

धादिन् धाकिटितकिटि तकाकिटि धीर किटि धुम किटि तकिटि तका किटि तअ किटि धुमकिटि तकिटितका किटिः तकतक धुमाकिटि तकिटि तकाकिटि तकध्धेत्ता धुम किटितक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ ध्धेत२ ध्धेताः धीर किटि धुमाकिटि टगनगदेअ धाकिटितकननः धातधातः धाधाधा किटितक धदींगन धाधाधा किटितक धदींगन धाधाधा किटितक धदींगनः धा ॥ २ ॥ ॥

श्री नाथांजयती

चक्र झूमरा तालका



ताल ३ मात्रा १४ का ताल पेहली दवीराम दुसरी लघु द्रुत अणुद्रुतमीली हुइ तीसरी लघु रूपक यह हैं ँ ँ ।

ँ ँ । ँ
धा किटि तक धुम किटि धे ता तक धे ता किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ सम

ँ ँ । ँ
धुम किटि तक धदी गन धा दि न्ना धे ता किटितक तरांग धा ॥ २ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ,,

इस जोडके बोल सब इसी तरहमें बेठेगें

अब दुणकी धिननक और परणं मात्रा ५६ की ॥

आवडदी एकमें लेणी

ता धिननक ध्धे धिननक । ना धिननक ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिननक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

ध्धे ध्धे धिननक । ध्धे ध्धे धिननक धिन नधिनन तक ॥ किडाण धा धुम
३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ १ ३ ४ ६ ८

किटितक । ध्धेताः धीथी किटि धुम किटि तक धुम किटि तक तकाऽ धिगा
१० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३९

। धुम किटि तक ध्धेता धि दिन तअः किटि किटि धा ॥ १ ॥ ॥
४१ ४३ ४५ ४७ ४९ ५० ५२ ५४ ५५ ५६ सम

धा किटितक धुम किटितक ध्धेताः थांर किटि धुमकिटि तक धुम किटि तक ध्धेता धिलांग तकः धुम किटिर तक धद्दीगन धा ॥ ५ ॥ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सब बेठती हैं।

आडकी परण मात्रा ४२ की आ. १ मे आवे

धा ऽ ना ऽ धा किटि तक धी किटि तकिटि धि किटि तकिटि धि किटि तक
२ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १३ १५ १६ १८ १९ २१ २२ २४ २५

तक तक तकिटि धि किटि तक धद्दीगन धा ॥ १ ॥ ॥ ॥
२८ ३० ३१ ३३ ३४ ३५ ३८ ४० ४२ सम

तालकी मात्रा १–१८–३२–१ सम

तीगणी लेकी परण मात्रा ८१ की

आवडदी एकमे लेणी

धा दिन्ना धा किटि तक धा किटि तक धीथी किटि तक धुम किटि तक तअ
२ [illegible] ८ [illegible] १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

किटि किटि धुम किटि तक तक धुम किटि तक धुम किटि तक धद्गीगनः तक

३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२

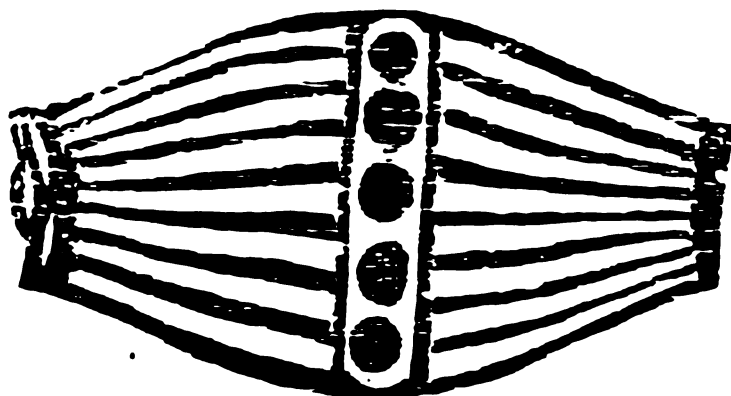
धद्गीगन धा ऽ तक धद्गीगन धा ऽ तक धद्गीगन धा ॥ १ ॥ ॥

६४ ६६ ६८ ६९ ७१ ७३ ७५ ७७ ७८ ८० ८२ ८४ सम

तालकी मात्रा १–१९–११–१ सम

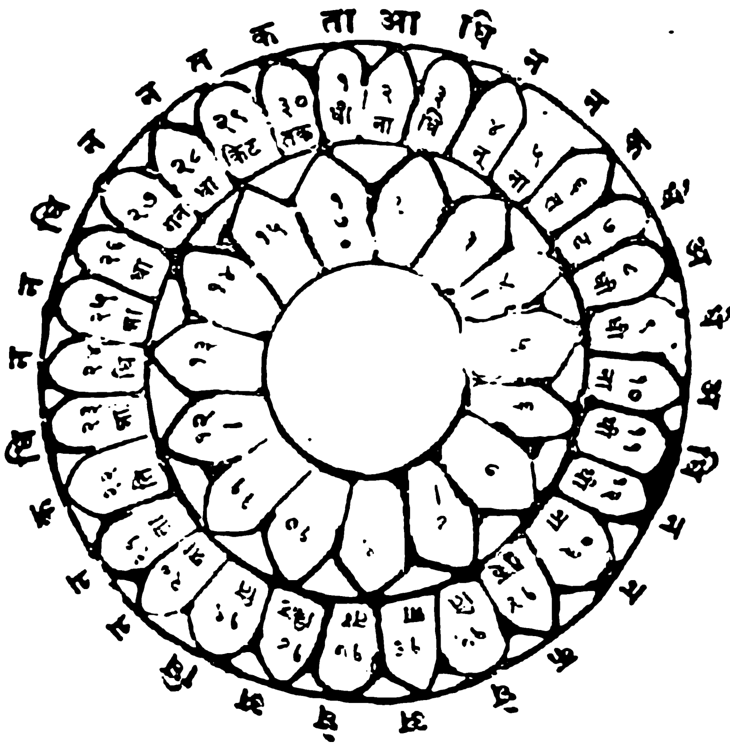
चोगण लेकी परण मात्रा ११२ की ॥

धादिन धाकिटि तकिटि तका किटि२ धीं२ किटि धुम किटि तकिटि तका किटिः तक२ धुम किटि तकिटि तकाकिटि धद्गीगन नं किटित किटितका किटि तक धेता धुम किटितक धद्गीगन धा ॥ १ ॥ ॥ आड चोतालेका वाज सब बेठता हैं परन्तु मुसकील हैं और करने से सब होता हे ॥



॥ श्रीनाथजी ॥

चकू ताल बडी असवारीकों



मात्रा १५–३० का ताल ४ पहली ताल दर्शीराम दुसरी ३–४ थी लघु रूपक यह हैं ॅ ।।।

(पेसकार)

ॅ । ।
धा ध दी ग न धा त क ध दी ग न धा त क ध दी
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २०

। ॅ ॅ ।
गन धा तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटि तक धा गे दिन
२२ २४ २६ २८ ३० सम २ ४ ६ ८ १० १२

। । ॅ ॅ
ता कत धा दिन ता किटि तक धदी गन धा ॥ २ ॥ ॥ त का तकि
१४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० सम

ट्टि धा किटि तक धुम किटि तक ध्ये ता किटि तक धदी गन धा ॥३॥
६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० सम

धुम ध्ये ता धि ता ड्ग तक धीकी तक तकि टि धि किटि धि लां ग
२ ४ ६ ७ ८ १० १२ १४ १६ १८ १९ २० २२ २३ २४ २६

धदी गन धा ॥ ४ ॥ ॥ इनके जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठती हैं
२८ ३० सम

अब बडी असवारी तालकी दुणकी धिननकने
दुणकी परणे मात्रा ६० की ॥ आवर्दा एकमे लेणी

ता धिन नक ध्ये धिन नक ध्ये ध्ये धिन नक ध्ये ध्ये धिन नक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८

ध्ये ध्ये धिन नक धिन नक धिन नक ध्ये ध्ये धिन नक धिन नधि
३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६

नन तक ॥ धा किटि त किटि तका किटि था दिन् धा किटि तकि
५८ ६० २ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२

टित का किटि धीधी किटि धुम किटि तकि टित का किटि तक ध्ये ता
२४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५०

धुम किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटि त किटि तका
५२ ५४ ५६ ५८ ६० सम

किटि धादिन् धा किटि त किटि तका किटिः किटितक धदीगन धाआ २
किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इसजोडकी परणे टुकडे सब इसी तरहसे लेणा जो पुरा बेठे ॥

तअ् तअ् किट्तक् तअः किटि २ धी २ किटि धुमकिटि तक धुम किटितक द्धेता धिलांग कतक धाकधा तकांधाकधा किटितका धाकधा ॥ ३ ॥ ॥ तअू किडाण धुमकिटितक धगअ् द्दीगन द्धेता किटितक धद्दीगन

तकिटि धाक धादिननक धीन तगण तकिटितका धिदिन् ताइधा ॥ ४ ॥ ॥

इस जोडकी परणे मत्र बेटती हैं ॥

अथ आडी ले की धिननक ओर परणे

मात्रा ४५ की आवडदी एकमे लेणी

तां धिन न धिन नक धे धे धिन नक धिन नक धे
१ ४ ५ ७ ९ ११ १३ १५ १७ १९ २१ २३

धे धिन नक धिन नक धिन नक धिन न धि नन तक ॥ धाँ
२५ २७ २९ ३१ ३३ ३५ ३७ ३९ ४० ४१ ४३ ४५ २ ३

ना ना धा किटि तक धि किटि तक धदी गन तं किटि
५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १५ १७ १९ २१ २२ २४

धीं किटि तक धदी गन तअ् कि डा ण धि दिन ताड धा ॥ १ ॥
२५ २७ २९ ३१ ३३ ३५ ३६ ३८ ३९ ४० ४२ ४५ मम

तकिटि धिकिटि तकत धाकिटि तक धींकिटितक धदीगन धाकिटितक धुम किटितक धेता किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी आडे सत्र बेठे हैं ॥

तीगुणी लेकी परणे मात्रा ९० की

धा दिन् ना धा किटितक धीधी किटि तक धीधी किटि तक तअ् किटि किटि धुम
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २२ २४ २६

किटि तक तक धुम किटि तक धदीगन तक तक तक तक धुम किटि तक धुम किटि
२८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६०

तक धदीमन तक धुमकिटि तक धुम किटि तक धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥
६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९० मम

तालकी मात्रा १-१९-४३-६६-१ ॥ धा किटितक धेताः किटिर तक धदीगन धा किटितक धुम किटितक धेता किटितक धदीगनः धेत्ता तकधा दिन्ना धीधी किटितकः धाकर धा किटितक धेः तरांगधाः ॥ २ ॥ ॥

इस तरहमे इस जोडकी परणे मत्र इस लेमे बेटती हैं

अथ चोगर्णा ले की परण मात्रा १२० की दुणमे लेतो आवड़दी दोमे आवे ने चोगण मे आवड़दी एकमें आवें

धा किटि तकिटितका किटि२ धादिन धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी२ किटि धुम किटि तकिटितका किटि तअ किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटिः तक२ धुम किटि तकिटितका किटि धद्दीगन नं किटि तकिटि तकाकिटि तक थेता धुमाकिटि तक धद्दीगन धा ॥ १ ॥

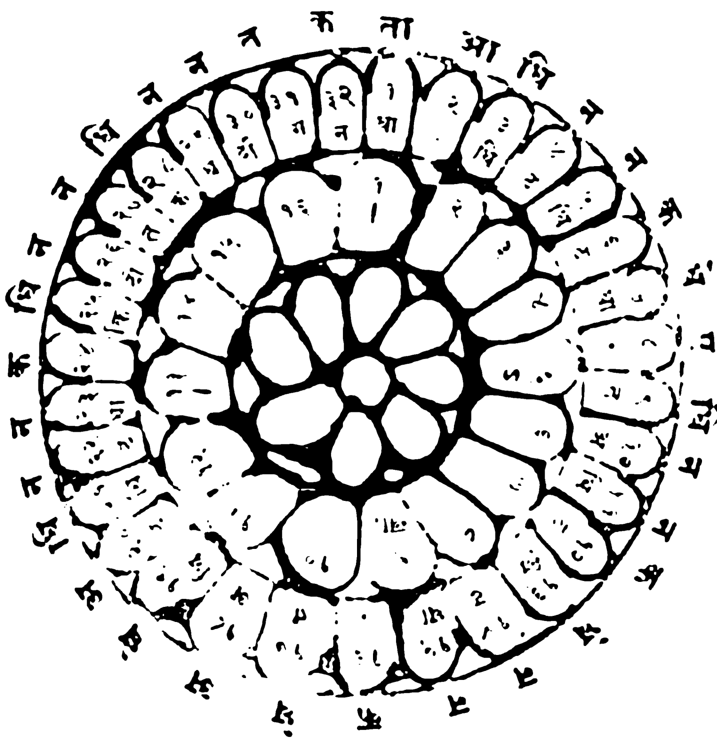
पंचरत्न के मोहरा

ऽऽऽ। किटितक धद्दीगन धाआ२ किटितक धद्दीगन धा ॥ १ ॥ ॥ किटि तकिटि तक। किटितक धद्दीगनधाआ २ किटि तकिटितका किटितक धद्दी-गनधा ॥ २ ॥ ॥ इस जोड़के सबही लेणा ॥



॥ श्री ॥

चक्र धीमा तितालाका



मात्रा ३२-१६ का ताल है पहली ताल लघु दुसरी गुरु तीसरी लघु रूप यह है । ऽ ।

बराबर लेका मात्रा १६—३२ का

।							ऽ							
ध	कि	टि	धा	क	धा	धी	कि	टि	धा	गे	दिग	तक	किटि	
१	२	३	५	७	८	९	१०	१२	१३	१५	१७	१८	१९	

तकि	टित	का	किन	धा	गे	। दीग	न	धा	गे	दी	गन	धा ॥	१	॥	॥	
१९	२०	२१	२२	२३	२४	२६	२७	२८	२९	३०	३२	सम				

धाकिटि तकिटितका [illegible] टेना दिंगतादिन धाधींकिटि नाकींग तकाध

धाकधा ॥ २ ॥ ॥ धा धाकधाकः धातक धद्दीगन ३ धा ॥ ३ ॥ ॥ तकिटि धीकिटि द्धेतगनांगः तकिटि २ तक धादिनन् तक धींकितक धींः किटि २ तक धद्दीगन धा ॥ ४ ॥ ॥ धा धींन्नाना धिरकिटितक कत घेतेटि घीलांतक धद्दीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ इस जोडकी परणें सब इसीतरहसे इस तालमे बेठती हैं

अब धीमा तितालाकी दुगण की धिननक ने परणं मात्रा ६४ आवडदी एकमें आवे

| ऽ

ता धिन नक ध्धे धिन नक ता धिन नक ध्धे धिन नक ध्धे ध्धे धिन
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३०

नक ध्धे ध्धे धिन नक धिन नक धिन न क ध्धे ध्धे धिन नक धि
३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४७ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५७

ऽ

नन धि नन तक ॥ तं रा ण धा ता किटि तक धा ० धीं न्तर
५९ ६० ६२ ६४ १ ३ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २०

किटि तक तक घुम किटि तक कि डा ण धा किड नग तर किटि
२२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३३ ३५ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६

तक तं किटि धिकि टि घुम किटि धि टि न्ता ड धा ॥ १ ॥ ॥
४८ ४९ ५१ ५३ ५४ ५६ ५८ ५९ ६१ ६३ ६४

नगध्धे ० धीं किटितक धीड० दिन्ना किटितक धुमकिटितअ ˇ कत्तीं किडनग तअ किडाण किडधाती धा किडाण किडधातीधा ॥ २ ॥ ॥ ध्धेतक धद्दीगन २ द्धेः तगना २ किट २ तकः तगन २ किटिता धींधीं किटितक तकांन तकधा किटितक धद्दीगन धा ॥ ३ ॥ कातकधा ˇ द्दींग-गनधा ˇ द्दींदीगन धाद्दीगनधा ˇ ताताक धाद्दीगनः धा २ दिगनः धादिगन २ धा ॥ ४ ॥ ॥ धाधा किटितक धद्दीगन २ धाधा किटितकः धांकिटितक धद्दीगन ३ धा ॥ ५ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इस तालमें पुरी बेठेगी ॥

धाकिटितक २ धुमकिटितक धेता धेत किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठेगी ॥

तीगण लेकी परणे मात्रा ६८ की आवडदी १ मे लेणी

धा दि ना धा किटि तक धींधीं किटि तक धुम किटि तक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४

तअ किटि किटि धुम किटि तक तक धुम किटि तक धदी गन तक
२६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५०

धुम किटि तक धुम किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा
५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ सम १–१३–१९–३१–३७–४९–५५–६१

तकतक तकतक धुमकिटि तक धदीगन धाआ ० २ तक ३ तक धुमकिटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ धींटधीटधीट धाधींकिटिकिटि ४ धाधींकिटितक धुमकिटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ चोगण लेकी परण ॥

धा दिन धा किटि तकि टित का किटिः धी २ किटि धुम किटि
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४

तकि टित का किटि तअ किटि धुम किटि त किटि तका किटिः तक २
२६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५२

धुम किटि तकिटि त का किटि तकिटि त का किटि तक धे ता धुम
५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८०

किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा १–१६–२५–४१–४९–६५
८२ ८४ ८६ ८८ सम

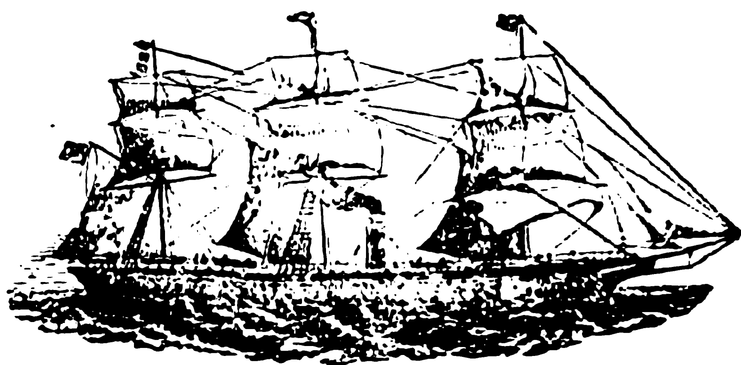
७३–८१–१ सम

धादिंन धाकिटि तकिटि तकाकिटि धी घी किटि धुमाकिटि तकिटि तकाकिटिः तअ किटि धुमकिटि तकिटितका किटि तकिटितका किटिः किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडके सब लेणा

मृदङ्गा भूषण पञ्च रत्न परण

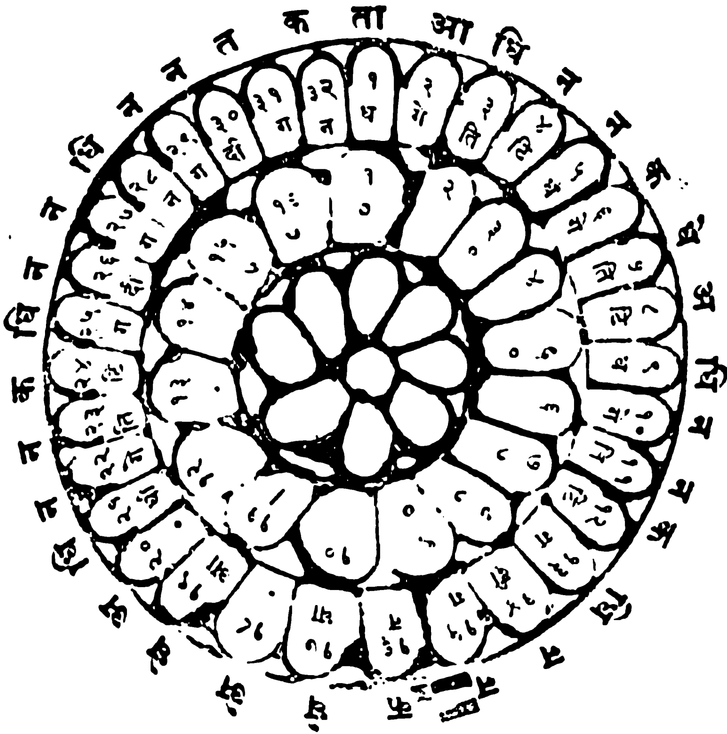
किटितअ धुमकिटितक धुमाकिटि तगना किटि तकिटि तका किटितक धदीगन

धदींगन धाआ़ तअ किटितकधदींगन धा३ ॥ १ ॥ ॥ ००० तकधुमाकिटि तक धदींगनधाआ२ तकधुमाकिटि तक धदींगनधा ॥ २ ॥ ॥ ऽ।० धा किटि तकिटि तका धाकिटितकिटितका ध्धेंता. ध्धेतक दिम धाधी किठित किटि तका॰ धाकधा३ ॥ ३ ॥ किटि तात अकधिलांग तक धुमाकिटितक धीं तक धुमकिठितक धदींगन धाधी धीडना किडाण धाआ३ ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठती हें ओरभी बोहोतसी परणे विगेरह इसमे बेठती हे परंतु ग्रंथ बहोत बढने के भय से नही लीख सकें समझदार गुणी लोग स्वयं समझ लेगें—



॥ श्रीहरि ॥

चक्र चूडामणी तालको



ताल ९ मात्रा ३२ को ताल पहली द्रुत २–३ द्रुत ४–५ मी अणुद्रुत ६ ठी द्रुत सातमी लघु ८–९ नोमी अणुद्रुत सूरत यह हैं ०००◡◡०।◡◡

पेसकार

० ० ० ◡ ◡ ० । ◡ ◡ ०
धींगे तिटि धींगतिट धीगे तिटि गँदीगँन धां आ धिगेतिटि गदीगन धाँ धाँ धा
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ सम

० ० ० ◡ ◡ ० । ◡ ◡
ता धिलांग तक ता ता किटि किटि ताकिटि त का का किटि तक घँदीगँन
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

०
धा ॥ २ ॥ ॥ घाकिटि तकिटितका२ ध्धेता ध्धेतकादिन् धाधी किटि तकिटि तका
मस
धाकधा ॥ ३ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी ॥

अब दुणकी धिननक ने परणे मात्रा ६४ की
आवडदी एकमे लेणी

ताधिननक ध्धे धिननक ताधिननक ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिननक ध्धे ध्धे
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

धिननक धिननक धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिनन धिनन तक ॥ धा धा किटि
३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ २ ४ ६

तक धदीगन धा धा किटि तक धदीगन धा धा किटितक ० धा किटि तक
८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४०

धदीगन धा किटितक धदीगन धा किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ सम

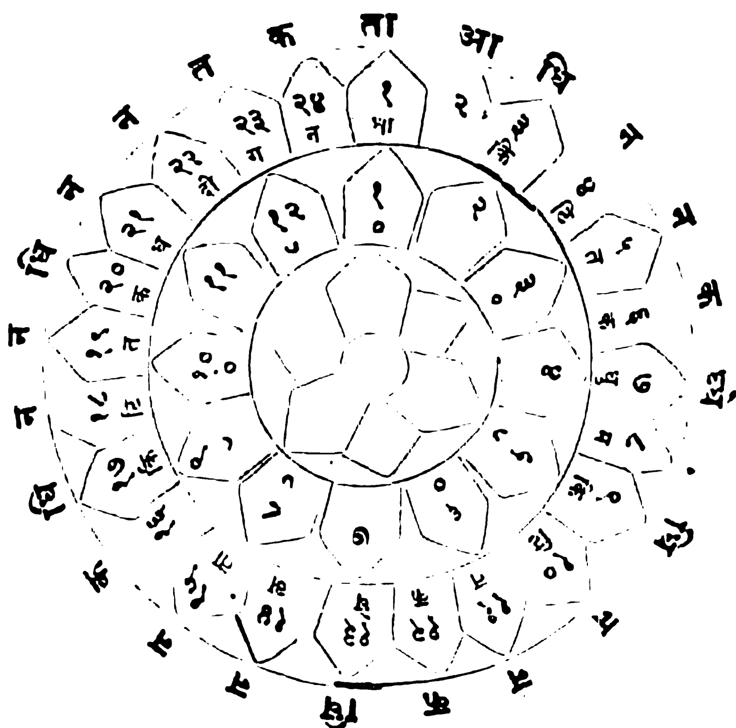
तालकी मात्रा १–९–१७–२५–२९–३३–४१–५७–६१–१ सम

तराण धा ताकिटितक धा० धीन्तर किटितक तकधुमकिटितक किडाण धा किडनग तर किटितक तकिटि धीकिटि धुमकिटि धि दिन् ताड धा ॥ २ ॥ ॥ ध्धेता ध्धेध्धेताः ध्धेता२ धिध्धेताः ध्धेता तक धदीगन धा२ ॥ ३ ॥ ॥ नगध्धे धी किटितघ धी० दिन्ना किटितक धुमकिटि तअ् कअती किडनग तअ् किडाण किड धाती धा किडाण किड धातीधा ॥ ४ ॥ ॥ ध्धेतक धदीगन२ ध्धेतगना तकनाः किटि२तकः तकन२ किटिता धी धी किटितक तकान तकधा किटितक धदीगन धा ॥ ५ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब ही बेठेगी ओर आडी ले तथा तिगुणी लें त्था चोगणी लें सब धीमा तिताला की पुरी बेठती हें



॥ श्री ॥

चक्र अट तालको



ताल ८ मात्रा २४ मथम ताल द्रुत २ द्रुत ३ अणुद्रुत ४ द्रुत ५--६ अणुद्रुत ७ द्रुत आठमी अणुद्रुत स्वरूप यह हैं ००ᐯ०ᐯᐯ०ᐯ

बोल बराबरका

धा किडाण धुम किटि तक धेता किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ सम

धाकिनांग धुमकिटितक धेता किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस ओढके बोल सबही लेणा ॥

दुणी लेकी धिननक ओर परणे मात्रा ४८ कीं आवडदी एकमे लेणी

ताधिननक धे धिननक ताधिननक धेधिननक धिननक धेधेधिननक धिननक

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४०

धिनन धिनन तक ॥ धाकिटि धीधी किटि तरांण तक धा किटितक धा दिन
४२ ४४ ४६ ३८ २ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४
धा किटि धीधी किटि तक धा किटि धुमकिटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
२६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८

तालकी मात्रा १–९–१७–२१–२९–३३–३७–४५–१ सम

धाकिटि किटितकः धीं२ किटि धुमकिटितक धीनतरांण धाक धाक धादिन्ना किटि धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे लेणी

अब आडकी धिननकने परण मात्रा
३६ की आवड दी एकमे लेणी

ताधिननक धे धिननक धिननक धिननक धे धे धिननक धिनन धिननतक ॥
४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६
धा ५ ना ५ धाकिटितक धी किटि ताकिटि धी किटि तक धदीगन तकिटि धी
२ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८
किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
३० ३२ ३४ ३६

तालकी मात्रा १–७–१३–१६–२२–२५–२८–३४–१ सम

अब तीगुण ले की परण मात्रा ७२ की आवडदी एकमे लेणी

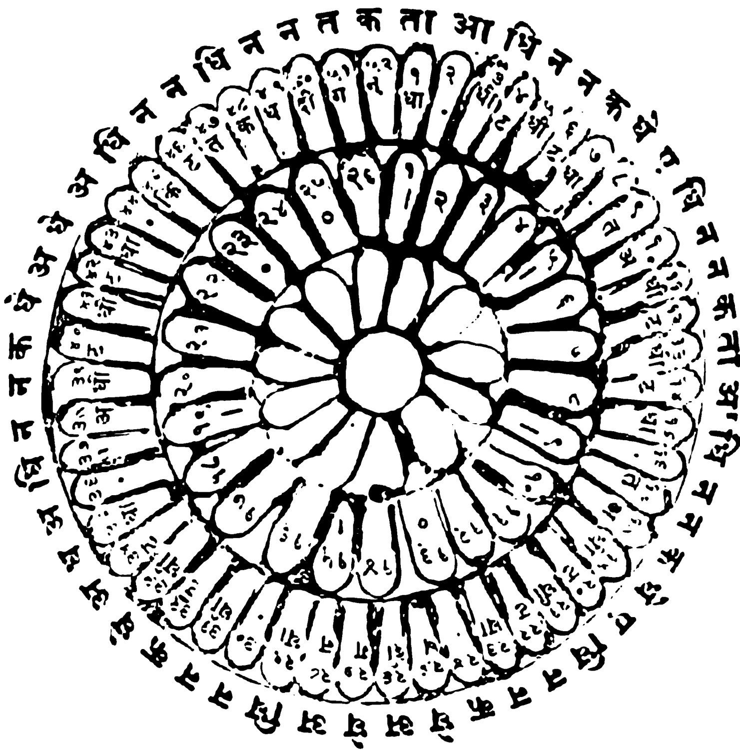
धादिन्ना धाकिटितक धीधी किटितक धुम किटितक तरांग धेता धेधेताः धुमकिटितक धदीगन धा३ ॥ १ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी

अब अट तालकी चोगण की परण मात्रा ९६ की
दुणमे लेतो आवडदी दोमे ने चोगणमे लेतो
आवडदी एकमे आवे ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटि३ धाकिटि तकिटितका किटि२ तकिटि तका किटि तक धेता धुमकिटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तका किटि२ किटितकाआ धाकिटितक धदीगनधाआ२ किटितकाअ धाकिटि तक धदीगन धा ॥२॥ ॥ इस तालका ओर चोताले का एकही हीसाब हे तालोकाफर्क हैं

॥ श्रीनाथोजयती ॥

चक्र सालवन्ट तालको



ताल ८ मात्रा २६ की ताल पहली लघु २–३ लघु ४ द्रुत ५–६ ठी लघु ७ ८ द्रुत तालका स्वरूप यह हे ।।। ०।।०० इस तालमे प्रथम आडा चोताला फेर चोताला दोनो की गांठ सं ताल वनी हैं

| | ० | | ० ० |

धा धा किटि तक धुम किटि तक ध्धे ता किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥
२ ५ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ सम

धा ध्धेता तक ध्धेता कत किटितक ध्धेता धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ धाधा तक दधीना तकः धांन धा०३ ॥ ३ ॥ ॥ धा धा किटितकिटितका किटितक किटि धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडके बोल सब लेणा इसी तरहमे एक

धा जादा लगाना वाकी चोतालाकी बरोबर लेका बोल वेठता ओर उपर चक्र ये धिननक अथवा चक्रके भीतर बोल लीखा हैं बोठा (धीमी) लय का हैं

साल वन्ट तालकी दुगणकी धिननक
ओर परणे मात्रा ५२ की आवडदी एककी

ता	धिन	नक	ध्धे	धिन	नक	ता	धिन	नक	ध्धे	धिन	नक	ध्धे
२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६

ध्धे	धिन	नक	धिन	नक	ध्धे	ध्धे	धिन	नक	धिन	नधि	नन	तक ॥
२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२

धा	आ	त	रांग	ध्धे	ता	ध्धे	ध्धे	ता	धुम	किटि	तक	धदी	गन	धा
२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०

धुम	किटि	तक	धदी	गन	धा	धुमकिटि	तक	धदीगन	धा ॥ १ ॥ ॥
३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४ ४६	४८	५० ५२	सम

धाआः तराग धाधा दीगनधाधाः ध्धेता धदीगनधाआ २ ध्धेना धदी-गनधा ॥ २ ॥ ॥ धाआः ध्धेता तकधादिन्ना धीधी किटितक धाक धाक किटि तक ध्धेः तरांगधा२ ॥ ३ ॥ ॥ धाआ तकधा दित्धा दिन्धा किटिः धुमकिटि तक धदीगनधा ३ ॥ ४ ॥ ॥ अणी जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठेगी ॥

आडकी धिननक ओर परण मात्रा
३९ की आवडदी एकमे लेणा

ता	धिननक	ध्धे	धिननक	धिननक	धिननक	ध्धे	ध्धे	धिननक	धि
२	४ ६	८	१० १२	१४ १६	१८ २०	२२	२४	२६ २८	३०

नन	धि	नन	धि	नन	तक ॥	त	किटि	धिगे	धी	किटित	धीग	धी
३१	३३	३४	३६	३७	३९	१	२ ३	४ ५	६	७ ८ ९	१० ११	१२

| ० | | | ० ० |
कि टि त त क मा ना न किटि ता तक धा धा धा धा धदी गन धा ॥
१३ १४ १५ १६ १७ १९ २१ २२ २४ २५ २७ २९ ३१ ३३ ३५ ३७ ६९ सम

तकिटि धे तरण धेत्ता किटि धाकिटितक धुमकिटितक तकधाकिटि तक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी आडे सब लेणी

अब तिगुणी लें की परणे मात्रा ७८ की बराबर में लेतो आवडदी ३ मे आवे ने आड मे लेतो आवडदी २ मे आवे ने तीगुण में लेतो एक आवडदी मे आवें

धा दिन्ना धा किटितक धींगी किटितक धुम किटितक तअकिटि किटि धुमकिटि
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४
तक तक धुम किटि तक धदी गन तक धुम किटि तक धुम किटि तक धुम किटि
३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६
तक धुम किटि तक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा १–१३–२५–३७–
६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ सम
४३–५५–६७–७३–१ सम

धादिन्ना धाकिटितक धींधी किटितक धुमकिटितक धुमकिटि तकः तरांग धेता धेधेताः धुमकिटितक धदीगन धा३ ॥ २ ॥ ॥ इस्के जोडकी परणे इस उठाणसे सिलेमें बराबर बेठती हें

अब छे धा तीगण की लयमे लेवाको प्रमाण

धाकिटितक धुमकिटितक धेता किटितक धदीगन तक धदीगन तकिटि धींकिठि धादिन्ता धाः किटितक धदीगन धाधा३ ॥ १ ॥ ॥ अब नो धा लेवाको प्रमाण ॥ धादिन्ना धाकिटितकः धीं२ किटितक धुमकिटितक तकधुन किटिः धीत्ता तक धा दिन्ना धी धी किटि तक धाक् धाक् धा किटि क धाक् धाक् धा किटितक धाक धाक धा ॥ १ ॥ ॥

अब सालवंट तालकी चोगण की परणे मात्रा
१०४ की बराबरमे लेतो आवडदी ४ मे आवे
ने दुगणमे आवडदी दोमे ओर चोगणमे १ आ. आ.

धादिन धा किटि तकिटितकाकिटि धीधी किटि धुम किटि तकिटितकाकिटि तक
२ ४ ६ १० १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४

किटि धुमकिटि तकिटितका किटि तक तक धुमकिटि तकिटितकाकिटि धदीगन नंअ
३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ५९ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७०

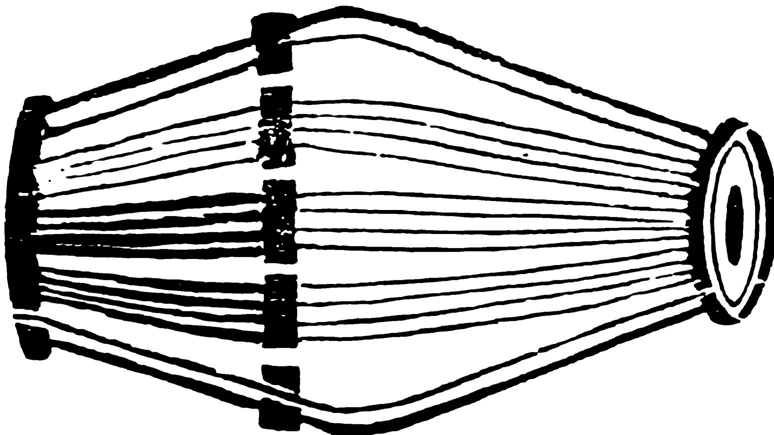
किटि तकिटितका किटि तकिटितका किटि तकधेता धुमकिटितक धदीगन धा॥१॥
७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९० ९२ ९४ ९६ ९८ १०० १०२ १०४ सम

तालकी मात्रा १-१७-३३ ४९-५७-७३-८९-९७-१ सम

धादिन धा किटि तकिटि तकाकिटि२ किटितक धदीगनधाऽऽ किटितक
धदीगन धा३ ॥ २ ॥ ॥ इस उठाणसे इस जोडके टुकडे सब लेणा जो पूरा बेठेगा

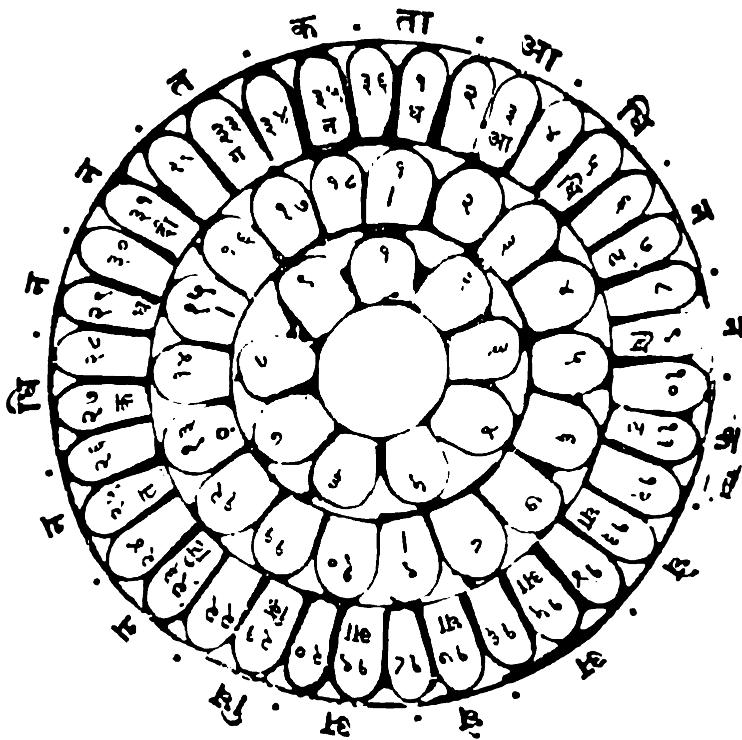
धादिन धाकिटि तकिटि तकाकिटि धीधी किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटि
तकिटितकाकिटि: तराण धा ताकिटितकधा धीन्तर किटितक तक धुमकिटितक
किडाण धा किडनग तरकिटितक तकिटि धीं किटि धुमकिटि धिदिन् ताडधा। ३ ॥

इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे लेणी ॥



श्री गणपतें नमः

चक्र गणेश तालकों



ताल ५ मात्रा १८ ताल पहली लघु दुसरी तीसरी लघु चोथी द्रुत पांचवी लघु रूप यह हें ।।।०।

(पेसकार चक्र भीतरका)

| | | | ० | |

धा धिट धिट धा धा किटि तक धदीगन धा

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ सम

| | | ० | |

धा धा किटि तक धुम किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ सम

तकिटि धीकिटि धु किटि किटि तक धर्दागन धा ॥ २ ॥
धाकिटितक धु किटितक तक तरांण धा ॥ ३ ॥ ॥
तकिटि धाक ध्धेता किटितक धदींगन धा ॥ ४ ॥ ॥
धाकिटितक धाकिटितक तक धदीगन धा ॥ ५ ॥ ॥
इस जोडके बोल इसी तरहसे पूरे बेठतें हैं

अथ गणेश ताल की दुगणकी धिननक ओर परणे मात्रा ३६ की आवडदी एकमे लेणी ॥

| | | | ० |
ता धिननक ध्धे धिननक धिननक धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिननाधिनन तक ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६
| | | ० |
किटि तकिटि तका किटि तक धदींगन धदींगन धा आ तअ० किटितक धर्दा
१ २ ४ ५ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४
|
गन धा ॥ १ ॥ ॥ धींगे धिकिटित२ तक नाना तकिटि ततक धाधा धाधा गर्दा
३६ सम
गन धा ॥ २ ॥ ॥ तक तकिटित२ किटि देअ् देअ् दीकिटिता तक धाधा धाधा गदींगन धा ॥ ३ ॥ ॥ तक धदींगन२ तकधा दिनू२ तकिटितका किटि तराण धा ॥ ४ ॥ ॥ ध्धेता किटिः धी२ किटितक तकिंटि धिकिटि तकध्धेता किटि धुम किटि तक धदीगन धा ॥ ५ ॥ ॥ ध्धेतराण ध्धेता किटि धाकिटितकधुमकिटितक तक धाकिटितक धर्दागन धा ॥ ६ ॥ ॥ तकधुमकिटि२ तककध्धेता२ किटि धुम किटितक धदीगन धा ॥ ७ ॥ ॥ किटि धी किटितकाआ धी कितकः धुमकिटि२ धाआ कत तक२ धदींगन धा ॥ ८ ॥ ॥ धाः तरांग धाधा२ के धीननाड२ धा धा ९ ॥ ॥ धादिंगन२ धाधा दिंगन२ किटिकताअ् कत्त धा ॥ १० ॥ ॥

अब आडकी धिननक ने परण मात्रा २७ की आवडदी १ मे लेणी

| | | ० |
ता धिननक ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिनन धिननधिन न तक ॥
२ ४ ६ ८ १६ ... २२ २४ २६ २७

धा ऽ ना ऽ धा किटितक धीं किटि तकिटिधिकिटि तकिटि तक धदीगन धा ॥१
२ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १४ १६ १८ २० २१ २२ २५ २७ सम

ध्येत ध्येता किटितकः धदीगन धा२ ॥ २ ॥ ॥ किटितक किटि धुम किटि धिलांग तकिटि तक धदीगन धाआ ॥ ३ ॥ ॥ ध्ये ध्येताः किटि तराण धा२ ॥ ४ ॥ ॥ तक धादिनः धाकिटितक२ किटिकताक्क धुङ्ग तकिटि धा ॥ ५ ॥ ॥ धकिटिः तक२ धेत्तकिटि ध्येता किटितकः किटि२ तकन धा ॥ ६ ॥ ॥ धीकिटि ध्येता धुम्म धुमकिटितक किट्टतक धुमकिटि धा ॥ ७ ॥ ॥ किट्ट धाकिटितक धुम किटितक किटिधा किटितक धदीगन धा ॥ ८ ॥ ॥ ध्या धाकिटितक धुमकिटितकीट तगन किटितक धदीगन धा ॥ ९ ॥ ॥ धा किटितकः धी२ नांग किटि२ ९ किटि तक धादिननक दंदेंअ धा ॥ १० ॥ ॥ धाक२ धादिन तक ध्ये ध्ये धाक तकिटि तक धदीगन धा ॥ ११ ॥ ॥

गणकी धिननक नें परणे मात्रा ५४ की
बराबरमे लेतो आवडदी ३ में आवे ने
आडमे लेतो आवडदी दोमे आवे गणमे
आवडदी एकमे आवे ॥

ताधिननक ध्ये धिननक ध्योधिननक ध्ये ध्ये धिननक धिननधिनन तक धा
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १५ १८ २० २२ २४ २५ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

धिननधिननतक धा धिननधिनन तक धा ॥ धादिन्ना धा किटितक धींधीं किटि
३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ सम २ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६

तक धुमकिटितक तअ् किटिकिटि घुम किटतक तकधुम किटि तक धुमकिटि तक
१८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५०

धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा १–१३–२५–३७–४३–१ सम
५२ ५४ सम

धाः धा धा किटि धाकिटितकः धाः२ धाधा धुमकिटि तकधाकिटि तक धुमकिटितक ध्येता किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ धाः धा३ किटि किटि

तक धेता धेधेता धिदिन् तअः किडाण ग्रादीदीतक धिरकिटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धादिन् धाः तकर तकिटिता धुमः किटि२ तक धदीगन धा किटितकः धा२ किटितकः तकिटि धा३ ॥ ४ ॥

अब गणेश तालकी चोगणकी परणे मात्रा ७२ की बराबरकी लें मे लेतो आवडदी चारमे आवे ने दुणमें लेतो आवडदी दोमे आवें ने चोगणमें लेतों आवडदी एकमे आवें ॥

| धादिन धा किटि तकिटितकाकिटि | धिधि किटि धुम किटि तकिटितका किटि | तअ
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४

किटि धुम किटि तकिटि तकाकिटि तकिटितकाकिटि तक धेता धुमकिटि तक धदी
३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७०

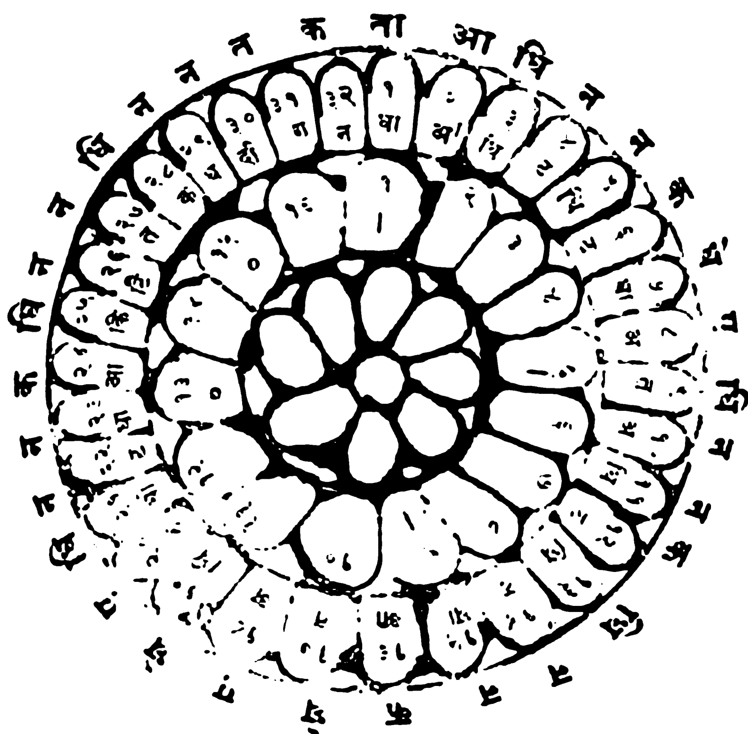
गन धा ॥ १॥ ॥ धादिन् धाकिटि तकाकिटि २ तकिटि तकाकिटिःकिटितक
७२ सम

धदीगन धाआ २ किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ धाकिट तकिटि तकाःधाधा-किटितक धदीगन धाधाकिटितक धदीगन धाधा किटितकःधाकिटितक धदीगन ३ ॥ ३ ॥ ॥ धाकिटिताकिटितका तराण धा ताकिटितक धा, धीन्तर किटितक तक धुमकिठितक किडाण धा किडनग तरकिठितक ताकिठि धीकिटि धुम किठि धिदिन्ताड धा ॥ ४ ॥ ॥ इसजोड की परणे सब इसी उठाण सेलेणीसो पूरी वैटे.



॥ श्रीहरी ॥

चक्र धुरपदकी असवारीका.



ताल ५ मात्रा ३२ का पंहली ताल लघु दुसरी लघु तिसरी लघु चोथी द्रुत पाचवी द्रुत सरूपयह हें ।।।०० इसको पंच मुखी भी कहते हें

बोल बरायर लयका आवडदीएकका

।　　　　　-+ /　　　　　०+　　　　　　　　　　　०　　　　०

धुमकिटि तकिटितकाकिटि तकधुमकिट तकिटितका किटि तक घडी

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०

गन धा ॥ १ ॥ ॥ धकिटी धाक धाधी किटि धागे दींगे तक किटितकिटितका

३१ ३२

किन धागेदीगन धागेदीगन धा ॥ २ ॥ धाकिटितकिटितका २ धुमका धुमतक दिग

धाधी क्रिटितकिटितका, धाकधा ॥ ३ ॥ धा धाक धाकः धातक धदी गनः धा ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे लेणी.

अब धुरपदकी, सवारिकी दुणकी धिननक और परणे मात्रा ६४ की आवडदी एकमेंलेणी

ताधिननक ध्येधिननक ताधिननक ध्येधिननक धिननक धिननक ध्येध्ये धिन-
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८

नक ध्येध्ये धिननक ध्येध्ये धिननक धिननाधिनन तक ॥ ध्येतक धदीगन ध्ये
४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ २ ४ ६ ८ १०

तकधदीगन ध्ये तगना नगना किटिकिटि तक तगनतकन किटिता धीधी किटितक
१२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८

तकान तकधा किटितक धदिगन धा ॥ १ ॥ ध्येताः धिध्येताः धीताः धीरताः
५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ सम

ध्येतातकदधीगनधा३ ॥ २ ॥ ॥ धा धा किटितक धदीगन२ धा धा किटितकः धा किठितक धदीगन३ धा ॥ ३ ॥ ॥ तराण धाताकिटितक धा धीन्तर किठितक तक धुम चिटितक किडाणधा किडनग तराकिठितक तकिटि धिकिटि धुमकिटि धिदिन् ताडधा ॥ ४ ॥ ॥ कातकधा ० दीगनधा ० दादीगनधा दीगनधा ० ताताकधादिगन धाधा दिंगन धादिंगन२ धा ॥ ४ ॥ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सब इसी तरह मेवेठेगी.

अब आड लयकी धिननक और परणे मात्रा ४८ की आवडदी एकमें आवे

ता धिन नक ध्येधिननक ध्ये ध्ये धिननक धिननाधिन नतकधा धिननाधिननतकधा
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३ ३२ ३४ ३६ ३८ ४०

धिननाधिननतक धा ० ना ० धा क्रिटितक धीकिटि तकिटि धीं किटि तक
४४ ४६ ४८ २ ६ १०

धदीगन तकिटि धी किटि तक धदीगन तकिटि धी किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥
२२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ सम

तालकी मात्रा १-१३-२५-३७-४३-१

धाकिटितक धुमकिटितक ध्येता किटितक धदीगन२ धा ॥ १ ॥ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सब वेठती हैं दो वीरीया लेनेसें

अथ तिगुण लेंकी धिननकने परणे मात्रा ९६ की आवडदी एक मे लेणी

ताधिननक ध्ये धिननक ध्येध्ये धिननक धिनन धिननतक धा धिननधिननतक धा
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४०
धिननधिननतक २ धा ॥ धादिन्नाधा किटितक धीधी किटि तक धुम किटितक २
४२ ४४ ४६ ४८ ९६ सम २ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ ४८
ध्येता तकधादिन्ना धीधी किटितक धाक धीकधा किटितक ध्ये तरांग धा तरांग
५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९०
धा तरांग धा ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा १-२५-४९-७३-८५-१ सम
९२ ९४ ९६ सम

धाकिटितक धुमकिटितक तअ किडाण किडना देअ् धींइ तींइ धीडाण धा धातीन्ता धाकिटितक धगअ दीगन ध्ये धीरें किटितक धुमकिटि तअ किडाण किडनग देअ ताधा किटित्तअक धीकिटि तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ अस जोडकी परणो सब लेणी ॥

अब चोगुण की परणे मात्रा १२८ की दुगण मे लेतो आवडदी २ मे आवे ने चोगणमे लेतो आवडदी १ मे आवे ॥

धाआ तकधुमकिटितक धदीगन धाधी घिडना किडाणः तगना ५ ध्येता धागेदिन् धाधा किटितक धातिअ ध्येता तकधुम किटितक ध्येता तकधा तअक धीकिटि तक धुमकिटितक गदीगन धागेदीगन धागेदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धाआ तक धुमकिटि तक धदीगन धाधी घिडना किडाण धींइ तअ किडना किटि तकुन धाटि

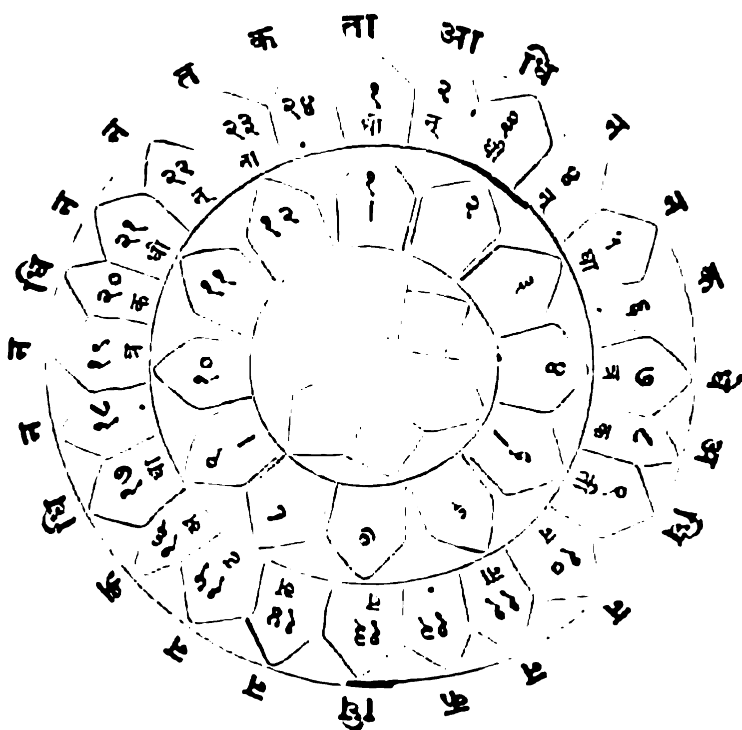
तकधुम किटितक धेता धिलांग तक धुमकिटि तक धदीगन नगदेअ तकदेअ धे धिर किटितक गादीगनः धागेदगिन२ धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे इतनी उठाणसे सब पूरी बेठेगी ॥

धादिन धा किटि तकिटितका किटिः धीर किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तअ किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटिः तक२ धुम किटि तकिटि तकाकिठिः किटित किटि तका किटितक धदीगन धाआ२ ॥ ३ ॥ ॥ धादिन धाकिटि तकिटितका किटिः धिर किटि धुम किटि तकिटितकाकिटिः तअ किटि धुमाकिटि तकिटि तका किटि २ तक२ धुमकिटि तकिटि तकाकिटि धदीगन नं किटि तकिटितका किटिः फिटितक धदीगन धाआ२ ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडके टुकडे सब बेठते हैं ओर इस ताल [धुरपद की सवारी] का ओर धीमा तितालेका एकही वजन है तालमे कुछ फरक है



॥ श्रीनाथजी ॥

चक्र इकतालाका



ताल ३ मात्रा १२–२४ का ताल सब लघु (३) रूप यह हे ।।। इसको मूल ताल भी कहते हैं बोल बराबरके मात्रा १२ के

। । । ।
धा किटि तक धदी गन धा धा ॥ १ ॥ ॥ धातकतक धदीगन धाधा ॥ २ ॥ ॥
३ ४ ६ ८ १० १२ सम

धा धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धा धुमकिटितक तरांग धा ॥ ४ ॥ ॥ धा धेता तक धदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ धा धेता तक तरांग धा ॥ ६ ॥ ॥ धा किटितक तक धदीगनधा ॥ ७ ॥ ॥ धाकिटि तक तक तरांग धा ॥ ८ ॥ ॥ धातक२ धदीगन धा ॥ ९ ॥ ॥ धातक२ तरांग धा ॥ १० ॥ ॥

अब इकताले की डुण की धिननक ओर डुणकी परण मात्रा २४ की आवडदी १ की

| | |
ता धिननक ध्धे धिननक धिननक धिनन धिननतक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४

धा किटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटितक धुमकिटितक तरांग किटितक तरांग धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी सब लेणी

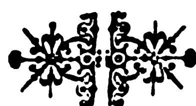
आडकी धिननक ओर परणे मात्रा ३६ की आवडदी दोमे आवे ने तीगण मे लेतो आवडदी एक मे आवे

ताधिननक ध्धे धिनननक धिननक धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिननधिननतक ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

ध्धेतराण ध्धेता किटि धाकिटितक धुमाकिटितक तकधाकिटि तक धदीगनधा ॥ १ ॥ ध्धेताकिटिः धीर किटितक तकिटि धिकिटि तक ध्धेता किटि धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरह से लेणी ॥

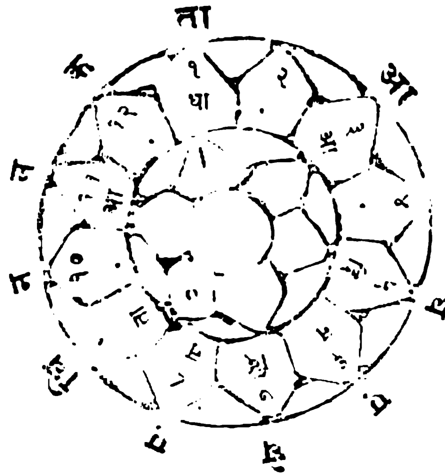
अब चोगणलें की परणे मात्रा ४८ की डुणमे दो आवडदीमे आवे ने चोगण मे एक आवडदी मे आवे

धा किटि धी धी किटि तराण तक धा किटितक धादिन् धा किठि धी धी किटि तकधा किटि धुम किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ तरांग ध्धेता ध्धे धेताः धुम किटि तक धदीगन धा३ ॥ २ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठती हैं



॥ श्रीहरि ॥

चक्र रूपक तालका



ताल २ मात्रा ६ पहली ताल लघु दुसरी द्रुत स्वरूप यह हैं ।०

॥ टुकडा बराबर लयका तथा धिननक ॥

ता धिन न नं क—धा धद्री गन धा ॥ १ ॥ ॥ धा तरांग धा ॥ २ ॥ ॥

२ ३ ४ ५ ६—२ ३ ४ ५ ६ सम २ ३ ५ ६ सम

इस जोडके सब लेणा ॥ ॥ अब दुणकी धिननक ओर टुकडा मात्रा १२ का आवडदी एकमे लेणा ॥ ता आ धे धे धिननक धा किटि तक धदीगन धा धा॥१॥

२ ४ ६ ८ १० १२ २ ४ ६ ८ १० १२ सम

धा किटितक तरांग धाधा ॥ २ ॥ ॥ धाआ किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥
धाआ किटितक तरांग धा ॥ ४ ॥ ॥ धाआ धुगकिटि धदीगन धा ॥ ५ ॥ ॥
धाआ तक तक धदीगन धा ॥ ६ ॥ ॥ धाआ धी धीता धदीगन धा ॥ ७ ॥ ॥

इस जोडके टुकडा सब लेणा

अब रूपक तालकी धिननके परणे मात्रा
२४ की दुणमे लेतो आवड्दी दोमे आवे
ने चोगण मे लेतां आवड्दी १ मे आवे ॥

ताधिननक ध्धे धिननक धिननक धिननधिननतक धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेता
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४
किटितक धद्दीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटि दिन् धुमकिटितक ध्धेता किटितक
धद्दीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी ॥

आडी लयकी धिननक परणे मात्रा
३६ की आवड्दी ४ मे आवें ॥

धा ऽ ना ऽ धा किटितक धी किटिः तकिटि धिकिटि तक धद्दीगन २ धा ॥ १ ॥
धीगे धी किंटित२ तक नाना नकिटिता तकः धाधा२ गद्दीगन धा ॥ २ ॥ ॥
ताधिननक ध्धे धिननक धिननक धिननक ध्धेध्धे धिननक धिननधिनन तक ॥२॥

अब तीगण लय की परण

धादिन्ना धा किटितक धीधी किटितक धुमकिटितकः तरांग ध्धेता ध्धे धेताः धुम किटितक धद्दीगन धा३ ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इस लें मे इसी ढगाणसे पूरी बेठेगी

अब चोगणी लयकी परणे मात्रा १६ की

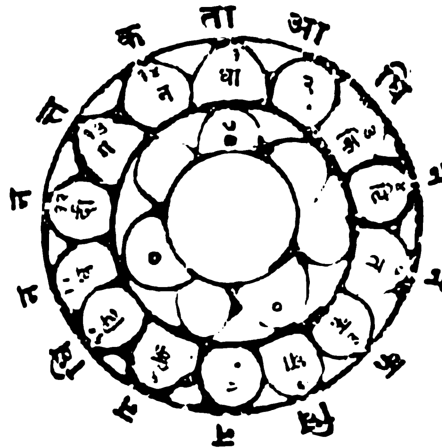
धा दिन धाकिटि तकिटितका किंटिः धी२ किटि धुमकिटि तकिटि तका किटि तञ् किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटिः तक२ धुमकिटि तकिंटि तका किटि धद्दीगन नं किटि तकिटि तकाकिटि तक ध्धेता धुमकिटितक धद्दीगन धा ॥ १ ॥

इस जोडकी परणे सब इसी तरह लेणी

× × × × किटितक धद्दीगन धा३ ॥ १ ॥ ॥ इस जोडके टुकडे सब बेठेगे
× × किटितकिटितका किटितक धद्दीगन धाआ३ ॥ २ ॥ ॥ ॥ ॥
इस जोडके टुकडे सब इस ढगाणसे लेणा सो पूरा बेठते हैं

॥ श्रीगोवर्धननाथजी ॥

चक्र त्योरा तालका



द्रुविराम

ताल ३ मात्रा ७ का ताल पहली द्रुविराम दुसरी द्रुत तीसरी द्रुत स्वरूप यह है ऽ० ० इसको गीत तालभी कहते हैं

बोल [पेसकार] बराबर लयका मात्रा ७ का ॥

धाक धागे दिन्ता धाक धद्गीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धकिटि धद्गीगन धा ॥ २ ॥

धकिटि तरांग धा ॥ ३ ॥ ॥ कतक कतकत धा ॥ ४ ॥ ॥ धाकधा किटितक

धद्गीगन धा ॥ ५ ॥ ॥ धाकधा किटितक तराग धा ॥ ६ ॥ ॥ इस जोडके

टुकडे नहीं ...

अब दुगण लेका साथकी परणे आवडदी दोकी

धाकिटि तक धादिन धा किटि तक ध्येता किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ सम

किटितक धदीगन धा किटितक धदीगन धा किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ धीद् धीद् धीद्ः धीधी किटि३ तक ध्येता धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ तक तक तक ध्येता ध्येता ध्ये ध्येता ध्येता धदीगनधा ॥४॥ ॥ धा किटितक धुमकिटि धदीगन धाकिटितक धुमकिटि तरांग धा ॥ ५ ॥ ॥ धधी किटितक धधी किटि धदीगनधा॰ धधी किटि धदीगनधा॰धधी किटि धदीगन धा ॥ ६ ॥ ॥ इसी तरहसे सब टुकडे या परणे सब लेणी ॥

अब त्योरा की आडी लयकी परण आवडदी दोकी

धा ॰ धा किटितक धी किटि त कि टि धि कि टि त क ध दी ग न धा ॥१॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ सम

धा ॰ तक धदीगन धा ॰ तक धदीगन धा ॰ तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ ॥
२ ४ ५ ६ ७ २ ४ ५ ६ ७ २ ४ ५ ६ ६ सम

इसके जोड की परणे टुकडे सब लेणा

अब तीगुण लेकी परणें

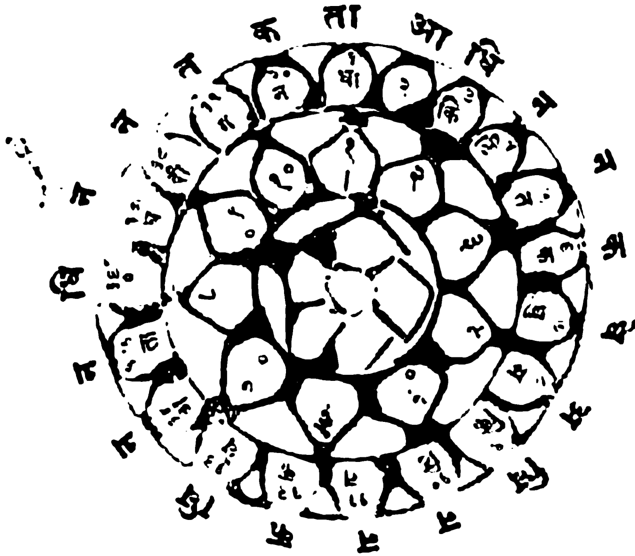
धा दिन्ना धाकिटितक धी धी किटितक तरण किटि किटि धुम किटितक तक धुम किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ ध्धा ॰ धा दिन्ना धा किटितक धी धी किटितक धुमकिटितक तक घुमकिटि तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥

चोगणी लेकी परणे

धा किटितककिटितका२ धादिन् धाकिटि तकिटि तका किटि तक ध्येता धुमकिटतक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटि तकिटितका किटि२ किटितक धदीगन् धा३ ॥ २ ॥ ॥ परंतु ये चोगण का साथ ओर परणे जब बजाइ जाती [illegible]

श्री नवनित प्रियाजी

चक्र चोहरा तालको



ताल ४ मात्रा १०–२० का ताल पेली लघु दुसरी तिसरी चौथी द्रुत रूपक यह है। ० ० ०

बराबर लेकी धिननक ओर बोल

| ० ० ० | ० ० ० |
ता धिनन धिनन तक॥ धा किटि तक धदींगन धा ॥ १ ॥
२ ४ ५ ६ ८ १० २ ४ ६ ८ १० सम

धाकिटितक तरांग धा ॥ २ ॥ ॥ धा धेता धदींगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धा धेना तरांग धा ॥ ४ ॥ ॥ इस तालके बोल सब लेणा ॥

अब दुगण की धिननक ने बोल मात्रा
२० की आवडदी एकमे लेणा ॥

| ० ० ०
ता धिननक धे धिननक धिनन धिनन तक ॥ धेता धे ता तक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २ ४ ६ ८ १०

धा धेता धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटितक धुमकिटितक धेता धदीगन
१२ १४ १६ १८ २० सम

धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी सब बोल लेणा ॥

अब चोहरा तालकी आडका बोल
मात्रा १५ का आवडदी १ मे आवें

| ० ० ० |
धा ० धा किटितक धी किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ११ १३ १५ सम

| ० ० ० |
धा । धा ० तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस तरहसें लेणा
२ ६ ९ ११ १३ १५ सम

अब तिगुणलेकी परण मात्रा ३० की

| ० ० ० |
धादिन्ना धाकिटितक तक धुम किटि तक धुम किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० सम

| ० ० ० |
धा । तक धुम किटि तक धुमकिटि तक धुम किटि तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥
२ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० सम

चोगण लें मात्रा ४० की आ. १ मे लेणी

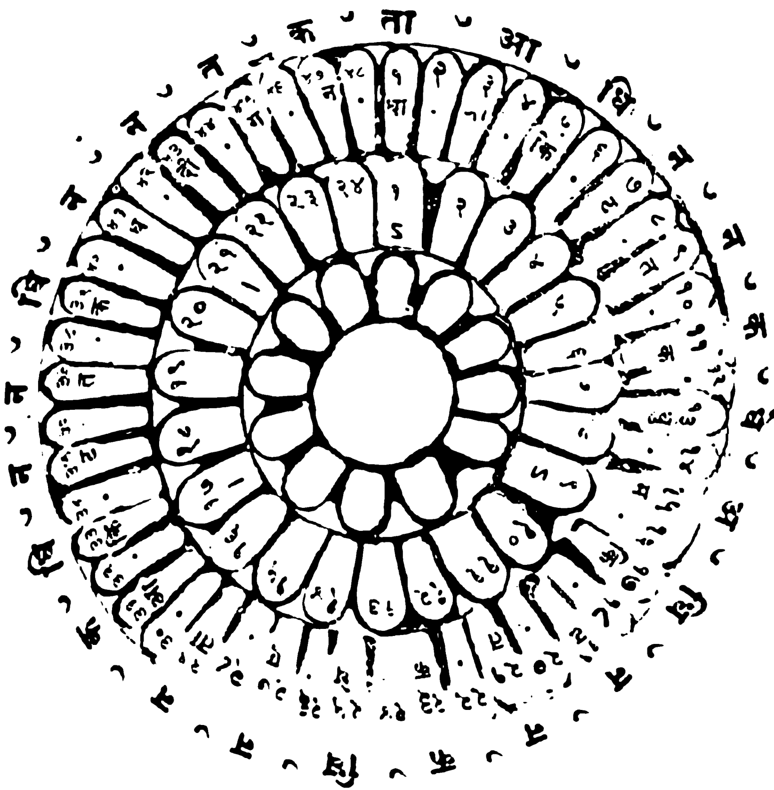
किडना किठि धुमकिटि तक धदीगन तक धुम किटितक धदींगन धा धी धीडना
१ २ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

कि डा ण धा ॥ १ ॥ ॥
३७ ३९ ४० सम

थुंन किटि किटितक धादिन् धाधा थुंन किटि किटि के ० धिन्नाड के ०
धिन्नाड धाधा ॥ २ ॥ ॥

॥ श्री मथुरा धीशोजयती ॥

चक्र ठा चोतालाका



मात्रा २४–४८ का ताल ४ पेहली ताल गुरु दुसरी गुरु तिसरी लघु चोथी लघु स्वरूप यह हैं ऽ ऽ ॥ बोल बराबरका

धा आ ˘ धी ˘ ट ˘ धी ˘ ट ˘ धा ˘ आ ˘ त ˘ अ ˘
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

धी ˘ ट ˘ धी ˘ ट ˘ धा ˘ आ ˘ कि ˘ टि ˘ त ˘ क ˘
११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

थं ˘ दी ˘ ग ˘ न ˘ धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटिदिन् धुमकिटितक थेता
२१ २२ २३ २४

किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ धाआ किटि तकतक धदींगन २ धा ॥ ३ ॥ ॥ धा तक धदीगन ३ धा ॥ ४ ॥ ॥ इसी तरहसे सब बोल विगेरह लेणा ॥

अब दुणकी धिननक ने परणे मात्रा ४८ की आबडदी एकमें लेणा

ऽ ऽ ।
ता धिननक ध्धे धिननक धिननक ता धिननक ध्धे धिननक धिननक ध्धे ध्धे
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

। ऽ ऽ
धिननक धिननधिनन तक । धा किटि धीधी किटि तराण तक धा किटितक धा
३८ ४० ४२ . ४४ ४६ ४८ २ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२

। । ऽ
दिन् धा किटि धीधी किटि तक धा किटि धुम किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
२४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ सम

तरांग ध्धेता ध्धेध्धेता: धुम किटितक धदीगन धा३ ॥ २ ॥ ॥ तअ किन ताता किंन तकान ताताकिन धि किटि धाकः धिनाअ् धाट धा३ ॥ ३ ॥ ॥ ध्धेता२ धादिन् धाकिटिः तक धुमकिटितक धाआ३ ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब बराबर बेठती हें ॥

अब ठा चोताला की तिगुणी ले की परणे मात्रा ७२ की आबडदी एकमे लेणी

ऽ ऽ
ता धिननक ध्धे धिननक धिननक धिननधिननतक ता धिननक ध्धे धिननक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

। ।
धिननक धिननधिनन तक ता धिननक ध्धे धिननक धिननक धिननधिनन तक
३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२

धाकिटितक धुम किटितक ध्धेता किटितक धदीगन३ ॥ १ ॥ ॥ धादिन्ना धा किटितक धी धी किटितक धुमकिठतक तअ किटि किटि धुमकिटितक तक धुमकिटि तक धदीगनः तक धुमकिटि ३ तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोड का साथ सब तरहसे बजावणा ॥ ॥

अब ठा चोतालाकी दुगण लें कि धिननक तथा परणे मात्रा ९६ की आवडदी एकमें लेणा

ताधिननक द्वेधिननक धिननक ध्येध्ये धिननक धिनन धिननतक ताधि-ननक द्वेधिननक धिननक ध्येध्येधिननक धिनन धिननतकता ॥ ॥ ॥ धादींन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटि तअकिटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तकतकधुमकिटि ताकिटितकाकिटि धदीगन त्नकिटि ताकिटितकाकिटि तकध्येता धुमकिटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ × × + + किटितक धदीगन धाआ २ किटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ × × किटितकिटि तका किटितक धदीगन धा ऽ २ किटित किटितका किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धाआ धदीगन धदीगन धदीगन धा तगनग देअ् देअ् तरांग ३ धा ॥ ४ ॥ ॥ धाआ धुमकिटितगनांग धाअ् तअ् किटितक धदीगन ३ धा ॥ ५ ॥ ॥ धादिन धाकिटि तकिटितकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तराण धा ताकिटितक धाअः धीन्तरकिटितक तकधुमकिटितक किडाणधा किडनग तरकिटि-तक ताकिटि धींकिटि धुमकिटि धिदिन्ताडधा ॥ ६ ॥ ॥

अब ठा चोतालाकी तिगुणी (छे गुणी) ले की परणे मात्रा १४४ की आवर्त ऐककी

धा दिन्ना धा किटि तक धींधीं किटि तक धुम किटि तक तअ
२ ४ ५ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६

किटि किटि धुम किटि तक तक धुम किटि तक धदीं गन ता
२८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५०

दि न्ना ता किटि तक धींधीं किटि तक धुम किटितक तअ किटि किटि धुम किटि
५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२

तक तक धुम किटि तक धदीगन तक धु म किटि तक धदीगन धा । तक धुम
८४ ८६ ८८ ९० ९२ ९४ ९६ ९८ ९९ १०० २ ४ ६ ८ १० १४ १६ १८

× यह निसान काक पदका हें इसकी भरती मे सोलह मात्राके बोल बोलकर जितने निसान होवे उतने हि बोल बोलकर धा निकालणा—

किटि तक धदीगन धा । तक धुम किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ ॥
२० २२ २४ २६ २८ ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ १४४ सम

तालकी मात्रा १-४९-९७-१२०. १ सम

तरांग ध्धेता ध्धेध्धेता धुम किटितक धदीगन धा धुम किटितक धदीगन धा धुमकिटितक धदीगन॰ ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठेगी ॥ ॥ ओरभी परणे ॥ धाआः धा२ किटि धाकिटितकः धा३ धा धुवकिटि धुमकिटि तक तत किटि धा तत किटितक ताकिटितक धाकिटितक तकथुंगा किटितक किटि तकिटि तुकिटितका तकिटि धाक धा२ किटि काता किटितक धुमकिटितक तकधा किटि धाकिटितक धिन्नाना धिर किटितक धिनकिटिनक तकिटि धाकधा ॥ ३ ॥ ध्धेत ध्धेत ध्धेताः धीर किटितक धुमकिटि धादिन् धाकिटि तक धुमः किट२ तकिटितका धाआन्नाडः धा २ ता धिन्नताः किठि२ तक धा धुमकिटि ध्धेताः तक२ धदीगन धादिन्ना तकिटि धिकिठि धादिन्ता धाः किटितक धदीगन धा धा३ ॥४॥

इस जोडकी परणे समसे समतक पूरी बेठती हैं ॥

अब अठगुणी लयकी परणे मात्रा १९२ की आवडदी एक मे लेणी

ऽ
धा दिन् धा किटि तकिटि तकाकिटिः धीर किटि धुम किटि तकिटि तका किटिः तअकिटि धुमाकिटि तकिटि तकाकिटि तकतक धुमकिटि तकिटि तकाकिटि
ऽ
धदीगननं किटितकिटि तकाकिटि धदीगन नंकिटि. तकिटि तकाकिटि धादि-न् धाकिटि तकिटि तकाकिटि धीधीकिटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि काकिटि तअकिटि धुमाकिटि तकिटि तकाकिटि तकतक धुमकिटि तकिटितका-धदीगन नंकिटि तकिटि तकाकिटि तकध्धेता धुमाकिटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
× × + × × + × × कातकधाआ दीगनधाआ दीदीगन धादीगनधाःताताक धादीगन धाधादीगन धादीगन धादीगनधा ॥ २ ॥ ॥ उपरकी उठाण माफि क ॥ [illegible]

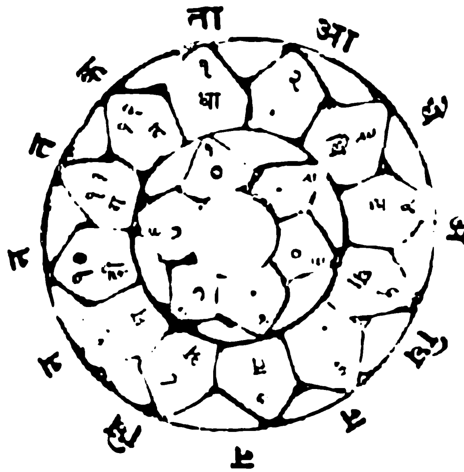
॥ नगऽधेधी किटितकधीः ॥ तराणधा ताकिटितकधाः ॥ धेतक धदींगन २ इत्यादि सब इसीतरहसे मात्रा १२८ की उठाणसें सब बेठती हें ॥ १६० मात्रासे सिरूः किटितक धदींगनधाआ २ किटितक धदींगनधा ॥ १ ॥ ॥ १४४ मात्रासे सिरू किटितकिटितकाः किटितक धदींगनधाआ २ किटितकिटितका किटितक धदींगनधा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडके धोल सब बेठते हें समसे समतक तीन विरिया लेणे ॥

तराण धा ताकिटितकधा धिन्तर किटितक तकधुमकिटितक किडाणधा किडकिडनग तरकिटितक तकिटि धिकिटधुमाकिटि धीदिन्ताड ३ धा ॥ १ ॥ ॥ इसजोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठती हें ओर भी साथ परणे विगेरह बोहोत सी हें परंतु ग्रंथ स्थूल पकडता हें इस्से समय पाकर वो भी लीखा जायगा



॥ श्री द्वारकाधिशोजयती ॥

चक्र जलद चोतालाका



ताल ४ मात्रा १२ ताल पहली द्रुत दुसरी द्रुत तिसरी चोथी अणुद्रुत
रूपक यह है ० ० ᵕ ᵕ बराबर लयकी धिननक (बोल)

ता धे धिनन धि नन तक ॥ धा किटि तक धद्दी गन धा धा
२ ४ ६ ८ १० १२ २ ४ ६ ८ १० १२ सम

॥ १ ॥ ॥ धाकिटितक तरांगधाधा ॥ २ ॥ ॥ धा धेता धद्दीगन धा धा
॥ ३ ॥ ॥ धा द्धेता तरांग धाधा ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडके बोल सब बेठेंगे

अब दो आवडदीमे लेणा मात्रा
२४ का बोल लें दुगणकी रहें

ता धिन नक द्धे धिन नक धिन नक धिन न धिनन तक ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४

धा किटि तक धुम किटि तक धेता किटि तक धद्दी गन धा
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ सम

इस जोडके बोल सब इसी तरहसे दो आवडदी मे बेठते है

अब जलद चौतालाकी दुणकी धिननक ने
परणे मात्रा ४८ की आवड्दी दोमे आवे॥

ताधिननक ध्धे धिन नक ता धिन नक ध्धे धिन नक ध्धे ध्धे
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८

धिननक ध्धे ध्धे धिन नक धिनन धिनन तक ॥ त रांग ध्धे ता
३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ १ ३ ४ ६ ८

ध्धे ध्धे ता धुम किटि तक धदी गन धा धुम किटि तक धदी गन
१० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

धा धुम किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी सब परणे
३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ मम

इसीतरहसे बेठती हें ॥

अब आडकी धिननक ओर परणे
मात्रा ३६ की आवड्दी दोमे आवे

ताधिननक ध्धे धिननकः धिननक २ ध्धेध्धे धिननक धिनन धिननतक ॥ धीगेधीकिटित २ तकनानानकिटितातक धाधा धाधा धदीगनधा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी प. स.

अब तिगण लयकी परणे मात्रा ७२ की
आवड्दी २ मे आवे ॥ ॥ ॥

धादिना धाकिटितक धीधीकिटितकः धुमकिटितक तअकिटि किटिधुमकिटितक तकधुमकिटितक धदीगनः तकधुमकिटि २ तकधदीगनधा ॥ १ ॥ ॥ धाधाकिटितक धादिनधाकिटितक ध्धेताकिटितकधा किटिधादिनतक ध्धेतराणद्धता किटितकधाकिटितक धुमकिटितक धाकिटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी ॥

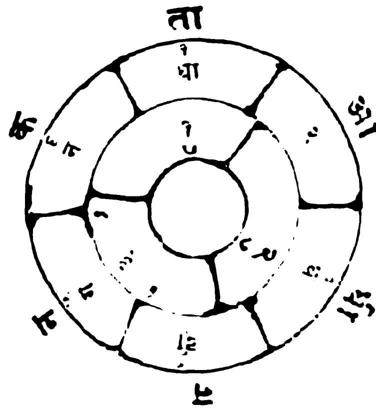
चोगणकी परणे मात्रा ९६ की आ० एकमें आवे ॥

धादिन धाकिटि तकिटितकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटि तकिटितकाकिटि तअ्किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटिः तक २ धुमकिटि तकिटितकाकिटि धदीगन नंकिटि तकिटितकाकिटि तकध्धेता धुमकिटितक धदीगनधा ॥ १ ॥ ॥ अबटुकडा ३ धाक्रा ॥ धादिन् धाकिटितकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगनधाआ २ किटितक धदीगनधा ॥ १ ॥ ॥ धादिन धाकिटि तकिटितकाकिटिः किटितकाअ धाकिटितक धदीगनधाआ २ किटितकाअ् धाकिटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥



॥ श्री ॥

चक्र अतिजलद चोतालाको



मात्रा ६ ताल ४ पहली अणुद्रुत दुसरी अणुद्रुत ३–४ अणुअणुद्रुत स्रूप यह हैं ᵕ ᵕ "

बोल बराबरका

धाँ धँदी 'गन' धाँ ॥ १ ॥ ॥ धाँ ˘तरां' ग' धाँ ॥ इसतरहसे ले.
२ ४ ६ सम २ ४ ६ सम

अब दुणी लेकी धिननक ओर बोल मात्रा १२ का

ताँ ध्धे धिँ नन धि'नन त'क ॥ धाँ किटि ˘तक धदी'गन धाँधा
२ ४ ६ ८ १० १२ २ ४ ६ ८ १० १२ सम

॥ १ ॥ ॥ धाँ आ किँटि तक ध'दी ग'न धा ॥ २ ॥ ॥ इस तरहसे
२ ४ ६ ८ १० १२ सम

तीगणका बोल

धाँ दिन्ना धाँ किटि तक त'क ध'दी गन धाँ ॥ १ ॥ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ सम

अब चोगणका बोल

धाँ किटि तक धुध किँटि तक ध्धे ता 'किटि तक 'धदीगन धाँ
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ सम

॥ १ ॥ ॥ इस जोडका साथ मत बजावणा ॥

चक्र फिरोदस्त तालको

ताल ५ मात्रा ७–१४ का पहली ताल द्रुत दुसरी द्रुत ३–४–५ मां अणु-
द्रुत रूपक यह हैं ० ० ॅ ॅ ॅ

बोल बराबर लेका आवर्त्ती १ का

धा किटि तक धेता धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटि तक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ सम २ ४

धे ता त रांग धा ॥ ॥ २ ॥ ॥ धाधेता धेता धदीगनधा ॥ ३ ॥
८ १० १२ १४ –

॥ धाधेता धेतातरांगधा ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ इसकी जोडके बोल सब वेठते हैं

अब दुगण लयकी धिननकने परणे मात्रा २८ की

ता धिन नक धे धिन नक धे धे धिन नक धा किटि तक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २१ २२ २४

धि नन तक ॥ धे त धे त हे हे किटि तक धेता त धा किटि

तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटि तकिटि तकिटितकाकिटि तकद्धेता
२४ २५ २८ सम

धुमकिटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ धीकीतक तकधाधाधा किटितकधा किटि-
तकधाकधाकधा ॥ ३ ॥ ॥

धाकिटितक धदीगन धुमाकिटितक द्धेता किटितक धदीगन धा ॥ ४ ॥
इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठती हैं

फिरोदस्त तालकी आडकी धिननक ओर आडकी परणे मात्रा २१ की आवडदी एककी ॥

धा ऽ ना ऽ धा किटितक धां किटि धी किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥
२ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १३ १५ १७ १९ २१ सम

ता धिननक द्धे द्धे धिननधिननधिनन तक ॥ धा किटितक द्धेता किटि धी
२ ३ ६ ८ १० १२ १४ १५ १७ १९ २१
किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥

तीगुणी ले की परण मात्रा ४२ की आवडदी एक मे लेणी

धादिन्ना धाकिटितक धींधी किटितक धुमकिटितक तक धुम किटि तक धुम किटि
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १७ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६
तक धदीगन ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा १–१३–२५–३१–३६–१
३८ ४० ४२

तक धुमकिटितक धदीगन धा ३ ॥ २ ॥ ॥ द्धेता तक धा दिन्ना धादिन्ना
धी धी किटितक धाक धाक धा किटितक धाक धाक धा ॥ ३ ॥ ॥ तक धुम
[illegible]

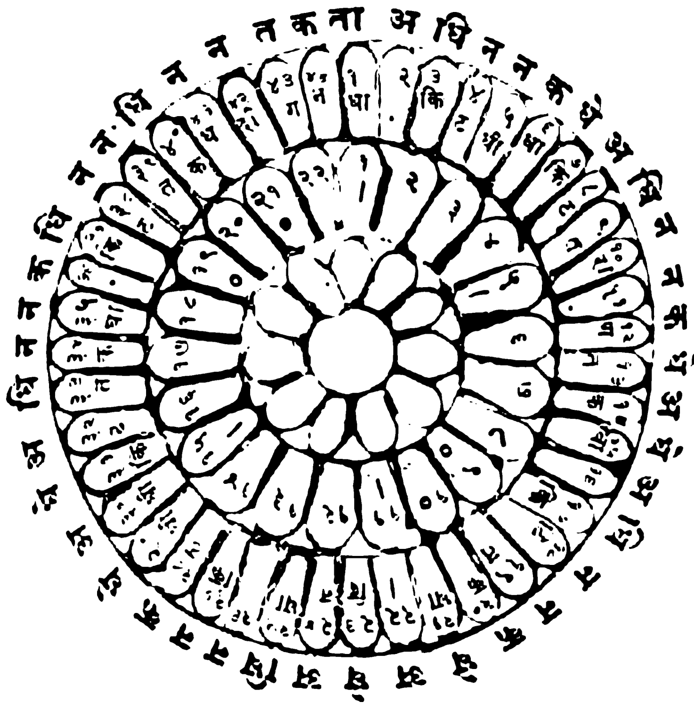
अथ चोगण की परणं मात्रा ५८ की
आवडदी एकमे लेणी

धादिन् धाकिटि तकिटितका किटि धी धी किटि धुम किटितकिटि तकाकिटि तका किटि ताकिटितका किटि तक ऽधेता धुमकिटि तक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ धादिन् धा किटि तकिटितका किटि तकिटि तकाकिटिः किटितक धदींगन धा० २ किटितक धदींगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस तालका ओर चपकका एकही वजन हैं इस्से उस्के सब बोल इस्मे बेठते हैं



॥ श्री गोकुलनाथो जयती ॥

चक्र मंठ तालका



मात्रा २२-४४-का ताल ७ पेहली लघु दुसरी लघु तिसरी द्रुत चौथी लघु पाचवी लघु छठी द्रुत सातमी द्रुत तालका वजन यहहे ॥ ० ॥ ० ० इस तालमे पहले सूल फागता और चोताला दोनोका मिलाप हैं चक्रके भीतरका बोल ॥ धा किटी धी धी कि टि त रा ण तक धा कि टि तक धा दिम धा किटि

२ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ११ १२ १४ १६ १७ १८ २० २१ २४ २६ २८

धीधी किटि तक धा किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥ किटि तक तक २ धा धा

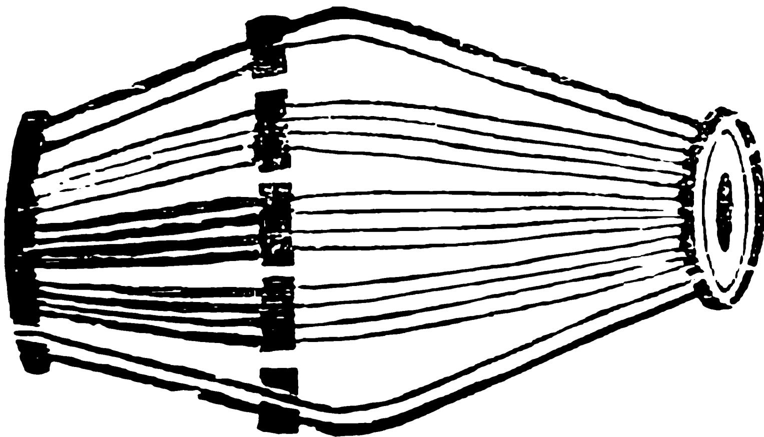
३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४

किटि तक धीडना किटतक देअः किटि २ तक देअ नांड देअः धा ॥ २ ॥ इस जोडकी परणे मध्य लेणी ॥

बोल बराबरके मात्रा २२ के

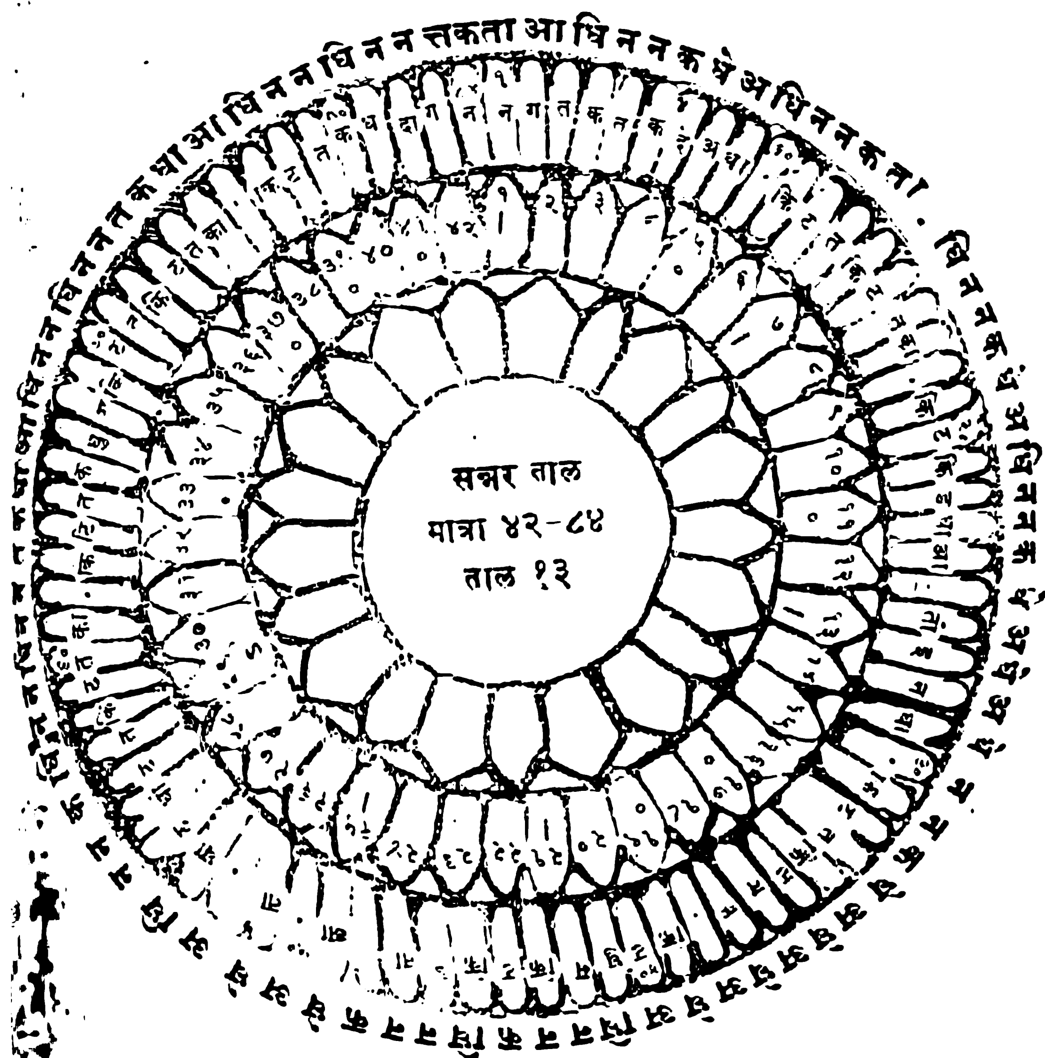
| ० | | | ० ० |
धा किटि तक धुम किटि तक धे ता तक धदि गन धा ॥ १ ॥ इस जोडके
२ ४ ५ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ सम

बोल सब इसी तरहसे. बेठतेहे और आड तिगुण चोगणले सब इस्मे अष्ट मंगल ताल की बेठतीहे इसका और उसका वजन एक साही हे सिर्फ तालोंमे थोडा साफर्कहे.



॥ श्री चंद्रमाजी ॥

चक्र मम्नर तालको



ताल पहली लघु २ द्रुत ३ लघु ४ द्रुत ५ लघु ६-७ द्रुत ८-९ लघु १० मी गुरू ११-१२ मी द्रुत तालोंका रूप । ० । ० । ० ० ॥ ऽ ० ० ०

॥ चक्रभीतर की परण मात्रा ८४ की ॥

| ० | ० |

न ग त क त क दे अ धा कि टि त कि टि त का कि टि कि ड धा आ तीं इ

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १८ १९ २० २१ २२ २४ २५ २६ २७

० ० । । ।

न धा कि टि त कि टि त का कि टि धु म कि टि कि ड ना आ ता धीं

२८ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४८ ५० ५२ ५४

ऽ ० ० ०

धीट तकिटितका किटि तकधुमकिटि ताकिटि तका किटितक धदींगन था ॥१॥

५६ ५७५८५९६०६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४

धाआ थादिन धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धीरकिटिधुम किटि तकिटि तका किटितअ् किटिधुमकिटि तकिटितकाकिटि तकतक धुमकिटि तकिटितकाकिटि तक-धेता धुमकिटितक धदींगनथा ॥ २ ॥ ॥ किटिधुमकिटि धिलांगतकधदींगनथा धदींगनथा किटितक धाधाकितक धेकिटिकिटि धिन्तराण तकधुमकिटितक डुतकांन द्धिरकिटि धीक्ड़ताधीः किटि २ काताकिटिधा ॥ ३ ॥ ॥ धादिन धाकिटितकिटि तकाकिटि धीधीकिटिधुम किटितकिटि तकाकिटि तअ्किटिधुम-किटि तकिटितकाटिः धाआः किटितक धदींगनधाआ २ किटितक धदींगनना ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडकी परण धमारकी लीगणी लेकी त्या टुकडे सब बेठते हे

अब सवार तालकी लीगणी लयकी परण

मात्रा १२६ की ॥ आवड़दी एकमे आवे

। ० । ०

धादिना धाकिटितक धीधीकिटितकः तअ्किटि किटिधुमकिटितक तक

। ० ० ।

धुमकिटितक धदींगन तकधुमकिटि तकधुमकिटि तकधुमकिटि तकधदींगनधाआ०

। ऽ •

तकधुमकिटि तकधुमकिटि तकधुमकिटि तकधदीगनधाआ० तकधुमकिटि तक

० ० ।

धुमकिटितक धुमकिटितक धदींगनथा ॥ १ ॥ ॥

ओर चोगण विगरह साथ टुकडे मोहरे परण सबही हे परंतु यहापर मुख्य लिखा गया हें—

॥ श्री मदन मोहनजी ॥

चक्र जय मंगल तालको



ताल ९- पहली ताल लघु दुसरी तिसरी लघु ४-५ द्रुत छठी लघु सातमी आठमी नवमी द्रुत तालका रूप यह है ।।।००।०००

(पेसकार)

। । । ० ० । ० ० ० ।
धा धा दिनता तिट धा दिनता किटि तक तक गदीगन धा ॥ १ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ सम

। । । ० ० । ० ० ० ।
धाकिटितक धुम किटि तक धेता किटि तक तक घदीगन धा ॥ २ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४/१६ १८ २० २२ २४ २६ सम

धाकिटि टिन धुम किटि तक धेत्ता किटिकिटि तक ——— –

दुगण लयकी धिननक ओर परणे मात्रा ५२ की बराबरमे लेतो आवड्दी दोंमे आवेने ने दुगणमे एक आवड्दीमे आवे ॥

ताधिनक ध्धे धिननक २ ध्धे ध्धे धिननक २ ध्धे ध्धे धिनन धिनननक किटतअ० धुमकिटि तक धुमकिटिनक धद्दीमन धा किटिनक धद्दीगन धाकिटितक धद्दीगन धाकिटितक धद्दीगन धा ॥ १ ॥ ॥ ध्धेता किटितकः धीर किटितराण तकधाकिटितक धादिन्धाकिटि धी धी किटि तकधा किटि धुमकिटिनक धद्दीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इनकी जोडकी परणे सब बेठेगी

आडकी धिननकने परणें मात्रा ३० की आवड्दी एक में आवें ॥

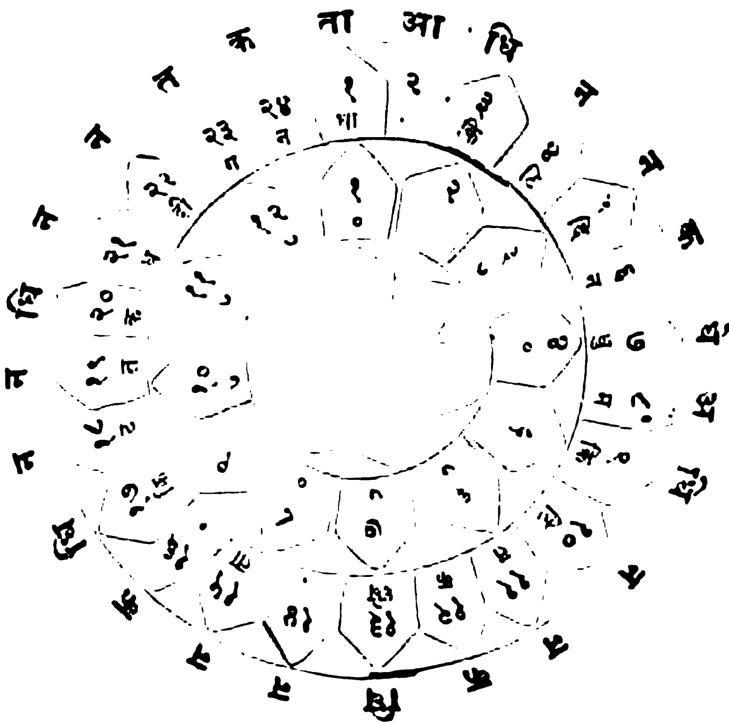
ताधिननक ध्धे धिनमक ताधिननक ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिनन धिनन धिनन तक ॥ तकिटि धिगधिकिटि तधिगधि किटित तक नाना न किटिना नक धाधा धाधागदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ किटितः तक तकिटिता२ किटि देअ देअ दीकिटित तकः धाधा२ गद्दीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी

अब तिगुण लयकी परणें मात्रा ७८ की आवड्दी एककी ॥

धादिना धाकिटितक धीधी किटितक धुम किटितक तअ किटि किटि धुम किटिनक तक धुमकिटि तक धद्दीगनः तक धुमकिटि तक धुमकिटि तकधुमकिटि तकधुमकिटि तक धद्दीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धा दिना धाकिटितक धादिन धा किटितक किटि किटि तकधा किटि धादिन् तक ध्धे तराण ध्धेता किटि तक धा किटितकः धुमकिटि तकधा किटितक किटितक धद्दीगन धा ॥ २ ॥ ॥ ओर इस तालकी चोगण विगेरह पहले सालवंट तालमे लिखी हे सो सब इसमे पूरी बेठती हें इनका ओर इनका एकही वजन हे सिर्फ तालोंका फर्क हे ॥

॥ श्री बालकृष्णोजयती ॥

चक्र नव तालका



मात्रा १२-२४ का ताल ९ पहली ताल द्रुत २ अणुद्रुत ३ द्रुत ४-५ अणुद्रुत ६ ठी द्रुत ७-८-९ मी अणुद्रुत रूपक ऐसा है ०ᴗ०ᴗᴗ०ᴗᴗᴗ

बोल बराबरके मात्रा २४ के

० ᴗ ० ᴗ ᴗ ० ᴗ ᴗ ०
धाधुम किटितक धंधेतां किटितक धदींगन धां धां धा ॥ १ ॥
२ ४ ५ ८ १०१२ १४ १६ १८ २० २२ २४ सम

धा किटितक धुम किटितक धंधता किटितक धाडिगनधा ॥ २ ॥

[illegible]

दुगण लयकी धिननक और परणे मात्रा
४८ की आबडदी एकमे लेणी ॥

ताधिननक ध्येधिननक ताधिननक ध्येधिननक ध्येध्ये धिननक धिननक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

धिननक धिननधिनन तक ॥
३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८

धा किटि धींधीं किटि त राण तक धा किटि तक धा दिन् धा
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६

किटि धींधीं किटि तक धा किटि धुम किटि तक धदी गन धा ॥
२८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ५० सम

॥ १ ॥ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटि: धी २ किटिधुमकिटि तकिटि तकाकिटि तकध्येता धुमकिटि तक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ तरांग ध्नेता ध्नेध्नेता: धुमकिटितक धदीगनधा ३ ॥ ३ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सब इस तालमे बेठती हैं

अब नो तालाकी आडी लयकी
धिननकने परण मात्रा ३६ की

ता धिन नक ध्ये धिन नक धिन नक धिन नक ध्ये ध्ये धिन
२ ४ ६ ८, १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६

नक धिननाधिनन तक ॥ धा ० ना ० धा किटितक धी किटिताकिटि धी किटि
२८ ३० ३२ ३४ ३६ २ ३ ४ ६ ७ ८ ९ १० १२ १४ १६ १८

तक धदी गन तकिटिधिकिटि तक धदीगन धा ॥ तालकी मात्रा १–७–१०–१६
२० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ सम

१९–२२–२८–३१–३४

तीगुण लयकी परण मात्रा ७२ की आवडदी एकमे लेणी ॥

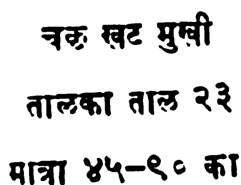
धा दिन्ना धाकिटितक धीधी किटितक धुम किटितकः धेतातक धा दिन्ना धिधि किटि तकः धाक २ धा किटि तक धेः तराग धा३ ॥ १ ॥ ॥ इस जोंडकी परणे सब इसी उठाणसे पूरी बेठती हें

चोगण की परण मात्रा ९६ की

धा दिन धाकिटि तकिटि तकाकिटि धी२ किटि धुमाकिटि तकिटि तकाकिटि तअ किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटि तक तक धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः किटि तक धदीगन धाआ२ किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ इत्यादि



॥ श्रीमह्नोवर्द्धनो धरण धिरायनमः ॥



ताल पहले इकताला मात्रा ६--१२ का दुसरे रूपकताल मात्रा ३–६ काँ तीसेर तिताला मात्रा ८–१६ का चोथे चोताला मात्रा १२–२४ का पाचवे पंचम ताल मात्रा ८–१६ का छटे खटताल मात्रा ८–१६ का ॥

१ इकताला	२ रूपकताल	३ तिताला	४ चोताला	५ पंचमताल	६ खटताल
ताल १	ताल २	ताल ३	ताल ४	ताल ५	ताल ६

बोल बराबर लंकी मात्रा ४५-९० का

१ धा किटितक धद्गी गन धा २ धा धद्गी गन ३ धा किटि तक धुम किटि तक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३०

धद्गीगन ४ धा किटितक धुम किटि तक धेत्ता किटितक धद्गीगन ५ धा किटि तक
३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४

धुम किटि तक धद्गीगन ६ धा किटितक धुमकिटि तक धद्गीगन धा ॥ २ ॥
६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९० सम

अब षट मुखी तालकी दुगण लयकी परण आबंडदी एकमे आवें

धाद्गिन धाकिटि ताकिटि तकाकिटि धिधिकिटी धुमाकिटि ताकिटितकाकिठि
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

तअ किटि धुमाकिटि तकिटि तका किटि तकतक धुमाकिटि तकिटि तकाकिटि
३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४

धद्गीगन नं किटि ताकि टि तकाकिटि तक द्धे ता धुम किटितक धद्गीगन धा दिन
६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९० ९२ ९४ ९६ ९८ १००

धाकिटि ताकिटि तकाकिटि धीधीकिटि धुमाकिटि ताकिटि तकाकिटि तअ् किटि
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

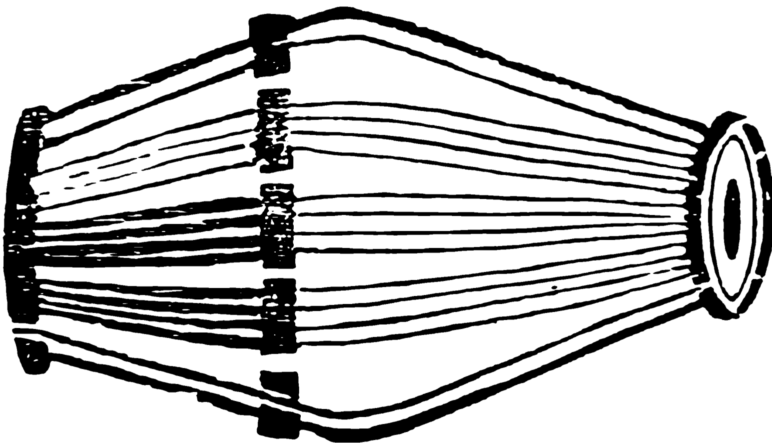
धुमाकिठि ताकिटि तका किटि तकतक धुमाकिटि ताकिटि तकाकिटि धाआ तकाद्धे
३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८

ता धुम किटितक धद्गीगन धा ॥ १ ॥
७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८० सम

किटित किटितका, किटितक धींइ २ किटितकाआः किटिता धींइः धां २ किटितक धिन धा ४ किट्टि तकः धींराकिटितक ना किटित २ धांनु २ धींकिटि ताकिटि तरांगः धा धा किट्टितक् कत गदीगन धाअ २, धा धा किट्टितक् कत गदीगन धा ॥ २ ॥

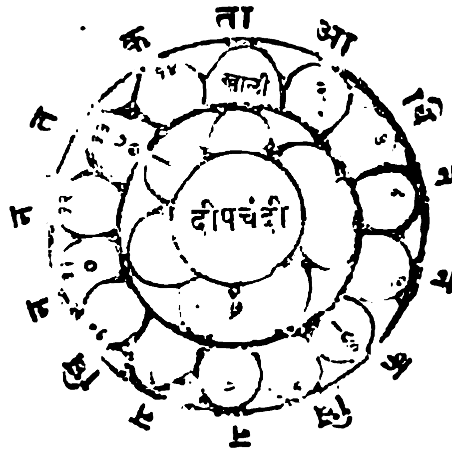
ताल सूर फागता

ध्येत २ ध्ये ध्ये किट्टितक् धिचांन तांन ॥ धाकिटितक २ धाधीं किटितक दांन मांन ॥ १ ॥ ताग्डतक २ तागढ कोठ्यारा नरेश ॥ श्री श्री श्री ज्ञान सिंहगू ज्यो सुरेश ॥ २ ॥ द्रिगकंजसे चारु निसु दिना रहेत ॥ भृकुटी बङ्क लखि मनमथ लजेत । ३ ॥ श्री मोहन कृष्ण करत नका ताहा रीझ रीझ देत गज शाह ॥ ४ ॥ कहे घनश्याम, पूर्णमनके कांम ॥ चिरजीयो श्रीपति अटल रहो निजधांम ॥ ५ ॥ ताग्डतक धां किटि धाधीं किटितक ध्येता धद्गीगन ॥ धा किट्टितक् धींकिटि धाधीं किटितक ध्येता धद्गीगन धा ॥ ६ ॥



॥ श्रीनाथोजयती ॥

चक्र दीपचन्दी तालका.



मात्रा–१४ ताल ३ पहली ताल लंबिराम २ द्रुत ३ लघु दबीराम पिन्नी हुइ, तालका रूप यह है. ǀ ० ǀ

खाली ǀ ० ǀ

गत ॥ धा धिन् धागे धिन् ता तिन् धा गे धि न् ॥

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

बोल बराबरका मात्रा १४ का.

खाली ǀ ० ǀ खाली

धा किटितक धुम किटि ध दी ग न धा ॥ १ ॥

२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ सम

धा किटितक धुम किटि [illegible] ॥ इस मांदके बोल सब लेणा.

अथ दुगणकी धिननकने परण मात्रा २८ की आवडदी एकनें लेणा.

खाली ।ं ० ०ं

ता धिननक धे द्धे धिननक द्धे धिननक धिनन धिनन तक

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २४ २४ २६ २८

धा किटितक धा दिन् धाकिटि तक द्धेता किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥

॥ इस जोडका सब साथ बजेनाहे परंतु इसमें विशेष करके गतही बजती हे इस तालगे ओर होली तालमें सिर्फ ताल देनेमे फर्क हे. होली तालका सम तालपर हे ओर इसका खालीपर हे.

इस ग्रंथके सिरुवादमे तालोंके सात अंगोंका वर्णन यानी अणुद्रुत द्रुत लघु विगेरहका सुक्षम रीतिसे किया परंतु उनसे संतोस कम होनेसे यहापर थोडेंसे दोहा छंद मे और लिख दिया जाता हें

छे मारगजे कहेत हे तिनको क्रम बखान दछिन वार्तिक चित्र ध्रुव ओर चित्र तर जान ॥ १ ॥ छट्ठो चित्रत्तम हें कहे इनकी कला गनाय ॥ हें दछिनमें वसुकला अर्धकला पुनिलाय ॥ २ ॥ द्वै पहेली द्रे पाछली कला वारतिक माहि ॥ आदि अंतके चित्रमें यों भाखे कविनाहि ॥ ३ ॥ कला होय द्रुत मानसो चित्रतर हुं में आय ॥ बहुत चित्रतममे कलाकर जे मानके भाव ॥ ४ ॥ क्रिया होय द्वे भातकी तिनके कहतु जुनाउ ॥ पहले निसद्धा कही जुग सद्धा जुठाऊ ॥ ५ ॥ निःसद्धा विध चारकी लागे कहत सुदेस ॥ आवायाकानि काम अरु विछेपक धरवेस ॥ ६ ॥ ध्रुव अरु संपा ताल पुनि सन्निपात्र निर्मान ॥ पातकला इनको कहे जे अति चतुर सुजान ॥ ७ ॥ कर पसरेते अंगुली मुरे मुरे कनिष्टा आदि आवापक ताको कहे गुनीजन सबे अनादि ॥ ८ ॥ करतल करि निचें बहुरि अगुरी देहों पसारि, निष्क्रामक ताकों कहे लक्षण चितही विचार ॥ ९ ॥ अगुरिन छोडे दाहिने सो विक्षेपक होई ॥ आदितर्जनी अथहि करे मुरे प्रवेसक सोई ॥ १० ॥ कर उचो

होली ताल जुमराकी दुगण ...

निचो परे चुटकी मद्द उठाऊ ताही कों ध्रुव कहत हैं गुणीजन याहि भाव ॥११॥ दक्षिण करके तालसों संपा कहे सुजांन ॥ बाहे करके तालको कहे ताल परमान ॥ १२ ॥ दोऊ करके तालको सान्निपात हे नाम ॥ ये जुत सद्धा भेदमें कहे माहारम थाम ॥ १३ ॥ मात अंग हे तालमे तिनके सुनि अब नांम ॥ अणु द्रुत रु विरांमद्रुत लघु बोहोरयो लविरांम ॥ १४ ॥ गुरु अरुप्लुत मित अंग यह कहे ताल विदलोय ॥ अब इनकी उत्पती कहों अणुद्रुत पवन ही होय ॥ १५ ॥ द्रुत जो ऊपज्योनीरते जल समीर दविरांम ॥ लघु पावकते भयों जल आगही लविरांम ॥ १६ ॥ गुरु उपज्यो आकासतें प्लुत प्रथवी तेजानि ॥ अब इनके सुनि देवता अणुद्रुत चन्द्र बखान ॥ १७ ॥ द्रुतको ठाकुर सिम्भु हैं स्कंदेव दविरांम ॥ देवी लघुकी देवता दविरांम ही गुरुनाम ॥ १८ ॥ सिवगौरी गुरुदेवता प्लुतके तीन्यो देव ॥ जें इनको उच्चरत्त हें तिनके कहो जो भेव ॥ १९ ॥ अणुद्रुतको तीतर कहें द्रुतको चटक जनायबक बोले दविरांम कों लघुकों चाय बनाय ॥ २० ॥ कोकिल विराम ही कहें वायस गुरु कहे देहि ॥ निजश्वरको उच्चार करि कुर्कुट प्लुत कहे लेहि ॥ २१ ॥

नामअणु. चिन्ह ॅ

सुन इनकी संज्ञा अवहि कहत गुनिजन लोय ॥ अर्धचंद्र अणुद्रुत करन अर्ध बिन्दु पुनि होय ॥ २२ ॥ अर्धद्रुत अरु अणु कहे अकुस धनुष पुनिजानि ॥ इतने अणुके नाम हें पण्डित कहत बखानि ॥ २२ ॥

नामद्रुत चिन्ह ०

सुन्य ख व्यंजन कूप पुनि वलयं सुदति गनाइ बिन्दु अर्ध मात्रक कहें द्रुतके नाम बनाय ॥ २४ ॥ ॥

नाम लघु चिन्ह ।

ह्रस्व मेरु स दंड पुनि औरुल मात्रक नाम ॥ सरल क व्यापक बहुरिहुं लघु कहियें. अभिरांम ॥ २५ ॥ ॥

नाम गुरु चिन्ह ऽ

मुन गुरू नाम द्वि मात्र गुरु दीरघ कंकन वंक ॥ नूपर हारग पुञ्य पुनि कुंडलो ताटंक ॥ २६ ॥ प्लुत नाम चिन्ह है सामज शृंगी दीप्त पुनि प्लुतको नाम सुरंग ॥ २७ ॥ अति सुछम कर घातमें, अणु द्रुतको करि योग ॥ सुछम याततें द्रुत कहें, पूरन लघु संयोग ॥ २८ ॥ घातही करि कर शेष पुनि, करे सु गुरूको रूप ॥ कर घातही कर भ्रम करे, सोइ प्लुत जान अनूप ॥ २९ ॥ अंतर अणुद्रुत घातमे, सारध अंगुल होय ॥ द्रुतमें तीन रु दंडमे, षट् अंगुल तु जोय ॥ ३० ॥ गुरु में द्वादस हो तहे, प्लुतमें वसुदस जान ॥ लघु अक्षर पाचक कहें, एक मात्रका मानि ॥ ३१ ॥ एक मात्र कही लघु कहें, गुरुही मात्रका दोय ॥ प्लुतको मात्रा तीन हैं, कहें गुणीजन लोय ॥ ३२ ॥ अर्ध मात्रको द्रुत कहे. अर्ध द्रुतही अणु एक ॥ ताल शास्त्र विद यो कहें, करिके बहुत विवेक ॥ ३३ ॥ कहे चार ग्रह तालमें, तिनको देत गिनाय ॥ सम अतीत अरु अनागात, चौथे विषम जनाय ॥ ३४ ॥ गीत ताल दोउ सबे, एक कालमें होय ॥ ताको सम समपानी सब, पंडित कहे सु होय ॥ ३५ ॥ प्रथमही रचना गीतकी, पछि तालही आनि ॥ ग्रह अति नामो कहे, अरु अपपान बखान ॥ ३६ ॥ पहले ताल प्रवर्त्य पुनि होय गीत विस्तार ॥ सुअनागती कहीये तहे उपर पान निरधार ॥ ३७ ॥ आदि अंतको नेम नही सो विषम ग्रह होय ॥ इनके लछन यो कहे सबे गुणीजन लोय ॥ ३८ ॥ पंच जाति सुनी प्रथमही हैं चतु श्र सुनाम ॥ अश्र खंडु अरु मिश्र पुनि संकीरन अभिराम ॥ ३९ ॥ चार वर्णको तालजो सो चतुर्श्र बखानि ॥ तीन वर्णको अश्र कहि खंडु पाच सो जान ॥ ४० ॥ मिश्र कहे मुनी वर्णको संकीरण नव होग ॥ जाति पञ्च यह तालकी कहे गुणी-जन लोय ॥ ४१ ॥ चतुश्रही द्विज कहुतु हैं अश्रही छत्री मान ॥ वैसही खंडु कहे बहुरि सूद्र मिश्र तूजान ॥ ४२ ॥ संकर संकीरन पुनि होइ योंही कहे ताल धिन्न लोइ ॥ ४३ ॥ आठ कला अब हो कहो ध्रुवका प्रथम विचार ॥ सर्पनी कृष्ण: पद्मिनी विस्वार्जिता निरधार ॥ ४४ ॥ छटइ विक्षिप्ता कही बहुरी पताका

मानि ॥ पतिताउहँ आठइ अत्र लक्षण यो जान ॥ ४५ ॥ सङ्ग महीत ध्रुवका कहैं सर्पनी वाए जानि ॥ कृष्णा दक्षण और हैं पद्मिनी अधके भाय ॥४६॥ विसर्जिता वाहिर चलै विक्षिप्ता फिर आय ॥ ऊरधगतीजं पताकिका पतिता कराहि गिराय ॥ ४७ ॥ लघु मयोगमें ध्रुवका होत ध्रुवका पनि ता गुरुहो उ-द्योत ॥ ध्रुवका सर्पनी कृष्णा आनि श्रुतिमे यही तीन्यो ठानि ॥ ४८ ॥ क्रिया भए विश्रामजु होइ ताको लयही कहे सत्र कोइ ॥ लय तीन भांतिकी कहैं द्रुत मध्य रु विलम्पत लहे ॥ ४९ ॥ इन तीनहुंको कहे प्रमाण बेर आवंग बेल समान ॥ ५० ॥ लय प्रवृतीके नियमको कहे सबे जन नाम ॥ कहै समा श्रोतोगत्था और मृदंगा धाम ॥ ५१ ॥ पीपीका पचइ कही गोपुच्छा याभाय ॥ इनके लच्छन यो कहे पन्द्रे भेद गिनाय ॥ ५२ ॥ तीन्यो द्रुत पहले कही बहुर तीन मध्यम यो होय ॥ बहुरि विलम्पत तीन्यो ठानि: भेद समाके कहे बखान ॥५३॥ चिर मध्य द्रुत बहुरतो आवें ए श्रोतोगथ भेद कहावें ॥ द्रुत मध्य द्रुत रहे विराजै ऐसे कहत सबे कविराजे ॥ ५४ ॥ मध्यम चिरमध्यम पुनि कहियें भेद मृदंगाके ये लहिये ॥ ५५ ॥ चिरद्रुत चिरहि बुहुरि अवरांखि ॥ मध्यम द्रुत मध्यम करि लेखि ॥ ५५॥ द्रुत मध्यम चिरको कर पाती बहुरयो मध्यम द्रुत चिरभांति ॥ ५७॥ मध्यम चिर द्रुत पुनि निरधारि गोपुच्छा के भेद विचार ॥ अंगनको क्रमते लखि मीत यह प्रस्तार जान निहश्चित्त ॥ ५८ ॥ इति दश प्राण ॥ श्लोक ॥ काष्टा निमेषक्षणकला. लवाणु द्रुत कस्न था ॥ लघुप्लुत गुरु कालदश प्राण प्रकिर्तिता॥१॥

अथ ताल कथनं

पाच ताल मारग कहैं तिनको कहो बनाय ॥ प्रथम चञ्चपुट कह्यो चाचपुटो याभाय ॥ १ ॥ बहु खट्ट पिता पुत्र है संपकेष्टा उग्रद होय ॥ ताल भेद यो कहत है सबे गुणीजन लोय ॥ २ ॥ चञ्चत्पुटमें गुरु जुगल अरु लघु प्लुत विस्तार ॥ शिव मुख सद्यो जातते उपज्यो यह निरधार ॥ ३ ॥ ऽ ऽ । ऽ स्वेत बरण याको कहतु आठ कलाके भाय ॥ यह भांतिन मनमें मधुरी गुणी करन चित चाय ॥ ४ ॥ [illegible]

गुरु लघु जुगल पुनि बहुसो गुरु है होति ॥ वामदेव मुखते भयो चाचपुटहि उद्योति ॥ ५ ॥– ऽ ॥ ऽ यथापीत वरन आनो यह ताल खट्ट मात्रासो लगे विसाल ॥ ६ ॥ तत्था तत्तथा कुकुंदथा तक तक थो थित्तामथों ै किण झांग नक कितथा ॥ ॥ बहुर खट्ट पितापुत्रमें प्लुत लघु गुरु जुग जांन ॥ लघु प्लुत बहुरयो होतु हैं रक्त वरण यह मान ॥ ७ ॥ द्वादस कला टाठयो ठयो: मुख इसा नही ते भयो ॥ ८ ॥ ऽ । ऽ ऽ । ऽ संपक्वेष्टाको रूप: कहेतु हो अति अनूप ॥ ९ ॥ पहले प्लुत बहुरयो गुरु रांम: बहुरयो प्लुत करीये अभिरांम ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ मुख अघोर ते जान जू याको द्वादसकला लगत हैं ताको ॥ ११ ॥ तीन गुरुन उद्घट्ट बनाइ तत्पुरुष हिते भयो जनाइ ऽऽऽ ॥ १२ ॥ षट मात्रासो अतहीराजें याको सुन जन मुख जिय साजें ॥ १२ ॥ अथ देशी ताल (चलती) लघु आदिक परिमित सबे देशी ताल न सान ॥ काव्य तालकी धुनि लयें चितकों रोचन ठानि ॥ १४ ॥ पाचवर्ण लघु उच्चरें एक मात्रका होय ॥ देशीमे घट बढ कहे जो बन आवे सोय ॥ १५ ॥ ग्रह अरु मुर्छना मे कह्यो लघुहीको अधिकार कर प्रमाण याते कह्यो याहीको निरधार ॥ १६ ॥ ताल प्रांण साङ्गीतकों कहे सांगीती लोग ॥ ताते पहिले गीतकें ताल सोधना होत ॥ १७ ॥ बहुतकही विध ताल हैं नाम भिन्न एकरूप ॥ तिनमे भेद बखानिये काल प्रमाण अनूप ॥ १८ ॥ लघु आदिक के खंड कोइनमे बहु विस्तार ॥ खंडताल ताते कहें सबे गुनी निरधार ॥ १९ ॥ ये मेरु सो होतु हैं आदि ताल पर मान ॥ ताको संज्ञा दुसरी रास कहें प्रमान ॥२०॥ इति रास द्वैद्रुत लघु मिलि ताल । इती द्वतिय । द्वैद्रुत अरु एकै दविरांम त्रातिय ताल अतिही अभिरांम ॥ २१ ॥ इति त्रातिय ॥ द्वै लघु ओर एक द्रुत किय (इति चतुर्थ) द्वे द्वे द्रुत अतही सुन्दर होई पंचम ताल कहे सब लोई इति पंचम प्लुत जुग गुरु जुग अरु लघु एक ॥ यो निसंक लिलाकी टेक ऽ ऽ ऽ ऽ ॥ २२ ॥ ईसी तरहसें सब तालोका वर्णन व्याकरण रीतीसें दोहा छंदोमें हैं परन्तु ग्रंथ बढताही जाय इसी कारणसे उन्ही, दोहाछंदो, मेसे, सारां स लेकर, तालोका बोल बनाकर मात्रा चिन्ह अरु ताल सहित लीखी है ॥

गीनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्ध नाम
३८	वनमाली ताल	२४	८	o o o o I o o S	
३९	वृंम्ह जोग	२८	१०	I o o o I o o I o I	
४०	चंचपुट (चश्चत्पुट)	३२	४	S S I S̀	
४१	चाचपुट	२४	४	S I I S	
४२	खट्ट पिता पुत्र	४८	६	S̀ I S S I S̀	
४३	संपक्केष्टा	४८	५	S̀ S S S S̀	
४४	उद्घुट	२४	३	S S S	
४५	पंचम	१६	५	o I o I I	
४६	निशङ्क लील	४८	६	S̀ S̀ S S I I	
४७	खट	१६	६	I o I o o o	
४८	अट्ठ मुर्खी	२२	८	o I o I o o o I	अट्ठमंगल
४९	दर्पुन	१२		o o S	(इकताला)
५०	रति लिला	२४	४	I I S S	यह चोताला कामेलहै
५१	श्रीरङ्ग	३२	५	I I S I S̀	सिर्फताल आगेपीछे
५२	हंस लील	५	२	o ŏ	
५३	गज लीला	१५	४	I I I ŏ	(असवारी)
५४	प्र. चर्च्चरी	४०	१७	o ŏ o ŏ o ŏ o ŏ o ŏ o ŏ o ŏ o ŏ I	
५५	द्व. चर्च्चरी	१०४	३२	I o I ŏ I o I ŏ I o I ŏ I o I ŏ I o I ŏ I o I ŏ I o I ŏ I o I ŏ	
५६	गज चुडामणी	३२	९	o o I I I o o I S	(चूडामणी)
५७	सिंह नन्द	१२४	२१	S S I S̀ I S o o S S I S̀ I S̀ S I I ŏ ŏ ŏ ŏ	
५८	सिंह नांद	४०	६	I S S S I S	
५९	मंठ	७२	११	I I S S S̀ o o S S S S	
६०	मल्लिका मोद	१६	६	I I o o o o	

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्ध नाम
६१	भ्रमण ताल	३८	९	ᴗ ᴗ ᴗ ᴗ ० । ऽऽ ऽ̀	
६२	धुमाली	७	४	ᴗ ᴗ ० ०̆	
६३	सूर्य्य ताल	३६	१२	। ० । ० ० । ० ० ० ० ० ऽ	
६४	मकरन्द ताल	३२	१०	० ० । । । ० ० । । ।	
६५	प्रति ताल	८	३	। ० ०	तिताला
६६	विन्दु मालनी	४२	६	ऽ ऽ ऽ ऽ ० ऽ	
६७	नन्दन	१६	४	। ० ० ऽ	
६८	मंठिका	२४	३	ऽ । ऽ̀	
६९	दुतिय मंठिका	१३	४	। । ०̆ ०	
७०	उद्दीच्छन	१६	३	। । ऽ	धीमा तिताला
७१	ठेकी	२०	३	ऽ । ऽ	मूलसे मेलहै
७२	विषम	१८	८	० ० ० ०̆ ० ० ० ०̆	
७३	वर्ण मंठिका	२०	७	।। ० ० । ० ०	मेल चोताला तितालाका
७४	अभीनन्द	२०	५	। । ० ० ऽ	
७५	अनंग	३२	५	। ऽ̀ । । ऽ	
७६	नान्दी	३२	७	। ० ० । । ऽऽ	
७७	मल्ल ताल	२१	६	। । । । ० ०̆	
७८	पूर्ण	२०	६	० ० ० ० ऽ ।	
७९	समकंकाल	२०	३	ऽ ऽ ।	ठामूल फागताका उलटाव
८०	विषम	२०	३	। ऽ ऽ	” ”
८१	कुमद	२०	५	। ० ० । ऽ	
८२	चतुस्ताल	१०	४	। ० ० ०	(चोहोरा)
८३	द्वन्द	१८	६	। ० ० । ० ।	

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्ध नाम
८४	अनङ्ग	१६	२	| ऽ̀	(गजल)
८५	रायवंक	२४	५	ऽ | ऽ ० ०	
८६	बसंत ताल	३६	६	| | | ऽ ऽ ऽ	
८७	लघुशेषर	७	२	| ०̆	
८८	प्रताप शेखर	१७	३	ऽ̀ ० ०̆	
८९	पार्वती लोचन	६०	९	ऽ ऽ ऽ | ऽ̀ ऽ ऽ ० ०	
९०	लीला	१८	३	० | ऽ̀	
९१	गारुगी	९	४	० ० ० ०̆	
९२	राजनारायण	२८	६	० ० | ऽ | ऽ	
९३	लक्ष्मीश	२१	४	० ०̆ | ऽ̀	
९४	हंस ताल	१४	४	| ०̆ | ०̆	
९५	पर्ण	१२	४	| | ० ०	चोताला
९६	सिंघ	१८	५	| ० | | |	
९७	चन्द्र ताल	१८	६	| ० ० ० | |	
९८	चंद्रकला	६०	६	ऽ ऽ ऽ ऽ̀ ऽ̀ ऽ̀	
९९	लय ताल	६८	७	ऽ | ऽ̀ ऽ̀ ऽ̀ ऽ ऽ̀	
१००	स्कंद	३२	६	ऽ | ऽ ० ० ऽ	
१०१	द्वंद्व	४८	७	| | ऽ ऽ ऽ | ऽ̀	
१०२	मुकुंद	२०	६	| ० ० ० ० ऽ	
१०३	कुविन्द	३२	६	| | ० ० ऽ ऽ̀	
१०४	कलध्वनी	३२	५	| | ऽ | ऽ̀	
१०५	राजमृगांक	१६	४	० ० | ऽ	
१०६	फंद ताल	२०	३	ऽ̀ | |	

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्धनाम
१०७	राजमार्तंड	१४	३	ऽ । ०	
१०८	सारंगदेव	४०	६	० ० । ऽ ऽ ऽ ।	
१०९	चित्र ताल	२	१	०	
११०	इडावान	१४	५	० । ० ० ।	
१११	कुलताल	४२	१३	० । ० । ० । ० ० ० । ० ० ० ० ।	
११२	शक्ति	१२	४	० ० । ।	उल्टा चौताला
११४	महाशक्ति	४२	१४	० ० ० । । ० ० । ० । ० । । ।	
११४	सिंह विक्रम	६०	७	ऽ ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ	
११५	प्रत्यङ्गताल	३४	१३	० ० ० ० ।। ० ० ० । ० ० ।	
११६	श्रम जयमंठ	२६	४	० । ऽ ऽ	
११७	कपाल मंठ	१५	३	। । ।	
११८	विजय ताल	७६	९	ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ० ०	
११९	करुणा ताल	१८	६	।। ० । ० ०	
१२०	सेंस ताल	१८	५	० ।। ।।	
१२१	मंगल ताल	१८	६	। । । ० ० ०	
१२२	हनुमान ताल	२२	८	।। ० । ० ० ० ०	
१२३	भैरव ताल	२२	७	।। ० । ० ० ।	
१२४	छोटी सवारी	२४	३	ऽ ऽ ऽ	
१२५	कल्याण	२४	१०	। ० । ० । ० ० ० ० ०	
१२६	आनन्द	२८	९	।।। ० । ० । ० ०	
१२७	चक्र ताल	३०	४	ऽ । ऽ ऽ	इसमे छेली तालकी खालीपे
१२८	अर्जुन ताल	२०	७	। ० । ० ० । ०	[सम पडताहै

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्ध नाम
१२९	पठ ताल	३२	३	ऽऽ×	यह धीमा तितालाहे परन्तु इसमे खालीपर सम पडताहे
१३०	माहाइच्छा ताल	५६	१२	॥०।ऽ।ऽऽ।।।०	
१३१	कंदर्प लील	२८	६	००।।ऽऽ	
१३२	वीर विक्रम	१६	४	।००ऽ	
१३३	रंग ताल	१६	५	००००ऽ	
१३४	वर्ण भिन्न	८	३	००।	
१३५	त्रिभिन्न ताल	२८	४	।।ऽऽ	इसको गाठ चोतालाभी [कहतेहें
१३६	रंगोयोत ताल	४०.	५	ऽऽऽ।ऽ	
१३७	रंगप्रदीप ताल	४०	५	ऽऽ।ऽऽ	
१३८	राज्ञ ताल	४४	७	ऽऽ००ऽ।ऽ	
१३९	अश्ववर्ण	२०	६	॥००॥	
१४०	मिश्रवर्ण	४७	१५	०००ॅ ०००ॅ ०००ॅ ऽ।ऽ	
१४१	चतुश्रवर्ण	२४	५	ऽ।००ऽ	
१४२	झयताल	४०	७	ऽऽ।।००ऽ	
१४३	हंसनाद	३२	५	।ऽ००ऽ	
१४४	ओर भातिको मंठ द्विातिय	३६	८	।।।।।ऽ।।	
१४५	कोकिल प्रिय	२४	३	ऽ।ऽ	
१४६	निसारु	१०	२	।०	हंसचाल
१४७	राज्ञ विद्याधर ताल	१६	४	।ऽ००	
१४८	ताल मल्लिका	१६	६	।।००००	
१४९	विजयानन्द	३२	५	।।ऽऽऽ	
१५०	क्रिडा ताल	५	२	०ॅ	

गीनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्धनाम
१५१	झपश्री	३२	५	ऽ । ऽ । ऽ	
१५२	कीरत ताल	२८	४	। ऽ̀ ऽ ।	
१५३	नन्दनी	२०	४	। ० ० ऽ̀	
१५४	दीपक	२८	६	० ० । । ऽ ऽ	
१५५	ठेकी ताल	२०	३	ऽ । ऽ	मुद्ध सुर फागता
१५६	खंडताल	२०	४	० ० ऽ ऽ̀	
१५७	मम कंकाल	२०	३	ऽ ऽ ।	उल्टसूल
१५८	विनम कंकाल	२४	४	ऽ ऽ ।।	टा चोताला
१५९	कुमन्द ताल	२०	५	। ० ० । ऽ	
१६०	चतुश्रताल	१४	४	ऽ ० ०̆ ०	
१६१	झोत्रंडि	७	२	। ०̆	
१६२	झंप	१०	३	०̆ ०̆ ।	
१६३	जग झंफा	१५	४	ऽ ० ० ०̆	
१६४	चतुर्मुख	१८	४	। ऽ । ऽ̄	
१६५	मदन ताल	१२	३	० ० ऽ	
१६६	प्र. प्रतिमंठ	८	१	ऽ	इकताला
१६७	द्र. प्रतिमंठ	११	२	०̆ ऽ	
१६८	रति ताल	१२	२	। ऽ	
१६९	ललित	१६	४	० ० । ऽ	
१७०	ललित प्रिय	२८	५	।। ऽ । ऽ	
१७१	श्रीनन्दन	२८	४	ऽ । । ऽ̀	
१७२	वर्द्धन ताल	२०	४	० ० । ऽ̇	
१७३	पट्टताल	१२	६	० ० ० ० ० ०	

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्धनाम
१७४	अंतर क्रीडा	७	३	o o ŏ	
१७५	उस्राद	१६	२	। S̆	
१७६	त्रिभंकित	३६	५	S o o S̆ S̆	
१७७	झगताल	२१	५	। । । । ў	
१७८	पर्ण ज्ञित	१२	४	। । o o	येभी चौताला
१७९	चन्द्र ताल	१८	६	। o o o ॥	
१८०	द्रुताली	१२	४	o o । ।	,, ,,
१८१	धात्रा	२४	६	॥ o o । S	
१८२	गौरी ताल	२०	५	। । । । ।	
१८३	सरस्वतीकंठा भरण	२८	६	S S । । o o	
१८४	भग्न ताल	२३	७	o o o o ў ў ў	
१८५	कन्दुक ताल	५	२	o ŏ	
१८६	ब्रह्म ताल	२८	१०	। o । o o । o o o ।	
१८७	कुंभ ताल	२२	१०	o o o o o ᵕ o । o ŏ	
१८८	रिछा ताल	७	२	। ŏ	
१८९	लक्ष्मी ताल	३६	१८	o o । ᵕ ᵕ o । o o ᵕ ᵕ o ᵕ o o ᵕ o ।	
१९०	सेखर ताल	२८	९	o ॥ o o । o ॥	
१९१	कल्याण ताल	२०	१०	o o ŏ ᵕ o ᵕ o o o ŏ	

इती सारंग देव मत समाप्त

कलिंग मत सुक्षम लिखेहै

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	
१९२	चंद्रताल	३६	१२	‖ ० ०̆ ० ० ० | | | ० ०̆	
१९३	जयमंठ	१६	३	| S |	
१९४	रूपक	२	३	| ० ०̆	
१९५	झंपक	११	४	० ०̆ ० |	
१९६	अट ताल	१२	४	० ० | |	उलट चौताला
१९७	इकताली	११	३	| ० ˘|	
१९८	संचताल	१४	४	० | | |	चपक
१९९	मुग्वरीताल	१३	४	| | ० ०̆	
२००	त्रिष्णु मन्तातर	१४	७	˘ ० ० ˘ | ० ०	
२०१	धनंजयमंठ	२२	३	० S S̀	
२०२	झुमर ताल	११	३	| | ०̆	
२०३	सालगमंठ	२२	६	० | | | | |	
२०४	मागम मंठ	४४	८	S | S̀ ० ० S | |	
२०५	रवि मंठ	३५	७	S | S S | ५ ५	
२०६	श्रीमंठ	३२	८	‖ ० ० ० ० S S	
२०७	रंगुमंठ	३२	६	S S ० S ० |	
२०८	षटुमंठ	२७	६	S S | | ५ ५	
२०९	गिरवान मंठ	३६	५	| S | S̀ S	
२१०	कपाल मंठ	१५	३	˘| ˘| ˘|	
२११	विमाल मंठ	२२	७	| ० ० | ० | |	
२१२	वल्लभ मंठ	२०	३	S | S	
२१३	चित्र मंठ	१०	२	० S	

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह
२१४	शनि मंठ	४	२	० ०
२१५	कराल मंठ	१६	६	I S S I I S
२१६	वर्ण मंठ	२४	८	I I ० ० II ० ०
२१७	कलिंग मंठ	१०	३	० I I
२१८	रुचिर मंठ	६	२	ॅ० ॅ० (दादरा)

नांद समुद्रके तरनको
सरस्वती करत विचार।
हिय मे द्वै तुंबा धरे सौ
उन पावत पार ॥ १ ॥

१२॥ ताल मुख्य हैं एसाभीकोइ मत
वालेने कहा हैं श्लोक ॥ मूल त्रिकुट
धम्मार ध्रुव चौताल रुद्रकः सवारी
रूपक वृह्म लक्षमी मंट स्तथै वच ॥१॥
गणेश द्वादस प्रोक्तंश्चार्थं ताल झुमरः
तालानाम वादने संख्या कथितां
वाद्य वादकै ॥ २ ॥ ॥

और अंगीरा रूषी मतमे सात ताल ही मुख्य कही हैं

श्लोक

ध्रुव मंठ या रूपकंच झंपा त्रिकुट एवच । अट ताल एक एक तालीच सप्त ताल प्रकिर्तिताः ॥ १ ॥

कुंडल जुग व्यापक शसि झनी निहारं लघु एक माझ सर गुरु अंग गुरु कनका चल सुखटेंक । कनका चल सुख टेंक चारु नीःस्याष्ट निझानहु वलय चारु जुग मेरु हार लघु अंग ठानहुं दंड वक्र सर श्रृंग भृंग लघुसु वेद मंडलकं ॥ S S । S S S S । S । S S S ॥ ५ ५ ० ० ० ० ॥ S ५ ५ इति प्रथवी कुंडली ॥ १ ॥

कवित्त ॥ कंचनको गिर शसि सुत गुरु मेरु अंग हार दंड नृपर दिपति अति आनिये ॥ व्यापक त्रिमात्रक जुगन रचि कंकन तीन ठोर एक वान मगन ही ठानीयें ॥ सामझ नरांच वंक मिली मुख सोम झार्ता कुण्डल तीन अरु टार्य निझानियें ॥ लघु भृंग वलय जुगल लघु अ सवन्ध धर चारियें पाताल कुण्डली वखानीये । S S । S S । S S S S SSS । S S S S । SSS । S ० ० । ५ ५ इति पाताल कुण्डली ॥ ॥ मरजुग हार सर सोमझ मगनमर मांमज सरलगुरु भृंगी गुरु रांमजू । तीन अंग मगन तगन आनन्दी पति जुगल रचि अभिरामजु तगन बनाय तीन उर लघुहार तीन मेरु अङ्ग सर चार वङ्क सुख धामजु वेद लघु अमवद और धरि अन्तर्हामें तार होइ इन्द्र लोक कुण्डली सुनाजु ॥ S । S S SS । S । S S S S S S S S S । S S S S S S । S S S S । S S । S S S । S ॥ ॥ S ५ ५ इति इन्द्रलोक कुण्डली ॥ ॥ नगम भगन अरु झगन पुनि तगन सगन रधिबान यगन मगन गनि वाहुरीहू विष्णो ताल प्रमान । S ॥ । S । S S ॥ । S S [illegible] तन्दा ० [illegible] झिथरी ० कुन्द कुन्द कुकुन्द धा तकुकु नककुकु झगनग नककुत्था ढिंकुकु ० झीकुकु ० थरींथो कुकु ० झेझे ० झेकुकु किटिनक धरि किटि ० किटिथरी थों किटि किटि थुं थुं थुं किटि नकिटि न किटि जकिटि जग जग० जक० थरी किणजग किणज थरी नक कित्था । ॥ इति विष्णो ताला और ताल अनंत हैं तिनको ग्यान प्रकार ॥ हो अब कछुक केहत हों करकं ग्रंथ विचार ॥ ४ ॥ ॥ प्रस्तारही पहले कहों पाताल ही पुनि जानि ॥ द्रुत लघु प्रुत को कहों [illegible] खंड विस्तार ॥ ५ ॥ [illegible] मेरुनमे बहुरि गुनिजन मिष्ट ॥६॥ नष्टनालके [illegible] आय । आधि डंके अधि लखिहु अलप अंगाचित चाह ॥ ७ ॥ पुनि उपर जो अंग हैं तेइ नीचे आनि । सम अंग वाइ लिखहु वर क्रम

ठान ॥ ८ ॥ यह विध वार वार कर जोलो सव द्रुत होय ॥ यो प्रस्तार प्रकारको कहे साङ्गिनी लोय ॥ ९ ॥ इष्ट तालके द्रुतनकी संख्या चित्तमे आनि ॥ अंग पती तिन रच्यों यहविध मनमे जान ॥ १० ॥ एक कहै क्रमते लिखो योही कहे कवि लोग ॥ द्वतिय चतुर्थ अष्टकों अंत ही मे कर जोग ॥ ११ ॥ चोथो छठहो जो नही लइये । तीजो ओर पञ्चम तव गहीयों ॥ इनको जोगही आगे धरीये ता पाछे पुनि या विध करीये ॥ १२ ॥ अंकन की संख्या चित आनि ताल भेद तु तेह मान ॥ १३ ॥ निजु अंकन के जोगते होय अंकको रूप तिन अंकनते भेद लिखी कहीये अतही अनूप ॥ १४ ॥ भेद अणुद्रुत पहले जान पाछे भेद अति लघुमान ॥ १५ ॥ वहुर अंत गुरू भेदन लेखि पुनि प्लुत अंत भेद अवरेख ॥ १६ ॥ इति सुची ॥

१	२	३	६	१०	१९	३३	६०	१०६	१९१	१२	१४०
६१०		१०८९		५०		३५८५		६३६३		१११५०	

प्रश्न करे प्रस्तार हि रूप गुनीजन याको कहत हैं नष्टक प्रष्ण अनूप ॥ १७ ॥ जे ते द्रुत प्रस्तारमें प्रष्ण करे को उआय ॥ अंक पाती लितनी करके हु वहु भातन चितलाय ॥ १८ ॥ नष्ट अंकको अन्तमें दीजे जिमत घटाय ॥ पूरव पूरव अंकको शेषही मध्य नसाय ॥ १९ ॥ पूरव अंक जे नहीं घटे तो अपातित द्रुत होय ॥ अंक घटे लघु पाइये योजू कहें सव कोय ॥ २० ॥ इकइ अंतर सो घटे इक इक लघु हें होत ॥ अंक निरंतर द्वै घटे तव गुरु करे उद्योत ॥ २१ ॥ तीन अंक एकसम घटे के द्वे सम घट जाय ॥ एक छाड आगे लो घटे तो प्लुत गुनि कहाहि ॥ २२ ॥ अंक अभावो होत जहा वहां लीजे द्रुत लेखि ताल सम्पूर्ण किजियै यो नष्ट ही अव रेखि ॥ २३ ॥ रूपही लपि पुछे जवही या संख्या आनि ॥ ता प्रष्ण ही कों मिततुं उदीष्ट ही कर जान ॥ २४ ॥ इति उद्दिष्टं ॥ तिरछी रेखा तीन करि उपरकी चित्त ग्राहि ॥ लिखि सुचीके अन्त तू प्रथम पंती अवगाहि ॥ २५ ॥ अंत द्वतिय अरु तुमको छठ एसो कर जोग ॥ कर उरधके अङ्कको याहीमे संजोग ॥ २६ ॥ जो नही पावे चोथो छठओर [illegible] जोग

पंचओं ।। या विधतू पाताल बनायः सकल गुनिनको मनही रिझाय ।। २७ ।। अंत द्वतिय चोथे छठये पुनि भेद द्रुतादिक कृम हीते गुन ।। पाच अंक के गू० रे पतार सब हिनु कियो यह निरधार ।। २८ ।। ।। इति पाताल ।। ।। इष्ट ताल द्रुत

१	२	३	६	१०	१९	३३	१०६	१०९	१३६०
१	२	५	१०	२२	४४	९१	३५१	८६९८	१३६०

परिमिति धाम पहिले ही अति अभिराम ।। तिरछी पंती मित यह होय ।। यो ही कहे सकल कर्वा लोय ।। २९ ।। एक गहे घटितापर पानीं तापर द्वै भर घर या भांति ।। द्वै द्वै आदि धाम हैं जेइ अेक अंक सो भरतु तेइ ।। ३० ।। त्रतिय आदि घर जेहे रहे चारु जोग० ।। सोत उग्रह उपरकी आवली जवचो चारु जोग सो ते उरवचो ।। ३१ ।। जो कछु विशेष रहे तिनमे सो हो कहों ठानि आखिनमे ।। अंत अंक तव ० छाडि दै नहचे लेकर निज चित्त ।। ३२ ।। द्वतिय आदिजे पंति है उरधको तिन मांहि मम घर पूरण जब करे अंतही लीजे ताहि ।। ३३ ।। अंत अंतमें के अधहोको अंकु आनि कर जोग ।। मति निध हूं को काजु नहीं कहे सबे कवि लोग ।। ३४ ।। सम आवलमे प्रथमहीः हीन द्रुत कहे रूप ।। बहुस्यो सम वादिक कहें यो द्रुत मेरु अनुप ।। ३५ ।। उरधि पंतिही को कर जोरे लहितू सब संख्याको ओर ।। ३६ ।। इति द्रुत मेरु ।। कोष्ट.पंति लघु मेरुमें पहले नाइ ठानि ।। एक एक घर जुगतकर एक अंक सो आनि ।।३७।। प्रथम पंक्तिके शेप घर यह विध बहुस्यो लेखि ।। अंति तुर्य्य ओर पष्टको जोगुताहा अतिरोखि ।। ३८ ।। ओर शेप जो कोष्ट हे तिनमें धरि भेद जोग विसेस कह्यो योजानिये द्वतिय अध हं संजोग ।। ३९ ।। प्रथम पंतिमें

०						
०	०	१	१			
०	२	२	५	६		
१	१	३	४	६	१४	
१	१	०	२	५	४	१२

[illegible]

॥ ४० ॥ प्रथमहिन लघु जानिये बहुस्यो एक बखान बहुस्यो द्रे लघु ठोर लघि तीन आदि पुनि जानि ॥ ४१ ॥ इति लघु मेरु ॥ प्रथमा बलि ते दुसरी

१	५	१५							
१	४	१०	२०	३९					
१	३	६१०	१८	३६	३४				
१	२	३	४	७	१२	२१	३४	५०	
१	१	१	२	३	५	७	१०	१४	२१

गुरु मेट्ट पै हीन यह विध आगे रचना कीजे हीन गुरादी रूप लिख लीजे ॥ ४२ ॥ ॥ इति लघु मेरु ॥ इति गुरू मेरू ॥ प्रुत मेरू हूंप किजि ये प्रथम पंति ते घाट पाच धारनि दूरी यगति पुनि पद्र पद्र तु ठानि ॥ ४३ ॥ अंन्य द्रतिय अरु तृयं को जोग लिखो अधि पंति एक एक अंक

१	३	०	२२							
१	२	५	१०	२०	३८	७२	१६			
१	२	३	५	८	१४	२३	३९	६२	१०९	१८०२

हीं लिखां पथम घरनि या भंति ॥ ४४ ॥ इति प्रुतमेरु ॥ हरि वल्लभ भाषाग्न्यो सत्र संगीत को सार ताम संपूर्ण भयो येह ताल विस्तार ॥ ४५ ॥

अब तबलाके बोल त्था गत सुक्षम रितीसे लिख हें

गत पंजाबी (धीमा तिताला)

| ऽ

धीं इ म नाड धि ना तिं इ ग ता ता तीं इ ग धि इ न्ना तिं इ ग ता ॥

१ २ ३ ४ ६ ७ ८ १० १२ १३ १४ १६ १८ २० २१ २२ २३ २४ २६ २८ २९ ३० ३२

| ऽ |

धींइन धिनाक धिनगिन धा गिन धिनक तींइन ति ना क तागं त्रक धि

२ ३ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १५ १७ १८-२०-२१ २३-२४ २५ २६

ना क धि ना क ॥ मोहरा दुगण लयका ॥

२७ २८ २९ ३१ ३२

तागंतुना किटितक ता दि टि कि टि तक तर किटितक ता किटितक ॥

[illegible]

कत ॥ १ ॥ ॥ धागिन धात्रकूड धिनधिन धागेन धात्रकूड, तागेन ता त्रकड तिन गिन धागेन धा त्रकूड ॥ २ ॥ ॥ धात्रकिटि धा ति टि धिन धिन गिन धात्रकिटि धा तिठ धिना तुनाकत ॥ ३ ॥ ॥ धिनाआऽ धागिन धिन धिन धागिन धात्र कूड तिनाआ ऽ तागिन तिन गिम तागेन ता त्रकड ॥ ४ ॥ ॥ धिन धि धिनक धिन धागे त्रकड तुनां कत । तागे त्रकड धिन धि धनक धिन धागे त्रकड ॥ ५ ॥ धाआ त्रक धिन धिन२ ताआ त्रक तिन गिन ॥ ७ ॥ ॥ धागिन् धिनक धिन गिन कत गद्दीगन्ः ता गिन तिनक धिन गिन कत् गद्दीगन ॥ ८ ॥ किड्धक धी धिटि धागे तिटि कत गद्दीगः किडधक धी किटि तागे तिटि कतगद्दीगन ॥ ९ ॥ नेअ धड़ान ता धिडान धा धा धड़ान धा धा तुन्ना किटितक नग तरकिटि तक तकतरकिटितक धड़ांन धा धा तुन्ना किटितक ॥ १० ॥ ॥

तोडा ॥ तअ तता किटितक २ धीड़ धीधा किटितक तरकिटितक धरकिटि तक धीन् ॥ १ ॥ ॥ धीन् धीन तिटि तिटि तागे तिटि धी धी तिटि धात्रक धी किटाः कतीटी धी धीनांग धीधीत्रकिड तक धा० ३ ॥ २ ॥ धीट२ धा कृत० तधी धतिटि कृतक धी किटि धीडनग धातीन् नानन नट तक दिंगन ताके त्रक तिन गिन धीट्ट तीट धागेत्रक धिन धिन गिन ॥ ३ ॥ ॥ तिर२किटितअः तिट २ किड्धन्ना नानाना धीडनग तरकिटितक धरकिटितक धा ॥ ४ ॥ ॥ तिटी धी धीनाड़ा धी धी थुंन ताआः धित्रकडतकधा३ ॥ ५ ॥ ॥

गत परण

धाःधिडाम धिन धिधिनक दिड़तक धात्रकिटि धीकिटि धिडनग धिन गद्दीगनः नगन२ नग तक तकः तिन २ धात्र किड़ धीतीटी धिडनग धिन गद्दीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धीडनग तिट धिडाणः धिडनम धिन धागिन धिडनः धिडनग धिन तुंना कतः तिनागिनकत तिना तुनाकत धागे तिठि धीडाण धगनगधड धगनग धड धा । २ ॥ ॥ धीडनग तिटि किटि धिडनग दीनतकः तिट धिडनग० दीनतक

तिनाअ ता ता तीनक्त तिनक्त तीटि तिटि तिटि तिटि धिडनग दीनतक

फिड़नग तिटि किटि किड़नग दिन्तकः तिटि धिड़नक२ दिन्तक धीनअ् धाड धा धिड़नग दिड़नक धिटि तिटि तिटि तिटि धिड़नग दिन्तक ॥ ३ ॥ ॥ चारधा का मोहरा ॥ धा। किटितकत्तअ् तिंना किटितक धात्ती धा। किटितक तअ् तिंना किटितक धात्तीधा ॥ १४ ॥ ॥

गत परण आड़ी लेकी

धाअ् धिनक तकिटि धिनक धाकिट्टितक धींकिटि धिन गदीगनः नगन२ तकिटि धिनक धाकिट्टितक धींकिटि धिन गदीगन ॥ इसकी दुगण करने से तिगुण लय होती हैं

धा ० ना ० धाकिट्टितक धींकिटि धाकिटितक धी किटितक धदीगनः धकिटि किटि किटि किटि किटि किटि तक धदीगन२ ॥ इत्यादि ॥

(चलत)

किड धा तीड धाड धातीन् नाक् किड ता ती धाड धातीन् नाक्। धाअ् धिन् धिन् ता धिनता तक तिन गिन धिन गिन कत गदीगन ॥ धिकित धाक नाडा धिकिती ताक नाडा। धुग्ड़नक धिन् धिनाना धुग्ड तक तीन् तिनाना धी कीत धाक नाडाः धि धिनाडा२ तिकित धाक नाडाः धी धी नाडा२। धिघनाडा४ किकिनाडा४ धिधनाडा ॥ धागे तिटिः तागे तिटिः तागेतिटि २ धागेतिटि तागे तिटि ॥ तिताला ॥ धी क्रिट्टितक् धिन्ना क्रिट्टितक् धिन्धिन् ना ती क्रिट्टितक् तिनना क्रिट्टितक् धिन धिनना ॥ धाः धिन्० धाधा धिन्० धाधा तिन्० ताता धिन० धाधाः ॥ २ ॥ ॥ धाकः धाधीनाना तिन् ताक ता धी नाना धिन् धाक ॥ ३ ॥ ॥ कव्वाली धाः धीक धीन्ना धीक धिन्ना तरकिटितक धा ॥ ४ ॥ ॥ ति धाः धीना२ तुनाक ताः तिना२ तुनाक ॥ ५ ॥ ॥ धाती दिध्धा धा तींना ताति दिध्धा धातीन्ना ॥ ६ ॥ ॥ धिन् नांगिना धिन्ना किटितक तिन् नांगिना धिन्ना किटितक ॥ ७ ॥ धाती धाक धातीनाक ताती धाक धाती नाक ॥ ८ ॥ धा धीन धाधा तीन तिन तातीन धाधा तिन तिन ॥ ९ ॥ ॥ धागे धिन्२ नागे

[illegible]